

The Coarette of

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 24, 1979 (AGRAHAYANA 3, 1901)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था दो जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Soparate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंद्रक और महालेखापरीक्षक, संब लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptreller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा भ्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1979

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा०-III-इस कार्यालय की समसंख्यक ग्राधसूचना दिनांक 10 दिसम्बर, 1979 में आणिक ग्राशोधन करते हुए संघ लोक सेवा ग्रायोग में के० स० स्टे० से संवर्ग के श्री ए० गोपालकृष्णन को राष्ट्रपति हारा 16 ग्रक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रावेश तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में डेस्क ग्राधकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

- 2. इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिक्षियूचना विनांक 10-10-79 द्वारा श्री बी० बी० मुर्मू को डेस्क श्रिधकारी के पद पर 10-10-79 से की गई नियुक्ति को रद्द कर दिया गया है।
- 3. कार्मिक ग्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के का॰ ज्ञा॰ सं० 12/1/74-सी॰ एस॰ (I) दिनांक 11-12-75 की शतौँ के श्रनुसार श्री ए॰ गोपालकृष्णन को रु० 75/- प्र॰ मा॰ विशेष वेतन मिलेगा।

दिनांक 26 श्रक्तूबर 1979

सं० ए० 12022/1/79-प्रशा०-I(i)—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में कार्यरत उप सिचव एवं भारतीय डाक सेवा के श्रिधकारी श्री बी० एन० सोम को 24 श्रगस्त, 1979 से श्रागामी श्रादेश तक संघ $^{\prime}$ लोक सेवा श्रायोग में संयुक्त सिचव (रु० 2000-125/2-2250) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 12022/1/79-प्रशा०-I (ii)—संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड प्रधिकारी एवं उप सचिव सर्वश्री एम० एम० प्रथी ग्रीर ग्रार० एस० गोयला को 24 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रावेश तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में रू० 2000—125/2—2250 के वेसनमान में संयुक्त सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 29 शक्तूबर 1979

मं० ए० 32014/1/79-प्रणा०-प्रिन्नमंघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में निम्निलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायको (ग्रेड-ग) वैयक्तिक सहायको (के० म० स्टे० से० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखी तारीख से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनन्तिम, ग्रस्थाई और तदर्थ आधार पर वरिषठ वैयक्ति सहायक (के० स० स्टे० मे० का ग्रेड-ख) के पद पर म्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:---

क्रम सं० न(म	धारित	न नियमित पद	पद जिस पर तद्दर्थ नियुक्ति की गई है	भ्रवधि जिस पर तदर्थं - नियुक्ति की गई है
1 2	4 % in	3	4	5
 श्री एस० पी० मेहरा श्री ग्रो० पी० देवरा 	स्थ तथ सह	स्टेनोग्राफर का गिनापश्च प यन ग्रेड गिस्थायी वैयक्तिक गुयक (के० स० स्टे० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-ख)	1-11-79 से 31-12-79 तक अथवा आगामी भ्रादेश तक जो भी पहले हो ।
3. श्री हुकम चन्द . 4. श्री एच० सी० कटोच 5. श्री टी० ग्रार० गर्मा	. स्था . तथ सह	स्टेनोग्राफर का नापन्न घयन ग्रेड ास्थायीवैयक्तिक हायक (कें० स०स्टे० काग्रेडग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख)	19-10-79 से 31-12-79 तक श्रथवा श्रागामी
6. श्री के० एस० भूटानी 🏅	(•	वैयक्तिक सहायक हे०स०स्टे०से०का इ.ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड खं)	भादेश तक जो भी पहले हो)

2. उपर्युक्त व्यक्तियों को यह अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर ह और उन्हें के० स० स्टे से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्तियाँ इस आधार पर की गई हैं कि इनका अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कर दिया जाएगा।

एस० बालचन्द्रन, श्रवर सचिवु संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 31 भ्रक्तूबर 1979

सं० ए०-31013/1/78-प्रशा०-1---राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से ग्रान्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त स्थानापन्न पुलिस ग्रधीक्षक श्री ग्राई० वी० रत्ना राव को स्थाई समाहृति हो जाने पर दिनांक 1-10-79 से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में मूल रूप से पुलिस ग्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-31013/1/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति भ्रपने प्रसाद से केन्द्रीय भ्रन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना के निम्न-लिखित स्थानापन्न पुलिस भ्रधीक्षकों को दिनांक 1-10-79 से केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में मूल रूप से पुलिस भ्रधीक्षक नियुक्त करते हैं:—

श्री तजीन्दर सिंह

श्री एम० डी० ग्रघरकर

श्री के० ए० राजागोपालन

श्री देस राज।

दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० ए०-19035/4/79-प्रशा०-5---निवेशक केन्द्रीय भन्वे-षण ब्युरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, श्रपने प्रसाद से श्री तिलक राज, श्रपराध सहायक, केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्युरो को दिनांक 6 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्मानापन्न कार्यालय प्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> की० ला० ग्रोवर, प्रशासनिक भिधकारी (स्था०) केन्द्रीय झन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 प्रक्तूबर 1979

मं० ग्रो० दो-1032/79-स्थापना--महानिवेशक केन्द्रीय रिजार्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना माई नायक को 9-7-79 से 28-8-79 तक केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० म्रो०-दो-1446/79-स्थापना---राष्ट्रपति श्री टी० विपाठी, उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा म्रधि-कारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री त्रिपाठी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महा-निरीक्षक श्रजमेर के पद का कार्यभार दिनांक 8 श्रक्तूबर, के पूर्वाह्न से सम्भाला।

दिनांक 5 नवम्बर 1979

सं० ग्रो०-दो-1100/78-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजावं पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को 18-10-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कैनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निवेशक (प्रशासन)

समन्वय निवेशालय

(पुलिस बेतार) नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1979

सं० ए० 12012/1/79-प्रशासन---निवेशक, पुलिस दूर-संचार, समन्वय निवेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित श्रिक्षकारियों को उक्त निदेशालय में श्रगले श्रादेशों तक स्थानापन्न प्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर वेतनमान में द॰ 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- नियुक्त करते हैं।

1. श्री एस० के० मल्होता

10-10-79 (पूर्वाह्म)

2. श्री एस० डी० फौजदार

10-10-79 (पूर्वाह्न)

छवपति जोशी निदेशक.

पुलिस, दूर-संचार।

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय भ्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1979

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक--दिल्ली में स्था-नान्तरित होने पर श्री चंदगी राम ने 21 ग्रगस्त, 1979 के ग्रपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० युनिट, जी० श्रो० एफ० गाजीपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ विया श्रीर उन्होंने 24 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट एच० ग्राई० एल० नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० **६**०-38013(3)/5/79-कार्मिक---गाजीपूर में स्था-नान्तरित होने पर श्री एन० के० ग्रानन्द ने 31 ग्रगस्त, 1979 के अपराह्म से के० औ० सु० व० यूनिट, आई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कर्माडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया भ्रौर उन्होंने 4 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट जी० ग्रो० एफ० गाजीपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> ह०/-अपठनीय महानिरीक्षक के० भौ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, विनांक 29 प्रक्तूबर 1979

सं० 11/29/78-प्रशा-1-22246---संघ लोक सेवा म्रायोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री जय कुमार वर्मा को तारीख 9 ग्रम्तूबर, 1979 के ग्रपराह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक सीधी भर्ती द्वारा, ग्रस्थाई क्षमता में सहायक निदेशक (तकनीकी) के पद पर सहुर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जय कुमार वर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा

दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1979

सं० 10/27/78-प्रशा०-1-22377—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री सदाराम प्रभास को तारीख 6 मक्तूबर 1979 के अपरान्ह से अगले म्रादेशों तक सीमी भर्ती द्वारा ग्रस्थाई क्षमता में सहायक निदेशक (ग्रांकड़े उपयोगी-करण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सदाराम प्रभास का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा। पी० पद्मनाभ महापंजीकार

सरवार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस श्रकावमी हैवराबाद-500252, दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० 15011/6/79-स्थापना—केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरों में पुलिस उप-श्रधीक्षक के० ग्र० व्यू०/वि० ग्र० से०, नई विल्ली के श्री एल० बी० राव ने वहां से भार मुक्त होकर सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस ग्रकावमी, हैंदराबाद में 22 श्रक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्म से अपराध ग्रनुदेशक (पुलिस उप-श्रधीक्षक) का कायभार ग्रहण किया। प्रथमतः वे श्रकावमी में कार्यग्रहण के समय से 3 वर्षों की ग्रवधि तक प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे तथा उनको रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रुपये के वेतनमान में वेतन तथा भत्ते मिलेंगे। साथ ही उन्हें 100 रुपये प्रतिमास विशेष वेतन तथा केन्द्रीय सरकार के नियमानुसार मान्य भत्ते भी मिलेंगे।

एम० भाई० एस० भ्रय्यर, कार्यकारी निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० 3678/ए०/प्रणासन/13/79—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं प्रधीनस्थ, लेखा सेवा के स्थायी श्री जे० सी० भाटिया, को, संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ, पूर्वी कमान, पटना, में दिनांक 15-10-79 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा प्रधिकारी के रूप में, अगले ग्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कें० बी० दास भौमिक संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएँ

रक्षालेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 31 भ्रक्तूबर 1979

सं० 28012(12)/78/प्रशा०-1(कप्रगे)—राष्ट्रपति, भार-तीय रक्षा लेखा के निम्नलिखित ग्रधिकारी को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से ग्रागामी भादेश क्यांना, सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री लाल जारलिम्राना 26-9-1979 (पूर्वाह्न)।

स्रार० एल० वस्मी रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

सरकारी ध्यय प्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 1979

सं० 1 (4)-ए० (3)/सी० पी० ई०/79—रक्षा लेखा विभाग के लेखा प्रधिकारी और वर्तमान में वित्त मंद्रालय के सरकारी क्यय ग्रायोग में प्रतिनियुक्ति पर ग्रनुसंधान ग्रधि-कारी, श्री ग्रार० एल० बंगा, ग्रधिवर्षिता की ग्रायु प्राप्त करने के फलस्वरूप 30 सितम्बर, 1979 दोपहर बाद से सेवा-निवृत्त होंगे।

दिनांक 5 श्रक्तूबर 1979

सं० 1(3)-ए० (1)/सी० पी० ई०/79--सरकारी व्यय भ्रायोग में वरिष्ठ भ्रनुसंधान ग्रिधकारी, श्री के० सी० भट्टाचार्य की सेवाएं विक्त मंत्रालय व्यय विभाग को पुनः सौंप दिए जाने पर, उनका नाम 15-7-79 दोपहरपूर्व से इस भ्रायोग के कर्मचारियों की सूची में से निकाल दिया गया है।

दिनांक 11 अक्तूबर 1979

सं० 1 (4)-ए०/सी० पी० ई०/79—राष्ट्रपति जी ने सैनिक रक्षा विभाग के सेवा निवृत्त लेखा ग्रधिकारी श्री ग्रार० एल० बग्गा को दोपहरपूर्व 1 ग्रक्तूबर, 1979 से 31 मई, 1980 तक बित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के ग्रंतर्गत सरकारी व्यय ग्रायोग में 700-1300 ह० के बेतनमान में ग्रमुसंधान ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 1 (8)-ए/सी० पी० ई०/79--विज्ञान स्रौर प्रौद्योगिकी विभाग से स्थानांतरण होने पर, उक्त मंत्रालय के (केन्द्रीय सिचवालय श्राशुलिपिक सेवा के ग्रेड 'बी') वरिष्ठ व्यैक्तिक सहायक, श्री बी० पी० ढींगरा को 25 सितम्बर, 1979 के दोपहरपूर्व से श्रगले श्रादेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 650-1040 रुपये के वेतनमान में सर्कारी व्यय सायोग में वरिष्ठ व्यैक्तिक सहायक (केन्द्रीय संचिवालय साशुलिपिक सेवा का 'बी' ग्रड) नियुक्त किया गया है।

जे० एन० कौल श्रवर सचिव (प्रशासन)

रक्षा मंझालय

भारतीय म्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 25 मक्तूबर 1979

सं० 52/79/जी०---वार्धमय निमृत्ति झामु (58 वर्षे), प्रान्त कर, श्री एस० पी० सिन्हा स्थानापन्त जी० एम० (एस॰ जी॰) लेवल-I मीलिक एवं अल्थायी जी॰ एम०-ग्रेड-I दिनांक 31-8-79 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए। वी॰ के॰ मेहता,

सहायक महानिदेशक, भाईनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक ग्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय निर्दे दिल्ली, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1979 श्रायात एवं निर्यात व्यापार निर्यक्षण (स्थापमा)

सं० 6/1294/79-प्रशासन (राज०)/7186--मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात एतव्द्वारा ग्रधीनस्थ अधिसूचना ब्यूरो, कलकत्ता में श्री एस० के० भट्टाचार्य, ए० सी० ग्राई० ग्रो०-को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक ग्रायात-निर्यात (श्रेणी-ख) के रूप में 27 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रगला ग्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से मियुक्त -करते हैं।

नियंत्रक के रूप में श्री भट्टाचार्य 650-30-740-35-810- द० रो० 880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० क बेतनमान में बेतन प्राप्त करेंगे।

> सी० एस० म्रायं, उप-मुख्य नियंत्रक, म्रायात-निर्यात

उद्योग मंस्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, विनांक 11/16 श्रक्तूबर 1979

सं० ए०-19018/2/218/75-प्रशासन (राजपितत)—— उड़ीसा शासन में प्रत्यावर्तन होने पर श्री डी० पी० भट्टाचार्य भारतीय प्रशासनिक सेवा (उड़ीसा-1964) में दिनांक 5 सितम्बर, 1979 (ग्रपराह्म) से लध् उद्योग सेवा संस्थान, कटक के निदेशक, ग्रेड 1 (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 15/17 भ्रक्तूबर 1979

सं० 12 (751)/72-प्रशासन (राजपित्रत)--राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के उप निदेशक (निर्यात संवर्द्धन) श्री एम० सम्पंगी को दिनांक 30 जून, 1979 (पूर्वाह्म) से धगले भ्रादेशों तक, विकास ध्रायुक्त (लघ उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड-1 (निर्यात संवर्द्धन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17/19 **प्रक्तूबर**, 1979

सं॰ ए॰-19018/359/78-प्रशासन (राजपन्नित)---राष्ट्रपंतिजी, राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, वैज्ञानिक एवं श्रीबीगिक श्रनसंधान परिषद्, जमशेदपुर के वैज्ञानिक "ग" का० मनजीत सिंह को दिनांक 11 ग्रक्तूबर, 1979 (पूर्वीक्स) से ग्रगले ग्रादेशों तक, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) के कर्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म), के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18/19 प्रक्तूबर 1979

सं० 12 (153)/61-प्रशा० (राज०)---राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम में प्रतिनिधुक्त होने पर श्री एन० ध्रार० लोध ने विनांक 24 सितम्बर, 1979 (ध्रपराह्म) से लघु उद्योग सेना संस्थान, श्रीनगर के निदेशक, ग्रेड-2 (धर्म/पादुका) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018 (410)/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्र-पति जी, श्री शम्भु नाथ दास को दिनांक 27 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रमले श्रादेश तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 23/24 प्रक्तूबर 1979

सं० ए० 19018 (416)/79-प्रशासन (राजपितत)— राष्ट्रपतिजी, श्री एस० सी० सकलेचा को दिनांक 17 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, शाखा लघु उद्योग सेवा मंस्थान, इम्फाल में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23/26 ग्रक्तूबर 1979

सं० 12 (21)/61-प्रणासन (राजपित्तत)—राष्ट्रपित जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इंदौर के श्री बी० वी० गुंडुराव, उप निदेशक (यांत्रिक) को दिनांक 24 सितम्बर, 1979 (भपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में निदेशक, ग्रेड-11 (यांत्रिक) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त, उप निदेशक (प्रशासन).

पूर्ति तथा पुनर्वास मंद्रालय पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० प्र०-15/28 (671)/79— राष्ट्रपति, भारतीय राजस्व. सेवा के श्री एम० एफ० ग्रालम को दिनांक 3 ग्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (पंजीयन) (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

.प्रशासन अनुभाग-1

दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1979

सं० प्र०-1/1 (1144)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निप-टान एतद् द्वारा श्री पाल जिबयर, धंधीक्षक को विनांक 3-10-79 के पूर्वीह्न से पूर्ति तथा निपटान निवेशक, मद्रास के कार्यालय में श्री के० बी० सिवराम कृष्णन् जो छुट्टी पर गये हैं के स्थान पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में की जाती है।

> के० एस० खोसला मेजर जनरल महासर्वेक्षक

इस्पात भीर खान मंत्रालय

(खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1979

सं० 7097बी० ए०-32014 (9-पुस्तकाष्ट्रयक्ष)/79-19-ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ सहायक पुस्तकाष्ट्रयक्ष श्री टी० कामेश्वर राव को, पुस्तकाष्ट्रयक्ष के रूप में, उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, तदर्थ ग्राधार पर, दक्षिणी क्षेत्रीय कार्याक्षय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, हैदराबाद के पुस्तकाष्ट्रयक्ष श्री ए० ग्रार० निक्रवर्ती, जो 11 मई, 79 के श्रपराह्म से 21 जून, 79 के श्रपराह्म तक छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर श्रवकाश रिक्ति में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7106-बी० ए०-32014 (11-म्राटिस्ट)/79-19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रधिक्षक (डी० म्रो०) श्री जी० वेंकटरामुलू को ग्राटिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, तदर्थ ग्राधार पर दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ग्राटिस्ट श्री ग्रार० एम० भट्टाचार्जी, जो 23-4-1979 के पूर्वाह्म से 12-6-1979 के ग्रपराह्म तक छुट्टी पर गए हैं, की ग्रवकाश रिक्ति में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहराद्न, दिनांक 29 म्रक्तूबर 1979

सं० सी०-5570/718-ए०—श्वी जे० पी० शर्मा, स्थाना-पन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, की नियुक्ति, 3 प्रक्तूबर, 1979 पूर्वाह्म से श्री एन० ग्रार० बोस, स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (तदर्ष ग्राधार पर) जो 30 सितम्बर, 1979 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर मध्य सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग जवलपुर में, स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (सा० के० से० ग्रुप 'बी') के

भारतीय प्राणि शास्त्र सर्वेक्षण विभाग कलकत्ता-12, दिनांक 17 प्रक्तूबर 1979

सं० एफ०-70-2/79-स्थापना/18631—श्री जे० टी० जोतीनायगम, वरिष्ठ, प्राणि विज्ञान सहायक, समुद्रीय जीव वैज्ञानिकी शाखा, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग, मद्रास को, सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपतित, द्वितीय श्रेणी) के रूप में ग्रस्थायी तदर्थ ग्राधार पर 650-1200 रु० के वेतन अम में उसी विभाग के समुद्रीय जीव वैज्ञानिकी शाखा, मद्रास में ही 1 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा॰ टी॰ एन॰ भ्रनन्तकृष्णन् निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग

विज्ञान भौर प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस भ्रोर थिमैटिक मानचित्रण संगठन

कलकता-700019, दिनांक 27 म्रक्तूबर 1979

सं० 35-2/78-स्था०—सर्वश्री ए० के० सरकार श्रीर दुर्गावास साहा ने राष्ट्रीय एटसल श्रीर थिमैटिक मानचित्रण संगठन में कनिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी (तदर्थं रूप में स्थानापन्न) का पद कमणः 17 श्रीर 11 श्रक्तूबर, 1979 को मध्यां ह्र पूर्व में खाली किया। सर्वश्री ए० के० सरकार श्रीर दुर्गावास साहा को उसी संगठन में शुद्ध श्रस्थायी श्रीर तदर्थ रूप में कमणः 17 श्रीर 11 श्रक्तूबर, 1979 के मध्याह्म पूर्व से वैज्ञानिक श्रधिकारी नियुक्त किए जाते हैं।

विनांक 31 अन्तूबर 1979

सं० 35-2/78-स्था०—श्री पी० के० ग्रधिकारी, जो वैज्ञानिक ग्रधिकारी के पद पर तवर्थ रूप में स्थानापन्न थे, राष्ट्रीय एटलस ग्रीर थिमैटिक मानचित्रण, संगठन म विभागीय पदोन्नत समिति की श्रनुशंसा पर भावी ग्रादेश होने तक 29-10-79 से उसी पद पर पदोन्नत किए जाते हैं।

एस० पी० वासगुप्ता निदेशक

राष्ट्रीय ग्रभिलखागार

नई विल्ली, दिनांक 31 प्रक्तूबर, 1979

सं० एफ०-11-9-79-ए०-1---ग्रिभलेख निदेशक, भाषत सरकार एतत् द्वारा श्री बी० सी० मैन, सहायक ग्रिभलेखा-धिकारी (ग्रेड-1) (सामान्य) को तदर्थ ग्राधार पर दिनांक -24-10-79 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी ग्रादेशों तक ग्रिभलेखा-कारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> बी० एस० कालड़ा प्रशासन भ्रधिकारी राष्ट्रीय श्रभिलेखागार कृते भ्रमिलेख निदेशक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई धिल्ली, दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1979

सं० 6 (110)/62-एस० एक—सेवा निवृत्ति की श्रायु पर पहुंच जाने के कारण, श्री एन० एन० प्रधान, कार्यक्रम भिष्पादक, ग्राकाशवाणी, कटक, 30 सितम्बर, 1979 के श्रपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

दिनांक 2 नवम्बर, 1979

सं० 4 (82)/77-एस०-1--श्री श्रार० पी० मीणा का त्यागपत्र स्वीकार हो जाने पर उन्होंने दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1979 (श्रपराह्म) से श्राकाशवाणी बीकानेर में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> नन्द किशोर भारद्वाज प्रणासन उप निवेशक कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1979

सं० ए०-12025/1/77-स्थापना—विज्ञापन ग्रौर दृष्य प्रचार निदेशक श्री समर कुमार घोष को सिनियर ग्राटिस्ट के पद पर ग्रस्थायी रूप से 25 ग्रक्तूबर, 1979 से ग्रगले भादेश तक नियुक्त करते हैं।

> जनकराज लिखी उप निवेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन श्रीर दृष्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर, 1979

सं० ए०-35019/1/78-(प्रार० एम० एल० एच०) प्रणासन-I---श्री बी० पी० पाण्डे ने 3 श्रक्तूबर, 1979 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया

भ्रस्पताल नई दिल्ली में कल्याण श्रधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> णाम लाल कुठियासा उप निदेणक प्रणासन (श्रो० एंड एम०)

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 79

सं०ए० 19019/10/79 के० स्वा० से०-I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ईश्वर दास को 3 प्रक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य, दिल्ली में होम्योपैथिक काय चिकित्सक के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष उप निदेशक प्रशासन (क्षे० स० स्वा०से०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय

मद्रास-6, दिनांक 11 भ्रक्तूबर, 1979

सं०-एम० म्रार०पी० यू०/200(20)/79—प्रशासन-परमाणु ऊर्जा विभाग के कय भौर भंडार निवेशालय के निवेशक, श्री गंगाधरन देवसिगमणि, भंडारक को क्रय भौर भंडार निवेशालय के निवेशक, श्री गंगाधरन देवसिगमणि, भंडारक को क्रय भौर भंडार निवेशालय के मद्रास परमाणु बिजलीघर -भंडार यूनिट में दिनांक 3-9-79 के पूर्वाह्न से श्रगले धादेण तक के लिए 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000- ई० बी०-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक श्रिष्ठकारी के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एम० ए० शेख, सहायक भंडार श्रिष्ठकारी के स्थान पर की जा रही है, जिनका तबादला तारापुर परमाणु बिजलीघर को हो गया है।

सं० एम० श्रार० पी० यू०/200 (223)/79/प्रशासन—निदेशक, ऋष और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री नेडुन्गाड प्रभाकरन, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्रौर स्थानापन्न ऋय सहायक को दिनांक 30-7-79 के पूर्वाह्म से प्रगले श्रादेश तक के लिए ऋष श्रौर भंडार निदेशालय के मन्नास क्षेत्रीय ऋष यूनिट में, रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 के वेतन-मान में श्रस्थायी रूप से सहायक ऋष श्रिष्ठकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी ऋय ग्रधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 22 अक्तूबर, 1979

सं ० डी ० पी ० - एम ० | 2 | 1 (5) | 77 - प्रशासन | 30780 - - इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 21 ग्रगस्त 1978 के तारतस्य में निदेशक, ऋष एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एस० ग्रार० वैद्य ग्रस्थाई भंडारी को स्मानापन्न सहायक भंडार प्रधिकारी पद पर, इसी निदेशालय में ग्रिप्रम समय 30 जून 1978 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

> सी० वी० गोपाल कृष्णन सहायक कार्मिक श्र<mark>िधक</mark>ारी

राजस्थान परमाणु बिशुत परियोजना कोटा, दिनांक 30 प्रक्तूबर 1979

सं० रापविष/भर्ती/7(9)/79/स्थ/681—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना हंजीनियर, विद्युत परियोजना हंजीनियरिंग प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थाना-पन्न सहायक लेखापाल श्री ग्रार० के० गर्मा को ∜राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में जुलाई 12, 1979 के पूर्वास्न से ग्रागमी ग्रादेश तक ग्रस्थायी तौर से सहायक लेखा-धिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते ह ।

ंगोपाल सिंह प्रगामितिक प्रधिकारी (स्थापना) वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद 500016, दिनांक 29 प्रक्तूबर 1979 सं० प० खा० प्र-1/7/79-प्रकासन—-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतदहारा रक्षा लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के एक अनुभाग अधिकारी, श्री जी० डी० बंसल, को परमाणु खनिज प्रभाग में 12 प्रक्तूबर 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आवेश होने तक प्रति-नियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अक्तूबर 1979

सं० प० खा॰ प्र-1/7/79-प्रशासन—परमाणु कर्जा विभाग के परमाणु खानिज प्रभाग के निर्देशक एतदहारा रक्षा लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के एक अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री एस० बी० बैनरजी को परमाणु खानिज प्रभाग में 6 अन्तुबर 1979 की अपराह्म से लेकरे अनले धादेश होने तक प्रतिनियुक्त परसहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अन्तूबर 1979

सं॰ प॰ ख॰ प्र-। 1/6/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विमाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निद्याक एनद्द्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आणुलिपिक तथा मद्राय परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापक अधीक्षक श्री आर० सुत्रमण्यन को परमाणु खनिज प्रभाग में 15 अक्तूबर 1979 की पूर्वाहन से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापक कप सहायक कार्मिक अधिकारी नियक्त करते हैं।

एम० एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लखा श्रविकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, 31, श्रक्तुवर 1979

सं० भाषाय/स्था०/1/वि-88/6165—भारी पानी परि-योजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवचरण हेरमा बिरवा, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रस्थायी श्रवर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (तलचर) के स्थानापस उच्च श्रेणी लिपिक को, उसी परियोजना में श्री पी० सी० मंथिय, सहायक कार्मिक श्रधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर श्रस्थायी रूप से तवर्थ श्राधार पर 23 श्रप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से 13 जुलाई, 1979 (श्रपराह्न) तक के लिए स्थानापस सहायक कार्मिक श्रधि-कारी नियुक्त करते हैं।

सं० भाषाप/स्था०/1/म-110/0166—भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-प्रविकारी, श्री डी० पी० माथुर, स्थायी लिपिक प्रथम श्रेणी तथा स्थानापन्न (लेखा) अनुभाग अधिकारी, पश्चिम रेलवे, जो इस समय भारी पानी परि-योजना (वडौदा) में सहायक लेखा अधिकारी प्रतिनियुक्त हैं, को उसी परियोजना में अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर 14 मई, 1979 से 23 जून, 1979 तक के लिए श्री आर० बी० कुलकर्णी के स्थान पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> ग्रार० सी० कोटियनकर वरिष्ठ प्रकासन प्रक्षिकारी

पर्यंटन स्रीर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 31 प्रक्तूबर, 1979

सं० ए०-32014/3/78-ई०-I---मौसम विज्ञान के महानिदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के सामने लिखी गई तारीखों से प्रगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं०	नाम					सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में निथुक्ति की तारीख	तैनाती-कार्यालय
1. श्री सिस्टा	विश्वनाथम		•			8-9-1979 (श्रगराह्न)	गोहाटी (प्रा० मौ० के ° कलकत्ता के प्रधीन)
, , ,	हुमार मेहरा दिनांक 4-5-79 हार्यरत हैं)	से श्रस्पाविधि	रिक्तिपर	स्थानापश्च	·	21-5-1979	प्रा० मी० केन्द्र, अस्बई

1	2				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		3	4
3.	श्री कृष्ण लाल कपूर						18-6-1979	प्रा० मी० केन्द्र, नई दिल्ली
4.	श्रीराधेण्याम पारीक	-			-		27-9-1979	प्रा० मौ० केन्द्र, वस्वई
5.	श्री ए० ए० फारुकी	•	٠	•	,	•	27-7-1979	गोघा, (प्रा० मी० केन्द्र बम्बई के ग्रधीन)
6.	थी कियोरी लाल भारदाज	٠	•		•	•	8-10-1979	उपमहानिदेश ह (उप- करण) नई दिल्ली
7.	श्री सत्य णरण ग्रवस्थी					٠	4-7-1979	ग्रहमदावाद (प्रा० मौ० केन्द्र बम्बई के ग्रधीन)
	may ang saka di Palipung, ang samapan di pung-ang sang sa sipengan ang sang sang	प्रस्ता प्रस्ताते । स्व १ ५ मा		# TETEL AL	ाळ को अस्ताहा र स		te de la general de la company de la balancia.	गुरुमुख राम गुप्ता निदेशक
								कृते मौराम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर, 1979

सं० ए० 32013/9/78-ई० मी०--इस विमाग की दिनांक 12-9-1979 की प्रधिसूचना सं० ए० 32013/9/78-ई० मी० के प्राणिक संगोधन में कम सं० 2 के सामने दिए गए इंदराजों का संगोधन करने हुए निम्न प्रकार पढ़ा जाए :---

क्रम सं०	नाम	"			तैनाती स्टेणन	तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि
2. श्री एच	ए० मेटी .		•	 -~ ·	वैमानि त संचार स्टेणन वेलगाम	20-11-79 के वाद फ्रीर 31-12-79 नक

ग्राए० एन० दास सहायक निदेशक प्रशासन इते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1979

सं ए० 32013/1/79-ईमी---राष्ट्रपति नेश्री बी० डी गरेकर, तकनीकी अधिकारी को जो इस समय मालदीव सरकार के पास विदेणी नेवा में कार्यरत हैं, दिनांक 26-9-79 (पूर्वाह्म) से प्रोकार्मा पदोन्नति की स्वीकृति दे दी

2. वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी/वरिष्ठ संचार श्रधि- कारी की संयुक्त पालता सची में ग्रेड में नियमित नियुक्ति की तारीख के अनुसार स्थान दिया जाएगा बणर्ने कि वरिष्ठ तकतीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड की परस्पर वरिष्ठता सूची बनाई जाती है और साथ यह भी णर्ने हैं कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उक्त परीक्षा में उनकी परस्पर परिष्ठता तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के स्था में नियुक्त के लिए भी संघारित की जाएगी।

सं० ए०-32013/8/79-ई० सो०--राष्ट्रपति ने निस्तिलिखित तीन सहायक तकनीकी श्रधिकारियों की प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख के छः माह के लिए श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :---

			~		ورواه والمستقول الساوي والمستور والمستور والمستور والمستقول والمستقول والمستور والمستقول والمستقول والمستقول	and the first state of the stat
ऋम सं० ना	म			मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनानी स्टेशन	कार्यभारसंभालने की तारीख
 श्री एस० के० का श्री एच० एस० ग श्री एच० एस० सं 	ह ले	•		वै ० मं० स्टेशन, ग्रगरतल्ला वै० सं० स्टेशन, सखनऊ रेडियो निर्माण तथा विकास एकका, नई दिल्ली	वै० सं० स्टेणन, कलकत्ता वै० सं० स्टेणन, लखनऊ वै० सं० स्टेणन, त्रम्बई	29-8-79 (पूर्वाह्न) 10-9-79 (पूर्वाह्न) 19-9-79 (पूर्वाह्न)
236G1/79						

सं० ए० 32014/4/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन, वैमानिक संचार स्टेणन ग्रहमदाबाद के संचार सहायक, श्री बी० बी० पटनाकर को दिनांक 27-9-79 (पूर्वाह्म) से नियमित ग्राधार पर सहायक संचार ग्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं ग्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेणन बम्बई में तैनात करते हैं।

लं० ए० 38015/79-ईसी---गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रणामितिक सुधार विभाग के दिनांक 23-5-78 के का० ज्ञा० सं० 13/1/76 ई० डी० पी० के पैरा 4 की णती के प्रमुसार स्वैच्छिक भेवानियांच लेने के फलस्वरूप थी एम० ए० वेणुगोपाल, तक्तीका प्रधिकारी, निदेशक, रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली ने दिनांक 9-7-1979 (पूर्वाह्न) को श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 2 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/6/78-ई० सी०—-राष्ट्रपति श्री पी० श्रनिल कुगार, संचार श्रीधकारी, वैमानिक संघार स्टेशन नई दिल्ली को दिनांक 28-9-79 (पूर्वाह्म) से नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं भ्रौर उन्हें महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के कार्यालय में तैनात करते हैं।

श्री पी अनिल कुमार को उच्चेतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ संचार श्रिकारी वरिष्ठ तकनीकी श्रिकितरी की संयुक्त पाञ्चना सूची में स्थानग्रेड में उनकी नियमित नियमित के श्रनुसार दिया आएगा, बणनें कि वरिष्ठ तकनीकी श्रिकितरी/वरिष्ठ संचार श्रिकितरी के ग्रेड में परस्पर वरिष्ठता कायम रखी जाती है ग्रीर इसके साथ यह भी गर्त होगी कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के ग्राधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त श्रिकारियों के मामले में उपरोक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी श्रिकारी/ संचार श्रिकारी के रूप में नियुक्त के लिए भी मानी जाएगी।

सं० ए० 32013/1/79-ई० मी०---राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो तकनीकी श्रधिकारियों को दिनांक 26-9-79 (पूर्वाह्म) मे वरिष्ठ तकनीको श्रधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं श्रौर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनान करते हैं।

ऋम सं० न'(म				, , , ,		मौजूदा नैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन
1. श्री डी० प्रताबनगन	*	,	4		*	निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली	निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, का कार्यालय, नई दिल्ली
2. श्री एस० पी० कोनार	٠	٠	٠	•	•	निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली ।	वही

2. इन विष्ठि तक्ष्तीको श्रधिकारियों को उच्चतर पदोन्नति के लिए विष्ठि तक्ष्तीकी श्रधिकारी/विरिष्ठ संचार श्रधिकारी की संयुक्त पालता सूची में स्थान ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति की तारीख के श्रनुसार दिया जाएगा बणतें कि विरिष्ठ तब नीकी श्रिधिकारी/विरिष्ठ संचार श्रधिकारी के ग्रेड में परस्पर विरिष्ठता कायम रखी जाती है और इसके साथ यह भी णते होगी कि इंजी-नियरी सेवा परीक्षा के श्राधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त श्रधिकारियों के मामले में उक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वारेष्ठता तक्षतीकी श्रधिकारी/मंचार श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी मानी जाएगी।

सं० ए०-32013/4/78-ई० मी०—इस कार्यालय की दिनांक 30-6-79 की ग्रिधसूचना सं० ए०-32013/4/78-ई० मी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो वरिष्ठ संचार ग्रिधकारियों की नदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई भ्रविधि के लिए ग्रीर ग्रागे जारी रखने की ग्रनुमित दे दी है:—-

ऋमसं०	नाम			 तैनानी स्टेशन	सदर्थ नि की अ	युक्ति विध	जारी	रखने
1. श्री ग्रार०	सी० चित्रकारा		,	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नागर विमानन विभाग,	30-6-79 17-7	के •79 तः	बाद क	श्रौर
2. श्री एन०	वी० माथुर	•	•	वम्बई एयरपोर्ट, बम्बई क्षेत्रीय संचार नियंत्रक, कलक् ला ।	26 -7 -79 2 -9- 7	•	बाद	क्षीर

दिनांक 3 नवम्बर, 1979

मं० ए०-32014/3/79-ई० सी० (भाग)⊶-महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तक्षनीकी सहायकों की प्रत्येक के नाम के मामने दी गई तारीख से तदर्थ ग्राधार पर सहायक तक्षनीकी ग्राधकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं ग्राँर प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेणनों पर तैनात करते हैं:---

क्रम सं० नाम		· — <u>—-</u>	मौजूदा नैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किए गए	कार्यभार संभालने की तारीख
1. श्री श्रो०पी० जुनेजा .	*	•	वै० सं० स्टेशन, प(लम	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	3-9-79 (पूर्वाह्न)
2. श्रीडी०डब्ल्यू०जैकव .			वै० सं० स्टेशन, पालम	वै० सं० स्टेशन, पालम	5-9-79 ,,
3. श्री एस० के० सेठ .			बै० सं० स्टेशन, मंदसौर	बै० सं० स्टेशन, मंदसौर	5-9-79 ,,
 श्री एम० शिवासुत्रमण्यम 	•		यै० सं० स्टेणन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	5-9-79 ,,
5. श्री प्र ≀र० जय रमन .	•		बै० सं० स्टेणन, मद्राम	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	5-9-79 ,,
 श्रीपी० वाई० जोसफ . 	•		वे० सं० स्टेशन, नागपुर	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	5-9-79
7. श्रीएच०डी०वाशिया .			वै० मं० स्टेणन, बम्बई	वै० स० स्टेशन, बम्बई	6~9~79 ,,
8. श्री डी० ग्रार० खाडिल्कर			वै० स० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	6-9-79

श्चार० एन० दास गह।यक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 26 ग्रक्त्बर, 1979

सं० ए० 32614/1/78 ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित सहायक विमानक्षेत्र प्रधिकारियों की तर्व्य प्राधार पर की गई नियुनित और 6 मास की प्रविध के लिए अर्थात् प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने नक, इनमें से जोभी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी हैं:—

त्रम नाम सं०	ग्रवधि	सैनाती स्टेशन
1. श्री एम० एम० भारद्वांज	₹ 9-4-80	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
2. श्री के० सी० विश्वास	8-4-80	दमदम
3. श्रीवी०वी० देवेकर	8-4-80	श्रह्मदाबाद
4. श्री एस० मण्यन	12-4-80	तिरुचिरापल्ली
 श्री एस० एल० विश्वास 	8-4-80	दम दम

सं० ए० 32014/4/79-ई०ए०— महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र प्रधिकारियों की तदर्थ श्राधार पर की गई नियक्ति की श्रावधि तारीख 31-3-1980 तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

क्रम नाम सं०	तैनाती स्टेशन
1. श्री सी० बी० यदनायक	बम्बई (सांताऋज)
2. श्री ए० सी० दास	मंगलूर
 श्री इंदरजीत सिंह 	कानपुर
4. श्री जी० बी० सिंह	सांताऋुज
 श्री जें० पी० कपूर 	पालम
 श्री ए० एफ० हेरबर्ट 	सांताऋुज
7. श्री पी० एम० धनराज	सांताऋुज
	वि० वि० जौहरी
	सहायक निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1979

सं० ए० 32013/3/79-ई० 1---राष्ट्रपति, इस विभाग के श्री बी० के० जोणी, वैज्ञानिक ग्रधिकारी को 16-10-1979 (पूर्वाह्म) से छः मास की श्रवधि के लिए या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्राधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० के० वत्स महायक निदेशक,प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन गुल्क एवं सीमा गुल्क समाहतिलय इस्दौर, 452.001, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1979

सं० 11/79—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के धार में तैनात श्री ग्रार० डी० मल्होत्ना, श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की ग्राय प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-1979 के श्रपराह्म से सेवामुक्त कर दिए गए।

शिबन किशिन धर समाहर्ना

कानपुर, दिनांक 30 अक्तूबर 1979

सं 14/79—- श्रधीक्षक /प्रणागन श्रधिकारी/सहायक मुख्य लेखा श्रधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'खं' में निम्निलिखत श्रधिकारियों ने श्रधिवर्षता की श्रायु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से सेवानिवृत हो गए:---

भ्रम	सेबानिवृ <u>ि</u>	त के समय श्रधिकारी का	दिनांक
मं ०		नाम व पद	
1	2		3
	coffe		

सर्व श्री

- श्रजीज श्रह्मद भैरवानी 31-12-78 श्रपराह्म श्रधीक्षक वर्ग "ख्र" एम० श्रो० अ(२० कायमगंज
- सी०पी०श्रानन्दः, 30-4-79 श्रपराह्म श्रधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कानपुर
- दमन सिह,
 प्रणामन प्रधिकारी
 केन्द्रीय उत्पाद णुल्क मण्डल-I
 कानपुर
- ग्रेशियां केन्द्रीय उत्पादक णुल्क मुख्यालय कानपुर

	1 2	3	•
5	5. टी० एम० विमारिया, [ग्रधीक्षक वर्ग ''ख'' केन्द्रीय उत्पाद णुल्क मण्डल-II कानपुर	30-6-79	ग्रपर।ह्न
c	्र मञ्जू सम्बद्धाः	00 0 50	m

- 6. एच० एस० मिश्रा, 30-6-79 श्रवराह्न अधीक्षक वर्ग केन्द्रीय उत्पादक शुल्क, श्रागरा
- राजपाल मिह,
 श्रधीक्षक वर्ग "ख"
 केन्द्रीय उत्पादक णुल्क एम० श्रो०
 श्रार०-1 श्रलीगंज
- गुस० एस० लहरी,
 सहायक मुख्य लेखाधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय,
 कानपुर
- 9. पी० एच० एम० चीहान, 31-8-79 श्रयराह्म श्रधीक्षक वर्ग ''ख'' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, कानपुर
- 10. पी० एन० बनर्जी, 31-8-79 भ्रपरा**ह्य** अबीक्षक वर्ग 'ख'' केन्द्रीय उत्पाद णुरुक एम० श्रो० श्रार० छिवरामऊ
- 11. एस० एस० एस० सक्सेना, 31-8-79 अपराह्म अबीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुरूक फरुखावाद

क्र० रेखी समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुद्धक कानपुर

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगणाला

नई दिल्ली-110012 दिनांक 29 अक्तूबर 1979

सं० 2/1979—-श्रीयू०सी० में , महायक रमायन परीक्षक, ग्रकीम एवं ग्रनकालायड कारखाना, गाजीपुर, का दिनांक 10-10-1979 को (ग्रपराह्म) देहान्त हो गया है।

> दि० सा० गुप्सा भुक्षप रसायसज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली 22-, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1979

मं० ए-19012/617/76-प्रणा० पांच-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग को श्री बृटा मिह, श्रीतिरिक्त महायक निदेणक, केन्द्रीय जल श्रायोग, की 5 श्रक्तूबर, 1979 को हुई मृत्यु की सूचना देते हुए खेद है।

> ज० के० माहा ग्रवर मचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय भूमिजल परिषद

फरीदाबाद, दिनांक 29 अक्तूबर 1979

मं० 27-17/79-ई० एम०--श्री टी० एम० नरिसम्हन को दिनोंक 22-10 79 (पूर्वाह्न) में महायक प्रशासन श्रीधकारी , वर्ग व (राजपितत) के तदर्थ श्रींण ग्रम्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल परिपद भें उन के मुख्यवाम फरीदाबाद के साथ वेतनमान 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के श्रन्तर्गत ग्रगल श्रादेण तक नियंकत किया जाता है।

वी० के० बवेजा, मुख्य जल भूविज्ञ

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रवनूबर 1979

सं० 27(1)/ग्रार० 71-ई० सी०-9 (खण्ड-2)--इस विभाग के निदेणक, श्री जी० एस० रन्धावा वार्धक्य की ग्राप्यु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-10-79 (ग्रपराह्म) को सेवा-निवृत्त हो गए।

> ह्पं देव सिन्हा, प्रणासन उपनिदेणक

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1979

सं० 27-ई/(1)/69-बी०सी०-2-सेवा निवृत्त होने के नोटिस की स्वीकृति होने पर श्री टी० एस० वजाज कार्य-पालक इंजीनियर (सिविल) के० लो० नि० वि० 8-11-79 (पूर्वाह्म) को सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सु० सु० प्रकाण राव, प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे

. सिकन्दराबाद, दिनाँक 2 नवम्बर 9979

सं० पी० (जी० ए० जड़) 185/लखा--इस रेलवे के लेखा विभाग की श्रणी 11 मेवा में स्थानापन्न ग्रधिकारियों को उसी विभाग की श्रेणी II सेवा में उनके नामों के सानने दी गई तारीखों से स्थायी किया गया है:---

<u> </u>	
ऋम न(म	किम तारीला से
मं०	स्थायीकिए गए
1. श्री वी० चेंग्टया	27-3-1978
2. श्री जी० रंगाचारी	10-5-1979
 श्री भार० एम० मणि 	1-7-1979
	एन० नीलकंठ शर्मा
	महाप्रबंधक

विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिद्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर हनुमंतनगर कन्सटूक्णन कंपनी श्राईश्रेट लिमिटड के विषय में

बंगलीर, दिनाँक 31 अक्तुबर 1979

*सं० 1794/560/79-कापनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदवारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख़ से तीन मास के अवसान पर हनुमंतनगर कन्स्ट्रकणन कंपनी प्राईवेट लिमिटड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कस्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी कम्पतियों का रजिस्ट्रार कर्नाटका

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स इंजी टेड्रिग एण्ड फाइनान्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 6 नयम्बर 1979

सं०/560/1594—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मेसर्स ईजी ट्रेडिंग एण्ड फाईनान्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्य कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा, प्रमडल पंजीयक, गुजरात राज्य भ्रहमदाबाद

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्तूबर 1979 आयकर

सं० जुरि-दिल्ली-1/79-80/24360— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 125-ए की उपधारा(i)

हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहल जारी की गई प्रिक्षिसूचनाश्रों में स्रांशिक परिवर्तन करते हुए श्रायकर आयुक्त, दिल्ली-1, निदेश देते हैं कि किसी भी क्षेत्र, था व्यक्तियों या व्यतियों के वर्गों या श्राय या श्राय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के वारे में वेतन सिकल के श्रायकर श्रिधकारियों (श्रितिरिक्त वेतन सिकल समेत) को प्रदत्त या सौंपी गई सभी या किसी शक्ति या कार्य का प्रयोग या निष्पादन समवर्ती रूप से निरोक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-1-बी, नई दिल्ली हारा किया जाएगा।

2. कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए म्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-1 म्रायकर म्रधिनियम 1961 की धारा 125-ए की उपधारा (2) में म्रवेक्षित म्रादेशों की पास करने के लिए भी निरीक्षीय सहायक भ्रायकर म्रायुक्त-रेंज-I-बी को प्राधिकृत करते हैं।

यह ग्राधिमूचना 1-11-79 को लागू होगी।

सं० जुरि-दिल्ली-1/79-80/24521—आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43 वां) की धारा 125-ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिवत्यों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पह्सू जारी की गई अधिसूचना में आणिक परिवर्तन करते हुए श्रायकर आयुक्त, दिल्ली-1 निदेण देते हैं कि किसी भी क्षेत्र या व्यक्तियों का व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों या आय या श्राय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों वा मामलों या मामलों के वर्गों या श्रीय श्री शिवट वेतन सिकल के आयकर अधिकारियों को प्रदत्त या सौंपी गई सभी या किसी शक्ति या कार्य का प्रयोग या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयक्त, रेंज—1सी, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

2. कार्य निष्पादन की मुविधा के लिए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-1 श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 125-ए के उपधारा (2) में श्रवेक्षित श्रादेणों को पास करने के

लिए भी निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-Iसी को प्राधिकृत करते हैं।

यह ग्रधिसूचना 1-11-79 से लागू होगी।

एम० डब्ल्य० ए० खान, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1979

मं० जुरि-दिल्ली/5/79-80/25954—ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) ग्रीर (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त ग्रन्य सभी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रीर इस विषय पर पहले के ग्रादेशों में परिवर्तन करते हुए ग्रीयकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि निरीक्षीय सहायक ग्रायुक्त, रेंज-5-सी, नई दिल्ली के ग्रायुक्त, रेंज-5-सी, नई दिल्ली के ग्रिधिया सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, रेंज-5-सी, नई दिल्ली के ग्रिधिकार क्षेत्र के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले, क्षेत्रों, या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों का ग्राय या ग्राय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त के सभी कार्यभी करेंगे।

यह अधिमूचना 29-10-1979 से लागू होगी।

के**० श्रार० राष्ट्रवन** भ्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-*5,* नई दिल्ली

कोच्चिन-682016, दिनांक 24 अक्तूबर 1979

सं 0 1 (209)/जि ० एल०/79-80---मुझे प्रदत्त ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं श्रायकर भ्रायुक्त, केरल-II, एरणाकुलम, एतद्द्वारा 1-11-1979 के पूर्वाह्न से ई० वार्ड, कन्नूर के भ्रायकर श्रिधकारी का प्रभार समाप्त करता हूं।

> बी० जे० चाक्को श्रायकर ग्रायुक्त, केरल-II

प्ररूप धाई० टी॰ एन॰ एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2694 (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रक्तुबर 1979 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एवय-I/एस० भ्रार०-III(1) (21) 1014/78-79--- प्रत: मुझे, कु० प्रजंनी फ्रोजा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है. श्रौर जिसकी संख्या एस-23 है तथा जो पंचशीला पार्क नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5 फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पतिके उचित बाजार मृत्य संक्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित चर्रेश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उकत भ्रिष्ठितयम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ध्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रन, उन्त ग्रिशिनयम् की धारा 263-ग के मनुसरण में, में, उन्त ग्रिशिनयम की बारा 269-च की उपधारा, (1) के अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री वलवंत सिंह नाग निवासी एस-23 पंचशील पार्क नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2. श्री के० डी० सोमईया करता (भाषा) श्री के०डी० सोमईया निवासी ग्रार/ओ० III/वी ग्रेटर कैलाश नं०-1 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की तारी ख से 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविध जो भी भविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्तानरी के पाल
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धोत्तरण:-- इसमें प्रयुक्त सन्दों स्रोर पदों का, जो उक्त स्थितियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

एक मकान नं० 23, पंचणील पार्क नई दिल्ली सहित नौकरों के क्वाटर श्रीर गैरज जिम का क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

> कु० श्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,दिल्ली,नई दिल्ली-1

तारीख 29 श्रक्तूबर 1979 मोहर: प्रकप माई• टी• एन• एस•-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रक्तुबर, 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु-I एस० ग्रार०-III/
II (7)/1048/78-79—-ग्रत: मुझे कु० ग्रजंनी ग्रोजा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० ने अधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या 5 है तथा जो फेंडस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिसत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान को प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत बाजार मृत्य, जमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से धिवक है घीर घन्तरक (धन्तरकों) घीर धन्तरिता (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तिब कर से से किया नहीं किया गया है:——

- (क) पन्तरण से हुई किसो आप की बाबत उका अधि-नियम के प्रजीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्धा के लिए;

त्रक्षः सव, उन्त प्रधितिनम की धारा 269ना के सन्दर्भ सरण में मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269न्य की उपचारा (1) के अधीन निकालिखित व्यक्तियों, सर्वात:--

- 1. श्री एस० एल० नायर ग्रीर श्रीमती विद्या बत्ती नायर 179 मैंक्टर 11-ए चणडीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री सर्वजीत सिंह 5 फेंडिंस कालोनी, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिन के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीय:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाश श की तारी स से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 कि मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य स्थावत दारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टो करण:--्दसमें अभुवत शब्दों बौर पदों का, ओ उक्त मधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू वो

एक मकान नं० 5, फैंडस कालोनी नई दल्ली जिस का क्षेत्रफल 2090 वर्ग गज है।

> कु० अंजनी श्रीजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

मारीख 29 प्रक्तूबर 1979 मोहर: प्ररूप माई०टी०एन०एस०-

बायकर अधिकियन, 1961 **(1961 का 43) की धा**रा 269-थ (1) के **अधी**न सूचना

भारत सर्भार

कार्यात्रय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयु-I/एस०ग्रार०-III/II (१) 1050/78-79--ग्रतः मुझे कु० श्रजंनी श्रोजा खायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा ग्राग है), की धारा 269-ग्र के ज्योज सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर नव्यति, जियका जित्र बाजार मूच्य 25,000/- कर से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एम-44 है तथा जो प्लाट नं एम-44 ग्रेटर कैलाण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय मिन्ह दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिक्यम, 1908 रि 1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21 फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त समाति के उचित भागार मूल्य भी कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यम्बरित को गई है भीर मृत्रे वह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत मधिक है, और मन्तर (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण सिखित में गस्तिविक रूप से किंग्य नहीं किया गया है '--

- (क) परतरण से हुई किमी श्राय की शबत उक्त यक्षिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मृतिधा के लिए; श्री/या
- (ख) ऐती किना आय या किसा धन या भन्य आस्तियों को, किन्हें भारतीय श्रायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः धव, उनत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरक म, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की सपकारा (1) क प्राचीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अधीत् :---3--336G1/79

- 1. श्रीमती सावित्री निवासी 2/31 दरया गंज दिल्ली-6 (ग्रन्तरक)
- श्री नरेन्द्र कुमार चौधरी मारफत 5670 कुचा खान चंद नई सड़क, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्जीक्त मध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सन्तरि के धर्मन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्मम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 अपि आद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 क्यितियों में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस पूर्वा। के राजग्र में प्रकाशन हो तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त क्यातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, अश्रोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों धीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम-44 जिसका क्षेत्रफल 277.5 वर्ग गज है और जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है।

> कु० ग्रजंनी घोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रजेंन रेंज-I, दिल्ली-1

तारीख: ७ नवम्बर, 1979

प्रकप बाई • टी • एन० एस०-

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रें**ज** III कलकत्ता-16

कलकत्ता 16, विनांक 29 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० 619/ए०सी०क्यू०आर०-III/79-80/कल०---**घतः** मुझे श्राई० वि० एस० जुनेजा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1 है तथा जो शरन बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 22 फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृहय से कम के दृश्यमहन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति मा उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और मन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; **थीर/**या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर **मधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भग्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घात् :---

- श्रीमती/मङ्गुश्तला देवी किल्ला (अन्तरक)
- 2 ग्रमरदीप कोग्रपारेटिय सोसाइटी लिमि 0 (ग्रन्सरिती)

कों यह सूबना जारी अपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूबता के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तल्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस धक्याय में विया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 9 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्रकचरस जो 1 शरत बोस रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित।

> श्राई० वि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज III, कलकता-16

तारीखाः 29 प्रवस्त्वर 1979

प्रकप धाई• टी• एन• एस•-

भागकर अम्बेनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) से ध्रष्टीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III. कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1979

निदेश सं 620/ए०सी० वयू ० आर । III/ 79-80/कल 0--श्रतः मुझे श्राई० वि० एस जुनेजा, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा नया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृह्य 25,000/- र० से मधिक है,

और जिसकी सं० 1 है तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

्रिप्रधीन तारीख 22 फरवरी, 1979 र्कीपूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से दुश्यभान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से अधिक है मोर भन्तरक (मन्तरकों) मोर (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण निखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है।--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त बांधि: नियम के मन्नीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; घोर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या घन्य बाह्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया क्षाना बाहिए बा, क्रियाने में सुविद्या के बिए ;

चतः चय, उक्त घर्षिनियमकी बारा 269-व के बनुबरव में, में, उपत मिलियम की धारा 289-य की उपवारा (1) के अभीन, विश्वकिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री बद्रीनारायन श्रागरवाल
- 2. गौरी शंकर ग्रागरवाल
- 3. द्वारका प्रसाद ग्राग्रवाल
- 4. कैलाश बाजारिया
- 5≀ सुभाष बाजारिया
- 6 राम नागिना सि०

(भ्रन्तरक)

2. ग्ररम वीप को-ग्रपारेटिव हाउस सोसाइटि , लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाद्वियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे 45 बिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में सें किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोइस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिमाधित है, वही मधे होणा 📹 उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कठ्ठा 9 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्रकचरस जो 1 शरत बोस रोड, कलकत्ता पर अवस्थित ।

> ग्राई० वि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीखः : 29 भ्रक्तूबर 1979।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 29 भ्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० 621/एसीक्यू/ग्रर्जन-IIII/79-80/कल--यतः, मुझे, श्राइ० बि० एस० जुनेजा,

आयकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अभीत सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्राह्मित्यम के ग्राप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

चतः घन, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उक्सारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- 1. श्री बसंत कुमार तिबरेवाल ग्रौर ग्रशोक कुमार तिबरेवाल श्रीर ग्रशोक कुमार तिबरेवाल (श्रन्तरक)
 - 2. श्रमर दीप कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लि॰ (श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस मूचना के राजरज में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त करों भीर नदीं का, जो 'खक्त काकि-नियम', के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस मन्याय में दिया गया है

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 9 छटांक जमीन साथ उसपर बना स्ट्रक्चर्स जो 1, शरत बोस रोड, कलकत्ता पर अवस्थित ।

> भ्राइ वि॰ एस॰ जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 29-10-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, जिलांग

णिलांग, दिनांक 24 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ए-241/गौहाटी/78-79--ग्रतः मुझे, राजेन्द्र म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये स श्रधिक भौर जिसकी सं० दाग सं० 27 भीर कें० पी० पट्टा सं० 12 है तथा जो भरालुमुख टाउन, झालुक बारी, मौजा, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजि-ह्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरममान प्रतिकत के लिए प्रन्थरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है श्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देख्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रवं, उक्तं श्रधिनियमं की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्तं श्रधिनियमं की धारा 269 में उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रथीन्:---

- (1) श्री भ्रब्दुल वाहेद, स्व० श्रब्दुल कादर का पुत्र, चान्दमारी, गीहाटी। (श्रन्सरक)
- (2) 1. श्री भ्रली श्रहमद
 - 2. श्री भ्रलताफ बीन ग्रहमद
 - 3. श्री रफीक बीन ग्रहमद
 - 4. श्री मसताफा बीन ग्रहमद
 - 5. श्रीमती हुरातन नेसा श्री ग्रली ग्रहमद की पत्नी । के० ग्राफ० मैसर्स जनता बाइंडिंग सेन्टर, पानवाजार, गौहाटी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन का माप 1100 स्कवायर फीट, एक दो तल्ला म्रार० सी० सी० मकान जो शान्तिपुर कामरूप जिला गौहाटी (ग्रसम) में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज, *शिलांग*

तारीख: 24-10-79

प्ररूप आई० टी • एन • एस • ---

आयक्तर विधितियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 श्रक्तूबर, 1979

बायकर सिधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25000/- क्पए ग्रीर जिसकी सं० वाग संख्या 27 ग्रीर के० पी० पट्टा सं० 12 है तथा जो भरालुमुख टाउन झालुक बारी मौजा, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 16-2-1979

को पूर्वीत त समिति के बिन्त बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है पार मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिपत्त
प्रविक है भीर भन्तरक (अस्तरकों) भीर प्रस्तरितो
(एस्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तथ पाया कथा
प्रतिकत, निम्तनिधान उद्देश से उसन मन्तरण लिखित में
बाह्वविक का से कथि। नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से दुई किश धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी प्राव या किसी क्षत या क्षत्र ब्राहिनयों को, जिन्हें भारतीय भागकर अञ्चित्त्यम, 1922 (1922का 11) हा उक्त मधिनियम, या अन-कर प्रक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया घाना चाहिये था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

स्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के समृक्षरण में, में, उक्त प्रधिनियम के धारा 269-ग की उपज्ञारा (1) के अधीन मिन्निकित स्विकारों, सर्वात :—

- (1) श्री म्रब्दुल वाहेद, स्व० श्रब्दुल कादर का पुत्र, चान्द-मारी, गौहाटी। (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री भ्राली भ्रहमद
 - 2. श्री श्रलताप बीन श्रहमद
 - 3. श्री रफीक़ बीन ग्रहमद
 - 4. श्री मसताफा बीन श्रहमद
 - 5. श्रीमती हुरातन नीसा

कें श्राफ मैसर्स जनता वाइंडिंग सेन्टर, पान बाजार गौहाटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यनाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में खोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवित या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित, शो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकन व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्तावारी के पास शिक्षत में किए जा सकेंगे :

ण्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदी का, जा उपत श्रीक्ष-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वही सर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बीधा जो शान्तिपुर कामरूप जिला गौहाटी, श्रसम में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, शिलांग

तारीख: 24-10-79

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायक्त निरीक्षण

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देण सं० ए-239/गौहाटी/78-79/704—स्रतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० दाग सं० 215 श्रीर के० पी० पट्टा सं० 33 है तथा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रनारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-. फर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:--

- श्री हिरेन्द्र कुमार धर, पान बाजार, गौहाटी। (म्रन्सरिती)
- मैसर्स ग्रपर ग्रसम प्लाइबुड प्राडक्ट प्राईवेट लिमिटेड, सी० श्रार० बिल्डिंग, डिब्रूगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की यवधि, जो भी अवधि बाद में अवध्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा ग्राघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो आयकर श्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

श्रन्सूची

जमीन का माप 1 (एक) बीघा 1 (एक) कट्टा 4 (चार) लसा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला ग्रसम गौहाटी में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, शिलांग

तारीख: 24-10-79

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, विनांक 24 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ए-238/Jan/78-79/708—- ग्रतः मुझे, राजेंद्र नाथ करा,

ग्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी दाग सं० 215 श्रौर के सी० पट्टा सं० 33 है तथा जो गांव जितया बेलतोला मौजा, कामरूप जिला गौहाटी श्रसम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या-लय गौंहाटी में, र्रूरिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 17 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमात अधिक है और अन्तरक (अन्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

द्यतः ध्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रर्थात्:——

- श्री बिरेंद्र कुमार धर, पान बाजार, गौहाटी । (श्रन्तरक)
- श्रपर ग्रसम प्लाइनुड प्रोडक्ट प्राईवेट लिमिटेड सी० ग्रार० विल्डिंग, डिब्रूगढ़ । (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 द्विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीह्स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित् हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बीघा जी जतिया गांव, बेलतोला मीजा, कामरूप जिला, ग्रसम गौहाटी में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ वरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, जिलांग

दिनांक: 24 ग्रक्ष्त्वर, 1979

गोहर:

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ए-712/Jan/78-79-712-ग्रतः, मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० दाग सं० 215 और के० पी० पट्टा सं० 33 है तथा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला, गौहाटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर

पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, दिनांक 17-2-1979को पूर्वोक्त

संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राधिक है ग्रौर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐमें भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/प
- (ख) ऐसी किसी श्राय मा किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—
4—336G1/79

- श्री अमरेन्द्र धर, पान बाजार, गौहाटी । (अन्तरक)
- श्रपर श्रसम प्लाइबुड प्रोडक्ट, प्राइबेट लिमिटेड सी० श्रार० विल्डिंग, डिब्रुगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवीध, जो भी श्रवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी फ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो े उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

जमीन का माप 1 (एक) बिघा जो जतीया गांव, बेल-तोला मौजा, कामक जिला, श्रमम गौहाटी में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण , ग्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक: 24-10-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 भ्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ए-236/Jan/78–79/716—श्रतः, मुझे, राजेंद्र सिंह बरा

म्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मिधिक है

ग्रीर जिसकी दाग सं० 215 श्रीर के० पी० पट्टा सं० 33 है तथा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन किनानिश्वा उद्श्य प उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप ने कथिन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण प हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उका ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीन →

- 1. श्री निरेंद्र कुमार धर, पान वाजार, गौहाटी। (ग्रन्तरक)
- श्रपर श्रसम प्लाईवुड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड, सी० श्राप्त बिल्डिंग, डिब्र्गइ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इनमें प्रयुक्त गब्दों ख्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही धर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन का मार्प 1 (एक) बिघा जो जतीया गांव, बेल-तोला मौजा, कामरूप जिला, गौहाटी असम में स्थित है।

> राजेंद्र नाथ बरा मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मिलांग

दिनांक: 24-10-79

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०-

ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्टूबर 1979

निदेश सं० सीएचडी/292/78—79—ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मल्होक्षा

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी मकान नं० 2321 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत में श्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के आधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनिय०, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- 2. श्री श्रो० पी० भाटीया पुत्र श्री राम दिला मल भाटिया वासी मकान नं. 1427, सैनटर 20-बी, चन्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्त्र स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो थी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य वाकित द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्मज्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर प्रक्षितियम 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

मकान नं० 2321 सैक्टर 35-सी, चन्छीगढ़।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 958, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्नार० के० मल्होता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक 11 प्रक्टूबर, 1979 मोहर : प्रकप धाई । धी । एन । एस --

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्टूबर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/303/78---79-श्रतः मुझे, श्रार० के० मल्होत्रा

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-क्पये से श्रीधक है

ग्रीर जिसकी संख्या टिम्बर विडिंग नं० 27 है तथा जो दिसम्बर मारिकट, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979

की पूर्वीकत सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित को गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का खिलत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रव्यह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उश्त ग्रन्तरण लिखित में बास्त-धिक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त प्रधि-नियम के सक्षीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने आ उससे बचने में शुविका के खिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: भव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरक म, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधोन निम्निविधित व्यक्तियों, प्रकृति >--

- 1. श्री हरविन्दर सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वासी म कान नं 109 सैक्टर 28-ए, चन्डीगढ़ द्वारा जनरल श्रटारनी श्री माधो सिंह पुत्र देवा सिंह वासी मकान नं 201, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित हरचरन कौर पितन श्री माधो सिंह वासी मकान नं० 201, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)
- 3. मैंसर्ज नैसनल टिम्बरज, नं० 28, टिम्बराज मारकिट; चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन है लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्रार्क्षण:---

- (क) इत सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, ग्रपोह्स्तालरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रिवियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिवाचित हैं. वहीं मधं होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

टिम्बर डिपो बिलर्डिंग नं० 27 टिम्बर मार्राकट, चन्डी-गढ़ ।

(जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीडढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 986, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मल्होता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11 म्रक्टूबर, 1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० सीएचडी०316/78—79—म्प्रतः मुझे ग्रार० के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वार नमानि जिनका उजिन वाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल शाप-कम-फ्लैट नं० 52, है तथा जो सैक्टर 29-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी/ मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वाम फरने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है मौर मन्तरक (अन्तरकों) मौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण, लिखित में वास्तविक क्ष्म सं क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उबत अधि-नियम के अंति कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के जिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी याय पा किसी बन या ग्रन्थ यास्तियों को जिन्हें भाय-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएं था, खिपाने संविधा ने लिए;

धतः धन, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के श्रनुनरण म, मैं उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन निक्तिवित क्यक्तियों, प्रथति :---

- 1. श्रीमित दर्णन पाठक पत्नी श्री सोहन लाल पाठक वासी मकान नं० 2120, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रोम प्रकाण पुत्र श्री हुकम चन्द, श्रीमित कृष्णना कुमारी पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश वासी एस० सी० एफ० 52, सैक्टर 29-डी, चन्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन रे लिए कार्यनाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

2. 1/2 मंजिल शाप-कम-फ्लैंट नं० 52, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है श्रीर जो सैक्टर 29-डी चन्डीगढ़। (जायेदादा जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1074, फरवरी/मार्च. 1979 में वर्ज है)।

> ग्नार० के० मल्होला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 11 भ्रक्टूबर, 1979!

प्र**कप भार्ब : टी : एन :** एस : ----

जायकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा उत्त 9 भ (1) के ध्रधीन सूचना

वारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 11 भ्रम्टूबर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/307/78--79--श्रतः सुझे, श्रार० के० मल्होत्रा

ग्रायकर प्रविधियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें ६ सके पश्चात् 'अन्त प्रधिनियम' कडा गया है), की धारा 269-ख क प्रधीन अलाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्त तस्पति, जिसका उचित बाजार पृष्ट 25,000/-रुपए ते यधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31करनाल 10 मारले है तथा जो गांव मलोया, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची मं भ्रौर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को । पाँकर सम्पत्ति के उचित बाबार मूरूम से कम के दृश्यमान विल्फल के लिए बन्तरिस की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ्रथमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (चन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्म-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टविक कप से कथित नहीं किए क्या है :--

- (क) श्वरंग स हुं: किसी भाष **की बाबत, उक्त** का विश्वम के ग्रक्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्व क्र कही अपने था अस**से अजने में सुविधा के लिए**। धीर/मः
- (बार्) नृती निस्ता आय का किसी क्षन या मण्य मास्तियों को; ्रिह्नं भारतीय भाय-बार धांधनियम, 1922 (1922 का 🕕 शा लक्त प्रधिनियम, या सन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अय, बज्य प्रशिविषयः भी कारी अवधन्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा अध-म की स्पन्नारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् : ---

- 1. श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री रिपूदमन सिंह गांब सोहाना, तहसील खरड़, लिं। रोपड़
- 2. श्री दयाल सिंह, रूलदा सिंह पूत्र फत्तु श्री दाल सिंह, बलदेव सिंह, पुत्न बाबू सिंह श्री रणघीर सिंह, रणवीर सिंह, रणजोध सिंह, भूमि सिंह, जससीर सिंह पुत्र श्री ग्रर्जन सिंह सारे ह्वांसी हगांव मलोया, यू० टी० चन्डीगढ़ (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके दूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता है।

उत्त पन्छाति के सम्बन्ध में काई भी पाक्षेप:---

- (क) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की भभवि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की शक्ति, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (चा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भद्योहस्ताक्षरी के धास लिखित भें किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही पर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है -

धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 10 मरले है भ्रौर जो गांव मलोया यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1002, फरवरी, 1979 में दर्जहै)।

> श्रार० के० मल्होत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त ⁽(निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 अवट्बर, 1979

निदेश सं० सीएचडी | 287 | 78--- 79--- म्रतः मुझे म्रार० के० मल्होत्ना,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग्र तीन मंजिल एस० सी० श्री० नं० 144, है तथा जो सैंक्टर 28-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्य माम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर श्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिक्षिनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या प्रन्य 1922 को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र जय सिंह वासी मकान नं०
 210, सैक्टर 16-ए चन्छीगढ़ व

श्री सेवक सिंह पुत्र श्री खगान सिंह वासी मकान नं० 206 सैक्ट 16-ए, चन्डीगढ़

- श्री गुरमोहन मिह पुत्र हरमनाम सिंह (श्रन्तरक) श्रीमित दलीप कौर पत्नी गुरमोहन सिंह श्री इन्दर पाल सिंह पुत्र गुरमोहन सिंह श्री मनतेज सिंह पु गुरमोहन सिंह सारे वासी मकान नं० 3015, सैक्टर 28डी, चन्डीगढ़ (श्रतरिती)
- 3. श्री रोशन लाल पुत्न श्री जे० एन० मदान, मेंनेजिंग डायरैक्टर, मैसर्ज इलैक्टरो सेल्ज, एस० सी० श्रो० नं० 144, सैक्टर 28 डी, चन्डीगढ़

प्रिमिपल, कोआपरेटिव ट्रेनिंग कालज नैशनल कोनसिल फार कोग्रापरेटिव ट्रेनिंग साउथ पटेल गगर, नई दिल्ली (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्न जय सिंह श्री सेवक सिंह पुत्न खजान सिंह वासी 206, सैंक्टर 16ए, चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)।

गो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कायट्टवाहियां करता ह।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्नध में कोई भी भ्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जोभी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- द्वसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

1/2 भाग तीन मंजिला विल्डिंग एस० सी० भ्रोव नं 144, मैक्टर 27 डी चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के एमिलय विलेख संख्या 939, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

श्वार० के० मल्होत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियााना

दिनांक 11 अनुबर, 1979 । मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायाः र श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) **के श्र**धीन सूचना

भारत सकार

कार्याजय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जनहरेंज, लुधियाना

लिधयाना दिनांक 11 प्रकट्बर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/296/78—79—श्रतः मुझे ग्रार० के० मल्होत्ना

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ग्रिधिनियम' लहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 57 है तथा जो सैक्टर 9-ए

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 57 है तथा जो सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 15) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1979

(1908 का 15) क प्रधान दिनाक फरवरा, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
इण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वाभ करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त ग्राधि-विधम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-म के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गर्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए मए हैं।

भ्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-तरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- ल० क० अजैब सिंह पुत्र स्व० श्री सुन्दर सिंह वासी मकान नं० 106, सैक्टर 10-ए चन्छीगढ़ (ग्रन्तरक)
- श्रीमति बिन्दू चौधरी पत्नी श्री जगदीण नन्दर चौधरी, मकान नं० 57, सैक्टर 9-क चन्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्रर्जन 📹 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्नेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रशाणन को नारीख 5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के भाग लिखित् में किए जा सकेंगे।

साब्दी तरण :---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उका श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

मकान नं० 57, सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़ ।

(जामेदाद जैसाकि राजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी, घन्डीगढ़ के का**र्यालय** के विलेख संख्या 969, फरवरी, 1979 में दज है)।

> ग्रार० के० मस्होता, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना,

दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979 ।

परूप शाहित शेव एतव एसव----

आयकर मधितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्वन्त

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 11 श्रवत्वर, 1979

निवेश सं० सीएचडी/297/78---79---ग्रन: मुझे ग्रार० के० मल्होता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने जा कारण है कि स्पादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से पिक है और जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल बिल्डिंग जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 220.998 वर्ग गज है तथा जो नं० 3302. सैक्टर 28-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) के प्रधीन, दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित धातार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित ग्राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरिक (यन्नरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निविधित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित भे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धम्तरण ने हुई किया आय का बाबन, उक्त जिल्ला नियम के ग्रधीन कर देने के अग्तरक के निरुद्ध में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्रत्य या किसी धन गा जन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना बाहिए था, छिए ने में सुध्या के निए;

अतः श्रव, उक्त मार्विनियम का धारा 269-ग र अनुसरण में, में, उक्त मिविनाम की धारा 269-घ हो उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात:---

1. श्री तेज बहादुर, श्री देव राज यापर, श्री जोगिन्दर नाथ थापर पुत्त स्व० श्री श्रमृत णाह थापर, श्रीमित गोरान देवी बनाम श्रीमित ग्र देवी विधवा श्री श्रमृत णाह जापर, द्वारा स्पैणल श्रटारनी श्री तेज बहादुर थापर, श्रीमित कान्ता रानी, पत्नी श्री वाणदेव मैहता, श्रीमित वेद कुमारी पत्नी श्री 5—336GI/79 श्री अचरण लाल बोहरा छारा जनरल घटारनी श्री तेज बहादुर थापर प श्रीमित प्रवेल कुमारी बनाय श्रीमित सुनिता कुमारी पत्नी श्री कृष्णा लाल कोचर द्वारा जनरल घटारनी श्री जोगिन्दर नाथ थापर मारे वामी मकान नं० 1270, सैक्टर 22-बी, चन्छीगढ़ (ग्रन्तरक)

- 2. श्री राम लाल पुत्र चरनजी लाल व श्रीमति जीतो परिन श्री राम लाल वाबी मकान नं. 3302, सैक्टर 27-डी चन्कीगढ़ (अन्तरिती)
 - 3. 1. श्री रावत सिंह जनरल मरचैंट (ग्रींड फ्लोर)
 - 2. श्री भ्रनन्द वर्मा (ग्रोंड फ्लोर)
 - 3. श्री विजय पाल शर्मा (ग्रोड फ्लोर)
 - 4. श्री राम इशर भगत (पहली मंजिल)
 - श्री हरि कृष्ण (पहली मंजिल)
 - श्री माधव प्रकाश (पहली मंजिल)
 - 7. श्रीमति बोरो कौर (पहली मंजिल)
 - 8. मोहिन्दर नाथ शर्मा (बरसाती)

सारे वासी मकान नं० 3302, सैक्टर 27-डी चन्छीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग में सप्पत्ति है)। की गृह सूत्रना जारी करके पूर्वीका गृह्मति के श्रर्जन के लिए कार्यग्राह्मों करगढ़ है।

उकत सम्पत्ति के अज़ेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किभी शन्य अपिता द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफ़ेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुमुखी

2.1/2 मंजिल मकाम नं० 3302 सैक्टर 27-डी चन्डीगढ ।

(जायेदाद जैमा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 970, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> न्नार० के० मल्होता, सक्षम प्राधिकारी, सड़ायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

दिमांक 11 श्रक्तूबर, 1979। मो**हर**: प्रकृष आई० ही॰ एत**० एस०-** -----

मायकर बिधिनयम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के बधीन सूचका

भारत सरकार

प्रायोलिय, सक्षायक त्यायकर मायुक्त (निरोक्षण) सर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक, 11 ग्रक्ट्बर, 1979

निदेश सं० सीएचडी | 94 | 78--- 79--- झतः मझे मार० के० मल्होला,

आय कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का €3) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/-४० से प्रधिक है

भीर जिसकी मकान नं० 3142 है तथा जो सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1979 को

16) के प्रधान विनास फरवरा, 1979 का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षण के वृष्यमान प्रतिक्रल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि प्रवाद्वोंका संपत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) और प्रकारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त ग्रन्तरण कि बिख्य में बाह्मविक क्य से क्यित नहीं किया गया है ---

- (क) मन्तरण से हुई किसी ग्राप को बाबत उन्तर मिछ-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या जससे बच्ची में मूलिझा के किए; भीर/गः
- (ख) ऐसी किमी भाष या किमी धन या प्रत्य पारिस्तरों को, जिन्हें भारतीय भाषकर मिछिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर मिछिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्मरिसी द्वारा प्रकृत नहीं फिला यया जा या किया जाना नाईहुए था, छिपान में सुविधा के सिए;

यतः अन, उनतं संभिनिधमं की धारा 269-ग के जन्-सरण में, में, उनतं श्रीविनियमं की धारा 269 व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धनाव् :---

- श्री सुखदेव राज भासीन पृत्र श्री गनपत राय मासीन बासी सकान नं० 3142 सैक्टर, 27 डी अन्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित परमजीत कौर गरेवाल पत्नी श्री मनजीतन्दर सिंह गरेवाल, मकान नं 256, सैक्टर 21-ए चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
 - श्री मनजीत सिंह पटानिया
 - 2. श्री डी० पी० गोयल,
 - 3. श्रीबी० के० शर्मा,
 - 4. श्री लध्धा राम,
 - 5. श्री राधे श्याम,
 - 6. श्री कपूर सिंह

सारे वासी मकान नं० 3142, सैक्टर 27-डी बन्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राप्तेय :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में श्रकाशन की तारील से 45 दिन की भविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूजमा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सबीने।

स्पक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त तब्दों भीर पदों का, जो उकत प्रश्नियम के प्रक्र्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्च होगा, जो इस सम्माय में दिया नया है।

अनुसूची

मकान नं० 3142 सैक्टर 27 डी चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चन्छीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 965, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मल्होस्ना सक्षम प्राधिकाणी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विमांक 11 श्रमधूबर, 1979। मो**हर**ः प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधिमाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रम्टूबर 1979

निर्देश सं० सी०च०डी०/304/78-79—-प्रतः मुझे स्नार० के० मलहोत्ना

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 99 है तथा जो सैक्टर 28-ए, चन्छीगढ़ में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्छीगढ़, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के स्रधीन दिनांक फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त म्रधि-नियम के म्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, म्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की इपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 1 श्रीमिति रतन श्रभा पत्नी श्री एस॰ पी॰ गुप्ता, वासी मकान नं • 910, सैक्टर 18 श्री, श्रन्दीगढ़ (ग्रन्तरक)

2. श्री अतूल सुन्दरा व अनूज सुन्दरा (माईनर) पुत श्री सुन्नीर सुन्दरा द्वारा श्रीमति प्रभा सुन्दरा नासी 9\$-ुसैक्टर 28-ए चन्द्वीगढ़ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरग:--इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

मकान नं० 99, सैक्टर 28-ए, चन्डीगढ़ । (जायदादा जैसे कि रजिस्ट्रीकती प्रशिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 988, फरवरी, 1979 में दर्ज है) ।

> म्रार० के० मल्होता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज, सुधियाना

दिनांक: 11 अस्टूबर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

क।र्मालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

ल्धिय।ना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निर्देश मं० सी० एष० डी०/11/79-80---श्रतः मुझे भार०के० मल्होणा

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रनेषसी तं 67 (प्लाट तं 41) सैक्टर 8-ए, (1/2 भाग), है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसस उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी से एगर्थालय चन्डीगढ़ में एजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रभीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए, श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रिविनयम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित ब्यक्तिमों, श्रर्थात् :— श्री गुरदियाल सिंह बराइ पुत्र श्री जीवन सिंह 160, मैक्टर 11-ए, बन्डीगढ़।

(अन्तरक)

- श्री जयाहर लाल पुत्र श्री बाबू राम
 एस॰ मी० श्रो॰ नं० 18- मैंक्टर 22-डी, चन्छीगढ़।
 (श्रम्तरिती)
- श्री जवाहर लाल पुत्र श्रो बाबू राम कर्ता जवाहर लाल्च (एच० यू० एफ०), एस० सी० श्रो० नं० 18, मैक्टर 22-डी, चन्छीमढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधो-हस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य<mark>षाहियां कर</mark>ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

श्रतेक्सी नं ० ६७. (प्लाट नं ० ४१) मैक्टर ८-ए, चन्डीगढ़ (1/2 भाग)

(जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यास्य के विलेख सं० 41, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मल्होत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 11 भ्रक्तूबर, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर म्रामिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक ।। अक्तूबर 1979

निर्देण मं० मी० एच० ४१०/286/78-79---ग्रतः मुझे ग्रार् के० मल्होता

आयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3279 सैक्टर 15-डी, है नया जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपादछ अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रश्तफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि लिखत में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसो आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दािमस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए, चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः, प्रब, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण म मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात्:---

- श्री राम मरन सेठी पुत्र श्री देस राज सेठी वासी मकाम नं० 466, सैन्टर 37-ए, बन्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रां सतीण चन्दर पुत्र श्री राम मरन दाम वासी 157 हुतोन रोड, बीरमींगहम (यू० के०) द्वारा जनरल श्रटारनी श्री राम मरन दास पुत्र श्री गुरबक्स राम वासी मनान नं० 3279, मैक्टर 15-डी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री अ(र०के० नन्दा आफ इंडियन इकमपीसीवज लि० श्री बीठ पी० मृत्जन आफ बरदमा आफ इंडिया, श्री राम सरन दास, गार्ग वासी महान नं० 3279, मैक्टर, 15-डी, नन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पति के अर्जन के लिए एतद्द्दारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान रं० 3279, सैक्टर 15 डी, चन्डोगढ़। (जायदाद जैमा कि रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के आर्थालय, के विलेख मंख्या 938, फरवरी, 1979 में दर्ज हैं)

> ग्रार० के० मल्होत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनक्तिः ।। अक्तूबर, 1979

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सम्रीत मूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, यहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निर्देश मं० सी० एच० डी०/298/78-79-- श्रतः मुझे श्राप् के० मल्होता सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम शाधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिनका चिनित गाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्रनैक्सी विल्डिंग न 67. (1/2 भाग), है तथा जो सैक्टर 8-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप विणित है) रिजस्ट्री हती श्रिकारी के कार्यान्य चन्डोगढ़ में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) भौर अन्तरिक्षा (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य मे उश्त अन्तरण कि खित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कि या गया है :---

- (क) प्रभारण में हुई किसी आय श्री बाबन उकत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक क दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; मीर/या
- (स) ऐसी किनो आय म जिल्ली धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय गायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः मन, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण में, म. उक्त भिनियम की घारा 269-व की उनकारा (1) के भ्रष्टीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत्:---

- 1. श्री गुरिवियाल सिंह बराड़ पुत्न श्री जीवन सिंह बराड़ बासी मकान नं० 160. मैक्टर 11-ए, चन्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री जवाहर लाल पुत्र स्व० श्री बाबू राम, कर्ता जवाहरलाल (एच० यू० एफ०) वासी एस०सी० ग्रो० नं० 18, सैमटर 22-डी, चन्डीगड़ ।

(अन्तरिती)

3. श्री जवाहर लाल पुत्र स्व० श्री बाबू राम वासी एम० सी० श्रो० नं० 18, सैक्टर, 22-डी, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के धर्मन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपति के ग्रजंत के मंत्रेज में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूचांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस पूर्वता के राज्यत्र में प्रकार को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पश्डीकरब: --इमर्ने प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं मर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया नया है।

अनुसुधी

श्रनैक्सी नं० 67, (प्लाट नं० 41) $\left(1/2$ भाग) सैक्टर 8 ए, चन्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 976 फरवरी, 1979 में दर्ज है)

श्रार० के ० मल्होता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11 अक्ट्बर, 1979

प्ररूप श्राई॰ टी० एन० एन०----

आयकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, लुधियाना

> > लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के स्रश्रोत सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० णाप बिल्डिंग तं० 1664/5, है तथा जो भूपित्दरा रोड, पटियाला, में स्थित हैं (स्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित) रजिस्ट्रीकरी श्रिधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीन :--

 श्री हिस्मत सिंह गरेवाल पुल स्व• श्री गुरबक्स सिंह गरेवाल (स्वम) व जनरल अटारनी आफ श्रीमती गोत्रिन्दर कौर परनी स्व० गुरबक्स सिंह। श्रीमती मनोरंजन कौर श्रीसती, श्रमृत कौर पुष्टीया, स्व० श्री गुरमना सिद्ध् गरेमाण, मार्सा 14 रीवीण लाईन, पटियाला। (श्रन्तरक)

श्रीमती राम मूर्ती पत्नी श्री णाम लाल,
 श्रीमती चन्दन गर्ग पत्नी श्री पवन कुमार,
 वासी ग्रजीत नगर, पटियाला ।

(भ्रन्तरिनी)

कोम्रापरेटिय कल्ज्यूमर स्टोर,
 श्री जगत राम होटल वाला,
 श्री मोहम्मद हाफिज,
 वासी 1664/5, नजबीक फाटक, नं० 22,
 भिष्टिरा रोड, पटियाला ।

(बह्ब्पिन जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की श्रविध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अभुभूची

ज्ञाप नं० 1664/5 भूपिन्दरा रोड, पटियाला। (जायदाद जैमा कि रिजिस्ट्रीकिती ग्रिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5633, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मल्होला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. लृधियाना

तापीखः 11 ऋक्तूबर, 1979

प्रकृष आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ा 43) की प्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० पी०टी०ए०/272/78-79—-श्रत: मुझे स्रार० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2 कताल 15 मरले, है तथा जो तिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरजरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में श्रिधिक हैं श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का विश्वास के तिस्वलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वत में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िननी आय या िननी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रम श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान् '——

 श्रीमती जसबस्त कौर पत्नी श्री हरिन्दर सिंह, द्वारा जनरल प्रटारनी श्री हरदेव सिंह गरेवाल, पुल श्री हरचन्दन सिंह वासी बीवरीयां रोड लाहौरी, गेट, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सवित्री देवी पत्नी प्यारा लाल, वासी गांव सेरों, तहसील सृनाम, जिला संगक्तर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्मिति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (फ) इप सूचना के राजपव में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिं वड़ कियी प्रत्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के याम जिल्लित में किए जा सकेंगे।

साब्दाकरण ⊶-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

ब्रनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्र फल 2 कनाल 15 मरले है. ग्रौर जो त्रिपड़ी, साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5744, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> म्रार० के० मल्हो**ता**, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)' म्रजैन रेंज, लुधियाना

प्रख्य आई॰ टी॰ एम॰ एस॰-----

भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेण सं० पी० टी० ए०/247/78-79—म्ब्रतः मुझे ग्रार० के० मल्होला,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपण् मे मिधक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, नीरोला कालोनी, है तथा जो पंजाबी बाग पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता शिक्षकारी के कार्या-लय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिश्चित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979 की

का 16) के अधीन तरिख फरवरी, 1979 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबंत, उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्निखित व्यक्तियों श्रर्थात्:— 6—336GI/79 श्री हुकम सिंह भालीकाल पुत्र श्री हरचन्द सिंह, वासी गांव सलाबतपुरा तहमील, रामपुरा, कूल, जिला मटिङा ।

(ग्रन्सरक)

 श्री जगरूप सिंह सिंधू, पुत्र श्री चुहार सिंह वासी गांव बिगड़बाल तहसील मुनाम, जिला संगरूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति ग्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकते।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7, निरोला कालोनी, नजवीक पंजाबी बाग, पंटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5559, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोद्गा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर बायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लु<mark>धियाना</mark>

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/262/78-79—-- प्रतः मुझे प्रार० के० मसहोक्षा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— २० से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं मकान नं 7957/5 है तथा जो रघवीर सिंह मार्ग, नजदीक माडल टाउन, पटियाला, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिब फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक स्थि से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रौर/या
- (बा) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातु :—

 श्री पृथीपाल सिंह बसूर, पुत्र श्री जसवन्त सिंह बसूर वासी रघवीर सिंह मार्ग, भूपिन्दरा रोड, पटियाला । (ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती सीता देवी परनी बुजलाल पुत्र मीरीमल
 - (2) श्री प्रशोक कुमार
 - **∦(3) श्री पवन कुमार**
 - (4) श्री राकेश कुमार पुत्र श्री बृजलाल वासी 7957/5, रघवीर सिंह मार्ग, पटियाला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविधवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची,

कोठी नं० 7957/5; रघवीर सिंह मार्ग, नजदीक माडल टाउन, पटियाला

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकरर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5640,फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार०के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 11 ग्रक्तूबर 1979।

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • -----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रारकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1979

निदेण सं० पी०टी० ए०/244/78-79---श्रतः मुझे श्रार० के० मलहोक्षा,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', गहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 98 है, तथा जो नयू ग्रीन मार्किट, पिटयाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्व ग्रुन्सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पिटयाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, मा धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—- 1. श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह व स्पैशल श्रटारनी श्राफ श्री जयसिंह पुत्र श्री हीरा सिंह, श्री श्रमर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह वासी बाजार सीताराम, दिल्ली-6,। श्रीमती दलीप कौर विधवा श्री हुकम सिंह, गुरवन्स कौर पुत्री श्री हुकम सिंह, कम्बलजीत कौर पुत्री श्री हुकम सिंह, पुष्पईन्दर सिंह पुत्र हुकम सिंह, वासी सीता राम बाजार, विस्ली-6।

(भ्रन्तरिती)

(2) मैसर्ज जीन्दल इन्टरप्राईजर मारफत मसर्ज बलायती राम प्रकाश चन्द, शाप नं० 98, न्यू ग्रीन मारिकट, पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकान की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त भव्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

शाप नं० 98, जो न्यू अनाज मंडी, सरिहन्द रोड, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5507, फरवरी, 1979 में दर्ज है):

> श्रार० के० मल्होत्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारी**च** : 11 श्र**न्तूब**र, 1979

मोहरः

श्रंक्षप भाई०टी० एत∙ एस•----

धामकर भिवित्यम, 1961 (1981का 43) की धारा 269व(1) के भिवीत सूचना

भारत सरकार

भागांसंय, सहायक प्राथंकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1979

निवेश सं० पी०टी० ए०/270/78-79—— ग्रतः मुझे ग्रार० के० मलहीका,

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के घिषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से घिषक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्र फल 5 कनाल 2 मरल है तथा जो लिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्द्रह श्रतिगत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित महीं किया गया है: —

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उचत ग्रिविनयम के ग्रीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या जससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/धां
- (क) ऐसी किसी पाय या किसी वन या ध्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः, प्रव, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म के प्रमुसर्च में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म की सप्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,प्रचौदः---

 भी दुरिन्दर सिंदु पुल दुरचरन सिंह, वासी बीवरीयां रोड, जोहरी गेट, पटिमाला ।

(भ्रन्तरक)

श्री सुभाष कुमार बंसल पुत्र श्रो गम्डार राम,
 1553, पुरगाना, डााखाना, श्रार्य समाज, पटियाला।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध न कीई भी शाक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी श्रविध बाद म समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारी, श्रधोहस्ताद्वारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाक्टींकरण :---इतमें प्रबुक्त सन्दों भीर पर्दों का, जो उक्तै प्रजितियम के भव्याव 20-क में परिमाणित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिवा गवा है !

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्र फल 5 कमाल 2 मरले है और जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5742, फरवरी 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मसहोक्षा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, लुक्षिणाना

तारीयं: 27-11-79

प्ररूप पाई० ही । इत । एस । ----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 भ (1) के मधीन सूचना भारत संरकार

कार्यालव, सहायक भायकर भायक्त (मिरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1979

निदेश सं०पी०टी०ए०/271/78-79--श्रतः मुझे ग्रार० के० मल्होता

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर नम्मति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्र फल 2 कनाल है तथा जो जिपड़ी सांईदां, पिट्याला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्थी में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता पिछकारी के कार्यालय पिट्याला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 गा 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1979 पूर्वोक्त मम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिधिनियम के खन्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा या भिया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

जतः प्रव, उत्ततं प्रधिनियमं की धारा 269-गं के प्रनुसरण में, मैं, उत्ततं प्रधिनियमं की घारा 269-भं की उपधारा (1) के प्रजीन निम्निवित न्यक्तियों, प्रचीत्:— श्रीमती असवन्त कौर पत्नो हरिस्दर सिंह वासी नीवरिमा होइ, लौहरी गेट, पटिमाला ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कमलेश बंसल पत्नी श्री सुभाव कुनार बंसल वासी 1553, पुराना गड्डा, खाना, ग्रार्थ समाज, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जीरी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की नारी इस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति, द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसर्मे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जा जक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्र फल 2 कनाल है तथा श्रौर जो विपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है)।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5743, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मल्होत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुक्षियाना

तारीख: 11 श्रम्तूबर, 1979

प्रकृप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के सधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० पी०टी० ए०/236/79-79—अतः मुझे श्रार० के ० मल्होस्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अब के भिष्ठीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इ॰ से अभिक है

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्र फल 4 विधा है तथा जो अलीपुर एरिया, तहसील पटियाला में स्थित है) भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याला पटियाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृयश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविखा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धैन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः शवः उत्ततं अधिनियमं की बारः 269-व के अनुसरण में, में, जनतं प्रधिनियमं, की बारा 269-व की उपवारा (1) के श्रधीन निम्नतिबित व्यक्तियों, श्रषीत्।— सर्वश्री रणवीर सिंद्ध सुखबन्त सिंह पुत्र श्री करतार सिंह बासी झलीपुर एरिया, तहसील पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्ज घुना राम एण्ड सन्ज , न्य गरैन मारकीट, सरिहन्द रोड, पिटयाला , (द्वारा बजीर चन्द पार्टनर) ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 को नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ला) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के भ्रष्ट्याय 20-क, में परिकाधित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया नया है।

यमुनुची

भूमि जिसका क्षेत्र फल 4 विधा है और जो गांव ग्रालीपुर ग्राराइयां, तहसील पटियाला में स्थित हैं।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रश्चिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5414, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मल्होत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 प्रक्तूबर, 1979

प्ररूप आई। टी॰ एन। एस।——

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० डी०श्रार०एस०/ 45/78-79—श्रतः मुझे श्रार० के० मल्होत्रा,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्र फल 12 कनाल 15 मरले है तथा जो गांई लोहगढ़, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय डेरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन रीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से भिषक है भौर यह कि मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितिगों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिष्ठितियम के भिष्ठीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ग्रें सुविधा के लिए;

श्रद: श्रद, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिड व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री निरन्दर सिंह व स्पैशल श्रटारनी श्राफ सर्व श्री: सुरिन्दर हिंह, मोहिन्दर सिंह, सुखिन्दर सिंह, राजिन्दर सिंह, जातिन्दर सिंह व तेजदन्दर सिंहपुत्र निरन्दर सिंह वासी गांवक कौली, सब-नहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

 श्री जसपाल सिंह सेठी पुत्र श्री सन्त सिंह मकान नं ० 211 सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राजेन--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति क्षारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उक्त भिवित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि जिसका क्षेत्र फल 12 कनाल 15 मरले है जो गांव लोहगढ़, सब तहसील डेरा बस्सीं, जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रंजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 1021 फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> न्नार० के० मलहोरा, सक्षम प्राधिकारी, . सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जंन रेंज, सुधियाना

तारीख: 11 ग्रक्तूबर, 19789

प्रकृप धाई • टी • एन • एस • -----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एस०श्रार० डी०/205/78-79 ——श्रतः मुझे श्रार० के० मल्होता,

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-का के अधीन मखाम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका चित्त बाजार मूक्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्र फल 5 वीघा है तथा जो गांव श्रजनाली, तहसील सरिहन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सरिहन्द में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वावत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्त, उत्तक वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिगत से प्रक्षिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्रिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐनी किनी पाय या निसी धन या प्रथ्य आफित्यों को जिल्हें भारतीय आयकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या या किया जाना चाहिए चा, खिपानें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के धन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269व की खपबारा (1) के सवीन; निम्नलिखित क्यंक्तियों, अर्थातः—

- श्री हरभीत सिंह पुत्र श्री लच्छमन सिंह,
 श्री श्रीतम सिंह, पुत्र श्री हरमीत सिंह,
 गांव श्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला ।
 (ग्रन्तरक)
- श्री नच्छत्र सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह, गांव ध्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती),

को यह सूचना नारी करने पूर्वोक्त सम्पन्ति के सर्वन के सिए। कार्यनाहियां करता हं।

उनत सभ्यति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन श्री तारी स से 45 दिन की भविष्ठ या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामी त से 30 दिन की भविष्ठ, को भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में ड्रिटबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मझोहस्ताखरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्बों भीर पर्वो का, जो उपध प्रक्षितियम के कब्याय 20-क में परिधाणित है, वही प्रषं होगा, जो उस घडमाय में दिया बना है।

अनुसूची

भूमि जसिका क्षेत्र फल 5 वीघा है श्रौर जो गांव ग्रजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता घिधकारी, सरिहन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 3453, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

ग्रार० के० मल्**हो**त्ना,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

भ्रर्जन रेंज, लुक्कियाना

तारीख: 11 ऋक्तूधर, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

द्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एन० बी० ए०/104/78-79---भ्रतः मुझे भ्रार० के० मलहोत्ना,

न्नायकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 6 मरले हैं तथा जो थूही रोड, नाभा में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्नौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बात उक्त ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उन्त मिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत् :---7--336 GI/79

- श्री गुरदियाल सिंह पुत श्री मित वासी नामा। (मन्तरक)
- मैसर्ज अमर राईस मिल्ज, नामा द्वारा पार्टनर श्री अमर नाथ पुत्र श्री मोती राम् अनाज मंडी, नाभा।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुवना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: म्याप्त प्रविश्व किया पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.।

अमुसची

भूमि जिसका क्षत्र फल, 4 कनाल 6 मरल है, भौर जो वहीं रोड, नाभा म स्थित है।

(जायदाय जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नामा के कार्यालय के विलख संख्या 2401 फरवरी, 1979 में वर्ज है)

म्नार० के० मलहोस्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रज, लुधियाना

प्रकल भ्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एन०बी०ए०/112/78-79—अतः मुझे श्रार० के० मलहोत्रा

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रशीत स्थान प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 40 जिसका क्षेत्रफल 277. 7/9 वर्ग गण है तथा जो न्यू श्रनाज मण्डी, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय नाभा में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के प्रवृत्तरित की गई है और श्रन्तर (श्रन्तकों) श्रीर यह कि श्रन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित रूप में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बायत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भाररीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :— श्री देसराज पुत्र श्री बली रामः मोहल्ला दोजीयां वाला, नाभा।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्ज कुन्दन लाल उधोराम, कमीणन एटेन्ट्स, द्वारा श्री धर्मपाल पुत्र श्री कुन्दन लाल (पार्टनर), वासी भवानीगढ़, तहसील व जिला संगक्रर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता **हूं**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा :--
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध कित्री प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

प्लाट नं० 40, जो न्यू ग्रनाज मण्डी, नाभा में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधीकार नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2587, फरवरीं, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

प्रकप भाई• टी• एन• एस•--

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० ए०एम०एल०/126/78-79—-श्रतः मुझे श्रार० के० मलहोत्ना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्र फल 7 वीघा है तथा जो गांव जसड़ां, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से धिक है ग्रीर धन्तरक (अग्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त प्रश्नियम के प्रधीन, कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे स्थने में सुविधा के खिए; घोर/मा
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी बन या ध्रय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के सिए;

बतः धर्व, उनतं धिविनियमं नी घारा 269-ग ने धनुसरण में, मैं, उनतं धिविनियमं नी धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन विमननिवित म्यन्तियों अर्थात्:—

- शी बलजीत सिंह पुत्र श्री मसतू वासी गांव नसराली, सव-तहसील प्रमलोह, जिला पटियाला ।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वे श्री तारा सिंह, लाभ सिंह, जसबन्त सिंह पुत श्री श्रमर सिंह वासी गांव कुकड़, माजरा, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कते. व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिष्ठ-नियम, के भध्याय 20-क में परिमाधित है, बही भयं होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र फल 7 वीघा है श्रीर जो गांव जसड़ा, सब तहसील श्रमलोह, जिला पिटयाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1884, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

प्रकर पाई॰ डी • एन • एस • --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षन)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० ए० एम० एल०/129/78-79—-ग्रतः मुझे ग्रार**े के०** मलहोक्षा,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-स के मधीन समय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरल है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 वीघा 2 विस्वा है तथा जो जसड़ां, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबश्च अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय श्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण अधिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाबार मूक्य में कम के वृश्यमान प्रविक्त के निए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास असके का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से शिवक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्मलिकत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिकत में वास्तिक रूप से स्थात नहीं किया बना है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत प्रकृत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। ग्रीर/मा
- किसी साथ या कियो वन मा सम्य सास्तियों को, जिस्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा

वतः सर्वः उत्त विधिनियम में भारा 26 क्र-म के सन्-सर्थ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 26 क्र-म की उपवार। (1) के भारीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री बलजीत सिंह पुत्र मसतू वासी गांव नसराली, दूसब-तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

2. सर्व श्री: तारा सिंह, लाभ सिंह, जसबन्त सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह, वासी गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला ।

(ग्रन्तरिती)

को महसूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षप :--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4ई दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उन्ह अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र फल 5 वीघा 2 विस्वा है और जो गांव जसड़ां, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है) (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1946, मार्च, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोस्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1979

निदेश सं० ए०एम० एल०/130/78-79—-ग्रतः मुझे भार० के० मलहोत्रा,

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्र फल 11 वीघा 18 विस्वा है तथा जो गांव जसड़ां, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, म उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:— श्री नेतर सिंह पुत्र मसतू वासी नसराली तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

2. सर्ब श्री: तारा सिंह, लाभ सिंह, जसबत्त सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह वासी गांव कुकड़, माजरा, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्चनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 श्रीघा 18 विस्वा है श्रौर जो गाँव जसड़ां, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1947 मार्च, 1979 में दर्ज है।)

> म्रार० के० मलहोस्ना सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर द्यायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एल० डी० एन०/234/78-79—-ग्रत: मुझे ग्रार० के० मलहोज्ञा,

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक हैं भीर जिसकी सं 1/3 भाग, मकान नं ० बी-20-13, जिसका क्षेत्रफल 331.2/3 वर्ग गज है तथा जो गौ० कालज रोड, सिविल लाईन, लुधियाना, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची मंग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी भाष या किसी धन या श्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- श्रीमती बलवीर कौर पत्नी बीरपाल सिंह वासी मच्छीबारा, तहसील, समराला जिला लुधियाना (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सुशीला देवी पत्नी बेद प्रकाश वासी बी-6-120, चौक, माधोपुरी, लुधियाना । (श्रन्तरिती)
- श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री जगन नाथ वासी बी-20-13, गौ० कालज, रोड, सिविल ला
 लुधियाना ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

1/3 भागं, मकान नं० बी-20-13, जिसका क्षेत्रफल 331.2/3 वर्ग गज है भ्रौर जो गौ० कालज रोड़, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना, के कार्यालय के विलेख संख्या 4240, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

ग्रार० के० मलहोत्ना

सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण),

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

प्रकार प्राई० टी० एन० एम०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अ<mark>धीन</mark> सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एन० डी० एच०/224/78-79---ग्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोत्रा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख

इसक पश्चात् उक्त श्राधानयम , कहा गया हु), का धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्माम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०से श्रधिक है

ए० म आवश्रह

श्रौर जिसकी सं० 1/3 भाग मकान नं० बी-20-13, जिसका विभिन्न 331.2/3 वर्ग गज है तथा जो गौ० कालेज रोड निवल लाईन, लुधियाना, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध सनुसुधी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण्य श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पुक्बोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्माम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ह:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269.ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :—

- शिमतो सुरजीत कोर पत्नो श्रं श्रमरपाल मिंह वासा मच्छीबारा, तहमील समराला, जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- श्री पदम कुमार पुत श्री जगन नाथ वासी बाँ 6-120-माधोपुरी, चौंक लुधियाना । (श्रन्तरिती)
- 3. श्री जगदीश चन्दर पुत्र श्री जगन नाथ वासी मकान नं० बी-20-13, गौ० कालेज रोड, सिविल लाईन, लुधियाना । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त उम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :--
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रिवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/3 भाग, मकान ्नं० बी-20-13 जिसका क्षेत्र फल 331.2/3 वर्गगत है भ्रौर जो गी० कालज रोड, सिविल लाईन लुधियाना में स्थित है।

(जार्येदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना, के कार्यालय के विलेख संख्या 4217, फरवरो, 1979 में दर्ज है)

> श्चार० के० मलहोत्रा सक्ष्म प्राधिकारी, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 मन्त्रवर, 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रारकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/275/77-79—म्प्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोता

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें; इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से श्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 1/6 भाग मकान जिसका क्षेत्रफल 165.5/6 वर्ग गज, है तथा जो गी० कालज रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के म्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:—

- श्रीमती सूरजीत कौर पत्ना श्रां ग्रमरपाल सिंह वासो मच्छीबारा, तहसील समराला, जिला लुधियाना । (ग्रन्तरक)
- श्राहरबन्स लाल पुत्र श्री लाला जगन नाथ वासी बी-6-120 चौक माधोपुरी, लुधियाना । (भ्रत्तरिती)
- श्री जगदीस चन्दर पुत्र श्रं। जगन नाथ बासी मकान् नं० बी-20-13, गौ० कालज राज्य सिविल लाईन, लुधियाना ।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनता सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है '

श्रनुसूची

1/6 भाग मकान जिसका क्षेत्र फल 165.5/6 वर्ग गण है स्रीर जो गी० कालज रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है। जायेंदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय विलेख संख्या 4561, मार्च, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 श्रक्तूबर 1979

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० एल०डी० एच०/7/79-80---श्रतः मुझे भ्रार० के० मलहोत्रा

धायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'छक्त घिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धिन मध्यम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्य 25,000/- चपए से पश्चिक है

भीर जिसकी सं० 1/6 भाग मकान नं० बें 20-13, जिसका क्षेत्र फल 165.5/6 वर्ग गज है तथा जो गी० कालेन रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावड भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के सभ्रीन तारीख भरील, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रम्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितिवों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिकस, निम्नतिखित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण किखित में वाश्तिकक कप से किखित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी पांच की बाबत, उक्त बांबिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया कामा पाहिए या या, खिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. विभिन्नी बलवीर कौर पत्नी वीरपाल सिंह, बासी मार्च्छाबारा, तहसील समराला, जिला लुधियाना (भन्तरक)
- 2. श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री जगन नाथ वासी बी-6-120, माधोपुरी चौक, लुधियाना। धन्तरिसी
- 3. श्री जगदीश चन्वर पुत्र श्री जगन नाथ बाँसी बी-6 -120 माघोपुरी, लुधियाना । (शह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकातन की नारीच से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों सें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाबन की नारीख मे 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताखरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिश्वित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं; बद्धी अर्थ होगा, थो उस भ्रष्ट्याय में विधा गया है।

अनुसूची

1/6 भाग मकान नं० बी-20-13, जिसका स्नेत्र फल 165.5/6 वर्ग गज है भौर जो गौ० कालेज रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रोकर्ता भिधिकार, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 70, भन्नैल, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 मन्तूबर, 1979

से पश्चिक है फ्रौर

प्रकप साई • डी • एन • एस • —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घडीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

जिसकी भूमि का सं० प्लाट है तथा जो तरफ कारा बारा गुरदेश नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तार ख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की वर्ष है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल का पन्दह प्रतिकृत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरच के जिये तम पाय गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से अन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कवित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रजीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिह्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य धास्तियों को जिन्हें बारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के निये;

सकः, सन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व के ननुसरण में, में: इन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवादा (1) के बन्नीन निम्नजिबित स्पन्तियों, धर्मात्र---

- श्रीमती गुरचरन कौर विधवा तिभवन सिंह गांव हुसैनपुरा, तहसील लुधियाना। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सतीश बाला पत्नी श्री सुखदेव सिंह गांव जसोवाल, तहसील लुधियाना,। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की शबक्षिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबक्षि, जो भी शबक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख मे 45 दिन के मीतर उन्तर स्थायर सम्पत्ति में हित अद किसी जन्म स्थानत द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाज निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं: बही धर्य होना, जो उस धक्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि का प्लाट 522 व० गज जो तरफ कारा, बारा: गुरवेव नगर, लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4168, फरवरी, 1979 में दर्ज हैं')

> ग्नार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 प्रस्तूबर, 1979

मोहरः

प्रकृष छाई। टी। एत। एस।----

भायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भ्रमीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 ग्रक्तूबर, 1979

निदेश सं॰ एल॰ डी॰ एच०/218/78-79⊷म्रतः मुझे मार० के॰ मलहोता

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वान् 'उन्न यिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु• मे अधिक है

मीर जिसकी स० भूमि का प्लाट है तथा जो तरफकारा बारा,
गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची
में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के
कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण भाधिनियम 1908 (1908
का 16) के भ्रधान ताराख फरवरा, 1979

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पृथ्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निकिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण शिक्ति में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से बुई किसी भाय की बाबत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविचा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाप या किसी बन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या अन-कर धिधनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुद्विधा के खिए;

धतः अब उक्त पश्चितियमं की धारा 269-व के प्रमुसरण में; में, एक्त बिबिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्।--- 1. श्री जगविन्दर सिंह पुत्र श्री विभूवन सिंह वासी गांव हुसैनपुरा, तहसील लुधियाना।

मन्तरक)

2. श्रीमती राजरानी पत्नी हरनेक मोद गिल वासो गांव जसोवाल, तहसाल, लुधियाना।
(म तरितो)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्यति के मर्बन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामोक से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, घड़ोह्स्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का. को उक्क ग्रिविनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट 528 वर्ग गत जो तरफ कारा बारा, गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विलेख संख्या 4169 फरवरी, 1979 में वर्ज है)

> भार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निर्दाक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-10 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्राप्ता 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 शक्तूबर, 1979

मलहोता भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', गहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

ग्रीर जिसकी स॰ भूमि 9 वीघा 20 विस्वा 10 विश्वान्सी, तीन मंजिला मकान के साथ है तथा जो धावा कोठी नगर, कुल्लू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विज्ञत हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कुल्लू में रिजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन ताराख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया: ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आतियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त भ्रिश्वितियमं की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त प्रधितियमं की धारा 269वं की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, भर्वात्:—

- संत पाल पुत्र श्रो सवामी चयाल उर्फ करम चन्द, वासी ठावा नगर, तहसील व जिला कुल्लु।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती इन्विरा कुमारी, उषा सक्प पुत्तीयां, श्री एच० जी० कटयान, मारफत हरन्या गेमा कुतबाई, कुतबाई नगर, ईस्टेट, डा० नगर, कुल्लू (हि० प्र०)। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कायबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनाके राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क; परिभाषित हैं, वही श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिय गया है।

भनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र फल 9 वीघा 2 विस्वा 10 विश्वान्सी, तीन मंजिला मकान के साथ जो कोठी नगर, तहसील व जिला कुल्लू में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, कुल्सू के कार्यालय के विलेख संख्या 240, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख** 12-10-1979 मोहर : प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकम्रधिनियम, 1961 (1061 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० पीटीए/249/78-79—म्रातः मुझे, म्रार० के० मसहोता

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधितियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से भ्रधिक हैं।

और जिसकी मं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 13 मरले है तथा जी लिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इसते उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रतरक दायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातु:--- श्रो हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र श्री हण्देव सिंह गरेवाल, बीवरीयां रोड़, लाहौरी गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

 श्री इन्दर मल पुत्र श्री प्रतापा मल,श्री प्रवतार सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह,वासी पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी क्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अत्रय व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 13 मरले है ग्रौर जो विष्कृों साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जापेदाद जैपाकि रिजम्ट्रीवर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5566, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 12-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय: सहायक आयकर <mark>भायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 12 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० पीटीए/246/78-79—यतः मुझे, घार० के० पलडौवा

ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रुपये से ग्रधिक है

श्रीर जिन्नकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा है तथा जो गांव श्रलीपुर राईयां, तहसील पटियाला में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय में स्थित हैं पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

पूर्वोक्त जन्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मिध नियम के भाषीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर भ्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था । छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के भ्रधीन; निम्नलिखितं व्यक्तियों भ्रयीतः 1. श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री प्रिप्तम सिंह, श्री दिलदार सिंह पुत्र श्री प्रीप्तम सिंह, श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी श्री श्रजीतपाल सिंह, श्री प्रीप्तम सिंह पुत्र श्री इशार सिंह, श्री रणविजय सिंह पुत्र श्री श्रजीतपाल सिंह, श्रीमती तेजपाल कौर पत्नी श्री बरिन्दरपाल सिंह, वासी गांव श्रलीपुर, तहसील पटियाला।

(मन्तरक

2. श्रीमती कृपाल कौर पत्नी श्री राज कृष्ण पुत्र श्री शारधा राम,
श्री राजिन्दर कुमार पुत्र श्री राज कृष्ण पुत्र श्री शारधा राम
श्रीमती राम मुर्ती पत्नी श्री शाम लाल वासी गोदाम विलांड्ग ग्रजीपुर राईयां, तहसील पटियाला।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: → इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पतों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 विद्या है और जो गांव अलीपुर राईयां, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्री हर्ती अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5537, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीव: 12-10-1979

मोहरः

प्रकृष चार्ष । दी । एत । एस ------

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के श्रधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० सीएचडी/300/78-79—यतः मुझे, श्रार० के॰ मलहोत्रा,

ग्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्हा प्रजित बाजार मूम्य 25,000/- २० में अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट नं० 2169, सैक्टर 15-सी है तथा जो चन्ड़ीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के प्रांतिय चन्ड़ीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मृत्य से बम के वृश्यमान प्रतिफान के निए प्रान्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार मृत्य से जसके वृश्यमान प्रतिफान का पत्त्रह प्रतिशत से प्रसिक्त है, भीर यह कि प्रस्तरक (बन्धरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के निए तब पावा गया प्रतिफान, निम्नतिबित जहें का जनत बन्तरण निवित्त में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण के हुई किशी भाग की शावत, उक्त प्रधि-निवम, के सबीन कर देने के प्रकारक के शावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी धाव या किसी बन या घन्य धास्तिवों को जिन्हें भारतीय धाव-कर अधिनियम, 1922 (1822 का 11) वा उक्त अधिनियम, या बन-कर धिबनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया चा या किया चाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के खिए;

वतः, प्रव स्थल प्रशिविषय की शारा 269ग के बनुसरण में मैं: उक्त ब्राधिविषय की बारा 269-व की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्मविधित व्यक्तियों, वर्षात्।--- मिस शास्ती कमरोन पुत्री श्री बी० केमरीन, द्वारा श्रटारनी श्रीमती मेनेली लाल, मकान नं ० 41 सैटकर 9, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ रणजीत राम चौधरी, मकान नं॰ 78 सँवटर 24-ए, चल्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सन्तरि के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राज्ञेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताकारी के पास निचित्त में किए वा सकेंगे।

क्पक्टीकरक :---इसमें प्रमुक्त कर्को और पर्थी का, जो उक्त श्रिक्षित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अवंदोगा को उस अध्याय में दिया नका है।

पनुसूची

प्लाट नं० 2169, सैक्टर 15-सी, चन्डीगढ़।

(जापेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 983, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-10-1979

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर धर्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के धर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, यहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 प्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० एएमजेड्/113/78-79---पतः मुझे, श्रार० के० मलहोता,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-भा के प्रधीन सभग पाधि हारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थार उन्ति, जिलका उचित बाजार पूष्य 25,000/- व्यए से मिन है

और जिसकी सं० दुष्ठान है तथा जो लोहा बाजार, मण्डी गोविन्दगढ़, सब तहसील श्रमलीह में स्थित है (श्रीर इससे उपायढ़ अनुषूची में श्रीर पूर्ण रूप ले विणित है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यात्रम, श्रमलोह में, रिजस्ट्री हरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थ्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के विष्य श्रीर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर धन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, निधित म यास्तिक कर में कथित नहीं किया गया है:——

- (स) अन्तरण से हुई फिसी माय की बाबत एक्स ग्रीमियम के मंत्रीत कर देने के मन्दरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियो, को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्स प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुख्या के लिए

धत: श्रव, उक्त पश्चितियम की घारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त पश्चितियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निर्शिका व्यक्तियों, प्रशीव:--- सर्वेश्री शेर ित्ह, हरदेव ित्ह, पुन्न श्री सेवा सिह् वासी मण्डी गोविन्दगढ़, सब तहसील भ्रमलीह, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रोम प्रकाश पुत श्री श्रमर चन्द मारफत मैसर्ज श्रमर चन्द श्रगरवाल एण्ड सन्ज, श्रमलीह।

(श्रन्तरित्

 म सर्ज दी श्रमलोह श्रग्रवाल स्टोर, लोहा बाजार, मण्डा गोविन्दगढ़।

> (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के चिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी घातीप।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारी ख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबा किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताकारी के पास किसी सम्य किसी किए जा सकेंगे।

रपश्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्क भिनियम के भव्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं धर्व होगा जो उस भव्याय में विया गया है।

धनुसूची

दुशान जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़ सब-तहसील श्रमलोऽ में स्थित है।

(जारेदाद जैरा कि रिजिस्ट्री हर्ता श्रिष्ठिकारी, श्रमलोह के कार्याजय के विलेख संख्या 1769, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्रारम के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियानाः

सारीख: 12-10-1979

कार्यालय, **सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 भ्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० डीबीएस/33/78-79---यतः मुझे, ग्रार० के० भलहोता,

आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्मा प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 विघा 13 विस्वा है तथा जी गांव किणनपुरा, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब प्रतुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए घम्सरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है धौर घम्तरक (अन्तरकों) घौर घम्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर मे कवित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भाग की बाउत, उनत अग्नियम के अग्नीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या प्रत्य पास्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का :1) या उस्त धिवियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, जिलाने में मुक्थि के लिए।

- गि श्री नरन्जन सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह (स्वयं) व जनरल ग्रटारनी श्री स्वरूप सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह वासी गांव किशानपुरा, तहसील, राजपुरा (पटियाला)। (ग्रन्तरक)
- सर्वश्री करनैल सिंह, दिलबाग सिंह, सिवन्दर सिंह, बलदेव सिंह, पुत्र श्री हरनाम सिंह वासी मकान नं० 3746, सैक्टर 22-डी, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाकीप :--

- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध को भी भविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 विघा 13 बिसवा है ग्रौरजो गांव किशनपुरा, सब-तहसील छेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 1058, फरवरी 1979 में दर्ज है)।

> ग्नार० के० मलहोबा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारो**ख** : 12-10-1979

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1979

निदश सं० पीटीए/233/78-79---यतः मुझे, म्रार० के० मलहोता,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तः भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भाधा भाग भूमि व कोठी है तया जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है, (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीखं फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--- श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री देव भारत, वासी सनीर रोड़, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह कोहली पुत्र श्री सरदार सिंह कोहली, मारफत न्यू सूरज ट्रांसपोरट, साफावादी गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

1/2 भाग भूमि व कोडी जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5354, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 12-10-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

मायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० सीएमडी/301/78-79—यतः मुझे, ग्रार० के० मलहीता

म्रायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से मधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 118 स्ट्रीट क्यू॰ (ग्रब नं० 53) है तथा ं वे सँक्टर 15 बए, चन्डीगढ़ 1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिये तम प्रामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखत में मास्त्रवित रूप से क्यित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भन, उकत अधिनियम को घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को बारा 209-म की उपवारा(1) अधीन निक्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री श्रजीत सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, वासी मका तं० 19 ए० टी० एम० रोइ, कलकत्ता।

(श्रन्तरक)

2. श्री नर सिंह देव कौशल पुत्र श्री देवत राम कौशल वासी मकान नं० 295, सैक्टर 15ए, चन्ड़ीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तत्रीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रत्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपडितासरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 118, स्ट्रीट क्यू० सैक्टर 15बए, चम्डीगढ़ (ग्रब नं० 53)।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 984, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> म्नार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राप्तिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीकण) म्रजैन रेंज, लुक्रियाना।

तारीख: 12-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 12 भ्रक्तूबर, 1979

निर्देश र्सं० पीटीए/226/78ब79—यतः मुझे ग्राप्र० के० मलहोता

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है तथा जो जो गांव गलहोरी, तहसील व जिला पिटयाला में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरवे, 1979

को पूर्वोक्त नंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रोधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:

- महारानी दलीप कौर विधवा महाराज भूपिन्दर सिंह पटियाला जनरल ग्राटारनी ग्राफ श्री सोम राज सिंह पुत्र पृथ्वीराज सिंह ग्राफ पटियाला। (ग्रन्तरक)
- . 2. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, 23बी, माडल टाऊन, पटियाला।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रवारत होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में केति बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अस्रोहस्ताक्षरी ह पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरण :- - इपमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थं होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है श्रौर जो गांव गलहोरी तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सेख्या 5319, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख: 12-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ध्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 12 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० पीटीए/227/78-79—यतः मुझे, श्रार० के० मलहवेता

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 14 मरले हैं तथा जो गांव मल होरी तहसील व जिला पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपारद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित

रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय और प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पाया गया शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत:—

- महारानी दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह ग्राफ पटियाला, जनरल श्रटारनी ग्राफ श्री सीम राज सिंह पुत्र श्री पृथ्वी राज सिंह ग्राफ पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्न श्री गुरदियाल सिंह वासी 23 बी, माडल टाऊन, पटियाला। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20कं में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 14 मरले हैं श्रौर जो गांव मलहोरी , तहसील व जिला पटियाला।

(जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5320; फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

ग्रार० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 12-10-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एत • ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 57 रामतीर्थं मार्ग लखनक लखनक, विनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० टी-19/प्रजंन—यतः मुझे प्रमर सिंह बिसेन भायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ण के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 134/229 है तथा जो मोहल्ला दुविजयगंज वशीरतगंज लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1008 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से श्रिष्ठिक है शौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों), के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रवि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भिर्धानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के जनु-सरण में, मैं, उक्त धाधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1. श्री रघुराज प्रसाद।

(श्रन्तरक)

2. सरदार विलोक सिंह।

(श्रन्तरिती)

3. विकेता (उपरोक्त)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्यव्दोक्षरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत ग्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 134/229 जो मो० दुविजयगंज वशोरतगंज लखनऊ में स्थित हैं सम्पत्ति का पूर्ण विवरण जो फार्म 37 जी संख्या 1174 एवं सेली में विणित हैं जोकि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5ब2ब79 को पंजीकृत हुस्रा है।

ग्रमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, लखनऊ।

तारवेख: 18-9-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० भ्रार०137/म्रर्जन79-80—यतः मुझे, भ्रमर सिंह बिसेन

श्रायकर श्रिधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम, जहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 416 है तथा जो जवाहर लाल नेहरू रोड़ इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, तारीख 24-2-1979

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह है कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीतः— श्री जितेन्द्र कुमार मुखर्जी, कु० निमला मुखर्जी, कु० प्रभा मुखर्जी, ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र वर्मा

(भ्रन्तरिती)

उपरोक्त विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पद्यों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

लगभग 558 वर्गमीटर खुली भूमि जो बंगला नं० 4/6 जवाहर लाल नेहरू रोड़ इलाहाबाद की एक भाग है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या में वर्णित है जो कि सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 24-2-1979 को दर्ज हो चुके हैं।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 20-9-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 19 ग्रप्नैस 1979

निर्देश सं० केएलके/5/78-79—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 31 बिघा 3 बिग्वा है तया जो गांव जुड़ीला तहसील कालका में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कालका में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरिक (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त म्रधि-नियम के म्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात् :— मैसर्ज स्लोकम होटलज (प्रा०) लि० 329, सैक्टर 21-डी, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रभे राम पुत्र श्री प्यारे लाल मार्फत स्लोकम होटलज (प्रा०) लि० 329, मैक्टर 21-डी, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्चन लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 विघा 3 विघवा और जो गांव जुड़ीला तहसील कालका में स्थित है और जैसे कि रिजस्ट्रेशन नं० 858 में दिया है जो रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी कालका के कार्यालय में 26-2-1979 को लिखा गया।

> रविन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 19-4-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड़, रोहतक रोहतक, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश यं० जो० प्रार० जी०/30/78-79→-प्रनः {मुझे, रवीन्त्र कुमार पठानिया, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रुपये से ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 107-ग्रार है तथा जो न्यू कालोनी गृड़गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ⊾गुड़गांव में, रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फ**रव**री, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है स्रौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिख-नियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में ,सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, म, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थीत्:—— 10—336GI/79 श्री प्रेम दत्त शाखीर पुत्र श्री मिलक नन्द लाल 1168 सैक्टर-21-बी चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. भी हेमन्त कुमार कोकया पुत्र डा० श्री हर नारायण 17/62 थान सिंह नगर ग्रम्नद पर्वत, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 रिवन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हूं स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं 107-घार स्थित न्यू कालोनी गुड़गांव घौर जैसे कि सम्पत्ति रजिस्ट्रेशन नं 3957 में दी गई है जो रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के गुड़गांव के कार्यालय में 23-2 1979 को लिखा गया।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतकृ।

तारीख: 1-6-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० के० एल० के०/7/78-79—यतः मुझे, ई० के० कीशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 162/7, रकबा 420 वर्ग मीटर है तथा जो पंचकूला में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कालका में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रितिशत से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि -नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, नम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:——

- l- (i) श्रीमती हरदेव कौर सन्धु,पत्नी श्रीजे०एस० सन्धु।
 - (ii) श्री ग्रमरदीप सन्धु,पुद्ध श्री जे० एम० सन्धु, निवासी मकान नं० 3356/15 डी०-चन्डी-गढ़।

(ग्रन्तरक)

2. कैप्टन गुरिवयाल सिंह सन्धु, पुत्र श्री धत्तर सिंह सन्धु, निवासी मकान नं० 3356/15-डी चन्ड़ीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि: जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रौर पदों का. जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 162/7 जोकि पंचकुला में स्थित है तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 816 तिथि 14-2-79 पर दर्ज है।

> ई० के० कोणी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, **रोह**तक ।

तारीख: 3-10-1.979

पक्तसाई० टी० एत० एस०-------

वायक**ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269 भ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देण सं० बी० डब्ल्य्० एन०/5/78-79—यतः मुझे, ई० के० कोशी,

ग्रायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूह्य 25,000/-६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी-2 हिस्सा मकान नं० 412 है तथा जो एम० सी० सर्कुलर रोड़, भिवानी में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत ई), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भिवानी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण सिखित में अस्तिक का ने कीचा नहीं किया गया है ——

- (क) अस्तरण स हुई किसी भाग की बाबत, उवत अधिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मंकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी मान या किसी धन या धन्य पास्तियों को (जम्हें धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया धाना वादिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः श्रेत्र, उबस प्रधितियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधितियम की बारा 269-व की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—-

- (i) श्री सवन्त्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री जुगल किशोर, मारफत मुखत्यार ।
 - (ii) श्री भरत लाल गुप्ता पुत्र श्री जुगल किशोर गुप्ता निवासी मकान नं० 903, श्राशादीपं
 9 हेली रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2. (i) श्री भागीरथ मल
 - (ii) श्री पवन कुमार मार्फत मै० भागीरथ मल, पवन कुमार बिचला बाजार, भिवानी। (श्रन्तरिसी)

को यह **सूब**का <mark>कारों करके पूर्वोक्क सम्पति के झर्जन</mark> के जिए कार्यवाहियां करता हूं ।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में को मा शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे ।

स्पच्छोकरग:---इसमें प्रयुक्त शक्वों और पदों का, जो उनत अधि-निमम के प्रष्ट्याय 20-क में परिश्राचित हैं, बही धर्ष होगा जो उग धरुशय में दिया गया है।

ग्रमुस्ची

सम्पत्ति भाग बी-2 कुल मकान नं० 412 जोकि एम० सी० सर्कुलर रोड़ भिवानी (निकट) हांसी रोड़, भिवानी) पर स्थित है, तथा जो कि रिजस्ट्रीकर्ता गेट भिवानी के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 2352 तिथि 7-2-1979 पर दर्ज है।

> ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 10-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं ० आर० ये० सी० नं० 249/79-80---यतः मुझे, के० के० वीर

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से ग्रधिक है.

भौर जिसकी सं ० विभागी 6-3-111 है, जो बेंगमपेट हैदराबाद में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्राधीन फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्ष-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में क्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आरस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धनकर ग्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव उक्त भाधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातु:--

1. श्री वै० मल्लीकारजुना प्रसाद चेली पल्ली घर बेगम-पेट, हैदराबाद।

(म्रन्तरक)

2. श्री तकीयीवीन हैदर पिता गोकमैबूब घर 16-8-932/1 मलकपेट--हैवराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनन सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति बारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घरनं० 6-3-1111 म्रौर खुली जमीन क्षेत्र 2670 वर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 708/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 27 9-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस७----

भायकर भधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भधीन

> भारत सरकार एक सम्बद्धाः स्टब्स्टर (

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 8 म्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर०ए० सी० नं० 250/79 80——यतः मुझे, के० के० वीर

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ स्पर्य से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6-3-672 है, जो पनजागृहा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख करवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भाधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धनकर ग्रधिनियम या धनकर ग्रधिनियम वा धनकर ग्रधिनियम वा धनकर ग्रधिनियम वा धनकर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

- 1. (1) श्री एस० निजामुदीन अहमद
 - (2) कुमारी सानीया अहमद
 - (3) कुमारी सालमा स्रहमद दोनों नाबालिक अपने पिता श्री एस० निजामुदीन स्रहमद घर नं० 6-3-248/3/ए-4 काकातीया नगरहैदराबाद। (स्रन्तरक)
- 2. (1) डा० गजनफर हुसेन
 - (2) डा० श्रमीना घर नं० 11-5-297 रेड हिल्स हैंदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

कांयह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो .के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशनकी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृचि

धर नं० 6-3-672 मनजागुट्टा हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1130/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-10-79

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 म्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ये० सी० नं**०** 251/79-80—यतः मुझे,

के० के० वीर मायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धर्घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घर्घीम सद्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- वपये से मधिक है xौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 3-2 1/1 ता० 3काचीगुडा में स्थित हैं (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का परद्रह प्रतिगत से प्रधिक है पौर भन्तरक (मन्तरकों) मौर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत, उनल प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य पास्तियों, को जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर भिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्व भन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— श्री दी० के० एम० घेटरजी पीता टी० रनगय्या घर नं० 5-9-22/42 प्लाट नं० 10 ध्रदर्शनगर हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री सतीश कुमार श्रग्रवाल (पार्टनर मैसर्स कुमार ब्रद्यसे कम्पनी घर नं 3-4-829/1 बरकतपुरा, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए सार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी पार्लेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 विन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितब के किसी सम्य व्यक्ति द्वारा संधोहस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त घर्षि-नियम के सध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया, जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्त नं० 786 वर्ग यार्ड घर नं० 3-2-1/1 श्रीर 3-2-1/1/1 ता० 3 काचीगुडा स्टेशन रास्ता, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेष नं० 1138/79 ऊप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 8-10-1979

प्राक्त आई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-ध (1) के प्रधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अन्तूबर 1979

निर्देश मं० ए० सी०नं० 252/79-80---यतः मुझे के० के० बीर

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- वपए ने प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8-2-674/2/बी है, जो रास्ता नं० 13 बनजारा हीलस में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैरता-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ब्रधीन, तारीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह
प्रतिगत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक कप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, शक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रस्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या धन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए;

सतः भव, जक्त प्रधितियम को धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अखितियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती वै० वनाजाकशी
 - (2) श्रीमती ग्रार० राधीका
 - (3) कुमारी प्रवीना
 - (4) कुमारी प्रमीद
 - (5) मास्टर पनकज तमाम का घर 5-8-342 घीरागली लेन हैंदराबाद ।

(प्रन्तरक)

 श्रीमती एल० जयाप्राडा रेड्डी घर नं० 3-6-235 हीमायत नगर हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो कर के पूर्वीका समाति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही प्रथ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

घर नं० 8-2-674/2/बी रास्ता नं० 13 बनजारा हीलस हैदराबाव रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 414/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 8-10-1979

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (t) के अधीन मूचना

गारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज, **है**दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रम्तूबर, 1979

निवश सं० ए० सी० नं० 253/79-80---यतः मुझे, के० के० वीर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उना सिविनियम' कहा गया है). की धारा 269 ख के सिवीन सक्षत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित जा बार मृत्य 25,000/-रुपसे से क्षतिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 ग्रीर 8 है, जो 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्मित के उवित वाजार मूल्य से माम के पृथ्यमान प्रतिफान के लिए अम्तरित को गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से ऐसे दृश्यमान प्रतिफान का पण्डह प्रतिकार मिकिन है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितमों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नसिवत उद्देश्य से उन्तर प्रस्तरण निक्षित में वाक्तवित कप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, जब्स भिवित्यम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धौर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या वश्य खास्तियों को जिल्हें शायकर अधिनियम, 1922 (1923 को 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या क्रिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा क्रितिए;

अतः प्रथः, उक्त प्रविशियम की घारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त प्रविश्विस, की धारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अधीन :—

 श्री वी० मल्लीकारजुना प्रसाद चेलापली घर वेगमपेट हैवराबाव।

(भ्रन्तरक)

 श्री सहसद जबरदस्त कान सैसर्स कादक्वीसा 5-9-160 पब्लिक गार्डन नामपली हैंदराबाद । (श्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाडियों करता हैं।

उक्त संतति के अनंत के मंत्रंख म कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवित्तयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, में भी
 अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपण्डोकरण ।--इपर्ने प्रयुका शक्ती पौर गर्दो का जो उक्त अधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वनुसूची

प्लाट नं० 7 श्रीर 8 घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदरा-बाद वीर्स्तन 800 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 500/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> कें के वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 8-10-1979

मोहरः

प्रकृप भाई∙टी•एन•एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रनतूबर 1979

निद्या सं० आर० ए० सी० नं० 254/79-80——यत: मुझे, के० के० वीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/~ रु∙ में ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित हैं, (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

तारीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर सम्तरक
(भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐमे
अञ्चरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चहेश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उनत अधिनियम के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, मा धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भन् में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों. भ्रथीतः— 11—336GIi79 श्री वै० मलीकारजुना प्रसाद, चेल्लापली घर बेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. डा० त्री० सुर्य नारायण राजू घर नं० 1-2-217/1 गगन महल, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मर्वन में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

न्यस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 18, बीस्तंन 415 वर्ग यार्ड, घर नं० 6-3-1111, बेगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 536/79 छप रजिस्ट्री कार्यालय कैरता बाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-10-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 🖟 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 255/79-80—-यतः मुझे, के० के० बीर

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा मया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

होर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 और 4 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1979 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे. यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कर से किनान नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, सक्त श्रीवित्यम के भ्रीत कर देने के भन्तरक के वासित्य में कमी करने या समसे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय वा किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उनत मौधनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उन्तर मंदिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातः--- श्री वैंमल्लोकार्जुना प्रसाद, चेल्लापली, घर बेगमपे हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सखहश्रीसा, घर नं० 5-4-86 एम० जी० रास्ता, सीकिन्द्राबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दित की श्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दित की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4 ग्रीर 5 वीस्तेन 988 वर्ग यार्ड, घर नं० 6-3-1111-बैगमपेट, हैदराबाद, रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 673/ 79, उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> ॄंके० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

सारीख: 8-10-1979

मोहरः

(4) E

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----

अवात हर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 256 / 79-80——यतः मुझे, के० के० वीर

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) । (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से स्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० जमीन मर्वे नं० 292, 293, 308, 309, 289/8 303 व 306 हैं जो कैरताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 11979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि प्रथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के है प्रीर प्रन्तरक (प्रथ्नरकों) प्रोर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः, श्रव, उवत श्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्रधीननिम्नलिखित व्यक्तियों, स्रर्थात्:---

- 1. (1) श्री जी० हरनादा राऊ
 - (2) श्रीमती बी० रानी
 - (5) श्रीमती वी० स्नीहरी
 - (4) श्रीमती जी० देवीका
 - (5) श्रीमती के० मानीकयाम्मा
 - (6) श्रीमती वी० कालपना 12-2-716 वेरबन हैंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. ई० ए० जी० कार्यालय कोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड सैफाबाद, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजयत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: च−इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पक्षों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 292, 293, 308, 309, 289/8, 303 व 306 वीर्स्तन 16.10 एकड़ गुडीमलकापुर हैंदराबाद, रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 704/79 ऊप रिजिस्ट्री कार्यालय, कैरता-बाद में ।

कें० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख: 8-10-1979

प्रकप भाई। टी। एन। एस।----

भायकर मिष्ठिनियम, 1961 (1961 भा 43) की धारा 269-भ (1) के अमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० 257/79-80---यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहंग 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-10-77 है, जो बेगमपेट मिकन्द्राबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत अकत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1)श्रीमती जै० कुमदुनी देवी
 - (2) श्री जे॰ राम देव राऊ घर नं॰ 1-10-77 बेगमपेट, सीकीन्द्राबाद।

(भ्रन्तरक)

 महलाध्यान बीध्यापीठ सेक्नेटरी है मिस सरोज पानडे, घर नं० 1-8-702/19 नल्लाकुनटा, हैदराबाद

(अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजॅन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-10-77 खुली जमीन के साथ 11597 वर्ग मीटर, बेगमपेट, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 458/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 8-10-1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस॰---

भावकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

{हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 258 / 79-80 — यतः मुझे, के० के० बीर,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त बिधिनियम' कहा गया है),की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-10-76 है, जो बेगमपेट सीकीन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979)

को पूर्वोक्त सम्पर्शि के उचित बाजार मूस्य से कम के पूर्यमान प्रतिफन के निए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूस्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे यूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अवत प्रधिनियम के अधीन कर देने के घग्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष; और/या
- (ब) ऐमी किसी श्रीय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्सरिती द्वारा भकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षिकत व्यक्तियों, ग्रक्ति:— 1. श्री जे० रामदेव राऊ घर नं • 1-10-77 बेगमपे सीकीन्द्राबाद।

(ग्रन्तरक)

2. महलाध्यान बीध्यापीठ इसके म्रदीपती मिस सरोज पानडे 1-8-702/19 $_{\parallel}$ नलाकुनटा, हैंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधीप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रीधनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सामने वाली घर नं० 1-10-76 बेगमपेट सीकीन्बाबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 458/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी⊩ सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-10-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एम० ---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 10 अक्तूबर 1979

निर्देश संब्यार० ए० सी०नं० 260/79-80--यतः मुझे, के० के० वीर•

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रोर जिसकी मं० ब्लाक नं० 4 है, जो 6-1-85 सैफाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में जारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उनत ध्रिधिनियम के ध्रश्चीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- (1) श्रीमती राणी सनकरम्मा पत्नि वी०सी०प्रताफरेडी, 6-1-85 मैंफाबाद, हैदराबाद । (ध्रन्तरक)
- (2) श्री फी० किशना चौधरी फीता श्रपय्या में 39 मरममजिल कालोनी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-वाहियां भुक्त करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4 घर नं० 6-1-85 वीस्त्र्ने 500 वर्गयार्ड सैफाबाद, हैदराबाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 337/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-10-79

मोहरः

प्ररू० भ्राई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अकत्बर 79

निर्देश सं शार् एस० सी० नं २ 26/79~80--यतः मुझे, के० के० वीर, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से ग्रधिक हि मूल्य ग्रौर जिसकी सं० XVI 8-9-10-11 है, जो 1/4 श्रदोनी स्थित है (ग्रौर इमरो उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रदोनी में भारतीय रजिट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है मन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती ¦(भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

- (1) श्रीमती धरमी भाई पती मगनलाल, भादावरम रास्ता अदोनी, करनूल जिला। (अन्तरिक)
 - (2) श्री बी० हुमैन साहिब (2) बी० महबूब साहिब (3) बी० काजा हुमैन साहिव एस० के० डी० ग्रडवानी कालोनी ग्रदीनी, करनूल जिला ।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन कि लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के श्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगर, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 वां भाग है सम्पत्ती में घर नं० गीनरीय फयाटरी नं० XVI 8-9-10, 11 वेनगाला पुरम में है सरवे नं 126-में आदीनी कारनूल जीना रजिस्ट्री दस्तावेज ने 250/79 क्विंजप रजिस्ट्री कार्यलय श्रदोनी में।

> के० के० वीर मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ज: 10-10-79**।

 $\Pi_{i}^{(1)}$

प्रकृष माई०टी • एन • एस • -----

भायकर भिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भीषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 10 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० श्रार० ये० मी० नं० 262/79-80---श्रतः मुझे, के० के० बीर,

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत श्रीवितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अबोन सक्षम प्राविकारी की, पह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से घंषिक है

श्रीर जिसकी सं० मीनीनम कारखाना है है, जो श्रदोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रदोनी में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन करवरी 1979 को

पूर्वोच्छ सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्छ सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिभत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिखल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण निखित में पास्तविक क्य से कचित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के सायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-श्वर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिमाने में सुविधा के लिए;

भत: मन, उनत मधिनियम की बारा 269-ग के मनुसरम में, में, पनत मधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निग्निशिवत व्यक्तियों, अर्थात् :---12—336GI/79

- (1) श्री भूरमल पिता मगनलाल मादवरम रास्ता श्रवोनी। (अन्तरक)
- (2) श्री बी॰ हसीन साहित पित। रघम समैव श्रीकिशण दीवराया नगर अदोनी (स्रन्तिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उनम सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भ्रिध-नियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्याय में विधा गया है।

प्रनत्त्वी

धौलवी वीभाग वीनीम फैक्टरी नं० XVI 8-9-10-11 वेनमलापुरम सर्वे नं० 126-ए० अदोनी करनूल जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 251/79उप-रजिस्ट्री कार्यालय ग्रदीनी में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

ता**रीच**ः 10-10-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद -

हैदराबाद, तारीख 10 अक्तूबर 79

श्चार**० ये० सी० नं०** 263√79-80---यनः मुझे, के० के० बीर

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्टक है

भीर जिसकी सं० 1/4 विभागी है जो जीनीरा कारखाना भ्रदोनी में स्थित है (भ्रीर इममे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. भ्रदोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुंई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) एसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्ह भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात:--- (1) श्री मीता लाल पिता मगन लाल वीरघेनन्द श्रदवानी मादावरम रास्ता श्रद्धोनी

(भ्रन्तकर्)

(2) श्री बी० महबूब साहिब श्रीकृष्ण देवराया नगर-श्रदोनी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 विभागी जिनीका कारखाना नं० XVI 8-9-10-11 वेनगनापुरम श्रद्गीनी रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 252/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय श्रदोनी में।

> कें० कें०वीर सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 10-10-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1979

प्रार्० ए० सी० नं० 264 / 79−80---- ग्रतः. मुझे के० के० वीर

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1/4 विभाग है, जो जीनींग कारखाना अदोनी स्थित हैं, (स्रोर इसे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण-रूप से विभाग है), राजिस्ट्रीकार्ता स्रिधकारी के कार्यालय श्रदोनी में भारतीय राजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त मधिनियम, की धारा 269ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीन :—

- श्री चन्द्राकुमार पिता मगनलालबीर मादावरम रास्ता

 प्रदोनी।
 (ध्रन्तरक)
 - 2. श्रीबी० काणा हुसैन एस० के० डी० कालोनी श्रदोनी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सेकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

1/4 विभाग गीतीग कारकाना नं० XVI-8-9-10-11 वेनगलापुरम श्रदोनी करनूल जीला, रजिस्ट्री दस्ता **वेज नं०** 253/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय श्रदोनी में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण, भ्रजन रेंज, **है**दराबाद ।

दिनांग : 10-10-1979

मीहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अजन रंज, हैपराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अन्त्बर 1979

निर्देश सं• श्रार० ये० सी० नं० 265/79-80---श्रतः मुझे के० के० वीर,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० भाग 5-9-94 है, जो चापत रास्ता हैरराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैरराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :——

- 1 श्रीमिति रायानाप्रताप चर नं० 5-9-92 धापल रास्ता हैयराबाद। (श्रन्तरक)
 - 2. डाक्टर वेदप्रकाण बीगलकुनटा हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

घर का वीभागी नं० 5-9-94 **धापल रास्ता हैद**रा-बाद रजिस्ट्री धस्तावेज नं० 1251/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय **हैद**राबाद।

> कें० कें० वीर, सक्षम भ्रष्टिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजने रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रामकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैद्वराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 श्रमत्बर 1979

निर्देश सं० श्रार०ये० सी० 226/79-80--श्रतः मुझे, के० के० वीर,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269—ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से भ्रिधिक है

न्नौर जिसकी मं० 10-2-315/317 है, जो बाजार गाट हैदराबाद में स्थित है न्नॉर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में न्नौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रींकर्ण ग्रधिनियम. 1908 (1908 16) के न्नधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) १. श्री शीराज येन पीर मुहमद 2. जीमा पीर मुहमद (3) श्रीमती सीसीयाना रजा पति मुहमद रजा 11-5-397 रेड हीत्म हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दौलत खान 15-8-513 दौलत मेन्णन **बगम बाजार** हैदराबाध । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधो हस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो छक्त श्रिक्षितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"जिया दाकीस" मकान फरनीचर बीजीली तनसीव श्रीर खुली जमीन बाजारगट हैदराबाद राजस्ट्री दस्तावेज नं० 429/79 उप राजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, मक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-10-1979

प्ररूप आई० टी० एन∙एस०~--

भागकर बाधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदर।वाद

हैदर(ब)व, दिनांक 10 श्रक्तुबर 1979

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० 267/79-80--श्रत: मुझे, के० क० वीर,

भायकर पिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्ने इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बाबीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अबित बाबार मूल्य 25,000/- व्यये से स्थिक है

श्रीर जिसकी मं० ब्लाक नं० 1 है, जो 6-1-85 सैफाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणात है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद ♥में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धरीन फर्वरी 1979

को पूर्वोक्त समिति के उपित बाजार मूल्य से मम के वृष्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है भीर पृक्षे यह विश्वान करने का कारण है कि प्रथापूर्वोकत सम्मति का उपित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल में, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह से प्रतिवात ध्रिषक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर पन्तरित (प्रनिर्दितों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकान निम्नतिश्चित उद्देश से उका अन्यरण निश्चित में वाम्तविह हुए से किया निम्नतिश्चन उद्देश से उका अन्यरण निश्चित में वाम्तविह हुए से किया निम्नतिश्चन उद्देश से उका सम्बरण निश्चित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की वाबत, उक्त भ्राधिनियम के भ्राधीन कर देने के भन्दरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के किए; भौर/या
- (च) ऐतो किसी पाप या किसी अन या अग्य साक्ष्यिं को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिवनियम, या अन-कर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिर्सी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के निए;

श्व: त्रव, उन्त प्रथितियम सी घारा 269-में के समुसरण में, में, उस्त प्रवितियम, हो घारा 269-च की उपधारा (1) के बचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:——

- 1. श्री बी० वी० प्रताब रेडी पिता श्रीनिवास रेडी 6~1-85 मैं प्रावाद, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री य० वेनकटेशवरलु घर नं० 3-6-361/6 हीमायत- नगर, **है** π राबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कीई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी सन्प व्यक्ति द्वारा, अक्षोड्स्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पर्न का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, जहीं ग्रंथें होना, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन श्रीर घर नं० 6-1-85 ब्लाक नं० 1 वेस्टर्न 400 वर्ग यार्ड सैफाबाद हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 338/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० के० वीर, सक्षम श्रिधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-10-1979 ।

प्राक्ष माई० टी॰ एन॰ एस०---आमकर मिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269थ (1) के मधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 268/79-80--ग्रतः मुझे के० के० वीर,

श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं मलगीनं 8 है जो 227-269/8 दीवानदेवड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री क्रित ग्रिधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में रजिस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जारीख फरवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारग है कि यवापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मृहय उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उन्त अन्तरण विविद्य ने जाना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उन्त अन्तरण विविद्य ने जाना स्वास्तर क्षा स्वास्तर स्वास स्वास्तर स्वास्तर स्वास्तर स्वास स्वा

- (ह) धन्तरम में हुई कियों पाय जी बाबत उसर अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रृहिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना खाइए या, जियाने में सुविधा के लिए;

अराः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 239ग के अनुसरण मं, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. मैं पर्स शाहबुलडर्स 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित हलीमाबी पत्नि गफारभाई 22-7-439 पुरानी हवेली हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करते हुर्शेका सम्पन्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मंपत्तिके अर्जन के संबंध में काह मा बाले। :---

- (क) इस सूचना ले राज्ञपत में उकाजन की तारीख से 45 पिन की अवधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर नूचना की ताराल से 30 दिन की अवधि को भी जनिष्य बाद में सभाष्त होती हो, के बीनग् कर्षित व्यक्तियों में ने किया करिता करिता करिता है।
- (ख) ,इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीनर उदन स्थादर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यतित द्वारा, उत्तरम्ताक्षरी क
 पास विर्वादय नेरियर सा उत्तर र

स्पब्दोकरण: -- इनमें प्रयुक्त प्रवेशों और गर्ने का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-महिषत हैं. वनी पर्य होगा जो नस प्रकाय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं 8 घर नं 227-269 दीवानदेवडी हैदराबाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज डी 381/78 उप-रिजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 11-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैफ्राबाद

हैशराबाद दिनांक 11 श्रक्तुबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 269/79-80 :---अतः मुझे के० के० वीर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है', की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्० मे प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5-9-22/42/5 है, जो आदर्णनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से श्रीधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, यह तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिक्षि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त मधिनियम, की धारा 269- घ के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मुर्थात :---

- श्रीमिति भारती राऊ 8-2-3-50/5ए बनजारा हिल्स हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) मेनर्स दीमत देसाई एण्ड कम्पनी 3-6-369/ए०/5--गली नं । हीमायत नगर हैंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

े उक्त सम्पत्ति के श्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्जाट-पहलीनता के सम्यक्ति पर घर नं० 5-9-22/42/5 श्रादर्शनगर हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 800/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैैदराबाद

दिनांक: 11-10-1979

मोहर ं

प्रकप भाईं टी एन एस ----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 भ्रक्त्वर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 270/79-80--यतः म्झे, के० के० वीर,

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त घिष्ठानियम' कहा गया है), की घारा 🗓 269-ख के प्रजीन संप्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-**≖पर्थे** से ग्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-9-22/42/6 है, जो आदर्शनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्रयंपारा गया प्रतिकृत, विस्तृतिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसो ग्राय को वाबत उक्त भ्राधिनियम के ग्रधीन कर देने के **भग्त**रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जीनेन्दर राऊ, 8-2-350/5ए, बनजारा हिल्स, (ग्रन्तरक) हैंदराबाद ।
- 5-9-22/42/6, 2. श्रीमती भूगीला हरीलाल गाह, (अन्तरिती) आदर्शनगर, हैदराबाद ।

को यहुसूत्रनानारो करके दुर्जीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्येवादियां करता हूं।

उनत समाति के प्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी माक्रीप---

- (क) इस प्रवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मुबना की तामील से 30 विन की ब्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के **मीतर पूर्वोक्त** भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इय स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हरदशीकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही यर्थ होगाजो उस ग्राध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट और मोटरखाना, पहली सता पर, घर नं० 5-9-42/6, श्रादर्शनगर, हैंदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं 667/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 11-10-1979

मोहर:

13-336GI/79

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०----

श्रायकरश्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रमत्बर 1979

निर्देश सं० प्रार० ये० सी० 271/79-80--- प्रतः, मुझे, के० के० बीर,

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रीधन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रुपण् से श्रीधक है

ष्मीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-2-1/1 है, जो काचीगुड़ा रास्ता हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैयरा-वाद में रिजस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अक्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐस इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, विश्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्री रवीन्द्र नाथ पुत्र रामकोटेश्वराराङ विजयवाङ्ग-४।
 (ग्रन्सरक)
- 2. श्री जैकुमार धगरवाल पुत कालीराम श्रग्नवाल, 3-4-829/1, बरकतपुरा, हैवराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तम्झम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अभात्त में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम के आध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लाट 500 वर्ग गज, घर नं० 3-2-1/1, 3-2-1/1/1 से 3, काचीगुडा, स्टेशन रास्ता, हैदराबाद, रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1139/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैंदराबाद में ।

के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 11-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० घार० ये० सी० 272/79-80---धतः, मुझे, के० के०वीर,

न्नाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रजीत अजन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सन्नति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

यौर जिसकी सं० 4-1-938/आर 16-17 है, जो कृष्णा कालोनी में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद स्नृसूची में स्रोर पूर्ण इस से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के वार्यालय, हैरराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रंब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्

- (1) मैनर्स कृष्णा जनस्टूक्यन कम्पनी, 5-8-612,श्राविष रास्ता, हैया:बाद।
 - (2) श्री राजकुमार, 3-2-350, चेपल बाजार, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमतीदी० विजयलक्ष्मी पत्नी दी० जनारदन, 7-1-67/ 13, अमीरपेट, **है**दराबाद (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20 ह में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाल स्रीरघर नं० 4-1-938/स्रार-16 स्रीर 17-4-1-938/ स्रार से 20, कृष्णा काम्पलेक्स तिलक रास्ता, हैरराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 643/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदरा-बाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, **है**दराबाद

विनांक: 11-10-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराब।द, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० 273/79-89--- अत:, मुझे, के० के० वीर,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ र० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० शॉपनं० 17 क्रांगसी है. जो दोमलगुड़ा में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध क्षतुसूची में स्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिल्हीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 16) के प्रधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है फ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का भन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्राधिनियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- () ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--

- 1. मैंमर्स स्वास्तीक बिल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगुडा हैदराब!द। (ग्रन्तरक)
- श्री हरि किणन सोती, घर नं० 14-2-332/1, (भ्रन्तरिती) स्यान बाग कालोनी, हैदराबाद-12 ।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ऋध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

र्णाप नं० क्रार्ट्ड सी० 17, लड़खाना में सागरव्य मकान, दोमलगुडा, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1210/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, हैदराबाध

दिनांक: 11-10-1979

प्रक्षमाई • टी • एन • एन ० -----

'अ/यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 296-घ (1) के ग्रधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० श्रार० ए० मी०274/79-80—श्रतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वाल 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया ह), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह जिम्बास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- कर से धिषक है

भीर जिसकी सं० आर० सी० 16 है, जो सागर व्यू मकान में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दोमलगुड़ा राबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यित की गई है भीर मुझे यह दिश्वाम गरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया मया प्रतिफल; निक्लिखित उद्देश्य से अन्तर भन्तरक विधित में बास्तिक कप से करित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण ंधे हुई किसी भाग की नावत 'उक्त प्रक्षितियम' के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिक्य में कमी करने या उग्रसे वचने में मृतिशा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों
 .को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम,
 या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सृतिका के सिए;

श्रतः भव, सक्त भिर्मातयम की घारा 269-व के बनुसर्व में, मे, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उप-भ्रास (1) के भ्रधीन, निकालिक व्यक्तियों, भ्रवीत् 1---

1. मैसर्स स्वास्तिक बिल्डर्स 1-2-524/3, सागर्व्यू मकान, हैदराबाद (श्रन्तरक)
2. श्री हरी किणन सोनी, वकील, 14-2-332/1 ज्ञान बाग कालोनी, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी भरके पूर्वोका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्राध्वीकरण :---इतमें प्रयुक्त मन्दों भीर पर्या का, जो जकत श्रिवियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाँप प्रिमिसिस नं० ग्रार० सी०-16 सेलर फ्लोर में, सागर-व्यू मकान में दोमलगुडा हैंदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 1209/79 उप रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराचाद

दिनांक: 11 भ्रमतूबर 1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 श्रक्तूबर 11979

निदेश सं० श्रार० ए० सी० न० 275/79-80—-श्रतः, मुझे, के०। के० श्रीर

लायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन जान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्यति, जिपका उवित बाजार मूख्य 25,000/- ध्पए से अधिक है

स्रोर सिकी सं० खुली जमीन है, जो दोमलगुड़ा स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्णरूप से वर्णन है), रजिस्ट्रीब कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1979 को

पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिक्रल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृक्षे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल की ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिखित में वास्तिथित हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई कियों प्राय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी याय था किया धन या अन्य प्रास्तिकों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने म स्थिका के लिए;

श्रवः श्रवः, उका अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उपर श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः :----

- 1. श्री मोहमद शाबुदीन घर नं० 1-2-482 दोमलगुडा हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सागर कन्स्ट्रवशनस कम्पनी, 14 सी० सागर ब्यु, मकान दोमलगुडा हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्वत 🕮. लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तासीन से 30 दिन की अविध, जो भो अविध बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) उस त्यता के राजपञ्च में प्रकाशन की तारीश्व ने 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी अग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

खुली जमीन 350 वर्ग यार्ड पुराना घर नं० 1-2-510 से 1-2-523 दोमल गुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 776/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण), प्रार्थन रोंज, हैदराबाव

दिनांक: 11 भ्रक्तूबर 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकरम्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत संग्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 श्रक्त्बर 1979

निदेश सं० श्रार० ए० सी०नं० 276/79-80---प्रतः, मुझे, के० के० बीर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० है, जो 755, 756, ऊपलकलां में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ये उका अन्तरण लिखिन में वास्त्रीय का ने किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी प्राय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयोत्:—

- 1 श्री पी०विवेकानन्द रावेँ घर नं० 6—1—69/4/4 सैफाबाद हैदराबाद। (प्रन्तरक)
- भारत सरकार कर्मचारी कोग्रापरेटिव सोसाइटी लिमिटेड श्री बी० रामास्वामी उदीपित के ध्यवार में हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के मम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) स सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन है सर्वे नं० 755, भ्रौर 756 अपलकलां हैदराबाद में है जुमला विस्तार—3 एकर्स 32 गुनटास रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1908/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

> ॄके० के० सीर ृसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 15-10-1979

ंमोहर :

अ≆प माँदै० टो » एत • एस • → ----

अराग हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संघीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुनत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 ग्रक्तुबर 1979

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 277/79-80—— म्रतः, मुझे, के० के० बीर

बायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के शिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 25,000/-च• से अधिक है और जिसकी

सं० जमीन सर्वे नं० है, जो 116 दोकटा गांव मिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तिरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्प्रह प्रतिशत ग्रधिक है घीर घन्तरक (घन्तरकों) घीर घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निखित में बास्त-बिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य बास्तियों को, जिन्हें भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: शब, उश्न प्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उदत प्रधिनियम भी धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिधित व्यक्तियों अर्थीत्।---

- 1. (1) डाक्टर एम० चेन्नारेड्डी (2) श्री एम० रवीन्द्र रेड्डी (3) एम० गणीधर रेड्डी तमाम का घर वथकम्माकुन्टा, सिकन्दराबाव में है। (अन्तरक)
- 2. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स पावर प्रोजेक्टम् डिवीजन, इम्पलाईज् को-आपरेटिव हार्डासग सोसाइटी लिमिटेड, सरोजनी-देवी रोड, सिकन्दराबाद में । (ग्रन्तरिती)

को यह सुवा। जारी अपरके (ऑस्त संपत्ति के मर्जन के निष् कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध याद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, भधीहस्ताध्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त गढ़ों भीर पक्षों का, सो ग्राधिनियम के शक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तार— 13 एकर्स 30 गुनटास है सर्वे नं० 116 में तोकटा गाँव सिंकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 365/79 में उप रजिस्ट्री कार्यालय सिंकन्दराबाद में।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15-10-79

प्रकप माई•टी• एन• एस०-----

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 ग्रक्तुबर 1979

निदेश सं श्रार ए० सी० नं० 278/79-80-- अतः, मृझे, के० के० वीर

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16/371, 16/379 है, जो किला रास्ता वारंगल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबन्न भ्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वारं-गल में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तविक अप से कियत महीं किया यथा है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाम की बाजत उक्त बाबि-नियम के घड़ीन कर देने के प्रस्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के किए; और/याः।
- (च) ऐसी किसी याय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर अक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिका, जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के सनुसर्य में, में, एक्त बिधिनियम की घारा 269-घ की उपबादा (1) के विक्लिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. (1) पीगल इन्डस्ट्रीज कम्पनी उसके **डायरेक्टर पींगल** विजयपाल रेडी, वडेपल्ली गाँव वारंगल (2) श्री पी० जगदीश रेड्डी सुपुत्र पी० मदुसूदन रेड्डी, बेगमपेट, हैसराबाद। (भ्रन्तरक)
- 2. मैसर्स श्री लक्ष्मी विलास राइस ग्रौर ग्राइल मिल्स, किला रास्ता, वारंगल जिस के पार्टनर हैं:
- (1) सर्वश्री चेरुकुरु अयारामा राव मेनतेना में रहता है(2) पोटलूरी सत्याकुमार (3)पोटलूरी चिन्नाबाबू (4)कनेगंटी विजया-लक्ष्मी (5) बोपनाभासकरमबा किला रास्ता वारंगल में है। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

वनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धासीप:--

- (क) इस मूचना के राजप्य में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी ख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इतमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम, के घड़्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी घर्य होगा, जो उन प्रक्राय में दिया नया है।

अनुसूची

चात्रल ग्रीर तेल की मील है, किला रास्ता भारंगल के पास में जिसका सर्वे नं० हैं: 2025 ग्रीर 2026 ग्रीर नं० 16/371 से 16/379 में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 382/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, बारंगल में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15 श्रवत्बर, 1979

मोहरः

14-336 GI/70

प्ररूप शाई • टी • एन • एस •----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फ्राक्ट्बर 1979

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० 279/79-80--- ग्रतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 11-1-84 ता 117 है, जो सीताफल मन्डी, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णह्म से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त मस्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निर्मापण्यास्ति की नई है मीर मुझे यह विश्वास कर के प्रवास के किया प्रवास की नई है मीर मुझे यह विश्वास कर के प्रवास की किया प्रवास की प्रवास प्रवास की विषय प्रवास की प्रव

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्सरक के वायित्व म कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिर्तियम, या धन-कर ग्रांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अत्र, उका प्रश्नितियम की बारा 269-य के धनुसरण में, में, उका ग्रिवितयम की धारा 269-य की उपवारा (1) के अधीन निम्नसिखत व्यक्तियों, धर्यातः—

- 1. गोपालाकृष्ण दसार घर नं० 5-1-8640 सुलनान बाजार, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ऐस० धरमग्या घर 11-1-84 ता० 117 सीताफलमनडी, सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की श्रवित्र, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, यो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्थ स्थित द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोहरण:--इसमें प्रपुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होना जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर नं० 11-1-84 ता० 117 सीताफल मनडी सिकन्दा-बाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 813/79 उप रिजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षय भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 15-10-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस॰-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 श्रक्टूबर 1979

निदेश सं० घ्रार० थे० सी० 280/79-80—श्रतः, मुझे, के० के०, वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/- ४० से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10-3-806 है, जो विजयनगर कालोनी हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कैरता-बाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घधिक है घोर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर धन्तरितो (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत क्यत ग्रीविनियन के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धनकर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चासिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निकासिका व्यक्तियों, अर्थात् :~

- श्री जी० रामपुरेड्डी पिता शोरी रेड्डी, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जी० धीन्नापु रेड्डी पिता रायपरेड्डी बरसाराऊ पेट, तालुका गुनटूर जिला। (श्रन्तरिती)

को **यह सुव**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवरीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 10-3-806 |27|2 भ्रार० टी०) विजय नगर कालोनी में हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3402|79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-10-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद दिनांक 15 भ्रक्तुबर 1979

न्नार० ये० सी० नं० 281/79-80--म्रतः, मुझे, के० के०

वीर, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है **भौर** जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है जो सरवे नं० 32/1सोमजीगुड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण में भ्रधिनियम, (1908 का 16) के भ्रधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:——

- 1. श्री जीतेन्दर राज नीमित कीया गया है उच्च न्यायालय श्रान्धा प्रदेश के तरफ से घर नं० 6-3-1238 सोमाजीगुडा, हैदराबाद (श्रान्तरक)
- 2. मैसर्स इन्टरफूड लिमिटेड, बी-4 ईन्डस्ट्रीज निवासी हैदराबाद में (2) धन लक्ष्मी को-आपरेटिय हार्डीसंग सोसाइटी हेदराबाद में (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध अजन के में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 11 वीस्तेन 934 वर्ग गज सरवे नं० 32/1 और घर का नं० 6-3-1238 राज भवन रास्ता सोमाजीगुडा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 478/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद में।

> कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीखा: 15-10-1979

प्रकप माई० टी० एत । एस :----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के सधीन ग्रसुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 प्रक्टूबर 1979

ग्रार० ये० सी० नं० 282/79−80−-ग्रतः, मुझे, के० के० बीर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/॰ द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी प्लाठ नं० 12 है, जो सरवे नं० 32/1 सोमाजी-गुड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैरता-बाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (भन्तरकों) और ग्रन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से इक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से संचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्स श्रीविषय, के श्रीका कर देने के प्रकारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः। सब, उन्त प्रधिनियमं की धारा 269-ए के भनुसरण में, में. उन्त प्रधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नोत्रिखित व्यक्तियों, धर्मीत् !---

- 1. श्री जीतेदर राज मिश्रकारी नियुक्त किया गया है श्रान्ध्रा प्रदेण न्यायालय कार्यालय के तरफ से 6-3-1238 सोमाजी गुडा हैदराबाद में (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बीमलादेवी सीकारिया पत्नी ग्रार० ए० सीका-रिया, 1-2-412/2बी गगनमहल रास्ता हैदराबाद में (2) धनलक्ष्मी क्वापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

जबत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :→~

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्दीकरण:—इसमें प्रमुक्त मन्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12 वेस्टर्न 1166 वर्ग यार्ड सरवे नं० 32/1 में है घर का नं० 6-3-1238 राज भवन रास्ता सोमाजीगुडा हैदराबद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 413/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

के० के० वीर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-10-1979

प्रकप आई० ठी० एन० ए०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा

269व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 श्रस्टूबर 1879

ग्रार० ये० सी० नं० 283/79—80—ग्रतः, मुझे, के० के० बीर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- व॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कुल जमीन है, जो पी० जी० रास्ता, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) याउक्त भ्रिधिनयम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत:—

- 1. श्री श्रार० एच० चेनाय (2) जे० एच० चेनाय (3) ई० एच० चेनाय घर नं० 134 पेन्डरधास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में (ग्रन्तरक)
- श्री वीकास पी० देसपानडे 2-4-83/1 रामगोपाल-पेट सिकन्दराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यब्डी तरगः - -इस्भें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय म दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका वेस्टर्न 838 वर्ग गज है घर नं॰ 134 के पीछे में पेनडर घास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं॰ 303/79 है उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15-10-1979

कार्यालय, सद्धायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 श्रमत्बर 1979

निदेश सं० श्रार० ये० सी० 284/79-80—श्रतः, मुझे, के० के० वीर,

बायकर घिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिषा सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-वप् से घिषक है

ग्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 882 वर्ग गज पी० जी० रास्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908) हा 16) के ग्रिधीन फरवरी 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित्रत बाजार मूक्य से सम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का चित्रत बाजार मूल्य चसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से चक्त सम्बर्ण लिखित में वास्तविश्व कप से किबत नहीं स्थिया गया है:—

- (%) भ्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भीवित्यम के भवीन कर देते के भग्तरक के वायिश्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, छिषाने में सुविधा के आए;

प्रतः प्रवः चक्त प्रविनियम की धारा 269-म के प्रमुखरक में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन विभवविद्यात व्यक्तिवों, धर्यात्:---

- 1. श्री ग्रार० एच० चेनाय (2) जे० एच० चेनाय (3) ई० एच० चेनाय घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दरा-बाद। (ग्रन्तरक)
- $2.\,$ श्री बी॰ नलीनी कानत 5-2-309 हैदरबस्ती सिकन्दरा- बाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी खरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप:---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भवधि था तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी भ्रन्य स्थित धारा, धन्नोहस्ताकारी के पास जिखित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, यो सकत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सब होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमुसुखी

खुली जमीन वेस्टर्न 882 वर्ग यार्ड घर नं० 134 में है पेनडर-घास्ट सिकन्दराबाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 304/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-10-1979

प्ररूप आई० एन० टी० एस०----

मायकर धिवनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारव सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं॰ म्नार॰ ये॰ सी॰ 285/79-80--म्नतः, मुझे, के॰ के॰ वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दर अधिनियम' नहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी प्लाट नं० है, जो 134 पी० औ० रास्ता स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूक्यमान प्रतिकास से के लिए सम्बर्धित की गई है और मुझे यह निक्यास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकास से सिक्षक है और बन्तरक (बन्दरकों) और मन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निधित में बास्तिवन का से कथित नहीं किया गया है:——

- (त) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में नगी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; घीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्व भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधितियम, की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, भवींत्।---

- 1. श्री म्रार० एव० चेनाई (2 जे० एच० चेनाई (3) ई० एच० चेनाई 134-पेनडर घास्ट रास्ता सिकन्दरबाद (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री पी० दीपक 62/ए०-एम० जी० रास्ता, सिकन्दराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन वे

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

₹नवडीकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त ग्रिक्षित्तयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

. अनुसूची

खुली जमीन वेस्टर्न 834.33 वर्ग गण घर नं० 134 के पीछे में पेनंडर घास्ट रास्ता सिकन्वराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 297/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० 286/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 134 पीछे के सिकन्दराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन फरवरी, 1979 को 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रम्तरि (ग्रन्तरितियों) के बीच एसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए'।

मतः मब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीन :--15-36GI/79

- (1) श्री भार एच० चेनाई, 2 जे० एच० चेनाई डी० एच० चेनाई, घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दरानाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रंगूरी देवी ग्रग्रवाल, 46-कृष्णानगर कालोनी, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वेस्टर्न 326 वर्ग गज है, घर नं० 134 के पीछे में पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्वराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 298/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्वराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख: 15-10-1979

प्रकृष आई० टी० एन० स्स०---

आयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के श्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 287/79-80---यतः, मुझे, के० के० वीर, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्निनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट जमीन है, जो 134 के पीछे सिकन्द-राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, सिकन्दराबाद में (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1979 को प्रयोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के निए बन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुरुष, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का वस्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर मन्तरक (मन्तरकां) भीर मन्तरितो (प्रस्तरितियां) के बीच ऐसे मस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त शस्तरण, लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:⊸

- (क) ग्रन्तरण से हुई जिसी आय को बाबत, उका प्रधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; पौर∤या
- (ध) ऐसी किसी माय या किसी घत या जन्म प्रान्थियों की, जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः सन्, उन्त समिनियम की द्वारा 269-ग के सन्-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की द्वारा 289-व की उपद्वारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) सर्वश्री 1. जे० एच० चेनाई, (2) म्रार० एच० चेनाई, 3. ई० एच० चेनाई, 134-पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री टी० श्रीनिवासुलु ग्रीर एन० रनगय्या, 5-2-363, हैदरबस्ती, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यशाहिया करता है।

उन्त लंबित के प्रचैत के संबंध में कोई भी खाखेन:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चा) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीवर उक्त स्थावर संपक्ति में हितवड किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरों के पास सिखित में किंग् जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसर्ने प्रयुक्त सध्यां भीर नदां का, जा उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है वरी अर्थ होगा, जो उस सब्धाय में विधा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वेस्टर्न 574 वर्ग गज, घर नं० ₫34 पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज में 299/79 में उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 15-10-1979

प्रकल धाई। दी। एकः इतः----

भायकर ममिनियमः 1961 (1961 का 43) भी बारा 269न (1) के समीत सुनता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 288/79-80---यतः मुझे के० के०वीर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषित्मम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धिष्ठीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 134 वेन अरगस्ट रास्ता स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1979

का 16) के अधीन फरवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्यमान
प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे बहु विक्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से
पश्चिक है और शन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखत
उद्देश्य से खन्त अन्तरण निवित्त में बाल्यविक कप से कवित नहीं
किया गया है:——

- (क) प्रश्वरण से हुई जिली आय की बाबत सकत सिध-नियम के सिधीन कर देने के सम्वरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भ्रामा चादियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उबत पश्चिनियम की बारा 269-प के **बनुसरच** में, में, उक्त मिनियम की घारा 269-च की **उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चात् :— (1) श्री आर० एव० चेनाई, 2. जे० एव० चेनाई, ई० एव० चेनाई, घर नं० 134 पेनफरकास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हीमनम् राय परीक, 1-1-530, गोलकन्डा कास रास्ता, हैवराबाव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजीनत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि काल में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाक लिकिस में किसे जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाबिट हैं, वहाँ भयं हांगा, को उस भव्याय में दिया गया है।

प्रनृत्यी

खुली जमीन जिसका वेस्टर्न 332 वर्ग गज, घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 300/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-10-79

प्रकप बाई • टी • एन • एसं •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्योलय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 15 भन्तुबर 1979

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 289/79-80---यतः मुझे के० के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के भ्रधीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 134 पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्वराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्वराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्नद्व प्रतिशत से प्रधिक है, भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उच्त धन्तरण निश्वत में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत; उक्त अधिनियम के भन्नीन कर देने के भन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (बा) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाष्टिए था, छिमाने में सुविधा के सिए;

बतः मन, उनत मधिनियम की धारा 269-म के मनुसरन में, में, उनत मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नसिबित न्यन्तियों, सर्मास्:—— (1) सर्वश्री 1. ग्नार० एघ० चेनाई, 2. जे० एघ० चेनाई, 3. ई० एच० चेनाई, घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्वराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल नीमनीदास, नं० 7112/35 कालासीगुडा, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के विष्

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितवड विकास किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उसत अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 257 वर्ग गज घर नं० 134-पेनडरघास्ट के पीछे में सिकन्दराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 301/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० बीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 15-10-1979

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •----

भायकर प्रशिवियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 ग्रन्तूबर 1979

निर्वेश सं० भार० ए० सी० नं० 290/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सम्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र• से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट खुली जमीन हैं, जो 134 पेन्छर घास्ट रास्ता के पिछले में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घिंधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिंकत बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिंकत बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिक कप से कपित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ज) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिविनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भता अब, उब्स अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं, उब्त अधिनियम की भारा 269म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सर्वश्री 1. झार० एघ० चेनाई, 2. जे० एच० चेनाई, 3. डी० एच० चेनाई, घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नजमा भ्रजीज 250/बी०, रामगोपालपेट, सिकम्बराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्त पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पदों का, जो उक्त मिन नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 278 वर्ग यार्ड है, घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद के पीछले में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 302/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979

प्ररूप भाई०टी० एन० एस० -

भायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के भ्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 301/79-80—स्वतः मुझे के० के० वीर

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

ष्मौर जिसकी सं० जिरायती जमीन है; जो सर्वे नं० 200 ता० 203, नाचरम गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिशारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसीधन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सैयद श्राजम, 2-2-22 श्रम्बरपेट, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स रामकृष्णा सिने स्टूडियो, बाकारम, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जकरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

चिरायती जमीन सर्वे नं० 200 ता० 203, 197/1, 198, 199, 204, 206/1, 206/2 जुमला विस्तीर्ण 7 एकड़ 29 गुन्टास नाचारम गांव, हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तवेज नं० 1109/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद। के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद हैदराबाद, दिनां रु 16 अक्तूबर 1979

निर्देश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 302/79-80---यतः मुझे के० के० वीर

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269व के सधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/-६० से प्रधिक

स्रोर जिसकी सं० जमीन मर्जे नं० है, जो 67 पीरबादीगुडा हैदराबाद में स्थित है (स्रोर उससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणान है), रिजस्ट्री इनी स्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री इना स्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री इन्एण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीत फरबरी, 1979 को स्रवींक्त सम्पत्ति के उतित साजार मूल्य से करा के दूष्त्रमान प्रतिकृत के लिए सन्तरित की गई है प्रीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वीक्ष तम्मति का उत्वित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमाय प्रतिकृत से ऐसे दुण्यात प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिथान से श्रीक है स्रीर अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकृत, निम्तिविचित उद्देश से उक्त स्रवारण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया: ——

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बान या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः स्रब, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रयात्:—

(1) श्री पी० एन० विजयलक्ष्मीदेवी. 1-294 तार-नाका, सिकन्दराबाद-17।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० रबीन्द्रा रेड्डी, (2) एस० भणीधर रेड्डी, पिता डाक्टर एम० चेन्नारेड्डी, सिकन्दराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप:---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकान की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रस्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्तः क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त षब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

धनुसूची

जमीत सर्वे तं० 67 पीरजादीगुडा गांव हैदराबाद ई० विस्तीर्ण 7 एकड़ 35 गुन्टास, राजिस्ट्री वस्तावेज तं० 1203/ 79, उप राजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 16-10-1979

मोहरः

प्रकप माई• टी• एन• एस•~

आयकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक धायकर घायुक्त (निरीकण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 303/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सकम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- धर्प से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 64, 63 पीरजादी है जो गुड़ा गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिक्षितमा, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवाद भिक्षक है और सम्तरित (अन्तरित से प्रविक्त है और अन्तरित (अन्तरित में प्रविक्त ति (अन्तरित में) के बीज ऐसे प्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उन्दरण करतरण कि बिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उन्दरण करतरण कि बिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उन्दरण करतरण कि बिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उन्दरण करतरण कि बिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उन्दरण करतरण कि बिल नहीं।

- (क) भग्तरण से हुई किसो माय की धावत, उनत व्यक्षि-नियम, के मधीन कर देने के भग्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या प्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उनत अधिनियन की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत भिधनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) के बधीम निम्नतिखित व्यक्तियों, प्रचात्:- (1) श्री टी० रामय्या चौधरी, सारनाका, सिकन्दरा-बाद।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. गर्ड सुरय्या वेन्कटा सत्यानारायणा, 2. गार्ड वीरे वेन्कटा सत्यानगीण्वर राउ, ईस्ट गोदावरी जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्मत्ति के अर्जन के पंजंब में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की धवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत्र में श्रकागन की नारी आसे 45 | दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकडी सर्थ :---इसर्ने प्रयुक्त कन्तों भीर पदों का, जो उक्त श्रीक्षांत्रयम के श्रध्याय 20 क में परिभावित है, वही सर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुत्र्यो

जिरायती जमीत 6 एकड़ सर्वे नं० 64 श्रीर 63 पीरजादी गुड़ा गांव, हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1204/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-79

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सङ्गायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1979

निर्देण सं० श्रार० ए० सी० नं० 304/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 63 है, जो पीरजाही रास्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्दह श्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त श्रीक्षितियम के भ्राभीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
16—336 GI/79

- (1) श्री टी॰ राम्मा चौधरी, तारनाका, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कामेश्वरी ती० पती वी० ग्रार० के० परमाहानसा, हिमायतनगर, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्हीकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उन्त श्रिधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन 5 एकड़ सर्वे नं० 63 में है, पीरजादी गुड़ा, हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1205/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-79

बरूप भाई• टी० एन• एस•--------

आयुक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269प (1) के प्रधीन नुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 305/79-80---यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव संगति, जिसका उचित आजार पूक्ष 25,000/- ४० से अधिक है

भौर जितकी सं० जिमान सर्वे नं० 61 है, जो पीरजादी गुडा गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकित श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकिरण श्रिधिकारी के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वों से संपत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों नत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिशत धिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) मोर अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वाहरितक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के भंधीन कर केने के भन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रथ्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उनतं भिविनियम् की भारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उनतं भिविनियम्, की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:→→ (1) श्री टी॰ रामय्या चौधरी, सारनाका, हैदरा-बाद।

(श्रन्तरकः)

(2) श्रीमती एम० सावित्री देवी पति इ।क्टर एम० चेन्नारेड्डी, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इन पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्मास्त में हितबदा। किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहरूताक्षरी के पास लिखित में किये क सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर धर्दों का, जो उन्त धर्धितियम के भश्याय 20-क में पिन्धावित है, वहीं भ्रषे होगा, जो नस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन 4 एकर्स सर्वे नं० 61 में पीरजादी गुडा गांव हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1266/ 79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 16-10-1979

प्रकल माईं• टी• एन० एस∙-----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 306/79-80—यतः मुक्षे के० के० वीर

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिपिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये ते ग्रिधिक है

गौर जिसकी सं 1-80 है, जो हबासीगुडा ग्राम पनचायत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुचो में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय
हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छह् प्रतिशत मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर
पन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण
बिधित में शस्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत भ्रिष्ठितियम के अधीन कर देने के भक्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; भौद/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या जिसी धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः अस, उन्त भिधिनियम को धारा 269-ग के धनुसरण में, भें, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--- (1) श्रो पी० पद्मनाभा राउ, 496, हरडीकर बाग, हैदराबाद-29।

(मन्तरक)

(2) श्रोमती एस० निलनी देवी, 1-84 तारनाका सिकन्दराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

•पण्डीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया हैं

अनुसूची

घर नं० 1-69 हबसीगुडा, ग्राम पंचायत सर्वे नं० 19/जी० विस्तीर्ण 677.25 वर्गगज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2011/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरागाद

तारीख: 16-10-1979

प्ररूप आई • टी • एन • एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269 व (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० न० 307/79-80⊷-यतः मुझे के० के० वीर,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 25,000/- व्यये से धिष्ठक है ग्रीर जिसकी सं० 10-2-262/263 है, जो एस० पी० रास्ता, सिकन्दराबाद सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सिकन्दराबाद सें भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के शिए अग्तरित की गई है भीर मुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्ब्रह प्रतिशत अश्विक है और अग्तरक (भन्तरकों) भीर भग्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी आयकी वाबत उक्त श्रधिक नियम, के अश्रीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बनया अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा खिपाने में सुविधा के खिए।

यतः, सनः, उन्तः पश्चितियम की भारा 269-ग के सन्-सरम में, में, उन्त प्रश्चित्यम की धारा 269-भ की उपभारा के (1) अधीन निम्मिशिका व्यक्तियों, सर्वात् ा-- (1) श्री यादगार फरोद्रुन सोहराबजी जेनाई, 26-मारेडपली, मिकन्दराबाद।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मैंडम कृष्ण राऊ 10-2-262/263, ईस्ट मारेडपली, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:---इमर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत प्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिकाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भड़वाय में विया गया है।

प्रनुसूची

जमीत विस्तीर्न 2790 वर्ग मीटर घर नं० 10-2-262/262 सरदार पटेल रास्ता, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 251/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 16-10-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 308/79-80--पतः मझे के०के० बीर,

आ । कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पये से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 9-40-44, 44/1, 44/2 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकार। के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1979 को
पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पण्डह प्रतिगत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
भीर अन्तरिती (अन्तिश्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
त्यपाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण
निश्वत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से तुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मध्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम या धन-कर मिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः" अब, उस्त ग्रीधनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उस्त ग्रीधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) आं रामाराऊ माचेरला घर नं € 6-3-1218/ 6 बेगमपेट मिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स नेशनल लाज सिकन्दराबाद रेल नीलयम के सामने।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उनत सम्पत्ति व अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, जो भी सवधि बाद में समान्त. होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयज्ञ में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्बद्धोकरण: --इनर्ने प्रमुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उन्न श्रध्याय में दिया -गया है।

अनुसूची

घर नं० 5601 (नया नं० 9-4-44, 44/1 और 44/2) सिकन्दराबाद रेल नीलयम के सामने सिकन्दराबाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 311/79 उप रिजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-1979

प्रकष बाई॰ टी॰ एन० एस०-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अस्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 309/79-80 यत: मुझे के० के०वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- के वे प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-8-153/1 है, जो पी० जी० रास्ता सिकन्दराबाद सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुने) में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक फरवरी 1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति के जिवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिगत से प्रविक है और मन्तरिती (मन्तरितों) के बीच ऐसे मन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तर्य तेगोंबन में राज्यधिक रूप से कथित नहीं किया गया है !--

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी पाय की बाबत, उक्त मिधितियम के अधीत कर देते के मन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्रार मा किसी भा या सम्य आस्तियों की जिम्हें भारतीय साय-कर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उपन सविनयम, या उन-कर श्रीविनयम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, जिल्लामें में सुविधा के लिए;

बत: अब, उपत अधिनियम का घार (269-ग के समसरण में, में उनत अधिनियम की खारा 269% की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियी अर्थात् :- --

- (1) श्रो जे० विकमदेव राक मकान नं० 1-5-127 बेगमपेट, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीनसी सभी रेखा बेनु घर नं० 1-5-127 कनदोजी बजार, सिकन्दराबाद। (अन्तरितो)

म्हो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी क्यिंवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की अरोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रतियम के प्रध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुर्पचीभाग घर का नं० 18-153/1 प्लाट नं० 142/ ए बिस्तीर्ण 306 वर्ग मीटर पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 452/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैंदराबाद

तारी**ख** : 16-10-1979

प्रारूप अ.ई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनं रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सो० नं० 310/79-80--यतः मध्ये के० के० वीर,

श्रीयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रुपए से प्रधिक हैं

और जिसका सं० 1-7-264 हैं, जो एम० डी॰ रास्ता

मिकन्दराबाद सें स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसुचो में

और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारा के

कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारताय रिजस्ट्राकरण प्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधान फरवरो, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान

प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के

पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रद्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्रा मोनोचर एच० चेनाई, घर न० 1-7-264 एम० डी० रास्ता, पिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स एमरालड बुलडर्स मैथर्स भारदा तोताराम सागरमल श्रीर सन्स के ह्वार में श्राबीट रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

घर नं० 1-7-264 सरोजनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 327/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख** : 16-10-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269-घ (1) के ब्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 291/79-80-यतः मझे, के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 町 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धर्धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ४पए से श्रिधिक है भ्रौर जिसकी सं व खुली जमीन है, जो पीवजीव रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के भ्रधीन फरवरी, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया भया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उनत धान्तरण लिखित म बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधितियम के धवीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः सब, उक्त समिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त समिनियम की बारा 269-स की स्पनारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रार० एच० चेनाई, 2. जे० एच० चेनाई, 3. ई० एच० चेनाई, मिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोबिन्द राम 7-394/1 मोरवी गली, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भवधि या तस्तम्बन्धी क्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यन्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब्राच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीक्ररण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस-अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 377 वर्ग गज घर नं० 134 के पीछे में पी० जी० रास्ता सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 305/79 उप र्जिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ्रुंग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-1979

प्रकृप आई० टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 ग्रन्तुवर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 292/79-80---यतः मुझे, के० के० वीर

आयक्तरं अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ष• से प्रधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है जो पी० जी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घण्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्तद्व प्रतिशत प्रक्रिक है घोर घण्तरक (घण्तरकों) घोर धन्तरिता (अन्तरित्यों) के बीच एसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त घण्तरण निधित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है >>>>

- (क) जन्तरण में तुई किसी आय की बाबत. उक्त प्रधितिगम के प्रधीन कर देने के प्रतरक क दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी आंध्र या किसी धन या पंग्य पानिनाों की जिन्हें भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में नुविधा के विए।

जतः जब, उक्त प्रधिनियम, की पारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-न की सपधारा (1) के सभीन, निम्नसिष्टित व्यक्तियों, अर्थात्:—
17—336GI/79

(1) श्री म्नार० एच० चेनाई, (2) जे० एच० चेनाई, (3) ई० एच० चेनाई, 134-पेनडरचास्ट रास्ता सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्यानारायणा अग्रवाल, 46-कृष्णानगर कालोनी, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोईंस्ताकारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त स्रीध-नियम; के सन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्व होगा जो उस मन्याय में विया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 330 वर्ग गज घर नं० 134 क पीछे में पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद राजिस्ट्री दस्तावेज नं० 306/79, उप-राजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षक)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 म्रक्तूबर 1979

निर्वेश सं० भार० ए० सी० नं० 293/79-80— यतः मुझे, के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्वे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के समीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-च० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पी0 घास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी, 1979 को पूर्वेक सम्पत्ति के उक्ति बाबार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिकान के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने वा कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाबार मूल्य, उसके बृध्यमान प्रतिकान के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने वा कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाबार मूल्य, उसके बृध्यमान प्रतिकान का पत्ति के बीच प्रतिकान प्रविक्त का पत्ति के सीच प्रतिकान प्रविक्त के लिए वस पाया प्रयाप्तिकान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिखित में बास्तविक कप से सिबत नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने वें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंधः जन, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसर्थ में, में धक्त धिवनियम की घारा 269-घं की धक्तारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) सर्वश्री (1) भ्रार० एच० चेनाई, (2) जे० एच० चेनाई, (3) ई० एच० चेनाई, 134 पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० सूदा 5-2-361 हैवरबस्ती, सिकन्दरा-बाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीय :---

- (क) इस नूथना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विश्व की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 नूचना की तामील से 30 दिन की धविक्ष; जो नी
 धविक बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाबन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उनत स्वावर सम्वत्ति में हितवड़ फिसी क्षम्य व्यक्ति द्वारा स्वोहस्ताकारी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

रवधीकरण :----इश्वर्में प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो 'उपत अधिनियम', के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होना, जो उत्त भड़्याय में विया गवा है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 581 वर्ग गज घर नं० 134 के पीछे में है पेनडरजास्ट रास्ता सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 336/79, उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

त्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 294/79-80—यतः मझे, के० के० वीर

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्जात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक कप से कावत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाषि-नियम के भाषीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या एससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी पाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए,

सतः ग्रव, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के प्रधीन भिन्नतिश्चित व्यक्तियों, अर्थातः -- (1) श्री ग्रार० एच० चेनाई, (2) जे० एच० चेनाई (3) ई० एच० चेनाई, 134 पेनडरथास्ट रास्ता सिकन्दरांबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप भाई गगलानी, 5-2-365/1 हैदरबस्ती सिकन्यराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्यिक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास कि लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्छोक्तरणं :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 486.8 वर्ग मीटर घर नं० 134 के पीछे में पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 337/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

प्रकप आई • टी • प्त • एत • ---

मायकर प्रवितियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के धंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायन आयकर प्रायुक्त (निरीसन)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 295/79-80--यतः मुझे, के० के० वीर

पायकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 269-व के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/- वपये से घष्टिक है

श्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पेनडर जास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दरं।बाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिन् नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित बहेश्य से उश्त अन्तरक लिखित में वास्तविन अप से ख्वित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीम कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। भीर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

श्रतः घन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269क्य के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269क्ष्य की उप-धारा (1) के अबीत, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) सर्वश्री (1) ग्रार० एच० चेनाई, (2) जे० एच० चेनाई, (3) ई० एघ० चेनाई, 134-पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरला बी० शहा, लाखणी मेचणी कम-फौपौड जीरा, सिकन्दराबाव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां भरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी भाखेप:---

- (क) इस सूचना के राजमझ में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सक्रपत्ति में हितबक किसी अन्य न्यक्ति द्वादा, अधीष्ट्रता-सरी के पास लिखित में किये जा सक्रेंगे।

स्पत्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिक नियम के मध्याय 20-क में परिश्राणित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिना स्याहै।

जगुसूची

खुली जमीन घर नं० 134 पेनडर जास्ट रास्ता, सिकन्दरा-बाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 338/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-79

प्रकप भाई। दी। एत। एस।-----

आयकर प्रकिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भवीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं प्रार० ए० सी० नं० 296/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गमा है); की खारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ खे अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो पेनडरघास्ट रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराधाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1979 को

विंतित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह् प्रतिकात से प्रविक है और घन्तरक (घन्तरकों) और बन्तरिती
(घन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरम के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरम लिचित में
वास्त्विक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) शन्तरण से हुई किसी धाय की वासत, उसत प्रक्रितियम के शबीन कर देने के श्रम्यरक के वार्थित में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिद्या धीर/वा
- (ब) ऐसी किसी बाथ या किसी बन या घरेय धारितयों को जिन्हें भारतीय धायकर धिंसतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के किए।

भता श्रम; उपत श्राधिनियम की धारा 269भम के समुखरण में, में, उपत अधिनियम, की बारा 269भम की अपश्चास्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. सर्व श्री ग्रार०एच० चेनाई 2. जे०एच० चेनाई 3. ई० एच० चेनाई 134-पेनडरधास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद । (ग्रन्तरक)
- डी० जे० पारीक 12-पैगाह भ्रापारटर्मनट सरदार पटेल रास्ता, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबता नारी करने पूर्वीकत सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त सम्मित के प्रार्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की प्रविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 विन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्ञमत में प्रकाचन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबद किसी सम्य क्यनित द्वारा, सक्षोब्स्तालारी के वास . लिखित में किए जा सकेंगे।

रपक्तीकरण !---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उक्त ृश्रितियम के प्रध्याय 20क में परिणाणित हैं, वही धर्ष द्वीया, जो उस धस्याय में विवा गया है।

वनुष्यी

खुली जमीन घर नं० 134 के पिछले साइड में है पेनक्टरजास्ट रास्ता सिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 340/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भाषुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रतीन सूचना बारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाव, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ध्रार० ए० सी० नं० 297/79-80---यतः, मुझे, के० के० वीर,

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की घारा 269-ख क मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से स्थिक है

भीर जिसकी सं० जीरायती जमीन है, तथा जो तीकटा हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षम का पण्डह प्रतिशत से प्रिक्ष है और अन्तरण (धन्तरकों) धोर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त्विक कप से कवित नहीं किया गया हैं।——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, अक्स सिवित्यम, के प्रधीन कर वेने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; प्रौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य धास्तियों को जिन्हें चारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनयम, या धन-कर सिधिनयम, या धन-कर सिधिनयम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया चा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

गता गर्म, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269मा के बनुसरण में, मैं; उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित म्यक्तियों, ग्रणीत् !---

- 1. श्री एस० ईश्वर रेड्डी 157/7 तीकटा सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
- श्री ई० राषव क्वापरेटु हीज बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड नं० 68, प्रेसीडेन्ट जी० एन० बालरेड्डी (ग्रन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के

उन्त सम्पति के ग्रर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षीप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रमाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्तंशंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपळ में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छी करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम के शब्दाय 20क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस शब्दाय में दिया यया है।

धनुसूची

एक एकड जीरायती जमीन का सर्वे नं० 157/7 तीकटा हैवराबाद घरवन तालुक रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 384/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिंकन्वराबाद में ।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • --- -

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के धर्मान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 298/79-80— यतः, मुझे, के० के० वीर, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त सिंतियम' कहा गया है), की धारा 268-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूझ्य 25,000/-७० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 603 है, तथा जो एच० ई० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, फरवरी 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृब्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप छे किया नहीं किया गया है!——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत उक्त प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक में वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी वन या प्रण्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्क प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः श्रव, उपत अधिनिवम की चारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की चारा 269-च की उपधारा (1) के अक्षीन निम्मलिखित न्यक्तियों, अर्घीत् :---

- 1. श्री राजा राम करन मैंसर्स ऊषा करन तेजकरन 8-2-547 बनजारा हाउस हैदराबाव (अन्तरक)
- 2. मैसर्स दुर्गारामानातन श्रीर श्रार० नारायण प्लाट नं० 603 कालामेनशन सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो कर के पूर्वीका मंत्रति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

डक्त मंत्रलि के प्रजैत के संबंध में कोई थी वाफी।:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 वित्र की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 वित्र की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त उपित्वमों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भव्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थवधीकरक :--दसमें अयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जी उक्त अधिनियम के मध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही सर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 603 कालामेनशन एस० ई० रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 388/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैक्राबाद

तारीख: 16-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 299/79-80—यत:, मुझे, के० के० थीर,

श्रायकर श्रिश्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन स्थम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० मुलगी नं० 63 है, तथा जो एस० डी० रास्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रमीन, निम्नलिश्वित स्थिनियों, मर्थात्:--

- 1. श्री बी० राजमौली रामकोट, हैदराबाद
 - (श्रन्तरक) मती बाई०-ग्रस्वामा मारुति ग्राप्ती सिकटनगरान
- 2. श्रीमती वाई०-ग्रस्वामा मास्ति गली सिकन्दराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स्व 45 दिन कें मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबत किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पांस निखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दियां गया है।

प्रमुसूची

मुलगी नं० 63 (जमीन की सतहपर) 30 वर्ग यार्ड एस० डी० रास्ता सिकन्वराबाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 433/79 उप रिजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-1979

प्रकप काई • टी • एन • एस •-

बागकर बह्मिनिकन, 1941 (1861 का 43) की बारा 289-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

बार्यावय, सहायक आयकर आर्युक्त (निरीक्षण).

धर्जन रेंज, हैदराधाद

हैदराबाद, दिनांक 16 फ्रम्लूकर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० मं० 300/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'इस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूण्य 25,000/-र॰ से प्रधिक है भीर जिसकी

सं० प्लाट नं० 8 है, तथा जो एस० डी० रास्ता सिकन्दरबाद में स्थित है भीर इससे उपावस धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रीकर्ती धर्धिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीरण प्रधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के धरीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के खिलत नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारल है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसकें दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र व्रतिकात से प्रक्रिक है घोर प्रन्तर (अन्तरकों) और धन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तर के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से अधित नहीं किया नया है:--

- (क) बन्दरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त बिश्वियम के प्रधीन कर देने के घन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के निए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य भास्त्यों की; जिन्हें भायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अन, उत्त निवित्यम की कारत 249-व के अनुस्तरण वें, में, वक्त निवित्यम की बारा 269-व की उपनारा (1) नवीत-विश्वविधित व्यक्तियों, वर्षात्। --- श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री उजागर सिंह बाटा के सामने, सिकन्दराबाद।

कु

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० यूसुफ मोहिउद्दीन खादरी पिता मीर खादरी घर नं० 97 मारेडपली, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति. के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बेक के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वातः के राक्षपक में प्रकाशक को तात्रीख से 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घक्षि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (वा) इस सूचना के राज्यक में प्रकाश्यन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवस किसी मन्य काक्ति द्वारा, बाधोहस्ताक्षरी के पास चिक्तिस में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरणः :---इसमें प्रमुक्त करकों भीर पर्वो का, जो उकतः धरितियम के अध्याय 20का में परिकाकिक हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

स्कुली जमीन नं० 8-355 वर्ग यार्ड है 43 एस० डी० रास्ते के पास में है सिकन्दराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 3400/ 79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269 घ (I) के प्रधीन सुचना

कार्यालय , सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1979

निर्वेश सं० म्रार० ए० सी॰ 311/79-80---यतः, मुझे, के० के० बीर,

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- ६० से भ्रधिक है

भीर जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सिकन्वराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथिश नहीं
किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत से बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीब्:—

- श्री के० कालण घरं नं० 3-5-872 हैवरगुडा हैवराबाद (ध्रन्तरक)
- 2, श्रीमती रेखा रेकरा ग्रीर दूसरे लोग बेगमपेट हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सीखंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधितियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया हैं।

ग्रमुष्ची

खुली जमीन वीस्तेन 680 वर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं ० 242/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

त्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-व (1) के संशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार०ए०सी०नं० 312/79-80—यतः, मुझे, के० के० कीर,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- द॰ से मिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० है, तथा जो 145 श्रौर 162 मलकारगीरी में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल का प्रश्नह प्रतिशा से अधिक है भीर अन्तरित (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकल, निम्नकिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरन से हुई किसी आय की नानत त्रका निध-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लियें; और/या
- (ख) ऐसे किने आय या किना घन या अभ्य घास्तियों को. जिस्हें भारतीय घायकर घिष्टिनमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविता के निये;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम की प्रारा 269-ग के भागुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्मलिखित व्यक्तियों, प्रयोग :--

- 1. (1) श्री मनदा सक्षमैय्या
 - (2) मनदा पेदामलय्या
 - (3 मनवा चीम्नामस्लय्या
 - (4) मनदा नरसीम्मा
 - (5) एम० शंकरय्या
 - (6) एम० श्रीरामुत्तु
 - (७) गोटला राजच्या तमाम रहते हैं मलकाजगीरी हैदराबाद ।

(भन्तरक)

 श्रीमती कमलम्मा पुत्री पुलारेड्डी मलकाजगीरी हैदराबाद जिला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि आ भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 145 श्रीर 162 मलकाजगीरी गांव श्ररबन तालूक हैदराबाद जिला, 3 एकर्स 30 गुंटाज रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 705/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-10-1979 मोहर :

प्ररूप माई० टी० एम० एम०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिशांक 16 भ्रम्तूबर 1979

भिर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 313/79-80---यतः, मुझे, के० के०वीर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है।

भौर जिसकी सं० जीरायती जमीन है, तथा जो आचमेली गांव मदंचल में स्थित है (भौर इससे उपाबंद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप सं विभित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्रन्य की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी िन्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने ; सुविधा के लिए;

भातः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. (1) श्री लल्लू नारान पिता नारान पटेल
 - (2) श्रीमती मनी बेन पत्नी लल्लू नारान
 - (3) मनुभाई एल० नारान,
 - (4) नारान गोधिन्द पटेल 102-मारेडपल्ली सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) मिसेज जमा शाहा (2) परखेज शाहा
 - (3) मुनवर शाह 1-10-72/10, बेगमपेट हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में; प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:---
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति बें हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों की, जी उक्त - श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जरायती जमीन सर्वे नं० 313-बी 7 एकर्स 16 गुन्टे श्राचावेनी गाँव में मडचल सर्वे नं० 313-ए 7 एकर्स 16 गुन्टे रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 306/79 सर्वे नं० 313/1 5 एकर्स 23 गुनटे उप रिजस्ट्री कार्यालय मेडधेल 313/1 1 एकर्स 00 गुनटे

योग 21 एकर्स 14 गुनटे

के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-10-1979

प्ररूप ग्राई टी एन० एस०----

भ्रायकर ग्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1979

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 314/79-80----यतः, मुझे, के० के० वीर,

श्रायकर श्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं खुली जमीन है, तथा जो मारेड पल्ली सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

न्नतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— 1. यादगार फरीष्दून सोहराबजी चेन्नाई 26-मारेडपल्ली सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. एम्प्रो चैरिटी ट्रस्ट ओसमानशाई रास्ता हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होत हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भ तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

खुली जमीन क्षेत्रफल 6593 वर्ग मीटर घर नं० 10-2-262/263 मारेङ्गल्ली मिकन्दराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 360/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

त।रीख: 17-10-1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस॰-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 315 / 79-80---यतः, मुझे, कें०के० वीर आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है), की घारा 289-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने स्थावर सम्पत्ति, जिसका का कारण है कि **रु**पये से मधिक है 25,000/-मुल्य ग्नीर जिसकी सं० 1-6-69 है, तथा जो बाकारम में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रांधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रुक्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर धन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त, ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हें, भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः, भ्रब, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-धरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीदः --- 1^{1} श्रीमती ए० स्रमानम्मा पत्नी श्री ए० रंगारेड्डी घर नं० 16/1600 राममूर्ती नगर नेल्लूर ।

(श्रन्तरक)

 श्री बाई एस० रवीन्द्रनाथ रेड्डी पुलीवेंडला कुड्डापा जिला ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्यति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होक्ररण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिश्वनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयेहोगा, जो उन श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विभाग घर तं० 1-1-69 बाकारम, मुणीराबाद में स्थित है 800 वर्ग यार्ड हैदराबाद राजिस्ट्री दस्तावेज तं० 689/79 उप राजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है।

> कें० कें० वीर् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा $269-घ \left(\frac{1}{1} \right)$ के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 भ्रक्तूबर 1979

निर्वेश सं० श्रार०ए०सी० नं० 316/79-80--यतः, मुझे, के० के० वीर,

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1-1-68 है, तथा जो बाकारम हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उकत श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण मैं, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रष्यात् :—

- 1. श्रीमती ए० भारती रेड्डी पश्नी श्री गोपाल कृष्ण रेड्डी घर नं० 16/1600 राममूर्ती नगर नेलूर। (भ्रन्तरक)
- श्री वाई० एम० विवेकानन्द रेड्डी पुलीवेन्डला कुड्डप्पा जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर !सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम के श्रध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

त्रमुसुची

घर का विभाग नं० 1-1-68 बाकारम मुशीराबाद में हैवराबाद, क्षेत्रफल 736 वर्ग गज रिजस्ट्री दूदस्तावेज नं० 688/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-10-1979

भोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 317/7.9-80—यत:, मुझे, के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 1-1-61 से 67 है, तथा जो बाकारम मुणीराबाद में स्थित हैं (भीर जिससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमानः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- ए० गोपाला कृष्ण रेड्डी कापु स्ट्रीट, नेलोर । (भ्रन्तरक)
- श्री वाई० राजेशेखर रेड्डी, 23-सी एस० ग्रार० पली स्टेशन रास्ता, कुड्डापा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्वम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शक्दों क्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षितियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो इस श्रष्ट्याय में किया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन श्रीर खन्छर घर श्रीर नं० 1-1-61 ता० 1-1-67 (805 क्यों मीटर चारमीनार क्रास रास्ता बाकारम हैदराखाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 687/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:17-10-1979

ोर :

प्रकप आई • टी • एन • एस •----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 318/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जिरायती जमीन है, जो सर्वे नं० 9/1/I सकुनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 6) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमाव प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधि-मियम के धानि कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी घन या पत्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना खाइए वा, खिवाने में सुविधा के लिए ;

अतः पद, उक्त पिछनियम की धारा 269-न के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269क की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:—— 19—336GI/79 श्रीमती ग्रजीज फातिमा घर नं० 22-1-320 ग्रजीज बाग, सुलतानपुरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्री ए० पी० एस० ई० बी० उद्योग को-आपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी ब्रादीपती के० गंगाधर सैका बाध, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकढ़ किसी मस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये आ सकींगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के घड़याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अ सुची

जिरायती जमीन सर्वे नं० 9/1/I सरूनगर गांव, हैदराबाद शें रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1459/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में वीर्स्तन 6 एकड़ 1

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-10-1979

प्रकृप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

आयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के भ्रंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैपराबाद, दिनांक 18 भन्तूबर 1979 निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 319/79-80—स्तः, मुझे, के० के० वीर,

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्या से अधिक है

काए से यक्ति है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1/6-3-76.4/1 है, जो
बेगमपेट रास्ता पनजागुड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकृत के निए अन्तरित को गई है और मृत्ते यह विश्वात
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का
पन्तर प्रतिकृत से भिष्ठ है भीर भन्तरक (भन्तरकों)
बौर प्रस्वरिती (भन्तरितियों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिए
तत्र पामा गया प्रतिकृत दिम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ भन्तरण
विविद्या में बास्तिक कप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त सिमियम के भनीत कर देते के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसो प्राय मा किसो घन या प्रश्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

थत: मब,उन्द्र पर्विनियम की घारा 269-ए के धनुसरण में, में, उन्त मिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) भूजधीन निम्नविधित व्यक्तिवारों, प्रचीत:---

- श्री प्रेमणी लालणी पिता लालजी मेकजी पनजागुडा,
 हैदराबाद।
- (ग्रन्तरक)
 2. श्री सन्तोषलाल पिता मातादीन 3-4-856/1
 बेगमपेट रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिखा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्य, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इप सूत्रता के राजगत्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी भ्रम्य स्पक्ति द्वारा, भ्रष्टोइस्ताक्षरी के पास विकास में

स्तटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं ग्रायं होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1 म्यूनिसिपल नं० 6-3-674/1 वीर्स्तन 1000 वर्ग गिज बेगमपेट रास्ता पनजागुड्डा हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 779/79 उप-रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-10-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 भ्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 320/79-80---यतः, मुझे, के० के० वीर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० जमीन है, जो हुमायूं नगर हैवराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रवसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रव, उस्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, भैं, उस्त भ्रधिनियम, की धारा 269-म की उपभारा (1) भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रभीत्:--- श्रीमती साई कुमारी घर नं० 10-5-64/12/2
 श्रीराम नगर मासाब टैंक, हैदराबाद

(मन्तरक)

डाक्टर कमर हुसेनी भ्रन्सारी घर नं० 10-5-576
 रैंड होल्स हैदराबाव

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बवध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकान की तारी स से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, भीरत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—
- (अ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिमा गया है।

प्रनुसुची

खुली जमीन बीर्स्तन नं० 927 वर्ग मीढर हुमायूं नगर हैदराबाद में है घर नं० 10-4-35/2, $2/\nabla$, $2/\nabla$, हुमायूं नगर हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज वी० 583/79 उप-रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारो, सहायर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजंन रेंज, हैंदराबाद

तारीख

1810-1979

प्रका धाई० टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सक्षीत सूचना

नार्ध सरकार

कार्यावय, सङ्घयक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 321/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसम इसके पश्चात् 'उन्त मिविनियम' कहा नया है), की भारा 269-का के प्रधीन सक्षम शिवकारी को, यह शिश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- व∗ के भ्रष्टिक है

श्रीर जिसकी सं० 12-2-713 है, तथा.जो नानल नगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,

ग्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के

नीच ऐसे अन्तरन के लिए तथ पाया गमा प्रतिकल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रश्तरण निभात में बास्तविक

चप से कथित नहीं किया गया है:~~ •

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावब उक्त मधिनियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के दाविश्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन वा ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रीविन्यम, या जनकर ग्रीविन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः, पन, उन्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्घात :--- 1. श्री एन० रेनुकाराऊ प्लाट नं० 37 रास्ता नं० 10, बन्जारा हील्स हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

- (1) श्री गजानन्द गुप्ता,
 - (2) नन्द किशोर गीयल,
 - (3) विजय कुमार गीयल,
 - (4) निर्मेल कुमार गुप्ता घर नं० 12-2-713, नानलनगर हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उच्छ सम्बत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीर :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकालन की नारी से से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवस किसी प्रस्य क्यक्ति दारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के रास तिखिन में किये जा सकोंगे।

श्वकडी करण:---इसमें प्रयुक्त गड़ों भीर पता का, जो उक्त प्रशितियम के प्रध्याय 20-क में परिनाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उट अध्याय में विया गया है।

धम् सृची

घर नं० 12-2-713, खुली-जमीन नानलनगर हैदराबाद में है रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1174/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-10-1979

मोहहै :

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 322/79—80:---यतः, मुझे, के० के० वीर,

मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 253000/-रुपए से म्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 8-2-696/697 है, जो बनजारा हिल्स रास्ता नं० 12 में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्:—

(1) श्रीमती मनीदरा चेनाई 8-2-696/697 रास्ता नं० 12-बनजारा हिल्स हैदराबाद। (मुरनी श्रीर कम्पनी के द्वारा)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दोडला गेणा रेड्डी ग्रीर दूसरे लोग, राममूरती-नगर, नेल्लुर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के अजेन के नम्बन्ध में कोई भी आजन :---

- (क) इस सूचना के राजनत्र में प्रकासन को तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजनत्र में प्रकाशन को नारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानरमन्ति मंहिनब्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहलाक्षरी के पाप तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उका श्रिधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

ं खुली जमीन और घर नं ें 8-2-696, 697, रास्ता नं 12-बनजारा हिल्स हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं 419/79 उप-रिजस्ट्री कार्यालय, खैरनाबाद में ।

> के० के ० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-10-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०⊸⊶

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 323/79- ९०:—-यतः मुझे, के० के० बीर,

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ध्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8-2-696/697 है, जो बनजारा हिल्स, हैदरा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खेरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्योक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) प्रोर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोन ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छव से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई िकसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) रेसो किसो आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात्:— (1) श्रीमती मनीदारा चेनाई घर नं० 8-2-696/ 697 रास्ता नं० 12 बनजारा हिल्स हैदराबाद (मूरती ग्रीर कम्पनी हैदराबाद)।

(प्रन्तरक)

 (2) श्री डी॰ चैनच्रामी रेड्डी श्रीर दूसरे लोग 8-2-696/697, बनजारा हिल्स रास्ता नं॰ 12, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूबता के राज्यत्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबता को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्वद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिविनयम के प्रध्याय 20-क में निरभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-2-696, 697 रास्ता नं० 12 बनजारा हिस्स हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 420/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, खैरताबाद में ।

के० के० वीर, सक्षम, ग्रधिकारी, सहायम ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 18 प्रक्तूबर, 1979।

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 ग्रक्तूबर]1979

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 324/79-80:---यतः; मुझे, के० के० वीर

बाय कर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की ारा 269-च के क्ष्मीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वक्स करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से मिथिक है,

मौर जिसकी सं० 3-4-760/1 है, जो बरकतपुरा हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करले का कारण है कि यंषापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिगत से अधिक है धौर मन्तरक (मन्तरकों) धौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीब ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ते उक्त मन्तरण सिखित में वास्त-विक का से किखत नहीं किया गया है:—

- (म) भग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-भियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) रेऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठित्वम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त प्रधितियम, या अन-कर भिष्ठित्यम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविश के लिए;

अतः अन, उनत मिश्वनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत अश्विमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अश्वीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री नरोतम नेनसी, पीता श्री नेनसी घर नं० 141-142 बलाभ ग्रापारमेन्ट वरडेन रास्ता बम्बई। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कीमजी नेनसी पीता नेनसी श्रीमती शान्ति पति कीमजी घर नं० 3-4-760/1, बरकतपुरा, हैदरा-बाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई मी धाक्षीप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की भवित्व या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्व, जो भी भवित्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे.

स्पष्टीकरण : --इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वड़ी प्रश्ने होगा जो, उस प्रध्याय में विया गया है।

ग्रमुष्

घर नं० 3-4-760/1 बरकतपुरा हैदराबाद, वीस्त्र्तन 997 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं०893/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 मस्तूबर, 1979।

प्रकप धाई० डी० एन० एस०---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-ज (1) के भवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 325/79-80:—यतः मुझे, के० के० वीर,

आयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्माम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-8-580 है, जो श्राजामाबाद हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्धद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से अचित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीविषयम के अधीन कर देने के धम्बरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर घिष्टिनयम, या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपानें में सुविधा के सिए;

शतः भन, उन्त प्रश्निनयम की धारा 269-ग के प्रमुखरक में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपसारा (1) के बन्नोन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बनकतलाल ग्राप्रवाल पिता मीरजामालजी (2) राधाकिशन श्रगरवाल पिता बनकतलाल श्रगरवाल 1-8-580 श्राजमाबाद—हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्रगरवाल इंडस्ट्रीज श्री श्रनीमुदा परशाद के श्रनुधीम म 1-8-526 आजमाबाद, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजँग के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- --

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों खीर नदीं का, जो उक्त अधि-नियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस प्रक्षाय में दिया स्या है।

मनुसूची

स्तल भ्रौर घर नं० 1-8-580 श्राजमाबाद हैदराबाद वीर्स्तन 2638 वर्ग मीटर है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 934/ 79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, मक्षम श्रीधेकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीखः : 18 ,ग्रक्तूबर, 1979।

प्रकप माई• टी• एत• एस•⊸⊸

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 326/79-80--यतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार परति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- क्पए से अधिक है और

जिसकी सं० 3-3-44, 45 है, तथा जो काचीगुडा हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्रिधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूरा, उनक प्रयान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रतिक है घौर प्रन्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए का एका गा गा गा गा गा कि न, निम्तरिजित उद्देश्य से उन्त पन्तरण निज्ञा में बाह्यविक का ने कथित नहीं क्रिया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जक्त अखिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो जिसी ग्राप या कियो वन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: भव, उक्त पिथिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थीत :--20-336GI/79

(1) डाक्टर के० हनुमन्ताराऊ, 3-5-1141, रामकोट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरलाल पवर, (2) रतनलाल पवर, (3) बजरंगलाल (4) डाक्टर भीमराज पवर (5) पुनमचन्द पवर, (6) श्रीनिवास पवर, (7) श्रीमित बली बाई पवर, (8) चतुर्भुज पवर '4-2-323 मोती सिंह गली मुलतान बाजार, हैदराबाद। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी श्रिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वब्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रह्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रीमसीस नं० 3-3-44 श्रीर 3-3-45 काचीगुडा हैदरा-बाद में है वीस्तेन 1959 वर्ग यार्ड राजस्ट्री दस्तावेज 1046/ 79 उप राजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है ।

> के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

दिनौंका: 18--10--1979

प्रकप भाई। टी। एन। एस।--

धायकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-4 (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 327/79-80--यत मुझे, के० के० वीर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1931 (1981 का 43) (जिसे इसमें इयके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' महा गया है), को धारा 269-ख के श्रिथोन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्यावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० पीरशन 1-1-389 है, जो बाकारम हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्व श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रान्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत, उकत भाष-तियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐपो कियो आप या किसी घन व प्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने के निए।

श्रतः भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, शर्यात :--- (1) मैसर्स शयामला इंडस्ट्रीस कारपोरेशन लिमिटे मेनेजिंग डायरेक्टर श्री के० भ्रपाराऊ 1-1-385 गांधो नगर बाकारम, हैदराबाद ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री पी० गोपालदास पिता टीमकदास घर नं०1—1— 385/4 ए गांधीनगर बाकारम, हैदराबाद । (श्रन्सरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रिष्ठ-नियम के प्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही भवं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

घर का भाग नं० 1-1-385 बाकारम हैवराबाद में है वीस्तेन 620 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1093/79 उप रिजस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 धनत्वर 1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

हैवराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 328/79-80--यतः मझ, के० के० वीर,

भागकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-6-758 है, जो हीमायत नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1909 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनयम, या धनकर श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:— (1) श्री वाई० नरेन्द्र राव 3-6-758, 13यां गली हीमायतनगर, हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती ए सत्याम्मा पति पुरशोत्तम राव, 2. श्रीमती ए स्वर्णमाला पति दयानन्द राव 3. श्रीमती ए० प्रेमला पति मदुसूदन, 4. ए वेनकाटेशवर राव तमाम का घर नं० 3-6-758, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में पनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूबना के राजयत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय**र स**ाति में हितबद्ध िनपी प्रश्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकगे।

स्पष्टीकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-758 13 वांगली हिमायत नगर, हैदराबाद में वीस्तेन 956 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1090/ 79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम अधिकारी सक्षम अधिकारी [सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 श्रम्तूबर 1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 18 भ्रक्तूबर 1979

निदेश सं० म्रार०ए० सी० 329/79-80--यतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रजितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से भ्रधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 8-2-780 च्है, जो बनजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात:——

- (1) 1. श्री मोहसीन बीन मुहम्मद, 2. सुलतानीसा बेगभ, 3. उमर बीन मुहम्मद, 10-2-6, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती डी० सुकत्या कमलाकर पति डी० कमलाकर रेड्डी 8-2-700 बनजारा हिल्ल, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति केश्वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

सम्पत्ति नं० 8-2-700 रास्ता नं० 12 बनजारा हिल्स हैदराबाद में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 394/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद हैदराबाद में 1

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 मन्तूबर 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 330/79-80---यतः मुझे, के० के० वीर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-6-433 का भाग है, जो हिमायत नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, श्रधीन, फरवरी, 1979

को पूर्जोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाउँ बोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौराया
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्मलिखित ध्यक्तियों अर्थात:--- (1) श्रीमती मरीयम क्षेगम पति मौलवी सैयद 3-6-433, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दयालाल एस भाडा पिता णमजी भाडा 3-6-433, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूकी

घर नं० 3-6-433 का भाग हिमायत नगर हैदराबाद में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1180/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 18 प्रक्तूबर, 1979

प्रकप झाई • टी • एत • एस • --

भागकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के मनीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 प्रक्तूबर 1979

निवेश सं० श्रार० ए० सी० 331/79-80:---यतः मझे, के० के० वीर,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-6-433 का है, जो विभाग हिमायतनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रूधीन फरवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरिक (धन्तरिकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विम्नविधित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखत में वास्तविक कप से कृषित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिक्त निवम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के सिव्; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या भ्रस्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घासकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रमिनियम, या धन-कर घ्रिपियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घ्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ब्रामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, सक्त समितियम की भारा 269-ग के सनुसरण में, में, सायकर समितियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, सक्ति :--- (1) श्रीमती मरीयम बेराम घर नं० 3-6-433 हिमायत-नगर, हैवराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नवीनचन्द्रा शाम जी भाड़ा 3-6-433, हिमायतनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीर :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (॥) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयें होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं 03-6-433 का विभाग है हिमायत नगर हैवरा-बाद में रिजिस्ट्री दस्ताकेज नं 0,1179/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम ग्रधिकारी स**हा**सक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 18 प्रक्तूबर 1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 ग्रन्तुबर 1979

निदेश सं० भार० ए० सी० 332/79-80--यतः मुक्षे, के० के० वीर,

प्रापंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० 4-1-1236/2/1 है, जो किंग कोटी रास्ता हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदरा-बाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण ये हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उन्त श्रिश्चिम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उन्त श्रीधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतृ:~→ (1) श्री हाजीमोह्मद बशीरुद्दीन, 1-1-299, ग्रशोकनगर हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रकतरुनीसा रफत सुलताना पति ताहर श्रली घर नं० 4-1-1236/2/1 किंग कोटी रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के श्रध्याय 20-रु में परिभाषित हैं, वहीं शर्ष होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

घर नं० 4-1-1236/2/1 किंग कोटी रास्ता हैदराबाद में वीस्तेन 186 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 882/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 18 प्रक्तूबर 1979

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस०----

अ।यक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर् 1979

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 333/79-80-यतः मुझे, के० के० वीर,

द्मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है।

ग्नौर जिसकी सं० 5-8-81 है, जो फतेह सुलतान लेन में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीचे ऐसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें ग्रायकर ग्रधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अनः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखत व्यक्तियों अर्थात्—

- (1) मैसर्स कमरसीयल कन्ट्रेक्ट कारपोरेशन 20-4-1183-लाड बजार, हैदराबाद।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टी॰ राघा देवी पति टी॰ नागेश्वर राव 12-2-458/10, मेह्दीपटनम, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्विनबद किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रजीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी तरणः --इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गत्रा है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-81 फतेह मुलतान लेन नामपल्ली हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 676/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

> के० के. वीर सक्षम स्रधिकारी सहायक स्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखः : 18 श्रम्तूबर 1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • -----

आयकर प्रमितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के गथीन मुक्सा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 334/79—80:—यतः मुझे, के० के० वीर,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से मधिक है

भीर जिसकी सं० 3-4-759/2 है, जो बरकतपुरा में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत ध्रविक है खीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक कृष में कास्ति नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत **उक्त** अधिनियम, के अधीन कर देन क मन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उनसे वयने में सुविधा के लिए भौर√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भाय-कर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या जन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के सिए;

अतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उका पधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निस्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात: --- (1) श्री बी० बी० सुरेश पिता रागवेन्दर राव 5-8-52, नामवली स्टेशन रास्ता, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच० बी० श्रार० म्रय्यानगर 3-4-759/2, संखोधया घर बरकतपुरा, हैदराबाद ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रकृत के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज कें
 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो की
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सम्बोहस्तासरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों घौर पदों का, को उक्त शक्षितियम के धट्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही धर्म होगा को उस घटनाव में विका गया है।

अनुसूची

पहली सवा का प्लाट नं० 3-4-759/2 बरकतपुरा हैदराबाद वीर्स्तन 146 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 635/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 श्रक्तूबर 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निदेण सं० घार० ए० सी० 335/79-80:--यत: मुझे, के० के० बीर,

आयकर श्रीधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उकन प्रशितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सभन प्रशिक्षारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-ष्पण् से भिधक है

श्रीर जिसकी सं० 4-3-51 है, जो रघनाथ बाग सुलतान बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, तारीख फरवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रद्ध प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ये कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क्र) ऐसी किसी आप या किभी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यत्र, उक्त प्रधितिस्त, की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त ग्रिधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्तिनित्र व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री विद्यागौरी मेहता पति मृलचन्द मेहता 5-1-896/14, पुतली वोली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामीला बेन मनगवी पिन श्रास्त्रीन्द भाई सनगवी 4-1-10 तीलक रोड़, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए एन्दद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्ष्री के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टो करण: ---इसमें प्रमुक्त सम्बों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

खुली जमीन नं० 5 घर नं० 4-3-51 के पीछे 66 से 72 रघुनाथ वाग, मुलतान बाजार, हैदराबाद । वीस्त्न 382 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 647/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० के० वीर सक्षम ग्रधिकारी (महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 श्रम्तूबर 1979

प्रक्ष भाई॰ टी॰ एन॰ एस०ममज

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भायुका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 336/79-80:—यतः मुझे, के० के० वीर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4-1-117/117/1 है, जो करीमनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करीमनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घौर अन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिकास, निम्निचित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत उक्त प्रश्नित्यम के प्रधीन कर देने के सम्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी बन या खण्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः ग्रन, उनत ग्रमिनियम की घारा 269-म के ग्रनुसर्व में, मैं उनत ग्रमिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अक्षीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्मात् :---

- (1) (1) Smt. Badarunnisa w/o Hameed Hussian, 25-Eadibarazar, Kumarwadi, Hyderabad.
 - (2) Atya T alat w/o Sycd Shah Noorulhuq, House hold. Chatta Bazar, Hyderabad, (H. No. 22-8-582).
- (2) Shri Ranga Rao s/o Shri Venkat Subbaiah, r/o Karimnagar.

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्वाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-117 स्रौर 4-1-117/1 समारम मोहल्ला, करीमनगर वीर्स्तन 860 वर्ग मीटर रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 589/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, करीमनगर ।

के० के० यीर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 18 ग्रक्तूबर 1979

प्ररूप आई• टी• एन• एस०----

आयवार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के ग्रधीन मुचना चारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, हैवराबाद हैंदराबाद, दिनांक 18 श्रक्तुबर 1979

निवेश सं • प्रार० ए० सी • 337/79-80:—यत: मुझे, के • के • कीर,

अरस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसमें प्रकाद 'अर्थत प्रधिनियम' कहा गया है), की धररा 269-ख के अधीन सक्षम आक्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिडका उन्तित बाजार मृत्य 25,000/- क्यें से अधिक है और जिसकी सं० 1-4-101 है, जो गोलीगुडा गली बांसवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, बांसवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,

1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृश्य से कम के बृक्यमाम प्रतिप्रक के लिए अन्तरित की नई है चौर मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृश्य, उसके बृक्यमान प्रतिप्रस से, ऐसे दृश्यमान प्रतिप्रत का प्रमूह प्रतिक्रत अधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों)भौर मन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-प्रत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निख्ति में बास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (स) अध्वरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत अधिक नियम, के ब्रधीन कर देने के ब्रन्टरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविचा के जिए; ऑस्ट्रीया
- (स) ऐसी किया आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धनकर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधं अक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया सामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उदन प्रधिनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, में, उदल अधिनियम की घारा 269-व की बपचारा (1) के प्रधीन ' व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री यु० गनगप्पा, नैजामाबाद, (2) नागानाथ राव, (3) भीम शास्त्री, (4) डी० रामलु, (5) बी० रामिकशन (6) बी० हनुमानडलु, (7) एन० रत्ना कुमार, (8) राम चन्दर, (9) श्रार० लीनगा रेडी, (10) एस० सूर्यानारायना, (11) ज० सुन्दर रामध्या, (12) टी० गंगाराम ।

(म्रन्तरक)

 (1) मैसर्स नं० प्रेमीला बाई, (2) के० एस० नरेनदर नाथ (3) के० विद्यासागर बांसवाङ्ग, निजमाबाद, जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पदों का, जो उक्त धर्मि-नियम के घड्याय 20-क में यथा परिचाषित है, बही धर्म होगा जो उस धड्याय में विधा कवा है।

पनुसूची

"श्री राजा राजेश्वरी टाकीज" घर न० 1-4-101, वीर्स्तन 17558 वर्ग फीट। मनजलेपर 4 ब्लाक गौलीगुडा गली बांसवाडा, नैजामाबाद जिला रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 206/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय बांसवाडा में।

> के० के० वीर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 ग्रक्तूबर 1979

मारत संस्कार

कार्यालय, मन्।यक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 प्रक्तूबर 1979

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 338/79-80---यतः मुझे, के० के० बीर,

मायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ब के मिबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-क्पए से मिबिक है श्रीर

जिसकी सं० राईममील है, जो येत्रा रेडी नैजामाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, येलारेडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का न किया तहां किया गया है:---

- (क) अस्तरण से दूई किनो था। की बाबन उक्क भिष्ठितयम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; शौर/या
 - (ख) रेनी कियो पान मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनाचं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, मिधितियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलखित व्यक्तियों अर्थातः --

 (1) श्री नागुलम्मा गीरमय्या, पिता गुनड्य्या वांसवाडा नैजामाबाद, जिला (2) नागुलम्मा बालराजय्या पिता वेंकय्या, नैजामाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री जी ० रामलीन्गम पिता राजय्या मैंसर्स विजय मिल्स के ० पाटनर है घर नं ० 2-5-81 येलारेडी, नैजामा-बाद।

(ग्रन्तरिती)

को यम् सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ये ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूतना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितब स किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रवृक्त मन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा जो उस ग्रष्ट्याय में विया ाया है।

अनुसूची

जमीन श्रीर घर नं० 2-5-81 "मैसर्स श्री वेंकाटेश्वर राईस मील" येल्लारेडी गुडा नैजामाबाद जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 209/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय येल्लारेडी में।

कें० के० वीर सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीखाः 18 ग्रक्तूबर 1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्तूबर 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/ 1340/ 79–80 ---यतः मुझे , के० के० राय,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रामपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तक रूप से कथित गहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भ्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्गलिखित व्यक्तियों, श्रयित्:--

(1) श्री डोसा भाई पुत्र श्री महरवान जी खम्बाल¹ भाटापरारा जिला—-रायपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती रजनीश सागर पत्नि सरदार सागर सिंह, साहू सा मिल के पास, पंडरी तराय, रायपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के <mark>प्रार्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाज की तारीख से 45 दिन की अविध या तित्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:——
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

मकान साथ भूमि स्थित पांडरी तराय, जिला-रायपुर।

कें० के० राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखाः 3 ग्रक्तूबर 1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्वी ०/भोप |-80/ 134 यतः मुझे, के०के० राय,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से म्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जवलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1979 को पूबेक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूबेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे इृश्यमान प्रतिफल के बबह प्रतिशत श्रिधक है श्रोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ए.से श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किपी बात या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- (1) श्रीमती कलावती पत्नि स्व० श्री राज गोपाल यादव मकान नं० 1189, मदन महल, जबलपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम सिंह कपूर पुत्र स्त्र० श्री करतार सिंह, 855, मदन महल, जबलपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दो मीजिला बिल्डिंग बियरिंग मकान नं० 855/सी०-1, से 6 सी 8 तक, मदन महल, वार्ड नं० 30, जबलपुर। (खसरा नं० 73 का भाग, प्लाट नं० 5/2, माप 3250 वर्ग फुट)।

> के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

मारीखाः ३ प्रक्तूबर, 1979।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० श्रार० ए० सी०/एक्वी/भीपाल/ 79-80/1342---यतः मुझी, कु० कां० राय,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है किसे स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ध्रधिक ग्रौर जिसको सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छचित आजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल, से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--- 🗼

- (क) ग्रन्तरत से हुई किमी ग्राय की वाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भन्नीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों :— (1) श्री चुन्नी लाल पृत्र श्री शिवजी गाह नेपियर टाउन. जबलपुर द्वारा श्री भवन जी गाह पृत्र श्री राव जी गाह, नेपियर, टाउन, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) एस० ग्रार० एम० फाउन्डेशन ग्राफ इन्डिया, शंकराचार्य नगर ऋषिकेश द्वारा श्री ग्रानन्द प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र श्री जे०पी० श्रीवास्तव, राम निवास, ब्योहार बाग, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रार्वत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त ग्राब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम मंगली एन० बी० नं०६६६ पी० एच० नं० 44, माप 13.860 हक्टेयर्स तह० व जिला—जबलपुर।

> क्र० कां० राय, मझम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीखाः ३ भ्रक्तूबर, 1979।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्तण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/ 1343—श्रतः मुझे, कृ० कां० राय,

मायकर मिर्मियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिर्मियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिर्मित सक्षम मिर्मियगरी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- वपए से मिर्मिक है

ग्रीर जिसकी सं 0 भूमि, है तथा जो मंगेली, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4 मई, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिमत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखात में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, बक्य घितियम के घषीन कर देने के घम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी कन या धम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धम-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यमं की धारा 269-मं के भनुसरण में, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथीत्:— (1) श्री चन्द्रकान्त पुत्र श्री श्याम जी **माह द्वारा श्री** भयान जी माह पुत्र श्री रावजी माह नेपियर टाउन, जवलपुर ।

(भ्रन्सरक)

(2) सन्स्था एस० ग्रार० एम० फाउन्डेशन ग्राफ इन्डिया शंकराचार्या नगर, रिषीकेश नगर द्वारा श्री ग्रानन्य प्रकाश श्रीवास्तव राम निवास ब्यौहार बाग, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके वृत्रोंक्त सक्यति के अर्थक के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबाँछ, जो जी श्रवित बाव में सभाष्त होती हो, के जीतर सूचौंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिव-वय किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो जक्त अधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिकाबित हैं, वहीं भ्रष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमु सूची

भूमि एन० बी० 666, पी० एच० नं० 88, स्थित ग्राम मंगेली सह० व जिला जबलपुर रक्तबा 7.823 हक्टेयर्स ।

> क्क० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैत रेंज, भोपाल

तारीखः : ३ ग्रक्तूबर, 1979।

मोहर:

17-336GI/79

प्ररूप बाई • टी • एन • इस •----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीनक्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1979

निदेश सं० भाईएसी/एनकी/भोपाल/79-80/1344:--भ्रतः मुझे, कृ० कां० राय,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मंगेली जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4 मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है थीर धन्तरक (घन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त मिलियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविमा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किनो धन या अन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर भिर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मधा था या किया जाना नाउँए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

मतः अत्र, उत्रन अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री भवन जी साह पुत्र श्री राव जी शाह नेपियर टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) संस्था एस० भ्रार० एम० फाउन्डेशन भ्राफ इन्डिया, शंकराचार्या नगर, रिषी केश द्वारा सैकड़ी आनन्द प्रकाश श्री वास्तव पुत्र श्री जे० पी० श्रीवास्तव राम निवास, ब्यौहार बाग, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के पर्मन के संबंध में कोई भी गार्क्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य ध्यक्ति द्वारा ग्रेष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्नों भीर पर्थों का, जो उन्त सिक-नियम के सहयाय 20-म में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस ग्रह्माय में दिया गया है।

^{जहर} अनुसूची

भूमि रकबा 8.143 हैक्टयर्स एन० बी० नं० 666 पी० एच० नं० 44 स्थित ग्राम मंगेली तह० व जिला, जबलपुर।

> कु० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: उभ्रक्तूबर, 1979।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के म्रिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 प्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० भ्राई ए सी/एक्बी/भीपाल/79-80/1345:---भ्रतः मुझे, कु० कां० राय,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मंगेली, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः---

- (1) श्री गुलाब चन्द पुत्र श्रीभवन जी गाह, 281, नेपियर टाउन, जबलपुर।
- (2) संस्था एस० म्रार० एम० फाउन्डेशन म्राफ इन्डिया, शंकराचार्या नगर, रिषी केश द्वारा सेकेट्री श्रानन्द प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र श्री जे० पी० श्रीवास्तव, राम निवास, नेपियर टाउन, जबलपुर। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणित की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप स में प्रकाशन की तारीख भें 45 दिन के भीतर उक्त-स्थावर सम्मित्त में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम, के श्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रश्याय में दिया गया है !

भ्रनुसूची

भूमि 45.07 एकड़ एन० बी० नं० 666 पी० एच० नं० 44 स्थित ग्राम मंगेली तह० व जिला— जबलपुर।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भोपाल

तारीख: 3 भ्रक्तूबर, 1979।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मध्यकर मश्रिनियम 19,61 (1961 का 43) की घररा 268व (1) के मधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपनल, दिनोक ३ प्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एवनी/भोपाल/ 79-80/1346:--अतः, सूस्रे, क्व० कर्त० राय,

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधिका सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि जिसका उचित वाजार मह्य 25 000/ रुपये से अधिक हैं।

स्क्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग व भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (स्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 21 फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (च) एसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धनकर भ्रिधि-क्यिम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः पाव उक्त भिधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं उक्त भिधिनियम की धारा 269भ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्मशिकित व्यक्तियों अर्थात्ः— (1) श्रीमित कमला देवी गोसालिया राजकोट, (2) गुनवन्त लाल श्रार० पारीख 66. जावरा कम्पाउंड । इन्दौर । (3) श्री गिरधारी लाल शर्मा बोजनकत मार्केट, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) एफ० एस० खैर एंड कं० प्रा० लि० 127, एम० जी० रोड़, बाम्बे, (2) चौश्ररी इन्डस्ट्रियल इन्वेस्टमेन्ट (म० प्र०) प्रा० लि०, ए० बी० रोड़, इन्दौर । (अन्तस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टी करण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूषि

बिल्डिंग, "सुवागन कुषा", से प्रसिद्ध वियरिंग नं० 12/2 रवीन्त्र नाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर साथ खुली भूमि एरिया 25298 वर्ग फुट ।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3 श्रक्तूबर, 1979।

मोहर : 🛊

प्ररूप भाई । दी । एन । एस । -----

भायकर ग्रीधानेयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के ग्राचीन सूचना भारत सरकार

कार्यालव, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रन्तूबर, 1979

निदेश सं० म्राई ए सी/एक्वी/भोपाल/ 79-80/ 1347:--भ्रतः, मुझे, कृ० कां० राय,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उश्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं ० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 26 फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः धव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भजीतू:— (1) (1) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र लालाराम प्रसादराम सूद, (2) डा० दया कृष्ण भूद पुत्र मुण्ताक राम सूद 4, प्रताप नगर, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमती ईश्वरी बाई पत्नि दयाल दास जी, (2) श्रीमति भगवानी बाई पत्नि श्री चांद जी 161, पालसीकर कालोनी, इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध म कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रिश्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरों के पान लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उन भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

प्लाट नं० 3-4 ए, ऐरिया 9300 वर्ग फुट स्थित प्रताप नगर, इन्दौर ।

> क्ष० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 3 प्रक्तूबर, 1979।

प्रकप धाई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क(1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रम्तूबर, 1979

निदेश सं० म्राई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1348:---यतः, मुझे, क्र० को० राय,

पायकर धिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम 'कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- च॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 24 मार्च, 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृयगमान प्रतिफल से, ऐसे दृयगमान प्रतिफल का पन्तई प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरिक्ति)) के बीत ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ति जिंत उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की नावत, उनत मिन-नियम के मन्नान कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविका के किए। भौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषियम, या धन-कर धिषियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए घा, खिमाने में सुविधा के किए;

धतः घव, उनत धिमियम की मारा 269-न के अनुसरण में, में, उनत घिमियम, की वारा 269-न की उपचारा (1) के प्रधीन निम्निविवत व्यक्तियों, धर्मात् :--- (1) श्रीमती मनहर कुंवर पत्नि श्री ठाकुर साहब महेन्द्र सिंह ग्राम सरवन जिला—-रत्तलाम । (श्रन्तरक)

(2) श्री विजेन्द्र कुमार पुत्र श्री सुन्दर सिंह जैन, क्षिपोलिया दरवाजा, रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध
 बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंबे।

हपडरीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क, में परिकाधित हैं, वहीं शर्ष होगा, जो उस शब्धाय में विदा वया है।

यमुबुकी

भूमि ऐरिया 18,887.50 वर्ग फुट स्थित स्टेट हाई वे नं० 31, नीमच महू रोड़, रतलाम ।

> '(क्रु० कां० राय) सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: अंग्रन्तूबर, 1979।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 श्रमतूबर, 1979

निवेश सं० आई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1349:---श्रत:, मुझे, कु० कां० राय,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० मे श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिब फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भ्रधिनियम, या धन- कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिक्टित व्यक्तियों श्रयीत् :--- (1) श्रीमती रानी शर्मा पत्नि श्री श्रोम प्रकाण शर्मा प्रेम नगर कालोनी रोड़, ग्वालियर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धन श्याम दास पुत्र श्री गोपी चन्द कुकरेजा (2) श्रीमति पूनम पत्नि श्रीधन श्याम दास कुकरेजा 65, प्रेम नगर कालोनी, ग्वालियर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविधवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होना जो उस सध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 65 रकबा 2960 वर्गफुट प्रेम नगर कालोनी, ग्वालियर।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6 श्रक्तूबर, 1979।

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 ग्रन्तूबर, 1979

निदेश सं० भ्राई ए सी/एक्वी/भोपाल/79--80/1350:---श्रत:, मुझे, कृ० कां० राय,

अ यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हैं सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका धिकत बाजार मूक्य 25,000/- रु से बाधिक है

25,000/- र॰ सं मधिक है

शौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (शौर हससे उपाबद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16 फरवरी, 1979 को पूर्वेक्त संपत्ति के अक्ति बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान शिकल के लिए बन्तरित की गई है बीर मुक्के मह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान श्रिफल से ऐसे दृष्यमान श्रिफल का पण्यत् अतिशत से श्रीवक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रिकल, निम्नलिखित सदेश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी पाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, ए। धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योअनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपानें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के भन्सरण वें, में उक्त अधिनियम की घारा 269घ की क्ष्मबारा (1) के खबीन; निम्निसिखित व्यक्तियों, बर्यात्।—— (1) श्री रवी कुमार पुत्र वर्धमान जी डपुरिया रामबाग रीतुवन, रतलाम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री सीरुमल जी मेहता, 17, राम बाग रीतूबन, रतलाम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोनत सम्पत्ति के अर्थन के लिए' कार्यगाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति से अर्जन से संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की मर्वाच या तस्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की मर्वाच, को भी मर्वाच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवड़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उक्त प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिकाधित हैं, नहीं धर्च होगा, को उस ग्रध्याय में दिवा नया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 17 रकबा 5005 वर्ग फुट राम बाग री तूबन, रतलाम ।

> कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त), भ्रजन रेंज, भोपाख

तारीख : 6 भ्रम्तूबर, 1979 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० ग्राई ए सी/एक्वी/भोपाल/ 79-80/1351:--- श्रत:, मुझे, कु० कां० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-, कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-गैनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6 फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तिरक (प्रन्तिरकों) और प्रन्तिरती (प्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के आधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—
23—336GI/79

(1) श्रीमती हरिप्रिया पत्नि श्री वी० के० पंडित "भारती भन्नन" 79, एस० बी० रोड़, खार बाम्बे द्वारा, श्री गिरधारी लाल पुत्र डाल चन्द्र शर्मा "बसन्त निवास" रेस कोर्स रोड़, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अणोक कुमार पुत्र श्री मांगी लाल 20 साठा बाजार, इन्दौर वर्तमान निवासी 8/8, न्यू पलासिया (II सी), इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किनी अन्य व्यक्ति अरा अबोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टी करण: -- इसमें प्रयुक्त णब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं ० 814 रकबा 4210 वर्ग फुट II सी ० 8/8, न्यू पलासिया, इन्दौर ।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 6 श्रभ्तूबर, 1979।

मोहर 🖫

प्रकप माई०टी० एन• एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीत स्थना

भारत सरकार

भागीलय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1352—यतः मुझे : फू० कां० राय
बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य
25,000/- व० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (घम्तरकों) भीर धम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उच्त धम्तरण निश्वित में बास्तविक कप से कृषित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्तियम के भवीन कर देने के भक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन मा भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिमित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिमित्यम या धन-कर भिमित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उत्त प्रविनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, में, उत्त प्रविनियम की बारा 269-ण की जनधारा (1) के अधीन निम्निनिवित व्यक्तियों, प्रचीतः →

(1) श्री भंबर लाल जी पुत्र श्री बलदेव श्री षगदी 50, राधा नगर कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामलास पुत्र श्री फिरन्दमल जी मेघाणी, 117, जयरामपुर, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के व लिमे कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घषोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकर गः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर वर्षों का, जो उन्न श्रीक्षितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान स्थित प्लाट नं० 105 रकबा 2600 वर्गफुट गोपाल बाग, कालोनी, इन्दौर।

> कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त प्रजन रेंज, भोपाल

तारीखा: 6-10-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80/1353—प्रतः मुझे कृ० कां० राय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', गहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-2-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री मुमताज हुसैन पुत्र श्री जठवार हुसैन, (2) श्री महमद झली पुत्र श्री कुरबान हुसैन, झलीगंज, भोपाल।

(अन्तरक)

- (2) सर्वश्री
 - (1) प्रवीप कुमार
 - (2) संजय कुमार
 - (3) जीतेन्द्र कुमार
 - (4) संजीव कुमार

पुत्र श्री जवात्तर लाल साहू द्वारा ग्राभिभावक श्रीमती सरस्वती देवी (मां) बरखेड़ी वार्ड नं० 25, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकान की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

क्षो मंजिला मकान रकबा 1024 वर्गफुट वार्ड नं० 25 बरखेड़ी, बजरिया, भोपाल।

> क्र० कां० राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 9-10-1979

प्रकृप धाई• टी• एन• एस•----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1979

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1354—श्रतः मुझे, कृ० कां० राय
ध्वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मन्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/रु॰ ने अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० मकान व प्लाट है, तथा जो भोपाल में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 29-2-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उण्यात बाजार पूर्व से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण निश्वित में बास्तिबक क्य से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त अधि-नियम के सधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धामा चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव जनत पश्चितियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचांक्:--- (1) श्री विट्ठल जी पुत्र श्री टुन्डिरान जावलीकर सेवा निवृत्त ज्वाइंट डाइरेक्टर भ्राधिक एवं सांख्यिकीय संचालनालय, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगत प्रकाश पुत्र श्री पंजाबी लाल जैन, कार्यपालन मंत्री, एरीगेशन, 93/67, 4250 क्यार्टर्स, भोपाल।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त समाति के प्रजैन है संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविष्ठ या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की आमीन से 30 विन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) अस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारी छ छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्ब ह किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, पश्चीत्स्ताकारी के पान निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीफरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों और पर्या का, या उत्तन प्रधिनयम के अध्याय १०-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथा होगा को उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं । 117 साथ एक निर्मित मकान रक्तवा 4000 वर्ग फुट स्थित ई-5 शाहपुरा, भोपाल।

> कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रजन रेंज, भीपाल

तारीख: 9-10-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी • एन • एस • -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1355—यतः मुझे छ० कां० राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित वाजार मूक्य 25,000/- रुपये मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-2-1979 को

पूर्वीकत सम्मित के उचित बाकार मूल्य से कम के यूक्यमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अक्षारितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त मन्तरण लिखित में बाक्डबिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरग से हुई किसी प्राय की बाबा, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमे जबने में सुविधा के लिए प्रोप/बा
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या वन्य वास्तियों को जिन्हें भायकर व्यक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टित्यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना वाहिए वा क्रियाने में सुविधा के निष्;

अतः घव, उन्त प्रवित्विम की बारा 269-गं के चनुबरण में; में, उन्त प्रवित्विम, की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियाँ अधीत:— (1) श्री बसंतीलाल पुत्र श्री फूलचन्द जी मानावत 14, लाड कालोनी, इन्बौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम कुंबर बाई पत्नी श्री राम पाल जी बहेती, 3, पीपली बाजार, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भंजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संरति के अप्रंत के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है

 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी

 ग्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकत
 व्यक्तियों में हे किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किमी भ्रम्य व्यक्ति इंगरा, अश्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपक्की करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर परों का जो उक्त भिविनयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भगें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिला मकान रकबा 618 वर्ग फुट 206, एम० जी० मार्ग, (शीराकुण्ड), इन्दौर।

> क्तु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 9-10-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा विकास करें कि सारा विकास कर कि सारा

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भाषकर भाष्ट्रत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 भ्रक्तूबर, 1979

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा मया है), की धारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भक्षिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं, तथा जो कल्याणपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 21-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घष्टिक है घौर यह कि अन्तरक (धन्तरकों) घौर प्रस्तरिती (धन्तरिवयों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) घरतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त धर्मित्यम के भ्रमीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः यन, उन्त भविनियम की बारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं उक्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित म्यन्तियों अर्थात्:— (1) श्री नैश्यद्र हसन श्रानी पुत्र श्री इब्राहिम पीर गेट, भोपाल।

(भन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती खेमाबाई विधवा पत्नी श्री बलदेव . सिंह।
 - (2) श्री माया राम,
 - (3) भी मोहन लाल
 - (4) श्री मन्नूलाल पुत्र श्री बलदेव सिंह
 - (5) श्री भंवरलाल (ग्रवयस्क) पुत्र श्री मन्नू लाल
 - (6) श्री दीपचन्द पुत्र श्री मोहनलाल
 - (7) श्रीमती जानकीबाई पत्नी श्री खजेराव
 - (8) श्री कमल सिंह पुत्र मोहनलाल, कोतरा, सुरुतानाबाद, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा घंधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन नियम, के भक्ष्याय 20क में परिभाषित है, बही खबें होगा, जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 34/2, 36, 37, 38, 60 घ 237/31 कुल रकबा 50 एकड़ 72 डेसीमल, स्थित ग्राम कस्याणपुर, तहसील इंज़र।

कृ० कां**०** राय सक्षम प्राधिकारी • निरीक्षी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त **ग्रजैन रेंज, भो**णाल

सारीख : 9-10-1979

प्रकण गाई० टी॰ एन० एस॰———

गामकर गिविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 धक्तूबर, 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80/ 1357--धतः मुझे कृ० कां० राय, भायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत सिधिनियम' कहा गया है),की धारा 269-ख के भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि व मकान है, तथा जो विलासपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाहतिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रषितियम के अभीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, बक्त अधिनियम की धारा 269-घ की सपमारा (1) के अधीन, निम्निकाल व्यक्तियों, ग्रवीत्:--

- (1) भैसर्स चौधरी राम चिमनलाल खापरगंज, बिलास-पूर द्वारा पार्टनर्स: ---
 - (1) मानन्य
 - (2) श्री प्रकोक कुमार पुत्र चिमनलाल.
 - (2) श्रीमती समरावा देवी विधवा पत्नी स्व० श्री चिमनलाल,
 - (4) श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री रामस**रनदा**स पंजाबी।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्भ श्री किणन सुभाषचन्द एंड कं तोरवां, बिलासपुर द्वारा पार्टनर श्री सुभाष चन्द श्रग्रवाल पुत्र श्री किशन जी तोरवां, बिलासपुर। (श्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पुर्वोक्त क्षम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त समाति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो शी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

प्लाट नं० 5 माप 0.129 हैक्टेयर्स हरूका नं० 109 साथ निर्मित गोदाम, दो कमरे स्थित सरकंडा, बिलासपुर।

> क्ट० कां० राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायक्त ग्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख : 9-10-1979

मोहरः

प्रकृप भाई । टी । एन । एस ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थानम, ाह्यमर प्रायक्तर प्रापुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80/
1358—श्रतः मुझे कृ० कां० राय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उवित बाजार
मह्य 25,000/- हपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-2-1979 को

पूर्वोश्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सा पम्बह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी घाय की बाबत बक्त प्रधिनियम के घडीन कर देने के घग्तरक के बायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी वन या भ्रय्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रविनियम, या धन-कर भ्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती बलवंत कौर पत्नी स्व० श्री सरदार बुध पिह, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(भ्रत्नर∙ह)

(2) श्रीमती मीना देवी राय पत्नी श्री के० द्यार० राय, 738, पेपियर टाउन, जबलपुर (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का. से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारी ख से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान वियरिंग नं० 237/ए०-4 प्लाट नं० 897 स्थित सुभाष नगर, जबलपुर।

> कृ० का० राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-10-1979

ग्रधिक है

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/ 2359- प्रतः, मुभे छ० का० राय, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से

श्रौर जिसको सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), राजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, राजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, 8-2-1979 की

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत उक्त श्रधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दोयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (म्न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिपित व्यक्तियों श्रर्थात् :--- (1) श्रीमती बलवंत कौर पत्नी स्व० सरदार वुध सिंह नेपियर टाउन, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप गोडवेले पुत्र श्री सीनाराम बालझुण्णा गोडवेले, वेस्ट निर्माण गंज वाई, जवलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-वाहियां गुरू करता हूं।

उसत सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सुत्तना के राजपत्र यें प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यस्वत्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म संपारत होती हो, के भीतर पुर्वति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुबना के राज्यत में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भी र उका ज्यावर संगत्ति में हिन्बद्ध किसी प्रश्न व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इनमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीत मंजिता महान वियरिंग नं० 237/ए०~ प्लाट नं० 897 का भाग स्थित सुभाष नगर, जबलपुर।

> कृ० कांट राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोणस

तारीख: 10-10-1979

मोहरः

प्रकृष धाई • ही • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-थ (1) के ध्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यावय, सहायक द्यायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्तूबर 1979

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्बी०/भोपाल/79-80/ 1360--श्रतः मुझे कु० कां० राय,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क से मिधिक है और

जिसकी सं० मकान है, तथा जो जवलपुर में स्थित हैं (और इसके उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 8-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिपों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वाह्तविक इप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर देने के सन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिये;

प्रतः, प्रव, क्वत अधिनियम की घारा 269-न के बनुबरण में, मैं, एक्त अधिनियम की घारा 269-न की उपप्रारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:— (1) श्रीमती बलवंत कौर पत्नी स्व० मरक्षार बुध सिंह नेषियर टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माल्ती माला पेटिया पुत्री श्री बाला प्रसाद जी पेटिया साईखेड़ा तहसील गाउरवाड़ा, जिला नरसिंगरपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई मी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचों की व्यक्ति ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्त में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, महोहस्ताझरी के पाड जिख्त में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

नीन मंजिला मकान नं० 237/ए०-1 प्लाट नं० 807 का भाग स्थित सुभाप नगर, जवलपुर।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 10-10-1979

प्रकृष धाई• टी• एन• एस•-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 फा 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 भ्रम्तूबर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/ 1361-- ग्रतः मुझे कु० कां० राय प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित वाजार भृत्य 25,000/- ६० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० मकान भाग) है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 12-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृक्ष्य से अप्र के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है, भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) बौर प्रश्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरच के लिए **त**य वाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्षित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है :----

- (क) यस्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त अधि-नियम, के प्रश्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हों भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वसा था या किया जाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अय उन्त श्राधिनियम की सारा 269ग के अनुसरण में में, उन्त ब्राधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्नाबिखित व्यक्तियों, नवाँत्।—— (1) श्री भरत कुमार व गिरीश कुमार पुत्र श्री हीरा भाई व श्रीमती लिलताबाई पत्नी श्री हीराबाई निवासी सूरत (गुजरात)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री राजमल जैन निवासी 173, लक्ष्मी बाई नगर, उज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्वित के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, को भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (अ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड -किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रज्ञोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छी सर्गः :--इसमें प्रयुक्त गन्दों घौर पर्धो का, जो उक्त प्रधिनियम, के घध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी घर्ष होगा जो उस घड्याय में दिया गना है।

धनुसूची

मकान नं० 1/936, खिखाडकर मार्ग, उजीत।

कृ० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-10-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रम्तूबर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80/
1362—प्रतः मुसे कृ० कां० राय
प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से ग्रिधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय कुल्लू में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सभ्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्साम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आतियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री भरत कुमार व गिरीण कुमार पुत्न श्री हीराभाई व श्रीमती विलता बाई पत्नी श्री हीराभाई निवासी सूरत (गुजरात) । (श्रन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबलाल जैन निवासी दौलतगंज, उज्जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त गञ्बों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क; परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/936 का भाग, खिखाडकर मार्ग, उज्जीन।

> क्रु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-10-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भग रेंग, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/79-80/
.1363 ग्रतः मुझे कु० कां० राय
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये के श्रिधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो उज्जैन में
स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण ख्य से
विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, उज्जैन
में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के ग्रिधीन तारीख

12-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरानान प्रतिकृत के निए प्रातिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयाप्त्रवेशित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, स्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269मा के श्रनु-सरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री भरत कुमार, व गिरीण कुमार पुत्र श्री हीराभाई व श्रीमती ललिता बाई पतनी श्री हीराभाई निवासी सूरत (गुजरात) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनोज कुमार पुत्र श्री बाबूलाल जैन निवासी माधव नगर, उज्जैन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में तकाणत की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 1/936 का भाग स्थित खिखाड़कर मार्ग, उজ्जैन।

> क्व० कां० राय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीज : 18-10-1979

प्ररूप बाई- डो-एन- एस---

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० 896—यत: मुझे बी० वी० सुब्बाराव आयकर प्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्रिक्षारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० है, जो दुग्गिराला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुग्गिराला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-1979 को पूर्वाकत प्रमात के उवित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रस्तह प्रतिकत

पश्चिक है घौर घन्तरक (अन्तरकों) घौर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरग लिखित में

कास्त्रविक करसे कवित नहीं किया गया है:--

- क) प्राप्तरण से हुई जिसी भाग की कावत, उक्त अञ्चित्तयम के अभीत कर देने के प्रश्तरक के दायिक में कमो करने या उससे वचने में भुक्तिक के निए; घीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी बन या भन्य पाक्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922का 11) या उक्त पश्चित्यम, या धन-कर ग्रीधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिये वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अय उन्त अधिनियम की घारा 289-ग के मनुषरण में; में, उन्त प्रधिनियम की बारा 289-ण की उपवास (1) के अधीन निम्मीनिया व्यक्तियों, प्रचौद :--- (1) श्री निम्मणढ़ा पद्मावती, पति ह्नुमन्तराव, 2. निम्मगढा सुधाकर, 3. निम्मगढा गैलजा पिता हनुमन्तराव, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमबमपाटि नागे प्यरराव पिता सांबय्य दुग्गिराला।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्याँन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, यो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवज किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर वर्षों का, जो उक्त प्रीक्षेत्र नियम के प्रव्याय 20-क में परिवार्षित हैं। बही प्रवेहोगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

वुग्गिराला रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-79 में पंजीकृत नं० 61/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वी० सुब्बाराय सक्ष म प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-7-1979

मोहरः

प्रकप धाई• टी• एन• एस•-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० 904—यतः मुझे के० सुब्बाराव धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृह्य 25,000/— २० से घषिक है,

स्रौर जिसकी सं० (भूमि) है, जो मुनगडा (पूरब) गोदावरी जिला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रबाजीपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 27-2-1979

(1908 की 16) के अधान दिनाक 27-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है
प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और सन्तरक (सन्तरकों) भीर बन्तरिती
(सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निश्निकित उद्देश्य से उच्त भन्तरण किकित वे बास्तिवक कप
से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त कक्ति-तियम के धन्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय वा किसी घन या घम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्यम, या घन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घम्त्रिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया खाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के खिए;

यतः वन, उन्त मिनियम की बारा 269-म के मनुबरण में, में, क्वत समितियम की बारा 269-म की क्वजारा (1) के बद्योग, विक्वीविधित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री बच्चू वेंकटनारायणमूर्ति, पु० मल्लूया, उधिलि, कोतापेट, तालुका।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुमपदला बीर वेंकट सत्यनारायणा, पु० सुब्बाराव, मुंजवरम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियों करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कासीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का थे 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सें किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोइस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का; जो उक्त भिष्ठिनयम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्व होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भंबाजीपेट रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाक्षिक भ्रन्त 29-2-79 में पंजीकृत दस्तवेज नं० 237 में निगमित भ्रनुसूची सम्पत्ति।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रॅंज, काकीनाडा

तारीण: 7-8-1979

मोरह:

प्रकप आई॰ टी॰ एन० एस०---

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यानय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 प्रगस्त 1979

निर्देश सं० 905--यतः मुझे के० सुब्बाराय कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० है, जो मुनगुडा, कोंत्तपेट तालुका में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय अंबाजी पेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 24-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है और मन्तरक (भ्रम्तरकों) और ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितमें बार∃विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में, में, उन्त ग्राधिनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के श्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री बच्चु वेंकटनारायणा मूर्ति पु० मल्लय्या उधिलि, कोत्तपेट, तालुका।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुमपटला नाग प्रसादराव पु॰ मुख्वाराव, मुंजवरम, पूरव गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूत्रा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त श्रधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस म्रह्माय में दिया गया है।

अनुसृची

श्रंबाजीपेट रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 29-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज न० 235 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> के० मुख्याराव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7 अगस्त 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 31 ध्रगस्त 1979

निर्देश सं० 911—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, तथा जो गांधीनगर विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक ध्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 9 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रिप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाध-नियम के भाधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--- 25-336GI79

 वेमूरि मुन्दर लक्ष्मी नरसिम्हा राव 3-6-547/211, हिमायलनगर, हैदराबाद-27

(ग्रन्तरक)

 श्रन्नपूर्ण एंटरप्रैसेस 5-4-730, स्टेशन रोड, नामपल्ली हैदराबाद-1

(भ्रन्तरिती)

3. बेजवाड़ा मेडिकल स्टोर्स, गांधीनगर विजयवाड़ा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ क्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूनना के राजाज में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी ते पाक्षिक श्रन्त 15-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 759 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सित्रस्वर 1979

निर्देश सं० 912---यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर प्रिवित्यम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सजन पाधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० वैजाग है, तथा जो 49-11-4-ए में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मृझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिधिनियम के भिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए:

प्रतः प्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) के अधीन, निम्नसिखित स्थक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री पी० जगदीण्वर राम प्रसाद
 - (2) श्री पी० सुधाकर, न्यू कालोनी, वैजाग

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० बंगारू तल्ली 49-11-4-ए, ललितानगर, वैजाग

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काशेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुबना के राजपत में प्रकाशन का नारोज़ के 45 दिन के सीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद किसी शन्य व्यक्ति द्वारा, यधोहस्ताक्षरों के पास निक्रित में किए का सकेंगे।

श्यक्टोकरण :--इनमें प्रयुक्त शर्कों घोर गर्दा हा, तो 'खक्त स्रधि-'नयम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी प्रयोगा, जो उस सम्बद्ध से दिशासमा है

अनुसृची

वैजाग रिजस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 790/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

के० मुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, काकीनाडा

तारीख: 6-9-1979

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस० --

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का **43) की** धार् 269-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रव, गहावक मावकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 913—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, बायकर विविध्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्त आधिनियम' कहा गण है), की श्वारा 269-ख के प्रधीत यक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर तथानि, जिसका खिता बाजार मुख्य 25,000/- रूप से अधिक है

भीर जिसकी सं० 49-11-4-ए है, तथा जो विशाखापत्तनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्तनम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कस के दृश्यमान प्रतिकल कि निए पन्नरित की गई है और नुसे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यभान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशान से प्रिश्च के, और प्रन्तर (प्रन्तरकों) और प्रव्तरिती (भन्तरितीं) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाय, गया प्रतिकल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी न्नाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्राम/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अस्य आकितयों की, जिस्हें भारतीय आयकः अधिनियम, 1922 (1922 भा 11) या उक्त अधिनियम, बा अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया बा या किया कामा चाहिए था; छिपाने में मुश्रिक्षा के लिए;

अतः पन्न, उपेत अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरम में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-न की धपजारा (1) के अफ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- 1. (1) श्री पी० जगदीम्बर प्रसाद
 - (2) श्री पी० सुधाकर, न्यू कालोनी, वैजाग (म्रन्तरक)
- (1) श्री बी० ग्रप्पा राव
 - (2) श्री वी० वेंकटराव
 - (3) श्री वी० नारायण मूर्ती, ललिता नगरम वैजाग-4

(ग्रन्सरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीकत सम्पक्ति के भ्रजनिके लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जनत सःपत्ति कं सर्वत के सम्बन्त में होई भी आक्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन को ग्रविध, जो भी अदिध बाद में नमाण होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस न्यतः के राज्यत में प्रकाशनका ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य वाक्ति द्वारा, अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा नहींगे।

हाड्टोकरग:--इसमें प्रयूक्त शब्दों श्रीर पदों का, का उक्त पश्चितियम, के शब्दाय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसुधी

वैजाग रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 917/79 में नियमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

के० सुब्याराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-9-1979

प्रकण शार्ष । ही • एत • एस • ———

आयकर ब्रिविसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के ब्रिवीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 914—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वाड नं० 8 है, तथा जो पिठापुरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रथि है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कि ते धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ब्रिधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी घन या घन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उन्त ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिर्यो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: धव, अवन धिवित्यम की धारा 269-म के अनुसरम में, में, उनत धिवित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, श्रथात्:—

1. श्री डी॰ वी० जगन्नाथराव पिठापुरम

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती एम० सत्यवती

(2) एम० सोमराज पेद्धापुरम

(ग्रन्तरिती)

को यह मृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त बाधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा को उस प्रध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 से तंजीकृत दस्तावेज नं० 158/79 से निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 915—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुगये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 है, तथा जो पिठापूरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन. तारीख 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के **ए**स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभाव प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ऋधिक है श्रीर भ्रत्नरक (भ्रत्नरकों) भ्रौर भ्रत्नरिती (भ्रत्नरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिंं, तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-मरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—- श्री डी० वी० के० सूर्यराव, पिठापुरम

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० सत्यवती, एम० सोमराजू, पेद्धापुरम (भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्र(क्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तैरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारत;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-निशम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 15-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज सं० 149/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

प्ररू० ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

तिर्देश मं० 916—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है
ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 है, तथा जो पिठापुरम में स्थित
है (ग्रौर इसले उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वित है),
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में राजस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— 1. श्री डी० माधवराव, पिठापूरम

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती एम० सत्यवती
 - (2) श्री एम० सोमराजु, पेद्धापुरम

(भ्रन्तिरती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 148/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती।

कं० सुब्बाराय सक्षमप्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, का**कीनाडा**

तारीखा: 6-9-1979

प्ररूप साई•टी•एन•एम•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

कार्कीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देण सं० 917—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से प्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 है, तथा जो पिठापुरम में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घिषक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसते बचते में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयहर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-म के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमत्:--

 श्री डी० बी० जो० रामाराव गगन महल कालो नी दोमलगुडा हैदरावाद-29।

(श्रन्तरकः)

2. (1) श्रीमती एम० सत्यवती

(2) श्री एम० सोमराज्, पेद्धपुरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताकरी के पास लिखित में किये वा सकरेंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी स पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 पंजीकृत दस्तावेज नं० 93/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पन्ती।

के० सुब्बाराय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-9-1979

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भिन्नी सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भाषकर भाषुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 922—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, प्रायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्मति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रिधिक है

मौर जिसकी सं० 14/121 है तथा जो चीमला में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीमला में रिजस्ट्रीकरण अबितिस्म, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वीस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के रत्दह प्रतिगा ने पश्चिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निक्तित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भीधिनियम के भीधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के निए; और/या
- (ब) ऐसो किसो प्राप्त या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भागकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविखत व्यक्तियों, अधीत:-- श्री पी० कृष्णमृति ट्रंक रोड, भ्रोंगेलु

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती पी० महलक्षम्मा, चीशला

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत मैं प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य स्थक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

हपडहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिविषम के ग्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

चीगला रजिस्ट्री घ्रधिकारी से पाक्षिक घ्रन्त 28-2-79 पंजीकृत दस्तावेज नं० 271/79 में निगमित घ्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-9-1979

नो

प्रकप आई∙ टी॰ एन∙ एस०---

आयक्षर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० 923—यतः, मुझे, कें ० सुब्बाराव, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० 5—50—51 है, तथा जो बादीपैट, 6 लैन 14 कास रोड, गुंदूर में

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय, गुंदूर में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिक्त है भीर यह कि धन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिब्बत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत अक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रिष्ठीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः भव, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--26-336GI/79

 श्रीनती गोगिनेनी चिन्नम्मायी पश्नी नि० वि० चौधरी चैयरमैन, ए० पी० माहनिंग कारपोरेशन 6-3-569 सोमाजिगुडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० कृष्णाराव, पुत्र बेंक्ट सुब्बाराव दूस्टी, बैक श्राफीसर्स एजुकेशन दूस्ट, गुंटूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह भुवता जारी तरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंदूर रिजस्ट्री ग्रधिकारी से पिक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 400/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के० सुब्बाराय सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-9-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 924---यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है।

श्रीर जिसकी सं०है, तथा जो ऐलूर रोड, गुंदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंदूर में रजिस्ट्री हरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भश्चिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- श्रीमती सोमु लक्षमी रामरस्तम रामकोटेश्वर राव, कोलपेट, गुंटुर
- 2. श्री जुलूरी पुल्लाराव, पुत्र वेंकटरस्नम, सेक्रेटरी, गुंदूर घी मर्चेंटस चिलवेंद्र संघम, पाता गुंदूर, गुंदूर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :--
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-कं में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंदूर रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक प्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 823/79 में निगमित प्रनुसूची सम्पति (22-2-79)।

कें० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

प्रकप भार्ष वी० एम । एस ०---

भ्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ए(1) के प्रधीन धूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० 925--यतः, मुझे, ने० सुब्बा राव, आयकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रीधक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिप्रत से अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरिकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रश्तकल निम्नलिखित उद्देग ने उद्दा प्रत्तरण तिखित में वास्तविक का से कथित नहीं खिया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के श्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी ब्राव्यवा किसी बन या भग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिबिनियम, या धन-कर मिथि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के मिए;

मतः, भव, उन्त भिवित्यम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, वर्षातः— श्रीमती सोम् लक्षमी रामरत्नम, पत्नी रामकोटेश्वर राम कोलापेट, गुंदुर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती जूलूरि धनलक्ष्मी पत्नी पुल्लाराव, ऐलूरू, रो,ड पाता गुंटूर, गुंटूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पति के अर्जन के लिए एत**्द्**वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविद्य या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविद्य, जो भी भविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वढटोकरगः--इनम प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

गुंदूर रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 822/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> कें० सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

ता**रीख** : 7-9-1979

मोहर : .

प्ररूप धाई० टी,० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रामकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, काकीनाडा,

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 926—यतः, मुझे, के० सुब्झाराव, श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० 8 है, तथा जो म्युनिसिपल वार्ड नं० 18 बीसेंट रोड़, विजयबाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयबाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय म्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैसर्स ग्रांध्र प्रथा लिमिटेड पूर्णानन्दम स्ट्रीट, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (1) श्री चिंता वेंकटरत्नम,
 पुत्र : वीरग्या, कालेक्वर राव मार्केट विजयवाङ्ग
 - (2) ऐलापुरपु वेंकय्या, पुत्र : रामय्या, भ्ररंलडपेट विजयबाडा,
 - (3) देविसेट्टी वेंकट दुर्गा प्रसाद पुत्र : नारामण राव, पुत्रम्मातोटा विजयवाजा-10
 - (4) ताडूरु बाला गौड, पुत्र : बाला गौड हिमायतनगर हैदराबाद
 - (5) बुंटा बियलराय, पुत्र : बालय्या **हैदर**गुडा, हैदराबाद

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजणत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप स में प्रकाणन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रद्माय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रद्माय में दिया गया है।

धनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1152/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

के० सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारी**ख**ः , 7-9-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, काकीनाडा

> > काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 927—यतः, मुझे, के० सुब्धाराव, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 32-2-10/15 है, तथा जो निम्मचेट्ट के पास, मोगलराजपुरम विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 19फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिगत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों मर्यात्:--- श्री चागलंमूडि गांधी पुत्र : पुत्रय्या, लक्ष्मी मोटप स्टोर्स, प्रकाशम रोड, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती उलमंचिलि शिव पंचाकक्षम्मा, पत्नी ः लक्ष्मय्या गोडबरु गांव, विजयवाडा तालूक (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त- में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्राय होगा जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाक्षिक भ्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1000/79 ; निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के॰ सुब्धाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, काकीनाड

तारीख: 7-9-1979

प्रकृप आई • ही • एन • एत •----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सद्यायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षक)

भर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 928—यतः, मुझे, के० सुब्बाराय, प्रायहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इस परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिल्त बाजार मृत्य 25,000/- ४० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 32-2-10/15 है, तथा जो जाम्मिचेट्टु के पास, मोग्न्तराजपुरम, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के खिल बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान ति उन के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्रह प्रतिगत्त से श्रीधक है और धन्तरक (ग्रन्सरकों) भोर धन्तरित (अन्तरितिभों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया रितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण निक्ति में उस्तिक कप ये स्वित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के भ्रधीन कर देने के घन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। मोर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी बन या भण्य घास्तियों को, जिल्हें चारतीय कायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 1)) या उक्त प्रक्षिनियम, या धन-श्रव क्रिंगियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयाजनाय भण्यारती द्वारा प्रकट नहीं किया क्षमा चा या किया जाना चाहिए चा, छिमाने में सुनिधा क्ष लिए;

श्रदः श्रव, उन्त श्रांशिनियम की श्राचः 269-ग के सन्-सर्थ में, में, उन्त श्रांशिनयम की श्राचा 269 व की उपलक्ष्या (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवांस्।---

- श्री चागलमूकि गोधी पुत्र : पुत्रस्या, लक्ष्मी मोठर स्टोसं प्रकाशम रोड, विजयवाड़ा (ध्रन्तरक)
- श्री ईदुपुगंटी नावराजु माईनर वें गाडियन माता भ्रकण कुमारी पत्नी शिव मूर्ति, वकील, लब्बीपेट, विजयवाड़ा (भन्तरिती)

को यह पूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

बक्त संपत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की मबिध या तस्तंबंधी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्यस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

श्वकाशिकरण: ---- इसमें प्रथ्वत गढ़ों और पदों ना, जो उनत प्रिचालयम के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्च होगा, जो उस अक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक भन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेण सं० 1038/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> ंके० सुख्याराव सक्षम प्राधिकारी स**हाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण) **श्रजें**न रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप प्रार्थं हो । एन । एस :----

आयकर मिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

929---यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उर्दे प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से भक्षिक है भौर जिसकी सं० 33-23-11 है, तथा जो कृष्णराव स्ट्रीट कस्तुरिबाय पेट विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधोन, तारीख 22 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यनान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यस्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिति (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नही किया गया है:---

- (स) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रिक्तिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए। खीर,या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधितियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

जतः धव, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम को धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री गारपाटि विजय कुमार पुक्ष: वेंकस्या, कस्तूरिवायपेट विजयवाडा

(ध्रम्तरक)

2. श्री पोमानि पट्टाभिरामाराव, पुत्र : मुब्बाराव, कुब्जाराव स्ट्रीट, मस्तानबायपेट विजयवाड़ा-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की वारीख से 15 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अस्थ काक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पत्तों का, जो उक्त अधिनिमम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा, जो उन भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाक्षिक भ्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1055/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

प्रकप भाई० टो• एन• एस•~--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 931—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने प्रयोग मभम प्राधिकारी को, यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है

श्रोर जिसकी सं है, तथा जो श्रांध्र रत्ना रोड़, गांधी नगर, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्त के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्तर्ह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर प्रन्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रन्तरितों (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रस्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया। है।——

- (क) ब्रन्ता में हुई किसी आय की बावन सकत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (भ) ऐसी कि ग आय पा किती धन या उत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में स्विधा के निष्;

वतः घव, उन्त अधिनियम की धारा 269ना के प्रमुक्तरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के धबीन निम्नलिबित व्यक्तियों, धर्यांत्;— श्री ताढिकोंडा वेंकट श्री राम मूर्थी 8 कोडमवाकम हाई रोड, नुमगमवाकम, मद्रास-34

(भन्तरक)

 श्री ऐबुगुरि संदिटि जार्ज रेड्डी, पुलिबेंबला पोस्ट, कडपा जिल्ला

(श्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धार्वाके जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत लंपति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी माझेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्विध राजा।
- (ख) इस पूजना के राजपत्र में प्रकागन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित इस किसी भन्य व्यक्ति सारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निवास में किसे जा सकेंगे।

स्प॰ टी करब :---इसमें प्रयुक्त सम्बर्धे प्रौर पक्षों का, जो उक्त प्रधितियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस घड्याय में विमा नभा है।

जनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री मधिकारी सेपाक्षिक मन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 993/79 में निगमित म्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के० सुब्ब।राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 930—यतः, मुझे, के० सुख्वा राव, ब्रायकर पिंधितयम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त पिंधितयम' कहा गया है), की झारा 269-जा के प्रशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्यं 25,000/- चपए से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० 26-2-32 है, तथा जो म्रांध्र रत्ना रोड़, गांधी नगर, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 22 फरवरी 1979 को पूर्वें कर समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये पन्नरित की गई है और मृशे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापुर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जनके वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत प्रधिक है और सन्तरक (सन्तरक) भीर पन्तरिती (प्रकरितियों) के बीच ऐसे सम्पर्ण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से जक्त प्रस्तरण लिखित में अपन्तरित का निम्नलिखिन उद्देश्य से जक्त प्रस्तरण लिखित में अपन्तरित का में क्षित कर में किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त व्यक्तियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायिख में कमी करने या उसने वजने में सूर्विष्ठा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को जिग्हें भारतीय आयकर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स ध्रिधितयम या छन-कर घ्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया वाना वाहिए था या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त यिधिनियम की धारा 269-न के सनुसरण में, में उक्त यिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निक्तिवित व्यक्तियों, अर्वीत्:—— 27—336GI/79 श्री ताडिकोंडा राधाकृष्णा राव 8-कोंडवाकं है रोड़ नृगमवाकम, मद्रास-34

(भ्रन्तरक)

 श्री बोल्ल रेड्डी कुमार कोटि रेड्डी गडपवरम, मैलंबरम सब जिला विजयवाड़ा तालूका

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तिमों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की लारीख ग 45 विन के मीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त अन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम, के घण्याय 20-क में परिमाणित है, वडी मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रिधकारी से पाक्षिक ग्रन्त 28-2-79 में गंजीकृत दस्तावेज नं० 992/79 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

श्रामकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 932—;यतः, मुझे, के. सुख्या राव, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी तं ० 29-30-4 है, तथा जो टुबेकी बार्नस, सर्याराव पेट, विजयवाड़ा-2 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-2-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके रृश्यमान प्रतिफन भे, ऐसे रृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिग्रत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरित (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन निम्निवित्र उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्का श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीत्—

- श्रीमती शृंगवरपु, सेषम्मांना पत्नी : रामब्रह्म, कोहिनूर ग्राप्टिकल स्टोर्स सामारौंगम चौक, विजयवाड़ा (ग्रन्तरक)
- श्रीमती चेरकूरि कुसुमकुमारी पत्नी राजा राव,
 29-30-4 टुबेको बार्नस स्ट्रीट सूर्याराव पेट,
 विजयवाड़ा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बढ़ हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्ब्हीरूरण --इनमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो आयकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री घ्रधिकारी से पाक्षिक घन्त 15-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 507/79 में निगमित घ्रनुसूची सम्पत्ती ।

के० सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

अक्षण साई॰ डी॰ एत॰ एस॰~~~~ आयक्षण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 933—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- इ० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 31~9~34 है, तथा जो काकानि रोड, मारुतिनगर विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा म रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 फरवरी 1979 की पूर्वोंकत सम्पत्ति के अविव बाआर मृश्य से कम के वृश्यमान श्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोंकत सम्पत्ति का अवित बाआर मृश्य, उसके वृश्यमान श्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत श्रिषक है भौर मन्तरक (भ्रम्तरकों) ओर अन्तरिती (भ्रन्तरितिमों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रम्तरण सिखित में बारुतिक कर से कि श्री ही नहीं कि गाया है :~~

- (ल) अन्तरण ते हुई किसी भाग की वाबत, उक्छ भितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रष्टरक के दायित्व भंकामी करने या उसके वचने में सुविका के लिए; भीर/धः
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी घन वा घन्य घास्तियों को जिन्हें घाय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधित्यम, या धत-कर यिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथें घष्टिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना भाष्टिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

जतः धव, उक्त यधिनियम की बारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्त यधिनियन की खारा 269-म की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अवीतः—

- श्री श्रीपति पद्मावती पत्नी : वराहा नरसिंहा राव चोढवरपुवारी गली, बिंकगहाम पेट, विजयवाड़ा (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती कोसराजु विजयलक्ष्मी पत्नी : रामचंद्रा राव,
 - (2) श्रीमती कोसराजु वानी, पत्नी : सुबासचन्द्र बोस बाग्यलक्ष्मी इंडस्ट्रीस 31-9-34, मारुतिनगर, विजयवाड़ा

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी, करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

बन्द सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजपत में प्रकासन की तारीका से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर
 सूत्रता की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त
 स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी मन्य स्पन्ति हारा, ममोहस्ताकारी के पास लिखित
 में किए वा सकेंगे ।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त निवन नियम के प्रध्याय 20-क में प्रिमाणित हैं, वही धर्म होया जी उस प्रध्याय में विया गया है।

₽नुसुची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री श्रधिकारी]्रेसे पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1008/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> कै० सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ऋधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० 934—यतः, मुझे, के० सुब्बा राय, भ्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ऋधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ऋधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है, तथा जो सांब मूर्ति रोड़ श्रौर श्रांध्र रत्ना रोड़ जंचन, विजयवाड़ा में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त गम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर शन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि -नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के श्र<mark>धीन,</mark> निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत:— मैसर्स श्री कृष्णा ऐंटर प्रैसेस नं० 21, न्यू डोर नं० 4 कानरोन स्मिथ रोड़, मद्रास-600086

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स सुधाकर लिथो प्रिटर्स, गांधी नगर, विजयवाड़ इ-3 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति से भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध; जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का. जो उक्त घाधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं घर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 488/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

के० सुड्वा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 938--- यतः, मुझे, के० सुब्दा राव, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये मे श्रिधिक है मुल्य **भौ**र जिसकी सं० ह, तथा जो ,बालेश्वर राव रोड़ फ्रौर दासरीवारी स्ट्रीट जंकशन विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाहाद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्राधीन, तारीख **3-2-1979**

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्टि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रर्थात्:— श्रीमती पोलथरपु वरलक्ष्मी पत्नी कृष्णमूर्ति, पुनादिपादु विजयवाड़ा, तालुका

(अन्तरक)

2. डाक्टर के० वसुवित पत्नी डाक्टर के० पट्टाभिरामय्या रामचन्द्रा राज ग्रोड, सूर्या राज पेट, जिजयवाडा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाह्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना के तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है

धनुसूची

ग्रनुसूघी

विजयकाङ्ग रिजस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं ० 143/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती

के० सुब्दा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

ता**रीख**: 7-9-1979

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बरं 1979

निर्देश सं० 937—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, धायकर श्रिष्ठितयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वश्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर समाति जिल्लाका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से श्रिधक है,

श्रौर जिसकी सं० '''' है, तथा जो बालेण्वर राव रोड, श्रौर विजयवाड़ा दासरिवणी स्ट्रीट जंक्शन विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजयवाड़ा में र्राज्य है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल ने ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कि गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसल बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या ब्रन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्राधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत ब्राधिनियम या धनकर ब्राधिनियम या धनकर ब्राधिनियम वा धनकर ब्राधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अत्र उक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों धर्थात्ः—

- 1. श्रीमती पोलवरपु वरलक्ष्मी पत्नी : कृष्ण मूर्तिः पुनादिपाडु विजयवाड़ा तालूका (ग्रन्तरक)
- 2. डाक्टर कामिनेनि पट्टाभिरामय्या पुत्र : सूर्य नारायणा, रामचन्द्रा राव रोड़ सूर्यराव पेट, विजयवाड़ा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मित्त के श्रर्जन के लि

उनत समारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:---

- (ह) इत तुना के एज निम्में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की भविध, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूबना के राजात में त्रहाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अत्य व्यक्ति द्वारा अवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अनुसची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाक्षिक भ्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1089/79 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के० सुन्दा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाहा

तारीख : 7-9-1979

प्ररूप ग्राईं ठी० एन० एस०--

श्राय कर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं 936—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, श्रियायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है ।

श्रोर जिसकी सं० 37-1-140 हैं तथा जो वार्ड नं० 5 श्रोंगोल में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रोंगोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ाधीन, तारीज फरवरी 1979

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उक्त श्रिविनयम, के श्रिवीन कर देने के श्रातरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--

- 1. (1) श्री कृन्जुला वेंकटेश्वर रेड्डी
 - (2) के० वेंकटा रेड्डी
 - (3) के० श्रीनिवासूस् रेड्डी
 - (4) के० विजय भास्कर रेड्डी
 - (5) श्रीमति राज्यलक्ष्मी

. मैनर्स बें गार्डियन वेंकटेश्वर रेड्डी, बंदर रोड, श्रोंगोल (श्रन्तरक)

2. श्री सामा श्रादिशेषा राव, पुत्र : भावनारायण, सौत वाजार, श्रोंगोस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी प्रत्रय व्यक्ति द्वारा ब्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों अोर पवों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

त्रोंगोल रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 242/79 ; निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> के० सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 935---यत:, मुझे, के० सुब्बा राव, ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से श्रिधिक है

श्रीर जिमकी सं० है, तथा भी नेल्लाद्विपुरम, हेम्लेट श्राफ कदीयदास गाँव, ताडेपाल्लि गूडेम ताल्का में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णिल हैं), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ताडेपद्धिलगूडेम नें रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-2-1979 की

पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उर्शन ने उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव उक्त घषि नियम की धारा 269म के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रचीत्:—

- 1. (1) श्री वेनुमति विश्वनाथम पुत्र : रामनाथम
 - (2) दुग्गिना वेंकटरमन्ना पुत्र वेंकटरामन्ना, ग्रन्लमपुरम पोस्ट, ताडेपह्लिगूडेम तालूका वेस्ट गोदावरी जिला (ग्रन्तरक)
- श्री बार्ल्ला राम बाबू पृत्त : सवश्वर राव, कोमुगूडैम ताडेप ब्रिलगूडेम तालूका पोस्ट गोदावरी जिला (अन्तरित

को यहँ सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशनकी तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसा ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्रब्धीकरण: → -इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त श्रधि-निरम के ग्रब्शय 20क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूचि

ताडेपित्लगूडेम रिजिस्ट्री श्रधिकारी में पाक्षिक श्रन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 543/ में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती।

> के० सुब्बा राव ृसभम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979

संघ लोक सेवा भायोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा भेवा परीक्षा--मई, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1979

मं० फ० 8/5/79 प० 1 (ख)—संघ लोक मेवा श्रायोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश होतु 4 मई, 1980 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा श्रायोजित की जाएगी:— पाठ्यक्रम का नाम रिक्तियों की सभावित सं०

भारतीय सेता श्रकादमी, देहरा-दूत (जनवरी, 1981 में प्रारम्भ होने वाला 70वाँ पाठ्यकम)

नौ थेना अकादमी, कोचीन (जनवरी, 1981 में प्रारंभ होने वाला पाठ्यक्रम)

श्रधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास (मई, 1981 में प्रारम्भ होने वाला 33वां पाठ्यक्रम) 120 [एन० मी० मी० 'ग' प्रमाण-पत्न (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों के लिए ध्रारक्षित 32 रिक्तियां सम्मिलित हैं] । 60 (नौ मेना विमानन के लिए 20 रिक्तियां सम्मिलित हैं)

160

नोट I.—एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार नौसेना प्रकादमी तथा श्रत्मकालिक सेवा कमीशन (गैरतकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। कृकि ग्रभी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई श्रारक्षण नहीं है, श्रतः इन पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को श्रभी भी एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्न (सेना स्कंध) परीक्षा प्रभी उत्तीर्ण करनी है, किन्य श्रन्थथा वे श्रारक्षित रिक्तयों के लिय प्रतियोगिता में बैठने के पान्न हों. तो वे भी श्रावेदन कर सकते हैं, किन्तुं उन्हें एन० सी० मी 'सी०' प्रमाण-पत्न (सेना स्कंध) परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जो कि श्रायोग के लायलिय में 31 दिसम्बर, 1980 तक पहुंच जाए।

ग्रारक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता की पावता के लिये उम्मीदव(र को राष्ट्रीय कैंडेट कोर के सेना स्कंध के वरिष्ठ डिवीजन में सेवा का कम से कम 2 वर्ष का श्रनुभव होना चाहिये और श्रायोग के कार्यालय में आवेदन-पत्न स्वीकार करने की श्रन्तिम तारीख को उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मुक्त हुए 12 महीने से श्रधिक न हुए हों।

नोट II—भारतीय सेना अकादमीं पाठ्यक्रमों में श्रारक्षित रिक्तियों को भर**ने के** लिए परीक्षा परिणाम के श्राधार पर श्रर्हता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्न प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई श्रारक्षित रिक्तियों को श्रनारक्षित समझा जाएगा भ्रौर उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा ।

श्रायोग द्वारा श्रायोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसकें बाद लेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीद-वारों के लिये श्रायोजित बोद्धित श्रीर व्यक्तित्व परीक्षण के परि-णाम के श्राधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेण दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर श्रीर पाठ्यचर्या (ख) श्रकादमी/ शाला में प्रवेशातृत शारीरिक क्षमतास्तर तथा (ग) भारतीय सेना श्रकादमी, नौ सेना श्रकादमी श्रीर श्रधिकारी प्रशिक्षण शाला प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा श्रादि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में क्रमणः परिशिष्ट I, II श्रीर III में विस्तार के समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदयारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र: श्रहमदाबाद, इलाह्।बाद, वंगलीर, भोपाल, वंबई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, जम्मू, मझस, नागपुर, पणजी (गोग्रा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लयर शिलांग, शिमला, श्रीनगर ग्रीर निवेन्द्रम ।

3. पात्रता की शर्ते:

(क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजाहो,या
- (iv) तिब्बती गरणार्थी जो स्थाई रूप में भारत में रहने के इरादे में 1 जनवरी, 1962 में पहले आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल हा व्यक्ति हो जो भारत में रशाई रूप में रहने के उद्देश्य में पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका, भीर पूर्वी श्रफीकी देश जैंस कीत्या, उगांडा तथा तंजा- निया का संयुक्त गणराज्य या जास्विया, सलावी, जेरे तथा इशियोपिया श्रीर वियतनाम में प्रभ्रजन कर श्राया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) धौर (v) के यन्तर्गत स्राने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पावता प्रमाण-पन्न प्रदान किया हो ।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पावता प्रमाण पत्न आवश्यक न होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पालता-प्रमाण-पत आवष्यक होगा. उसको इस गर्न पर परीक्षा भें प्रवेश दिया जा सकता है स्रोर सकादगीया गाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

- (ख) ग्राय सीमाएं, स्त्री या पूरुष या वैवाहिक स्थिति:--
- (i) भा० से० अशादमी और नौ सेना अकादमी के लिये:
 केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1959 से पहसू और पहली जनवरी,
 1962 के बाद न हुआ हो।
- (ii) ग्रधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये: केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या श्रविवाहित) पाल हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 1958 से पहले श्रीर पहली जनवरी, 1962 के बाद न हुश्रा हो।

नोट: जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/ हायर अंकेडरी या समवक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न में लिखी गई है/गई हो।

- (ग) शैक्षिक योग्यताएं :--किसी मान्यताप्राप्त विश्वब विद्यानय की डिग्री या समकक्षा । जो उम्मीदवार प्रभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी ग्रावेदन कर सकते हैं परन्तु, उनको -डिग्री परीक्षा में उतीर्ण होने का प्रमाण नीचे की तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंचाना होगा ग्रन्थथा उनकी उम्मीदवारी रद्द मानी जाएगी।
 - (i) भा० से० श्रकादमी श्रौर नौ सेना श्रकादमी में प्रवेश के लिये---31 दिसम्बर, 1980 को या उससे पहले।
 - (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये--4 अप्रैल,1981 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पाल होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में, श्रायोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इत नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, श्रायोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट I——ऐसे उम्मीदिवार, जिन्हें डिग्री परीक्षा में श्रभी श्रहंता प्राप्त करती है श्रीर जिनको संघ लोक सेवा श्रायोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हों नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है । उन्हें डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्वारित तारीख तक प्रस्तुत करना है श्रीर बुनियादी श्रहंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से श्रायोजित किय जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या श्रन्य किसी करिए से इस तारीख को श्रीर श्रागे बढ़ाने से संबद्ध जिसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II---जो उम्मीदनार रक्षा मंतालय द्वारा रक्षा सेवाश्रीं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा

में प्रवेश के पात नहीं होंगे। भ्रगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रह की जायेगी।

- नोट III विशेष सेना भ्रताज्ञप्तों को छोड़कर बाकी भ्रताज्ञप्त नाविक (जिनमें किणोर श्रीर कारीगर, प्रणिक्षु सम्मिलित हैं), जिनको आने नियन कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पाल नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा श्रता-ज्ञप्तों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आविदन पत तभी लिये जाएंगे जब व उनके कमांडिंग अफसरों के द्वारा विधिवत् अनुशासित हों।
- 4. श्राविवन के साथ देय गुल्क: ६० 28.00 (श्रनुसुचित जातियों) श्रनुसुचित जन जातियों के लिये ६० ७ 00)। जिन श्राविदन पत्नीं के साथ यह निर्धारित गुल्क नहीं भेजा जाएगा, जनको एकदम श्रस्वीकार कर दिया जाएगा।
- 5. शुल्क से छूट : आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आण्वासन हो कि आविदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रंब बंगला देश) में वस्तुत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-19764 और 25-3-1971 के बीच की अविधि में भारत में प्रश्नजन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुत: प्रत्याविति भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रश्नजन कर आया है या वह श्रीशलंका से वस्तुत: प्रत्याविति भारतीय मूलत: व्यक्ति है जो अक्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रीलंका है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।
- 6. ग्राविदन कैसे किया जाए: केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मई, 1980 के लिये निर्धारित पत्र में छपे हुए ग्राविदन-पत्र ही लिये जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के माथ लगे हुए हैं। ग्राविदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौजपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। ग्राविदन प्रपत्न ग्रीर परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं: ---
 - (i) दो रुपये का मनीद्रार्डर या संघ लोक सेवा ग्रायोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ग्रार्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
 - (ii) दो रुपये नकद देकर श्रायोग के कार्यालय के काउंटर पर।
 - (iii) निकटतम भर्ती कार्यानय, मिलिटरी एरिया/मब एरिया मुख्यालय, एन० सी० सी० एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क ।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले में ही गरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले श्रीद्योगिक उपक्रमी या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आविदन-पत्न भेजने चाहिए। भगर किसी उम्मीदवार ने अपना आविदन पत्न अपने नियोक्ता के द्वौरा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाएतो उस आविदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही मरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रत्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

सशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदवार ग्रपने ग्राघेदन-पक्ष ग्रपने कमांडिंग अकसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिये ग्राघेदन प्रपन्न के भाग "ख") को भर करके ग्रायोग को भेजेंगे।

- 7. ब्रायोग के कार्यालय में ब्रावेदन की प्राप्ति की श्रंतिम तारीख़⊷
- (i) भारत में रहते वाले उम्मीदवारों से 21 जनवरी, 1980।
- (ii) विदेश में या अंडमान निकाबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 4 फरवरी, 1980।
- 8. प्रलेख जो भ्रावेदन के साथ भेजे जाएं।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

(i) क० 28.00 (श्रनुसुचित जातियों/जन जातियों के उम्मीद्यारों के लिए क० 7.00) का शुल्क जो मचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग के नाम भारतीय स्टेटवैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक झापट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए
कि वे अपने यहां के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत
या विदेशी प्रति-निधि के कार्यालय में निर्धारित
शुल्क जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा
प्रायोग-परीक्षा शुल्क" के खाते में जमा हो जाए
प्रौर उसकी रसीद भावेदन-पत्र के साथ भेज वें।

(ii) उपस्थिति पन्नक (भ्राधेदन-पन्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ । (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपीर्ट फ्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् श्रंकित हों।

फोटो की एक प्रति ग्रावेदन प्रत के पहले पृष्ठ पर भौर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में दिए गए निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (i) लगभग 11.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे तीन लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हो।
- (ख) अनुसूचित जातियों/धनुसूचित जनजातियों के उम्मीद-वारों द्वारा :---

श्रनुसुचित जाति/श्रनुसुचित जनजाति के होने के दावे के समर्धन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पत्न के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिये गये प्रपत्न में लिये गये प्रमाण पत्न की श्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।

- (ग) मुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:---
- (i) किसी जिला भ्रधिकारी या राजपितत श्रधिकारी या संघ या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिये गये प्रमाण पक्ष की ग्रामिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिधि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।
- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिये गये प्रमाण-पक्ष की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि:
- (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति
- (i) वंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक ।
- ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

धयया

(iii) भ्रपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी भ्रातिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ।

प्रथवा

(iv) सब-डिवीजनल श्रफसर श्रपने श्रधीनस्थ सब-डिवीजनल की सीमा तक।

भ्रयवा

- (v) प्रारणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता।
- (ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तितः---श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त ।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

(घ) भा० से० ग्र० पाठ्यक्रम में श्रारक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० सी०) प्रनाण-पन्न (सेना स्कन्ध) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा।

यह दिखाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पन्न (सेना स्कन्ध) है भ्रथवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पन्न (सेना स्कन्ध) परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस भ्राशय के प्रमाण-पन्न की भ्रभिप्रमाणित प्रतिलिपि।

- 9. शुल्क की वापसी:—आवेदन के साथ श्रायोग को श्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी श्रनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न बह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिये सुरक्षित रखा जा सकता है:—
- (i) जिस उम्मीदवार ने िर्धारित शुंक दे दिया है, पर जिसको आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियां/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्नी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या डिग्नी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिये शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।
- (ii) जो उम्मीदवार नवम्बर, 1979 को सम्मिलित रक्षा संवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिये उसका नाम अनुशंसित हुआ हा तो उनके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि मई, 1980 की सिम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी रह कराने और शुल्क वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 अक्तूबर, 1980 को या उससे पहले पहुंच जाए।
- 10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिय निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की श्रंतिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसकी प्राप्ति सूचना पाने के लिये तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।
- 11. मानेदन का परिणाम : प्रगर किसी उम्मीदवार को भ्रपने भ्रावेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा भुरु होने की तारीख से एक महीने पहले तक श्रायोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये भ्रायोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। श्रगर इस बात का पालन नहीं हुआ

तो, उम्मीदवार श्रपने मामले में विचार किये जाने के श्रधिकार से वंचित हो जाएगा।

- 12. परीक्षा में प्रवेश:— किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पन्न के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 13 कवाचार के दोशी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—
 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्न
 भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण
 सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी
 जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रमुख या उसकी
 अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी
 तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करें और
 न ही फेर बदल किये गये/गढे हुए प्रलेख की वे प्रस्तुत करें।
 अगर इस प्रकार के वो अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित
 प्रमाणित प्रतियों में कोई प्रशुद्धि या असंगति हो तो इस
 असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार भ्रायोग द्वारा निम्नोकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है —-

- (i) किसी प्रकार से श्रपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) श्रपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत कराना-या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर बदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) श्रमुद्ध या ग्रसत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिय भ्रपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी श्रनियत या श्रनुचित लाभ उठाने का प्रयोग करना; या
- (vii) परीक्षा के समय श्रनुचित तरीके श्रपनाए हों;
- (viii) उत्तर पुस्तिका (भ्रों) पर श्रसंगत बातें लिखी हों जो श्रम्लील भाषा या श्रभद्र भ्राणय की हों; या
 - (ix) परीक्षो भवन में श्रौर किसी प्रकारका दुर्व्यवहारन किया हो;
 - (x) परीक्षा चलाने के लिए श्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या श्रन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
 - (xi) ऊपर के पूठों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ग्रोर प्रवत्त होना या श्रायोग को श्रसेजित कराना।

वह ग्रपने को दंड-ग्रभियोजन का शिकार बनाने के ग्रतिरिक्त:---

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदबार है, उसके लिए श्रायोग द्वारा श्रायोग्य ठहराया जा सकता है; अथवा
- (ख) (i) भ्रायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिये।
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके श्रधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट ग्रवधि के लिए ग्रपवर्जित किया जा सकता है; ग्रौर
- (ग) श्रगर वह पहले सरका री नैंटर्ग शेहें ते ि निथमावली के श्रनुसार अनुशासनिक कारवाई का पास होगा।
- 14. मूल प्रमाण-पत्न ——प्रस्तुतीकरण:——जो उम्मीदनार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, गैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में मूल प्रमाण-पत्न आयोग को प्रस्तुत करने को कहा जाएगा।
- 15. श्रावेदन के संबंध में पत्र वात्रहार: श्रावेदन के संबंध में पत्र वात्रहार, सविव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिये, श्रौर उसमें निम्नांकित विवरण श्रावश्य होना चाहिए।
 - (1) परीक्षा का नाम।
 - (2) परीक्षाका वर्ष श्रौर महीना।
 - (3) <u>रोल नम्बर, या जन्म की तारी**ख** (प्रगर रोल नम्बर</u> नहीं मिला हो)।
 - (4) उम्भीदवार का नाम (पूरा और माफ लिखा हुआ।)।
- (5) पत्न व्यवहार का पता, जैसा श्रावेदन-पत्न में दिया है। ह्यान दें:---जिन पत्नों के साथ ऊपर का क्यौरा नहीं होगा, हो सकतां है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन: उम्मीदवार को इस बात की ब्यवस्था कर लेगी चाहिए कि उसके आवेदन पत्न में दिये पते पर भेजे जाने वाले पत्न आदि आवश्यक होने पर उनके नए प्रते पर भिजवा दिये जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे अपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीझ सुचित कर देना चाहिए।

संवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये प्रायोग हारा ग्रन्ण सित उम्मीदवारों ने श्रगर परीक्षा के लिये श्रावेदन करने के बाद अन्ता पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम बोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ई) (ii) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन श्रादेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन

पत्न न मिलने पर अपने मानाले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जायेगा ।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के पश्चितीं पर पूरा पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस संबंध में वह ध्रपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते ।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के मंबंध में पूछताछ: जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेता मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्टिंग 6 (एस० पी०) (ई) (ii), बेस्ट ब्लाक 3, विग 1, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली -110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्न द्वारा सूचित की गई तारीख को सवा चयन वोर्ड के समक्ष गाक्षात्कारहेतु रिपोर्ट करनी हैं। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों मे और प्रशासनिक मुविधा को ध्यान में रखंकर ही विचार किया आएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार श्रपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएंगे:---

- (क) सफेद कभीज में पासपोर्ट श्राकार के फोटो की 6 प्रतियां।
- (ख) बिस्तरश्रीर कम्बल (मौसमके प्रतुपार)
- (ग) सफेद कमीजों ग्रौर हाफ पैटों के दो जोड़े।
- (घ) एक जोड़ी, पी० टी० के सफेद जूते और दो जोड़े सफेद मीजे।
- (ङ) पैटों भ्रौर कमीजों के दो जोड़े।
- (च) फाउन्टेन पेन, स्याही ग्रौर पेंसिल।
- (छ) बूट पालिश ग्रौर सफेद ब्लैको ।
- (ज) एक मच्छरदानी ।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का माक्षात्कार, श्रंतिम परिणाम की घोषणा श्रीर श्रन्तिम रूप में योग्य पाए गए उम्मीदवारों का, प्रणिक्षण पाठ्यक्रम में, प्रवेण:---

संघलोक सेवा ग्रायोग लिखित परीक्षा में ग्रायोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम ग्रहेंक ग्रंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिये उन्होंने श्रहंगा प्राप्त की हैं बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाग्रों के लिये स्वा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार ग्राई० एम० ए० (डी०ई०) कोर्स/ग्रीर या नेत्री (एम०ई०) कोर्म की लिखित परीक्षा में ग्रर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन०टी०) कोर्स के लिये ग्रह्नी प्राप्त करें या नहीं, उनको ग्रगस्त,/मितम्बर 1980 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा श्रीर जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिये ग्रह्मी प्राप्त करते हैं, उनको दिसम्बर, 1980/जनवरी, 1981 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर भ्रमनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे भौर सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फल-स्वरूप अगर उनकों कोई चोट पहुंचति है तो उसके लिये सरकार की श्रोर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के व हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन-पत्न के साथ संलग्न प्रपत्न में इस आशय के एक प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्ह के अंग प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम में रखा जाएगा। अलग, अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जायें, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्न व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात से भारतीय रोना श्रकादमी, नौसना श्रकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणणाला में जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अंतिम चयन शारीिक क्षमन। और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के श्रतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की मंख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनह ताएं : जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय राना अकादमी, वायु सेना उडथन महा-विद्यालय, नाँसेना अकादमी, कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणणाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिये गये हैं उनका भारतीय सेना अकादमी, नाँसेना अकादमी या थल-सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक श्रधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के श्रभाव के कारण पहले भारतीय सेना श्रकादमी में वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना श्रकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो, पर बाद में एक ग्रधिकारी में ग्रपेक्षित लक्षणों के ग्रभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा ग्रकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापम लिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पात नहीं होंगे। जिन उम्मीदवारों को एक श्राधिकारी में श्रेपेक्षित लक्षणों के श्रभाव के कारण भारतीय सेना श्रथादमी, श्रिधिकारी श्रिधिकण-गाला, एन० मी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में थल सेना में श्रत्यकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को, एक अधिकारी में श्रपेक्षित लक्षणों के श्रभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यश्रम से पहले वापस लिया गया हो। उनको भारतीय भेना श्रकादमी प्रवेण नहीं दिया जाएगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्धः भारतीय सेना अकादमी भीर नौसेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जाएगा, चाह वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षणकाल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह मब उससे वसूल किया जायगा। श्रष्टा शालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार:

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीविस पति है, या था
- (ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी होते हुए भी, किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

श्रधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/ग्रल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की णादी ऐसे व्यक्तियों के लिये ग्रीर णादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार श्रनुमोदनीय है श्रीर ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के श्रनुपालन से छूट। दे सकती है।

- 21. भारतीय सेना श्रकादमी या नौ सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के समय श्रन्य प्रतिबंध: भारतीय सेना श्रकादमी या नौ सेना श्रकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना श्रकादमी या नौ सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिये श्रंतिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको श्रीर किसी भी माक्षाटकार या परीक्षा में उपस्थित होने की श्रनुमति नहीं दी जाएगी।
- 22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना, रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक ग्रनुसंधान निदेणालय) ने "सेवा चयन बोर्डी में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का श्रध्ययन" (ए स्टडी आफ इन्टेलीजेन्स टेस्ट कोर्स आफ केंडीडेटस एट

सर्विभेज रेलेक्शन बोर्डस) श्रीर्थंक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रभाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीद-वार भेवा चयन बोर्ड के यौद्धिक पराक्षणों के स्वक्ष श्रीय स्वभाव के परिचित हो जाएं।

यह समूल्य पुस्तक प्रकाशन है श्रीर विक्री के लिये प्रकाशन नियंत्रक. सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां भिल सकती है। डाक द्वारा श्रादेश देकर या नकद भुगतान के द्वारा उनसे यह सीध प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिघोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० ब्लाक, बाबा खड़ग सिह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) उद्योग भवन की प्रकाणन शाखा, उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 के बिजी केन्द्र पर तथा (iii) भारत सरकार पुस्तकालय 8 के० एम० राय रोड, कलकत्ता-700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तकाओं में नियमावली तथा पिछली परी-क्षाओं के प्रश्न-पत्नों का ब्यौरा सम्मिलित होता है उसके बारे में सुचना।

सम्मिलित रक्षा येवा परीक्षा, मई, 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलिन सभी प्रश्न-पत्नों के लिये वस्तुपुरक प्रन के लागु किये जाने पर इस परीक्षा के लिये नियमावली क्रीर प्रश्न-पत्नों सहित पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। फिन्तू जिन पुस्तिकाश्रों में नियमावली तथा नवम्बर, 1977 में हुई सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीक्षात्रों के प्रश्न-पत्नों का ब्यौरा सम्मिलित है, उनकी बिकी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल प्रार्डर अथवा नक्द भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग 'सी' ब्लाक, बन्धा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ij) प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, श्रीर (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बक डिपो, 8-के० एस० रोड, कलकत्ता-700001 में भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्ति एएं विभिन्न मुक्फिक्सल नगरों े उट्याप्टर (वाभक्ष मुक्काण्यल नगरी भारत सरकार के प्रकाणन एजेंटी ले प्राप्त की जा सकती हैं।

> श्रार० एस० श्रह्तलुवालिया, उप-मचिव

परिशिष्ट-ाू

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य-विवरण)

क. परीक्षा की योजना

- प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित माम्मिलित होगा:-->
 - (क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा

- (ख) उन उम्मीदवारों का बृद्धि श्रीर व्यक्तित्व परीक्षण (इस अधिष्टि के भाग 'खं के श्रनुसार) के लिये साक्षातकार जिन्हें किसी भी एक सर्विक्षेण क्लेक्जन सेंटर में साक्षातकार के लिये बुलाया जाये।
- तिल्क्वित परोक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय ग्रीर प्रत्येक विषय के लिये नियत ग्रिधिकतम श्रंक निम्नलिखित होंगे:——

(क) --भारतीय सना श्रकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अव धि	श्रधिकतम श्रंक
ा. श्रंप्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
<u>3. प्रारंभिक गणित</u>	2 <u>घंटे</u>	100

वैकल्पिक⊸-निम्नलिखित में से कोई एक विषय

विषय	को ड संख्या	नियत समय	ग्रधिकतम श्रंक
भौतिकी	01	2 घट	150
रसायन विज्ञान	02	2 घंटे	150
गणित	03	2 घंटे	150
वनस्पति विज्ञान	04	2 घटे	150
प्राणि विज्ञान	05	2 घंटे	150
भृविज्ञान	06	2 घंटे	150
भूगोल	07	2 घंटे	150
ग्रंग्रेजी माहित्य	08	2 घंटे	150
भारत का इतिहास	09	2 घंटे	150
मामान्य ग्रर्थशास्त्र	10	2 घंटे	150
राजनीतिक विज्ञान	11	2 घंटे	150
समाज शास्त्र	12	2 घंटे	150
मनोविज्ञान	13	2 घंटे	150

(ख) नौसेना श्रकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत	भ्रधिकतम
	समय	श्रंक
म्रनिवार्य :		
 1 . भ्रंग्रेजी	2 घंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
वैकल्पिक		
*3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक		
भौतिकी	2 घंटे	100
*4. गणित या भौतिकी	2 घंटे 	150

*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्न में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्न में गणित विषय लना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशित्रणशाला	में प्रवेश के लि 	<u>ति</u> ।		
با محالجم وقد ومثل استار وهد اروسا استار اوسوارسا ومثار وسار و « و و و سر و مر وسر و مرد وسر ومدور و	و پسر پنداز است سیم است ایست مصل و سی	ے سربط اسابہ اسابہ سے		
विषय	नियत	श्रधिकतम		
	समय	अंक		
ومرور والمراجع والمرا				

समय अंक 1. अंग्रेजं: 2 घंटे 100 2. सामान्य ज्ञान 2 घंटे 100

लिखित परीक्षा श्रीर साक्षात्कार के लिये जो श्रिधिकतम श्रंक नियत किये गये हैं प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात भारतीय सेना श्रकादमी नौ सेना श्रकादमी श्रीर श्रफमर देनिंग स्कूल सें भर्ती के लिये लिखित परीक्षा श्रीर नाक्षात्कार के लिये नियत श्रिधिकतम श्रंक क्रमश: 450, 450 श्रीर 200 होंगे।

- 3. समस्त विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नम्ने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिणिष्ट V पर उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका में देखिय।
- 4. प्रथन-पद्मों जहां भी आवण्यक होगा केवल तोल ग्रीर माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रथनों को ही पूछा जाएगा।
- 5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्नों के उत्तर श्रपने हाथ में लिखने चाहिए किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता मुलभ नहीं की जायेगी।
- 6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंक्रों का निर्धारण आयोग की विषक्षा पर है।

ख. परीक्षा का स्तर श्रीर पाठ्य विवरण

स्तर:

प्रारम्भिक गणित के प्रथन पत्नों का स्तर मैंट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रथन पत्न का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न पत्नों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से भ्रपेक्सा की जा सकती है।

इनसें से किसी भी विषय सें प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रशनपत्न इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परक्षा लाजा सके।

मामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा माथ में समसामयिक घटनाश्रों और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे णिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो प्रकापत में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रका की होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों की, उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना, देना चाहिये।

प्रारम्भिक गणित

अंक गणित

संख्या पद्धतियां—भ्यनपूर्ण संख्यायें, पूर्णौक, परिमेय श्रौर वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़ घटाना, गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि⊷समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रति-णतता साधारण तथा चऋवृद्धि ब्याज से अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विचरण ।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त-विभाजन की कलन विधि, प्रभाज्य ग्रीर भाज्य, संख्यायों, 2,3,4,5, 9 ग्रीर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण भपवर्त्य ग्रीर गुणन खण्ड/गुणन खण्ड प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

भाधार 10 तक वचुगणक, लचुगणक के नियम, गणकीय सारणियौँ का प्रयोग।

बीज गणित

प्राधारभूत संक्रियाएं : साधारण गुणन खण्ड । श्रेष फल प्रमेय, बहुपदों का महतम समापवर्तक और लघुत्तम समाप वर्त्य सिद्धान्त । बिघत समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणांकों के बीच सम्बन्ध । (केवल वास्तविक भूल पर विचार किया जाए) । दो अज्ञात राणियों में युगपत रैखिक समीकरण →विश्लेषण और ग्राफ संबंधी हल । दो चरों में युगपत रैखिक श्रसिमकाएं और उनके हल प्रयोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत रैखिक समीकरण या श्रममिकाएं बनती हैं या एक चर में बिघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक धातांक नियम ।

व्विकोणमिति :

ज्वा X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X $0^\circ \leqslant X \leqslant 90^\circ$ । ज्या X, कोटिज्या, X, स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि X— 0° , 30° , 45° , 60° , भ्रौर 90° , सरल विकोणमितिय सत्ममक ।

तिकोणमित्तीय सारणियों का प्रयोग । ऊंचाइयों और दूरियों के सरल कोण ।

ज्यामिति :

रेखा ग्रीर कोण, समतल ग्रीर समतल आकृति : निम्न-लिखित पर प्रमेय——(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसो तिभुज की भुजाएं श्रीर कोण, (iv) तिभुजों की समवींगसमता, (v) समरूप तिभुज, (vi) माध्यिकाश्रों श्रीर शीर्ष लम्बों का संगमन, (vii) समांतर चतुर्भुजों, श्रायत श्रीर वर्ग के कोणों, भुजाश्रों के िकणों के गुण धर्म, (vii) वृत्त श्रीर उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्ण रेखा, तथा श्रीभलम्ब भो णामिल हैं, (ix) स्थानिक संधक।

विस्तार कलनः

वर्गी भ्रायतों समान्तर चतुर्भृजों स्निभुजों भ्रौर वृतों क्षेत्र-फल। उन भ्राकृतियों के क्षेत्र फल जो इन ग्राकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) धानामों का पृष्ठीय क्षेत्र फल तथा भ्रायतन/लम्ब वत्तीय मंकुओं भ्रौर बेलनों का पाम्ब-पृष्ठ तथा भ्रायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भायतम।

मांख्यिकी :

मांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन । भ्रालेखी निरुपण-बारम्बारता बहुभुज भ्रायत चित्र शलाका चार्ट पाई चार्ट भ्रादि केन्द्रीय प्रवृत्ति के भाप रेखाओं के कीच कोण।

प्राम्भिक भौतिकी

- (क) विस्तार कलन: मापन के मालक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मालक। ब्रादेश श्रीर संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के श्रधीन ऋजुरेखीय गति। न्यूटन के गति नियम। बल की संकल्पन। बल के मालक। माला और भार।
- (ख) पिंड का बल विज्ञान:-गुरूत्व के श्रधीन/सामानांत-रण बल। गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनु-पास भानत समतल/पेंच और गियर सहित विभिन्न साधारण मशीने/धर्षण, धर्षणकोण, धर्षण गुणांक कार्य, शक्ति, और ऊर्जा/ स्थितिज और गतिज ऊर्ज।
- (ग) तरल गुणधर्म:—दाव और प्रणोद/पास्कल का नियम आकंमिडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिण्डों और ब्रब्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिये आर्किमिडीज के नियम का अनुपयोग। प्लबन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन। वायल नियम/वायु पम्प।
- (घ) ताप—पिंडों का रेखिक विस्तार ग्रौर द्रव्यों का घनाकार विस्तार द्रव्यों का वास्तविक तथा श्राभासी विस्तार। द्रचार्ल्स, नियम परमभून्य वायल ग्रौर वार्ल्म नियम, पिंडों ग्रौर द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कैलो-रीमिति/ताप का संचरण, धातुग्रों की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन ग्रौर वाष्पन की गुप्त ऊष्मा। एस० वी० पी० नमी (ग्रार्व्रता ग्रोसांक ग्रौर ग्रापेक्षक ग्रार्द्रता।
- (ड) प्रकाश :--ऋजरेखीय संघरण । परावर्तन के नियम । गोसीय वर्षण, भपवर्तन, श्रपवर्तन के नियम, लैन्स, प्रकाशित वंज्ञ कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी दूरवीन, सूक्ष्मदर्शी, 29--336 GI/79

बाइनीक्यूलर तथा परिदर्शी । पिज्म, प्रकीर्ण के माध्यम से प्रपदर्तन ।

- (च) ध्वितः :---ध्विति संचरणः ध्विति परावर्तनः ग्रनुनाद । ध्विति दामी-फोन का ग्रभिलेखन ।
- (छ) चुम्बकत्व तथा तिद्युत :—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय, क्षेत्र । चुम्बकीय बल रेखाएं, पाधिक चुम्बकत्व । चालक और रोधी । स्रोमनियम, पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी पार्श्व में प्रतिरोधक । विभवमापी विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना । विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता । फ़लेमिंग का बाम हम्तियम । मापक यंत्र—धारामापी ऐमीटर, बोल्ट मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत्, लेपन, घिद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनित्व ।

भौतिकी (कोड 01)

1. पदार्थ के सामान्य गुण श्रीर यांत्रिकी

यूनिटें भौर विभाएं, स्केलर भीर वैक्टर, मान्नायें, जड़त्व, आपूर्ण, कार्य ऊर्जा भौर संवेग। यांतिकी के मूल नियम, घूर्णी, गित; गुरुत्वाकर्षण। सरल भ्रावर्त गित, सरल भौर भ्रसरल लोलक, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ तनाव, द्रव की णयानता, रोटरी पम्प।

2. ध्वनि

श्रवमंदित, प्रणोदित ग्रीर मुक्त कम्पन, तरंग-गित, डाप्लर प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाव, तापमान ग्रीर श्रादंत का प्रभाव, डोरियों, झिल्लियों, ग्रीर गैस स्तम्भों का कम्पन, ग्रनुनाद विस्पंद, स्थिर तरंगें। ध्वनि का ग्रावृत्ति वेग तथा तीव्रता। पराश्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज श्रीर लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धांत।

3. ऊष्मा भौर ऊष्मा गति विशान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैंसों में समतापी तथा रुद्रोष्म परिवर्तन । विशिष्ट ऊष्मा भ्रीर ऊष्मा
चालकता; द्रव्य के भ्रनुगति सिद्धांत के तत्व; बोल्टसमन के
वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरवाल का भ्रवस्था समीकरण, जूल याम्पसन प्रभाव, गैंसों का द्रवण; ऊष्मा ईंजन;
कार्नोट-प्रमेय, ऊष्मागित-विज्ञान के नियम भ्रौर उनका सरल
भ्रनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग समतल श्रौर गोलीय पुष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और श्रपवर्तन । प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय भौर विणिक दोष श्रौर उनका निवारण नेत्र श्रौर भ्रम्य प्रकाशिक यंद्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यतिकरण।

5. विद्युत भीर चुम्बकरव

विद्युत-क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैद्युत ग्रीर चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसिस चुम्बकशीलता ग्रीर चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूबिंग मग्नेट एण्ड मूबिंग क्वायल गैलवेनोमीटर; धारा श्रीर प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव

सर्किट एिलिमेंट्प, के गुण धर्म और उनका निर्धारण; नापिबद्युत प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराश्रों का उत्पादन। ट्रांसफार्मर श्रीर मोटर: इलैक्ट्रानिक वाल्व श्रीर उनके सरल श्रनुप्रयोग।

6. भ्राधुनिक भौतिकी।

बोर के परमाणु सिद्धांत के तस्व, इलैक्ट्रांस, गैसों द्वारा विद्युत का विसर्जुन, कथोडर । रेडियोएक्टियता, कृत्रिम रेडियो एक्विटता, आइसोरोप, विखंडण श्रौर संलयन की प्रारम्भिक धारण।

रसायन विज्ञान (को 02)

1. स्रकार्बनिक रसायन विज्ञान:

तत्वों का इत्तैक्ट्रानिक, विन्यास, ग्राफ़बाउ सिद्धांत, सत्यों का ग्रावर्ती वर्गीकरण । परमाणु संक्रमांक । संक्रमण तत्व श्रौर उनके लक्षण ।

परमाणु श्रौर ग्रायनिक विज्याएं, ग्रायनन विभव । इलैक्ट्रान बंधुता श्रौर विद्युत ऋणात्मकता ।

प्राक्वतिक श्रौर कृतिम विघटनामिकता । नाभिकीय विखण्डन श्रौर संलयन ।

संयोजकता का इलैक्ट्रानिक सिद्धांत, सिग्म और पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहसभ्रोजी श्राबन्ध की संकरण और दिशिक प्रकृति।

वारनेर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त । उभेयनिष्ठ धायकर्मीय तथा विष्लेषीय प्रचालनों में निहित सम्मिश्रों का इलैक्ट्रानिक विन्यास ।

श्राक्सीकरण स्थितियां और श्राक्सीकरण संख्या । सामान्य उपचायक तथा श्रपचायक श्रास्कीकारक । श्रायनिक समीकरण ।

ल्युइस भ्रौर बन्सटेव के श्रम्त क्षार निद्धांत ।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान श्रीर उनके श्रामिश्र जिनकी विशेष रूप से झावर्ती वर्गीकरण की रुष्टि से अभिक्रिया की गई हो। निष्कर्षण के सिद्धांत । महत्वपूर्ण तत्वों का नियोजन (श्रीर धातुकी)।

हाइड्रोजन परम्राक्साईड की संरचना, डाईबौरेन, एलमिनियम क्लोराइड तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस क्लोरीन घ्रौर गन्धक के महत्वपूर्ण भ्राक्सी एसिड ।

भ्रक्रिय गैस: वियोजन तथा रसायन ।

श्रकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धांत।

सोडियम कार्वेनिट सोडियम हाईड्रोक्साइड, ग्रमोनिया, नाइट्रिक ग्रम्ल, गन्धकीय ग्रम्ल, सोमेंड, ग्लास ग्रौर कृतिम उर्वरकों के निर्माण की रूप रेखा।

2. कार्बनिक रसायन विज्ञान:

ससंयोजी श्रार्वधन, की श्राधुनिक सकल्पनाएं । इलैक्ट्रान विस्थापन प्रेरणिक, मेसोमरी ग्रीर श्रति संयूग्मन प्रभाव । ग्रनुवाद ग्रोर कार्विनिक रक्षथन में उसका श्रनुप्रयोग । नियोजन स्थिराक । (डिसोसिएशन कांस्टेट पर संरचना का प्रभाव । े ऐल्केत, ऐल्कीन श्रीर ऐल्काइन । कार्बनिक मिश्रण के स्रो के रण में पेट्रोलियम । एलिकेटिक मिश्रणों के सरल व्यत्पन्न । ऐल्काहल ऐल्डी हार्बिड्स, कीटोन, श्रम्ल, हलाइड, एस्टर्स, ईथर, श्रम्ल एनीड़ाइड क्लौराइड श्रौर श्रमिड । एक्झारकी हाईड्रांक्सी-कीटेनी श्रौर एमीनो श्रम्ल । कार्बधात्व मिश्रण श्रौर एसीटोए-सिटिक एस्टर । टाटरिक सिट्रिक मलेइक श्रौर फूमैरिक श्रम्ल । श्राबोंहाइड्रेड वर्गीकरण श्रौर सामान्य श्रिभिक्रिया । ग्लूकोम, फल गर्कर। श्रौर इक्षु गर्करा ।

द्विविम रसायनः प्रकाणकीय श्रौर ज्यामिनीय समान्यवता। संरूपण की संकल्पना।

बैन्जीन श्रौर इसके साधारण व्युत्पन्न, टालूईन, जाइलीन, फीनाल, हैलाइड, नाइट्रो श्रौर एमीनो निश्रण । बेन्जाइक मैलिसिक, सिनेमिक, मडेलिक श्रौर सिल्फोनिक ग्रम्ल, एरोमेटिक ऐल्डीहाइड श्रौर कीटोन । इडाइजो, एजो श्रौर हाइड्रोजो मिश्रण, ऐरामेटिक प्रतिस्थापन । नेपथलीन, पिरिडीन श्रौर क्युनोलिन।

3. भौतिक रसायन :

ग्रैसों ग्रीर गैस नियमों का गतिक सिद्धांत । मैक्सबल का वेग वितरण नियम । यानडेरवाल का ममीकरण । संगत श्रवस्थाश्रों का नियम । गैसों का द्रावण । गसों की विशेष ऊष्मा । सी०पी०/ सी० बी० का अनुपात :।

ऊष्मागतिकी :

ऊष्मागतिकी का पहला नियम। समतापी श्रीर रुद्रोष्म प्रसार/
पूर्ण ऊष्मा। ऊष्मा धारिता। ऊष्मारसायन श्रीभिक्रिया। ऊष्मा; विरचन, विलयन श्रीर दहन। स्राबन्ध ऊर्जी की गणना। किरखोफ समीकरण।

स्वतः प्रवर्तित परिवर्तन का मानदण्ड । ऊष्मागतिकी का दूसरा निमय एन्ट्रापी । मुक्त ऊर्जा । रासायनिक सन्तलन का मानवण्ड ।

घोल—पारासरण दाब, वाष्प दाव का कम करना, वाष्प-हिमांक ग्रवनयन, क्वथनांक बढ़ाना । घोल में ग्रनभार निश्चित करना। विलयों का संगणन श्रौर वियोजन।

रासायनिक सन्तुलन । द्रव्यमान यनुपाती भ्रिभिक्रिया भ्रौर समांगी तथा विपमांगी सन्तुलन । ला-शातेलिए नियम । रासाय-निक सन्तुलन पर ताप का प्रभाव ।

विद्युत रसायन : फेराडे विद्युत अपघटन नियम; विद्युत् अपघटन की चालकता; तुल्यांकी चालकता और तनुता में उसका परि वर्तन, प्रस्प विलय लवणों की विलयता; विद्युत अपघटन वियोजन । श्रोस्टबाल्ड तनता नियम, प्रबलं, विद्युत् श्रपपटकी की श्रसंगति विलयता, गुणनफल , श्रम्लों श्रीर क्षारकों की प्रबलता, लवणों का जल अपघटन; हाइड्रोजन ग्रायन की साइता. उभय प्रतिरोध किया (बफर किया) सूचक सिद्धांत ।

उत्क्रमणीय सेल । मानक डाइड्रोजन श्रौर कलोमेक्ष इलक्ट्रोड श्रौर रेडाक्स विभव । सान्द्रता सेल । पी० एच० का निर्धारण । श्रभिगमनांक पानी का भ्रायनी गुणनफल । विषय मूबक श्रनु-मापन । रासायंनिक बलगतिविज्ञान । अणुसंख्यता भ्रीर भ्रभिकिया की कोटि । प्रथम कोटि की श्रभिक्रिया भ्रीर दूसरी कोटि की ग्रभिक्रिया । तापमान भ्रभिक्रिया की कोटि का निर्धारण , श्रप-कान्तिकता तापांक भ्रीर सिक्र्यण ऊर्जा । ग्रभिक्रिया दरों पर संघट्ट सिद्धांत । सिक्रियन संकुल सिद्धांत ।

प्रवस्थानियम: इसकी शब्दावलीयों की व्याख्या । एक भौर दो घटक तन्त्र का श्रनुप्रयोग । विनरण नियम।

कोलाइड : कोलाइडी विलयन का सामान्य स्वरूप ग्रौर उसका वर्गीकरण, कालाइड के विरचन ग्रौर गुणों की सामान्य रीति। स्कन्दनरक्षक किया श्रौर स्वर्णाक। श्रिधशोधण। *

उत्प्रेरण: समांग और विषमांग उत्प्रेरण। विषाकतन वर्धनः। प्रकाण रसायन: प्रकाण रसायन के नियम। सर्ल संख्यात्मक। गणित: (कोड: 03)

1. बीजगणित:

समच्चयों का बीजगणित,संबंध श्रीर फलन, फलन का प्रति-लोग, संयुक्त फलन, तुत्यता संबंध ; परिनेय सूबकांक के लिये द-सीयवर का प्रनेय श्रीर उसका सरल अनुप्रयोग।

2. मैद्रिसंस : मैद्रिसंस की बीजिकया, सार्राणक सार्राणकों के सरल गुण, सार्राणकों के गणनफल; सहखंडज-श्राब्यूह; मैद्रिसेसों का प्रातेलोभन, मैद्रिक्य की जाति। रैखिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैद्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन अज्ञान संख्याओं में)।

3. विष्लेषिक ज्यामिति:

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति: सरल रेखाएं, सरल रेखायों की जोड़ी, वृत, वृत निकाय, परक्लय, दीर्घवृत अतिपरि-क्लय (मुख्य अंशो केसंदर्भ में)। द्वितीय स्रंग नभीकरणका धानक क्य में लब्करण। स्पर्ण रेखाएं स्रोर श्रीभलंब।

विविम की विश्लेषिक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं श्रीट गोलक (केवल कार्तीय निर्दे-शांक)।

4. कलन (केनकुलस) भ्रीर विभिन्न समीकरण:

भ्रवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सांतत्व और श्रवकलनियता, मानक फलन का श्रवकलन, उत्तरोत्तर श्रवजलन । रोल का प्रभेय । मध्याभान प्रभेय ; मैंक्लारिन और टेलर सीरिज (प्रमाण श्रावध्यक नहीं है) और उनका श्रनुप्रयोग परिभेय सूचकांकों के लिए द्विपदप्रसरण चरधातांकी प्रमरण, लघुगणकीय विकोण-वित्तीय श्रौर श्रति परक्लियक फलन । श्रनिर्धारित रूप।एकल चर फलन का उच्चिष्ट और श्रविप्रकर, सांबरेखा, श्राभलम्ब, श्रवः स्पर्शी श्रधौलम्ब, श्रनन्तस्पर्शी वक्रता (केवल कानीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय श्रनुप्रयोग।एनक्लेप, श्राणिक श्रवफलन। समांगी फलनों से संबंधित श्रायलर प्रभेय।

समाकलन-गणितः समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलत के निश्चित समाकलन की रीमान--परिभाषाः समाकलन गणित के गत पिद्धान्तः। परिशोधन, क्षतकलन, श्रायतन श्रीर परिक्रमण धनाञ्चलि जा पृथ्ठीय क्षेत्रफल । संख्यात्म । समाकलन के बारे में सिम्प्समन का नियम ।

श्रवकल समीकरणः प्रथम कोटि के मानक श्रवकल नभी-करण का हल निकालना। निथम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैखिक ममीकरण का हल निकालना। वृद्धि श्रीर क्षय की समस्याश्रों का सरल श्रनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपांतरण। माधारण पेन्डलम श्रीर मभीदिश 5. मांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञानः समनलीय तथा सगामी बलों की साम्या-वस्था की स्थिति । माधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र । स्थतिक वर्षण, नाम्यावर्षेण और सीमान्त वर्षण । वर्षण कोण । रूक्ष श्रानत समतन पर के कण की साम्यावस्था । कल्पित कार्य (दो आयामों में) ।

6. सांख्यिकी—प्रायिकता—प्राथिकता की शास्त्रीय और गांवाकी गरिसाथा, पंजात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रसेय, सप्रतिवध प्रायिकता। यादृच्छिक चर (विविक्त ग्रौर अविरत), घनत्व फलन, गणितीय प्रत्याणा।

मानक वितरण : द्विपद वितरण , परिभाषा , माध्य ग्रीर प्रपरण , वैशम्य सोमत्त्त क्य सरल श्रनुप्रयोग । प्यासों वितरण परिभाषामध्य ग्रीर प्रपरण , योज्यता , उपलब्ध श्रांकड़ों में प्रतिसों बटन का समाता । पत्मात्य वितरण , सरल समानुपात ग्रीर सरव अनुप्रयोग , उपलब्ध श्रांकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बंटन का सम्जन।

द्विचर वितरण—सह संबंध, दो चरों का रैखिक समाश्रयण, सीधी रेखा का समंजन, परवलियक श्रौर चलघातांकी, वक्र, मह संबंधेत गुणांक के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण श्रीर परिकल्पनाश्रों का सरल परीक्षण प्रादु चिछ ह प्रतिदर्श । सांख्यिकी, प्रतिदर्शी बंदन श्रीर मानक तृदि। मध्य पदों के श्रन्तर की श्रर्थवत्ता के परीक्षण में प्रतामान्य टी० सी० एव० श्राई० (CHi2) श्रीर एफ० का सरल वितरण।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० 5 यांतिकी श्रीर सं० 6 सांख्यकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

वनस्पति विज्ञान (कोड 04)

1. घनस्पति जगत का मर्बेक्षण---प्राणियों भ्रौर पौधों में अन्तर:--जीवित जीव की विषेपताएं: एक कौणिक भ्रौर बहु कोणिक जीव: वाइरस वनस्पति जगत के विभाजन का भ्राभार।

- ग्राहति विज्ञानः— (i) एक कोशिका पौधे—कोशिका, इसकी संरचना ग्रीर श्रन्तवंस्तु कोशिकाओं का विभाजन ग्रीर संवर्धन
- (ii) बहुकोशिक पौधे—-ग्रसंवहनी धौर संवहनी पौधों के कार्य में भेद: संवहनी पौधों का बाह्य धौर ग्रांतरिक श्राकृति विकान।
- 3. जीवन वृत्त: इन पादप वर्गों के प्रत्येक वर्ष के कम से कम एक पौधे का जीवनवृत—वैक्टीरिया, नील रहित शेवाल वर्ग (साइनोफाइसी), क्लोरोफाइसी; भूरा शेवाल वर्ग, किया-फानाल शैवाल वर्ग (रोडोफाइसी), पाइकम्पासाइसिटीज, एस्कोमाईसिटीज बेसिडियमी, कवक, लिवरवर्ट; मासेस, टेरिडोफाटटीज, जिम्नोस्पर्म श्रीर ऐन्जियोस्पर्म।
- 4. विभिन्ने -- वर्गीकरण के नियम, ऐन्जियोस्पर्म के वर्गीकरण की मुख्य पद्धतियां:

निम्नलिखित कुलों के विशिष्ट लक्षण धौर ध्रार्थिक महत्यः— ग्रामिनि सिटामिन, पामेसी, लिलिएही, ग्राकिडसी, मोरेसी, लारेन्येसी; मनोलिएसी, लारेसी; कुांसफेरी; लगयमिनोसी, कटेसी; मीलिएसी; यफोनियासी, एनाकार्डिएसी, मालवेसी; एसोबाइनेसी, एकक्लीपिएडेसी; डिप्टरोकारमसी; मर्टेसी, श्रावजी हेरी; तुलसीकल (लेबिएटी), सीलेनेसी; रुविएसी कुकरबिटेरिएसी, बर्नानेसी श्रीर कम्पोजिटी।

- 5. पाद्य शरीर कियाविशान स्वपोषण, परपोषण, जल भीर पोषक तत्वों का भ्रत्तग्रहण, वाष्योत्सर्जन, प्रकाश संश्लेषण खिनज पोषण; श्वसन, वृद्धि,जनन, पादप प्राणिसंबंध, सहजीवन, परजीवित, एन्जाइम; अक्लिम हारमोन; दीप्तिकालिता।
- 6. पादम रोग विज्ञान—-पौधों की बीमारियों के कारण भ्रौर उनके पिचार; रोग जीव, वाइरस, हीनत, जन्म रोग; प्रतिरोध ।
- 7. पादच परिस्थिति विज्ञान—विशेष रूप से भारतीय पड़-पौधों और भारत के बनस्पति क्षेत्रों के संदर्भ में परिस्थिति विज्ञान और पादप भूगोल से संबंधित श्राधार भूत तत्व।
- 8. सामान्य जीव विज्ञान—कौणिका—विज्ञान, आनु-वंशिक विज्ञान, पादप प्रजनन मण्नेलवाद, संकरध्रौज, उत्परिवर्तन,
- 9. श्राधिक वनस्पति विज्ञान—पौधों का विशेषतः श्रनाओं, दालों, फतों, जीती, स्टाचं, तिलहनों, मसालों, पेय पवार्थी, रशों, लकड़ियों, रबर, श्रोषधियों श्रीर वाष्पणील तेलों श्राधि वनस्पति उत्पादों से संबंधित पुष्प पादपों का मानन कल्याण के लिए लाभकारी उपयोग।
- 10 वनस्पति विज्ञान का इतिहास वनस्पति विज्ञान संबंधी विज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी।

प्राणि विज्ञान: (कोड 05)

प्राणि जगत का प्रमुख समूहों में वर्गीकरण विभिन्न वर्गों के विशिष्ट लक्षण।

रज्जू रहित (नान काडेट) किस्म के प्राणियों की बना-वट, श्रादतें और जीवन वृत्तः अभीबा, मलेरिया—परजीवी। स्पंज, हाइज्रा, लिवरफ्लू फीता कृमि; गोल कृमि; केंचुआ; जोंक, तिलचट्टा; गृह मक्खी; बिच्छू; ताजे पानी का मस्त, ताल घोंधा और स्टार-फिण (केंवल बाह्य लक्षण)।

कीटों का भ्राधिक महत्व। निम्निषित कीटों की परिस्थित भ्रोर जीवन वृत्त:---

दीमक; टिड्डी; शहद की मन्द्या और रेशम का कीड़ा। रञ्जुकी---- अम वर्गीकरण।

निम्नलिखित प्रकार के रण्जुमान प्राणियों की बनावट भीर तुलनारमेक शरीर :---

ग्रैन्किश्रोस्टोमा; स्कोलिश्रोजान; मेंढक; यरोमस्टिक्स या कोई श्रन्य छिपकली (बेरनस का श्रस्थिपिंजर); कबूतर (कुक्कुट का श्रस्थिपंजर); श्रौर खरगोग; चृहा या गिलहरी।

मेंढक और खरगोश के संदर्भ में जन्तु कार्य के विभिन्न श्रंगो के ऊतकविज्ञान श्रीर शरीर क्रिया विज्ञान की प्रारम्भिक जानकारी; श्रन्त:-स्त्राधी ग्रंथियां श्रीर उनका कार्य।

में क्षक भ्रौर चूजे के विकास की रूपरेखा. स्तनी जन्तुश्रों की बनावट भ्रौर कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता; ग्रानुवंशिकता; ग्रनुक्लन; पुनरावर्तन परिकल्पना; मेडेलीय श्रानुवंशिकता; ग्रलगिक जनन और लैंगिक जनन की विधियां; ग्रनिषेक जनन (पार्थ नोजेनसिस); कायांतरण; पीढी एकान्तरण।

विशेष रूप से भारतीय जन्तु समूह के संदर्भ से जन्तुन्नों का परिस्थितिक श्रीर भूवैज्ञानिक वितरण।

भारत के बन्य प्राणी जिनमें विषेते और विषहीन सांप भी शामिल हैं। शिकार पक्षी।

भूविज्ञान: (कोड 06)

सामान्य भूविज्ञानः

पृथ्वी की उत्पत्ति, काल श्रीर श्रांतरिक भाग, विभिन्न भूवैज्ञानिक एजेसियां श्रीर स्थलाकृति, श्रपक्षय श्रीर अपरदन (इरोजन) पर उनका प्रभाव मृदा के प्रकार, उनका वर्गी- करण श्रीर भारत के भूदा समूह, भारत के भू-श्राकृति उप भार, वनस्पति श्रीर स्थलाकृति, ज्वालामुखी, भूकम्प, पर्वत पटलविक्तपण (डयास्डोफिजम)।

2. संरचनात्मक भूविज्ञान:

श्राग्नेय, श्रवसादी और कायांतरित चट्टानें, नित, नित-लम्ब और ढलान वलन, भ्रंश और विषम विन्यास भ्रौर दश्यांशों पर उनका प्रभाव, भूवैभानिक सर्वेक्षण और मान-चित्रण की विधियों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी।

3. क्रिस्टल विशान श्रीर खनिज विशान :

किस्टल सममिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी। किस्टल विकान के नियम, किस्टल की प्रकृति ग्रौर यमलन (द्रिवर्निग)। मृण्मय खनिजों, महत्वपूर्ण गैल-रचना, रासायनिक संवि-ठन, भौतिक गुण, प्रकाशित गुण धर्म, परिवर्सन प्राप्ति श्रौर वाणिष्यिक उपयोग संबंधी श्रध्ययन।

4 स्राधिक भूविज्ञानः

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों ग्रौर उनकी उपस्थिति की म्रबस्था का ग्रध्ययन। ग्रयस्क निक्षेपों का उद्भव ग्रौर

5 शेल विज्ञान:

आग्नेय, श्रवसादी श्रीर कायांतरित चट्टानों तथा उनके उद्भव भ्रीर वर्गीकरण का प्रारम्भिक ग्रध्ययन। चट्टानो के सामान्य प्रकारों का ग्रध्ययन।

6. स्तर ऋम विज्ञान

स्तर क्रम विज्ञान नियम: वैज्ञानिक अभिलेखों का ग्राप्य वैज्ञानिक ग्रीर कालानुक्रम उपविभाजन। भारतीय स्तर क्रम विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषताएं।

7. जीवाश्म विज्ञान :

जीवाषम विज्ञान सम्बन्धी भ्राधार सामग्री का विकास के संबंध, जीवाषम (फासिल्स) उनका स्वरूप भ्रौर परिक्षण की विधि । प्राणी-जीवाषमों श्रौर पादप-जीवाषमों की निरूप श्रीक्रियों के भ्राकृति विज्ञान श्रीर विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी ।

भूगोल (कोड 07)

- (i) प्रारंम्भिक भू-प्राकृति विशानः सौर मंडल ग्रौर पृथ्वी का उद्भव, भू-प्राकृति, भू-लक्षण, प्रारम्भिक, भू-विज्ञान, चट्टानों ग्रीर मिट्टी का बनाना।
- (ii) जलवायु विज्ञानः जलवायु और इसके तत्व, ताप-मान, दाब प्राद्वेता, पवन पद्धति, जक्रवात श्रौर प्रतिचक्रवात का प्रारम्भिक ज्ञान, दृष्टि पात के प्रकार।
- (iii) समुद्र विशान: भूमि श्रौर जल का वितरण, समुद्र जल का संचालन, ज्वार, धारायें, लवणता, समुद्रतल निक्षेप।
- (iv) पादप भूगोल: वनस्पतियों के प्रकार, भौगोलिक पर्यावरण से उनका सम्बन्ध, वन, धास के मैदान, रेगिस्तान, प्रधान प्राकृतिक क्षेत्र ।
- (v) मानव भूगोल: पर्यवरण में मानव. मनुष्य की प्रजातियां, मनुष्य के कार्यकलाप ग्रौर जनसंख्या का विभाजन।
- (vi) श्राधिक भूगोल: मुख्य वनस्पतियां, पशु, खनिज, उत्पादन, उनका वितरण श्रीर भौगोलिक पृष्ठ भूमि, उद्योग श्रीर उनका स्थानीकरण, कच्चे माल, खाद्याक्ष श्रीर त्रिनिर्मित माल का श्रंतर्राब्दीय व्यापार।
- (vii) क्षेत्रीय भूगोल:—भारत का विस्तार से ग्रांर संयुक्त राज्य ग्रमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जीन, जापान, दक्षिण पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व श्रीलंका, वर्मा ग्रौर पाकिस्तान का सामान्य रूप से जान।

ग्रंग्रेजी साहित्य (कोड 08)

उम्मीदबार को स्पेंसर काल में लेकर महारानी विक्टोरिया का शासन समाप्त होने तक के श्रंग्रेजी साहित्य के इंतिहास का मामान्य श्रौर निम्निलिखित लेखकों की कृतियों का विशेष ज्ञान होना चाहिए:——

शेक्सपीयर, मिल्टन, जानस**च**, डिकन्स, वर्डसवर्थ, कीट्स, कार्लाईल, टेनिसन ऑर हार्डी।

भारत का इतिहास (कोड 09)

1600 ई० से लेकर भारतीय गणराज्य की स्थापना तक का भारत तथा इस ग्रवधि में घटित सांविधिक प्रगति।

टिप्पणी:—इस विषय में उम्मीदवारों को भ्गोल के उस पक्ष का भी ज्ञान होना चाहिए जिसका संबंध इतिहास से होता है। किसी अवधि के प्रारम्भ होने की यदि कोई निश्चित तारीख दी जाए तो उम्मीदवारों को मामान्य रूप से यह भी जानना चाहिए कि हम प्रारम्भिक स्थिति तक किस प्रकार पहुंचे हैं।

सामान्य श्रर्थशास्त्र (कोड 10)

उम्मीदवारों को प्रथंणास्त्र के सिद्धान्त का ज्ञान होना चाहिए श्रौर उनको तथ्यों की सहायता से सिद्धान्त का निरूपण करना श्रौर सिद्धांत के स्राधार पर तथ्यों का विक्लेषण करना दोनों श्राना चाहिए। भारत श्रौर इंग्लैंड के श्रार्थिक इतिहास श्रौर उन देशों की स्रार्थिक स्थिति का कुछ ज्ञान भी होना चाहिए।

राजनीति विज्ञान (कोड 11)

उम्मीदवारों को राजनीति विज्ञान श्रौर उसके इंतिहास का ज्ञान होना चाहिए। राजनीति विज्ञान का श्रान केवल विधि-निर्माण के सिद्धांत के रूप में नहीं, वरन् राज्य के सामान्य सिद्धांत के रूप में भी होना चाहिए। सांविधिक शासक के प्रकारों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद ग्रादि) श्रौर लोक प्रशासन—केन्द्रीय श्रौर स्थानीय—पर भी प्रण्न पूछे जाएंगे उम्मीदवार को वर्तमान संस्थाश्रों के उद्भव श्रौर विकास का भी शान होना चाहिए।

समाज विज्ञान (कोड 12)

समाज विज्ञान को प्रकृति श्रीर क्षेत्र : समाज का श्रध्ययन समाज विज्ञान श्रीर श्रन्य सामाजिक विज्ञानों से उनका संबंध।

मूल धारणाएं: महत्व एवं कार्य. प्राथमिक एवं गौण वर्ग, सामाजिक संस्थाएं, सामाजिक संस्थान, सामाजिक नियंत्रण एवं प्रापति श्राचरण, सामाजिक उन्तः, नामाजिक परिवर्तन :---

भूल सामाजिक संरचनाएं एवं संस्थाएं, विवाह, परिवार एवं रिण्तेदारी, राजनीति संस्थाएं; धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक स्तरण-जाति, वर्ग एवं वंशा।

वातावरण, समाज एवं संस्कृति: भारतीय समाज विज्ञान, जाति एवं जाति बाद; परिवार एवं रिश्तेदारी, ग्राम समाज, श्राध्निक भारत में सामाजिक परिवर्तन।

मनोविज्ञान (कोड 13)

सामान्य मनोविज्ञान

मनोविज्ञान की परिभाषा/ श्रीर विशय-वस्तु, मनोविज्ञान की पद्धतियां, अनुकूलन एवं अध्वरण कियाविधि की श्रवधारण; आवरण का गरीर णास्तीय श्रद्धार।

- (ह) अभिग्राहरः, चाक्षुष, एवं श्रवण संबंधाः, (ख) नाडी तन्त्र की सामान्य रूप रेखाः;
 - (ग) कार ह---मांसपेशियां एवं ग्रंथियां :---

भानव विकास के तत्व---श्रानुवंशिकता एवं पर्यावरण, परिपक्वता एवं णिक्षा प्राप्ति ।

श्राभिप्रेरणा एवं मनावेग---उनकी प्रकृति, किस्म श्रीर विकास। प्रत्यक्ष ज्ञान एवं उनकी प्रकृति---खा, रंग श्रीर स्थान।

अधिगम—उसकी प्रकृति, अनुकूलन, अन्तदृष्टि और प्रयस्त वृद्धि।

अधिगम तथा स्मरण णक्ति और विस्मरण प्रक्रियाओं को प्रभावित इस्ने वा तत्व, स्मरण करने की गक्त विधिया।

चिन्तन ग्रीर तर्क।

प्रज्ञा श्रीर योग्यता---उनकी प्रकृति श्रीर मापन। व्योक्तत्व---प्रकृति, निर्धारक श्रीर मापन।

अपामान्य मनोविज्ञान

अतःमान आचरण--अत्रवारणा और कारण। कुंठा और इन्द्र, रक्षात्मक युक्ति। मनोर्वेज्ञानिक विकार--मनस्ताप एवं मनोविक्षिति, व्य-क्तित्व एवं मनो-णारीरिक विकार।

मानसिक विकार के उपचार का सामान्य ज्ञान-मनोरोग चिकित्सा।

सीमाजिक मनोविज्ञान

समूह प्रक्रियाएं — व्यक्ति और समूह नेतृत्व एवं भीड़ का व्यवहार।

प्रचार और मनीवैज्ञानिक युद्ध ।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की सेघाशिक्त की जांच के लिए हैं। भोटे गोर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बीदिक गुणों की जांच के लिए है अपित् इससे उनकी सामाजिक विशयताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलयस्पी का भी पना बलेगा।

परिशष्ट 🔢

(अकादमी स्कूल प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक)
टिप्पणी—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वास्थता मानक के
प्रनुसार गारीरिक रूप से स्वास्थ होना चाहिए। स्वास्थता
सम्बंधी मानक नीचे बताए गए है।

बहुत पे प्रहेत(प्राप्त उम्मीदवार बाद में प्रस्वस्थता के ग्राधार पर प्रस्वीकृत कर दिये जाते हैं ग्रतः उम्मीदवारों के प्रपने हित के लिये मलाह दी जाती है कि ग्रन्त में निराणा में बचने के लिये उन्हें ग्रपना ग्रावेदन-पत्र भेजने से पहले ग्रपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशासित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेवा के डाक्टरों के बोर्ड हारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड हारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा। उसकी अकादमी या स्कूल में प्रवश महीं दिया जएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड हारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिये जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निवाला जाएगा कि उम्मीदवार ग्रंतिम क्य से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्थाई रूप से अनुपयुक्त घोषत उम्मीदवारों का गरगाम उन्हें स्वत्यत प्रमाण पत्न तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविध के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को श्रपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि श्रपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें श्रपने साथ ,संशोधक ऐनक लानी चाहिए।

- 1. श्रकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिये उस उम्मीदबार को ही योग्य समक्षा जाएगा जिसका शारीरिक भीर मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी श्रशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।
- 2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:
 - (क) कमजोर शरीर गठन, श्रपूर्ण विकास, गभीर कुरचना या स्थूलता तो नहीं है।
 - (ख) हिषमों श्रीर संधियों का कृषिकास तो नहीं हुआ है श्रीर उनमें किसी प्रकार को क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणां 1--श्रन्पविधित ग्रेव पर्श्वका वाले उम्मीदवारों को भी स्वस्थ्य माना जा सजता है यदि उनके उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड का कार्यवाही में इस रोग का उन्लेख छोटी-पोटी ग्राणक्तता के रूप में कर दिया जाएगा। टिप्पणी 2--विकास में इसी न हो इसके लिये रीट की हड़ी का एक्परे किया जाएसा,

- (ग) बोलने में तो बाधा नही पड़ती है।
- (घ) सिर की रचना में तो दोप नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरूपता तो नहीं ग्रा गई है।
- (ङ) कम सुनाई तो नही पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोगग्रस्त तो नहीं है। टिम्पनिक सम्बेन में कच्चा जख्म तो नहीं है। या उग्र या पुराना मध्य कर्ण गौध के चिन्ह तो नहीं हैं या श्राम्ल या मंगोधित स्नामृत कर्ण तो नहीं हुस्रा है।
- टिप्पणी—सिंद कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भरा गया हो, इसको थ्रौर क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस श्रवस्था को थल सेवा के लिये उम्मीदवार को स्वीकार करने मे बाधक नहीं समझना चाहिये।
 - (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नासाग्रमनी या महायक कोटरी का कोई रोग तो नहीं।
- टिप्पणी—-नाम पट के छोटे अलक्षणी जबधातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम प्रस्वीकृत नहीं किया जायेगा वरन ऐसे मामलों की जांच घ्रौर मन के लिये कर्ण विज्ञान सलाहकार के पास भेजा जायेगा।
 - (छ) गर्दन या शरीर के श्रन्थ भागों की ग्रंथियां बढ़ी हई तो नही है श्रीरथाडराइड ग्रंथि सामान्य है।
- टिप्पणी—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिये किये गये ग्रापरेणन के निशान उम्मीदवार की ग्रस्बीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं घणते कि गत 5 वर्षों में सिक्रय रोग न हुआ हो तो छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्सरें करने पर रोग मुक्त पाई जाये।
 - (ज) गले, तालु, टोंसिल या मसूकों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चम्बकी संधियों को सामान्य किया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं हैं।
- टिप्पणी—-यदि बार बार टोंसिल शोध होने का कोई वत्त न हो तो टोंसिलों की भ्रतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।
 - (झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का किया सम्बन्धी या श्रंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।
 - (ग) फेफड़ों को तपेदिक टा इस बीमारी का पूर्ववृत या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

- (ट) जिगर श्रौर तिल्ली को किसी विषक्षणता यहिस पाचक तन्त्र के किसी रोग के चिह्न तो नहीं है।
- (ठ) वंक्षण हर्निया तो नहीं है या उसके होने की प्रवृत्ति तो नहीं है।
- टिप्पणी:--(i) वंक्षण हर्निया (जिसकी शब्य चिकित्सा न की गई हो), श्रस्वीकृति का कारण होगा।
 - (ii) जिनका हॉनिया का श्रापरेणन हो चुका है उन्हें भारीरिक रूप से स्वस्थ माना जायेगा बणर्ते कि :
 - (i) अप्रापरेणन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो।
 इसके लिये उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
 - (ii) पेट की पेणी समूह सामान्यता ठीक है।
 - (iii) हर्निया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है या इसकी म्राल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उलझन पैंदा नहीं हुई।
 - (ड) हाइब्रोसिल या निश्चित बैंग्कोसील या जनेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।
- ध्यान दें:--(1) यदि हाइड्रोमील के श्रापरेशन के बाद कोई रज्जु श्रीर श्रण्ड ग्रंथियों की विलक्षणतायें न हों श्रीर फाइलेरियासिम का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर निया जायेगा।
 - (ii) यदि एक श्रोर की श्रन्ततः उदरीय श्रण्डग्रंथि श्रारोही हो तो इस श्राधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बणतें कि दूसरी अण्डग्रंथि श्रसामान्य हो तथा इस श्रारोही श्रण्डग्रंथि के कारण शारीरिक या मनो वैज्ञानिक कुंशभाव न हो। यदि श्रारोही श्रण्डग्रंथि वक्षण गलिका में श्रथवा उद्दरीय विलय में क्की हो श्रीर श्रापरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति से उम्मीद्यार को स्वीकार नहीं किया जायेगा।
 - (ढ) फिस्टुला और या गुदा का बिदर या बवासीर के मस्से तो नहीं है।
 - (ण) गुर्दों को कोई बीमारी तो नही है। ग्लुकोजमेह या एलब्युमिन मेह के सभी रोगी ग्रस्वीकृत कर दिए जायेंगे।
 - (त) श्रम्थाई अथवा माम्ली क्षत चिह्नों को छोडकर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके पचार श्रथवा स्थिति के कारण उम्मीन्दार में प्रशम्तता या बहुत श्रधिक कुरूपता श्रा गई हो या श्राने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी प्राधार पर श्रस्वीकार किया जासेगा।
 - (थ) कोई सिक्रिय गुष्त या जन्मजात एति व रोग तो नहीं हैं।

- (द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग कोई का पूर्वकृत या प्रसाण तो नहीं है। (:) उम्मीदवारों को मिर्गी फ्राती हो, जिसका पशाब वैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- (ध) भेंगापन या श्राख या पलको की ऐसी विकृति तो नही जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।
- (न) पिक्रिय रोहे (ट्रकोमा) या इसकी कटिलन।एँ नथा अनुप्रभाव तो नहीं है।

टिप्पणी— इलाज के लिये आपरेणन प्रवेण से पूर्व करवायें
जायें। श्रान्सम रूप से स्वीकार किए जाने की
गारण्टी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को
यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिये कि क्या श्रापरेणन वांछनीय है या श्रावण्यक है इस बान का
निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को
ही करना है। आपरेणन के परिणाम श्रथया
किसी और खर्चे का दायित्व मरकार श्रपने ऊपर
नहीं लेंगी।

कद, बजन, तथा छाती के भागों के लिये मानक

(ক) কছ:

- (i) उम्मीदिवार के कद की नाप उसे मानवण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जायेगी उस समय बजन एड़ियों पर होना चाहिये, पंजे पर पा पांच के बाहरी पाश्वाँ पर नहीं। यह बिना अफड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एड़ियां, पिडलियां नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जायेगी लाकि रिए का प्नर आड़ी छड़ के नीचे आ जाये। कद सेंटीभीटरों में रिकार्ड किया जायेगा। 0.5 सेंटीमीटर से कम प्रणयलब भिन्न की अपेक्षा की जायेगी 0.5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जायेगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जायेगा।
- (ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.6 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है, किन्तु गौरखा, नेपाली, अस्मिया, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये नीचे (ख) (i) में दी गई उसमें संबंधित सारणी में दिये गये कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा मकता है। मणिपुर, नेफा, मेधालय, त्रिपुरा मिजोरम और नागालैंड के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम तद 5 सेंटीमीटर श्रौर लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले कर दिया जाएगा।

(ख) वजनः

(i) उम्मीदवार का बजन पूरी नरह में कपड़े अतरबा कर या केवल जांचिया के माथ किया जायेगा। बजन करते समय 1/2 किलोग्राम का रिकार्ड नहीं किया जायेगा। ग्रायु, कद तथा श्रीतत बजन विषय परस्पर सम्बन्धी मारणी मार्गदर्शन के लिये दी जा रही है।

पिछले जन्म बिना जूतों के अंचाई वजन दिवस की श्रायु

विनय नग आर्		श्रौ ६	 ात
	·	न्यूनतम	अधिकतम
1	2	3	4
वर्ष	सेंटोमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम
17 से 18 तक	157. 5 तथा	43.5	55.0
	165.0 से कम		
	165.0 तथा		
	172.5 से कम -	48.0	59,5
	172. 5 तथा	52.5	64.0
	183.0 से कम		
	183.0 तथा इस	में 57,0	
	अ धिक		
19	160.0 तथा	44.5	56 .0
	165.0 से कम		
	165.0 तथा	49.0	60.5
	172.5 से कम		
	172. 5 तथा	53.5	65.0
	178.0 से कम		
	178.0 तथा	58.0	69.5
	183.0 से कम		
	183.0 तथा इस	में 62.5	
	স্বধিক		
20 तथा ग्रधिक	160.0 तथा	45,5	56,5
	165.0 से कम		
	165.0 तथा	50,0	61.0
	172.5 से कम		
	172.5 तथा	54.5	66.0
	178.0 से कम ∮		
	178.0 तथा	59.0	70.5
	183.0 से कम		
	183.0 तथा इस	63.5	
	से प्रधिक		

केवल नौसेना के लिये

कद	और	वजन
٠,٠٠٠	*11	બા ગામ

सेंटीमीटरों की		भ ायु				
जंबा ई		18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष		
			कि०	ग्रा० में बजन		
157		47	59	50		
160		48	50	51		
162		50	52	53		
165		52	53	55		
168		53	55	57		
170	-	5 5	57	58		
173		57	59	60		
175		49	61	62		
178		61	62	63		
180		63	64	65		
183		65	67	67		
185		67	69	70		
188		70	71	72		
190		72	73	74		
193		74	76	77		
195		77	78	78		

- (ii) कद तथा श्रायु के सम्बन्ध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना मंभव नहीं है। श्रतः परस्पर सम्बन्धी सारणी केवल निर्देशिका मान्न है तथा सभी मामलों में लागू नहीं की जा सकती है। सारणी में दिये गये श्रीमत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के मामले में 6 कि ग्राम कमज्यादा) होने पर उसे बजन की सामान्य सीमा के श्रन्तगंत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से श्रधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की वृष्टि से सभी प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के श्रधिक वजन का कारण भारी हड़ियों और पेशीय विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिसका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की श्रपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन श्रीर श्रानुपातिक विकास की कसीटी होना चाहिए।
- (ग) छाती :—छाती भली प्रकार विकसित होनी बाहिए ग्रीर फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदनार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उमके पांव जुड़े हों ग्रीर उमकी बाहें सिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस प्रकार लाया जायेगा कि पीछे की ग्रीर उसका ऊपरी किनारा असफलकों (गोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर ऐंगिल्स) के साथ लगा रहे ग्रीर इसका निचला 30—336G1/79

किनारा सामने चूचकों उपरा भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचा किया जाएगा और उन्हें गरीर के साथ लटका रहने विया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा आएगा कि कंधे उठे या पीछे का ध्रोर झुके न हों जिससे कि फीता हट जाए, जब उम्मीदबार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का ध्रधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। ध्रधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैमे 84/89, 86/91 इत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दणमलव भिन्न की उपेक्षा की जाएगी तथा 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप सें रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे श्रधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

नौमेना के लिए----छाती का एक्सरे भ्रनिवार्य है। 4. दांतों की हालत

इम बात को मुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम भ्रम्छ तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हों।

- (क) स्वीकृत होने के लिए यह श्रावश्यक है कि उसने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वांइट प्राप्त किये हों। किसी भी ध्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर श्रच्छी तरह मटे और दूसरे जबके के श्रनुरूप दांतों को निम्न प्रकार प्वांइट दिये जाएंगे:—
 - (i) बोच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक-एक प्वांइट।
 - (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विक-मित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिए दो-दो प्वांइट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्यांइट दिए जाएंगे।

- (ख) प्रत्येक जवड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सदे हुए हों कि उनमें ग्रच्छी तरह काम लिया जा सके:---
 - (i) ग्रामे के 6 में से कोई। 4 दात ।
 - (ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांता।

टिष्पणी: म-जिन उम्मीदवारों के नकली दांत श्रच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीणन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवार की स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दंत मधि-कारी की राय में दांत बिना निकाले भ्रच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

(5) दृष्टिमानक (थलसेना)

भ्रन्छी मांख खराब भ्रांख

दूर की नजर (चश्मा लगाकर)

6/6

6/18

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त भ्रबिन्द्रकता (एस्टिंगमेंटिज्म मैनीफस्ट) सम्मिलित- 3.5 डी० से प्रधिक नहीं। दीर्घ दृष्टि (हाइपरमेट्रोपिया) जिसमें ग्राबन्द्रकता (एस्टिंगमेंटिज्म) सम्मिलित है +3.5 ईं।० मे प्रधिक नहीं।

टिप्पणी: 1. फेन्डम तथा मीडिया स्वस्थ तथा मामान्य सीमा में होना चाहिए।

- 2. वर्धान निकट दृष्टि के सूचक विटियमस या कोरियोरेटिना के भ्रानावश्यक न्यपगनन चिन्ह
- 3. दोनों भ्रांखों में दिनेद्धा (बाइनोकुलर) दृष्टि संयमित शक्ति श्रीर पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए।
- 4. कोई ऐसा भ्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन भ्रथवा खराब होने को संभावना

निकट दृष्टि (मायोपीया)

किसं। भी एक मेरेडियम में 0.5 डायोप्ट्रेस श्रधिक नहीं होना चाहिये।

द्विनेस्रो दृष्टि---उम्मोदवार की द्विनेस्री दुष्टि ठीक होनी चाहिये। (दोनों प्रांखों में क्यूजन फैकल्टी श्रीर पूर्ण द्ष्टिक्षेत्र होना चाहिये)। रंगका प्रत्यक्ष ज्ञान।

जिन उम्मीदवारों को अधोपरिभाषित न्युनतम वर्ण ग्रवगम मानक सी० पी० 3 (मदोष सुरक्षा) न होता हो उन्हें भ्रयोग्य माना जायेगा:---

सी० पी 3 (सदी सुरक्षा) --- उम्मीदवार इस योग्य न हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, संकेत लाल और संकेत हरे रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैटर्न में दिखाया गया है या इशिहारा बुक/टोकियो मैडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

दुष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि तीक्षणता	ा मनिक 1		
दूरकी नजर	भ्रच्छी श्रीख बी० 6/6 चश्मा	खराब भ्रोख बी० 6/9 सहित 6/6	

(i) नौसेना दृष्टिमानक :

कार्य पालक शाखा के उम्मीयवार चण्मा नहीं लगायेंगे लेकिन नौसेना मुख्यालय की भ्रनुमति से इस मानक में ढील दी जा सकती है। इंजीनियरी ग्रीर इलेक्ट्रिकल शाखा के सब प्रकार उपयुक्त उम्मीदवारों के मामले में 6/18, 6/36 तक ढील दी जाये बणतें कि चश्मा चढ़ाने पर दृष्टि 6/6

(ii) विशेष म्रपेक्षायें:

सामान्यतः नौतेना की सभी शाखाओं के कैंडेटों/डायरेक्ट ऐंदी भ्रफसरों को राक्षि दृष्टि तीक्षणता के वास्ते डेलाकासा की जांच नहीं की जायेगी भीर स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पन्न देने के लिये कहा जायेगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नत्थी कर दिया जायेगा

"मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रतौंधी नहीं है श्रौर जहां तक मेरो जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रहीं ही।"

> चिकित्सा धिधकारी के प्रति हस्ताक्षर उम्मीदवार

रंग का प्रस्यक्ष ज्ञान

नेत्र विचलन प्रबृत्ति मेडोक्स राड/विंगटेस्ट के साथ (बगर्तें कि ग्रभिसरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण ⊤ हो) निम्नलिखित से भ्रधिक नहीं होनी चाहियें:—

(क) 6 मीटर की दूरी से		
्र एक्सोफोरिया	८ प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
हा इप रफोरिया	1 সিত্	डायोप्टर
(ख) 30 सें० मी० की दूरी	से	
इंसीफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 त्रिज्म	डायोप्टर
•	कार्यान्वित	स्तर
	(होमाट्रोपिन	। के अन्तर्गत)
		ही श्रोख
0 0 0		

दूरबष्टिता की सीमा

1. 5 जायोप्टर दूरदिष्टिता साधारण वीर्घ दृष्टिता वैषम्य 0.75 वीर्ष दृष्टिता मरिडियन 1. 5 डायोप्टर से ग्रधिक संयक्त दीर्घ वृष्टिता वैषम्य चाहिए नहीं होना इसमें से 0.75 डायोप्टर से प्रधिक वृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिये। सबसे खराब मांख 2.5 दूरदृष्टिता

श्रायोप्ट्रेस

साधारण दूरदृष्टिता वैषम्य संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

1.5 डायोप्ट्रेस
दूरदृष्टिया वैषम्य दोष
2.5 डायोप्ट्रेस से मधिक
नहीं होना चाहिये, इसमें
से 1.00 डायोप्ट्रेस
से अधिक दृष्टि वैषम्य
के कारण नहीं होना
चाहिये।

श्रवण मानकः

श्रवण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जायेगी। जहां ग्रावश्यक होगा श्रत्यता मापी (ग्रार्श्रयोमैद्रिक) रिकार्ड भी ले लिये जायेंगे।

- (क) वाक् परीक्षाः— उम्मीदवार को जो कि एक उचित ढंग से शान्त कमरे में परीक्षण की श्रोर पीठ करके 609.5 सेंटोमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की ग्रायाज सुनाई पड़नी चाहिये। परीक्षक को ग्रवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिये वह साधारण निःश्वास अन्त में लेगा।
- (ख) श्रव्यता मिति रिकार्ड:— उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइकल वृत्ति सैकिन्ड की श्रावृत्ति पर सुनना चाहिये। (श्रत्यता-मितिक पाठ्यांक ×10 तथा 10 के बीच होना चाहिये) (नौ सेना के लिये लागू नहीं है।)

परिष्टि 🎹

सेवा ग्रादि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं:—
भारतीय सेना श्रकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले
उम्मीदवारों के लिये:—

- 1. भारतीय सेना ग्रकादमी में भर्ती करने से पूर्व:--
- (क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्न देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण दौरान या उसके परिणामस्थरूप यदि उसे कोई चोट लग जाये या उपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आपरेशन या संवेदना-हरण दावा के परिणामस्थरूप उसने कोई शारीरिक श्रशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का वावा करने का हक न होगा।
- (ख) उसके माता पिता या संरक्षक को इस श्राशय के बन्ध-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण

में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस श्राना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किये गये व्यय तथा दिये गये वेतन श्रौर भत्ते की कुल राणि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करें उसे वापस करनी होगी।

- 2. श्रन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदबारों को लगभग
 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन उम्मीदबारों
 के नाम सेना श्रिधिनियम के श्रधीन "जेन्टलमैन कैंडेट" के
 रूप में दर्ज किये जायेंगे। जैन्टलमैन कैंडेट पर साधारण
 श्रनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना श्रकादमी
 के नियम श्रीर विनियम लागू होंगे।
- 3. यद्यपि, स्रावास, पुस्तकों, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सिहत, प्रिशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगो लेकिन यह स्राधा की जाती है कि उम्मीदवार प्रपत्ता खर्च खुद वर्दाग्त करेंगे। भारतीय सेना स्रकादमी में (उम्मीदवार का न्युनतम मासिक व्यय 55.00 के से स्रिधिक होने की संभावना नहीं हैं)। यदि किसी कैंडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या स्रांधिक रूप में वर्दाग्त करने में स्रसमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्ह वित्तीय सहायता दो जा, सकती हैं। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक स्राय 450.00 के या इससे स्रिधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये स्रचल सम्पत्तियों और सभी साधतों से होने वाली स्राय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें ग्रपने पुत्र संरक्षित के भारतीय सेना श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए श्रन्तिम रूप से चुते जाने के तुरन्त बाद ग्रपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक श्रावेदन पन्न देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट ग्रपनो ग्रनुणन्सा सहित भारतीय सेना श्रकादमी देहरादून के कमांडेण्ट को ग्राग्रेषित कर देगा।

- 4. भारतीय सेना अकावमी में प्रशिक्षण के लिये भ्रन्तिम रूप से भुने गए उम्मीदवारों को भ्राने पर, कमाडेण्ट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी:——
 - (क) प्रतिमास 55.00 के हिसाब से पांज महीने का जेब खर्च . . 275.00
 - (ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए 800.00

योग . . . 1075.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर, उपर्युक्त राणि में ानीचे लिखा राणि वापिस कर दी जाएगी:—

55.00 प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जैब खर्च 275.00

- 5. भारतीय सेना श्रकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं:---
- (1) परशुराम भाऊ पटनर्धन छात्रवृत्तिः यह छात्रवृत्ति, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि ग्रिधिक से अधिक 500.00 क् प्रति वर्ष है जो कि कैंडटों को भारतीय सेना श्रकादमी में रहने की अविधि के दौरान दी जाती है बगतें कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उभ्मीदनारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है। वे किसी श्रन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नल कैंडल फैंक मैमोरियल छात्रवृत्ति:--

इस छालवृत्ति की राशि 360/— रुपया प्रति वर्ष है ग्रौर यह किसी ऐसे पाल मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूव सैंनिक का पुत्र हो। यह छोल्लबृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के ग्रतिरिक्त होती है।

- 6. भारतीय सेना स्रकादमी के प्रत्येक कैंडेट के लिये सामान्य गर्तों के अन्तर्गत समय समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता श्रकादमी के कमांडेट को सौंप दिया जायेगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह
 - (क) कैंडेट को कमीणन दिये जाने पर दे दी जायेगी।
 - (ख) यदि कैंडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जायेगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से खरीदें गये बस्त तथा श्रन्य श्रावश्यक चीजें कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैंडेट त्याग पत्न दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाये या वापस बुला लिया जाये तो उपर्युक्त वस्तुश्रों को उससे वापस ले लिया जायेगा। इन वस्तुश्रों का सरकार के सर्वांतम हित का दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जायेगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्न देने की श्रनुमित नहीं दी जायेगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्न देने वाले जेंटलमैन कैंडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्न स्वीकार होने तक पर जाने की श्राज्ञां दे दी जानी चाहिये। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बन्ध सेवाग्रों पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जायेगा। भारतीय सेना श्रकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता पिता श्रिभिभावकों को इस श्राग्य के एक बांड पर हस्ताक्षर करने हैंगे। जिस जेंटलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने से योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सेना मुख्यालय की श्रनुमित के प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को श्रपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जायेगा।

- 8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख प्रगले दिन से शुरू होंगी। यह कमीशन स्थाई होंगा।
- 9. कमीणन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित श्रफसरों के समान बेतन श्रौर भक्ते पेंशन श्रौर छुट्टी दी जायेगी तथा सेवा की श्रन्य शर्ते भी वही होंगी जो सेना के नियमित श्रफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

प्रशिक्षण:---

10. भारतीय सेना अकादमी में श्राम कैंडेट को "जेंटर्ली मैन कैंडेट का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फेंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने के यौग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपलब्ध जेंटलमैंन कैंडेटों को सैक्डिड सूफिटनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एल० एस० ए० पी० ई० में शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II सेवा की गर्ते:---

(i) वेतनः—

रैंक				वेतनमान
सैकिण्ड लेपिट	ोंद	<u>.</u>	<u> </u>	750-790
लेफ्टिनेंट		•		830-950
कैप्टन		•		1100-1550
मेजर	•			1450-1800
लेफ्टिनेंट-कर्नल	' (चयनइ	तरा)		1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्नल	(समय	वेतनमान).		1800 नियत
कर्नल		•		1950-2175
ब्रिग्रे डियर		•	-	2200-2400
मेजर जन र ल		•		2500-125/2-2750
लेपिटनेंट जन	र ल			3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन ग्रीर ग्रनुदान

लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीर उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले श्रधिकारी श्रपनी योग्यताश्रों के ग्राधार पर 1600 रु०, 2400 रू०, 4500 रु० ग्रथवा 6000 रु० के एकमुक्त श्रनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के ग्रधिकारी होंगे।

III मत्त:--

- (iii) वेतन के भ्रातिरिक्त श्रफ्तरों को इस समय निम्न-लिखित भत्ते मिसते हैं:---
 - (क) सिविलियन राजपितक श्रफसरों पर समय समय पर लागू दरों श्रौर शतों के श्रनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।

- (ख) 50 रु० प्रतिमास की दर से किट ग्रन्रक्षण
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिणत से 40 प्रतिणत तक होगा।
- (घ) नियुक्ति भना जब बिवाहित श्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे भ्रफसर 70/- २० प्रतिमास की दर से नियक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकवार होते हैं।
- (ट) सज्जा भत्ता:--प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नये सज्जे भत्ते का दावा किया जा सकता है।
- (iv) तैनाती

थल सेना ग्रफसर भारत में या विवेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

- (v) पदोन्नति:
- (क) स्थायी पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं:--

समय वेतनमान से

ਕੌਚਿਟਜੇਂਟ ੨

ल ै फ्टिनेंट 3			2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैंप्टम .			6 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा
मेजर .			13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लैंपिटनेंट क	र्मल यदि च	यन	
द्वारा पदोन्नति न हुई	हो		25 वर्ष कमीणन प्राप्त सेवा
चयन द्वारा			
लेपिटनेंट कर्नल			16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल .	•		20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर ,	•		23 वर्ष कभीशन प्राप्त सेवा
मिजर जनरल	•		25 वर्ष कमीशन प्राम्त सेवा
लैफ्टिनेंट जनरल	•		28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल .	•		कोई प्रतिबन्ध नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने मफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात

्रहोग बशत कि	रिक्तियां	उपलब्ध	हों:~	
कैंप्टन .	•		•	3 वर्ष
मेजर .	•			5 वर्ष
लैफ्टिनेंट कर्नल				6-1/2 वर्ष
कर्नल .	•			8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर .				12 वर्ष
मेजर जनरल				20 क्रर्ष
लैंपिटनेंट जनरल				25 वर्ष

(ख) नौसेना ग्रकादमी कोचीन में भर्ते होने वाले उम्मीदवारों के लिये:---

- 1. (क) जो उम्मीदवार प्रकादमी में प्रशिक्षण के लिये प्रन्तिम रूप से चन लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्य-कारी शाखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना ग्रकादमी कोचीन के प्रभारी श्रफसर के पास निम्नलिखित राणि जमा करानी होगी।
- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये म्रावेदन पत्न नहीं दिया हो:--
 - (i) 45.00 रुपये प्रतिमास की दर से पांच मास के लिये जेब खार्च 225.00 €0
 - (ii) कपड़ों श्रौर सज्जा सामग्री के लिये 460,00₹∘ जोड 685.00₹∘
- (2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये भावेदन-पत्न दिया हो:
 - (i) 45.00 रु॰ प्रति मास की दर से दो मास के लिये जेब खर्च 90.00 চ্ত
 - (ii) कपडों श्रौर सज्जा सामग्री के लिये 460,00 ছ০

जोड 550.00 ₹0

- (ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैंडेटों के रूप में नियक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों श्रौर प्रति-ष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:---
 - (क) कैडेट प्रशिक्षण तथा नौकार्य प्रशिक्षण. 6 मास-- 1 वर्ष
 - (ख) मिडलशिपमैन नौकायें प्रशिक्षण. 6 मास
 - (ग) कार्यकारी सब लैफ्टिनेंट तकनीकी पाठ्यश्रम 8 मास
 - '(घ) सब-लैपिटनेंटः

पहरा देने का प्रमाण-पत्न लेने के लिये 6 मास की न्युनतम समुद्री सेवा स्नावश्यक है।

(ii) नौ-सेना प्रकादमी में कैंडेटों के शिक्षण, भ्रावास श्रौर सम्बन्ध सेवाश्रों, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैंडेटों के माता-पिता/अभिभावकों/को उनकाः जेब खर्च श्रौर निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैंडेट के माता-पिता श्रभिभावकों की मासिक श्राय 450 रु० से कम हो ग्रीर वह कैंडेट का जेब खर्च पूर्णतया ग्रथवा श्रांणिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो, सरकार कैंडेट के लिये 55 रु० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार

सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीववार भ्रपने चुने जाने के बाद शीध्र ही भ्रपने जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से श्रावेदन-पत्न दे सकता है। जिला मैजिस्ट्रेट उस श्रावेदन पत्न को श्रपनी श्रनुशंसा के साथ निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा!

यदि किसी माता-पिता/श्रिभिभावक के दो श्रयवा उससे श्रधिक पुत्र या श्राधित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की श्रवधि के लिये उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता-पिता/श्रभिभावक की मासिक श्राय 500/- क० से श्रधिक न हो।

- (iii) बाद का प्रणिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों श्रौर स्थापनाश्रों में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। श्रकादमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रणिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के श्रनुसार श्रकादमी में प्रणिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली विचीय सहायता के समान सहायता दी जायेगी। भारतीय नौसेना के जहाजों श्रौर उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रणिक्षण प्राप्त कर लेने के दाद जिन कैंडेटों की मिडणिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जायेगी श्रौर वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।
- (iv) कैंडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके प्रलावा कुछ घौर कपड़े भी लेने होंगे । इन कपड़ों के सही नमूने घौर उनकी एकरूपता को सुनिष्चित करने के लिये, ये कपड़े नौसेना प्रकादमी में तैयार किये जायेंगे तथा उनका खर्च कैंडेटों के माता-पिता/प्रिभिभावकों को वहन करना होगा । वित्तीय सहायता के लिये ग्रावेदन पत्न देने वाले कैंडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क 'या उधार दिये जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।
- (V) प्रिशिक्षण के दौरान सर्विस कैंडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन श्रौर वही भत्ते मिलेंगे जो वे कैंडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या श्रप्रैंटिस के पद पर काम करते हुए, प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन श्रौर भत्ते, सीधे भर्त्ती होने वाले कैंडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता जो प्राप्त करने के पान

- हों तो उन्हें उपर्यक्त दोनों राशियों के भ्रन्तर की राशि भी मिलेगी।
- (vi) सामान्यतः किसी कैंडेट को प्रणिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की श्रनुमति नहीं दी जायेगी। जिस कैंडेट को भारतीय नौसेना जहाजों स्त्रीर प्रतिष्ठानों में कोर्स पुरा करने के योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सरकार के धनुमोदन से प्रशिक्षण, से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैंडेट को उसकी मुल सर्विस पर वापस भेज दिया जायेगा। जिस कैंडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जायेगा या मूल सर्विस पर वापस भेजा जायेगा, वह परवर्ती कोर्स में दुबारा दाखिल होने का पान्न नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैंडेटों को कुछ करुणाजन्य कारणों के श्राधार पर त्याग-पन्न देने की श्रनुमित दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के म्राधार पर विचार किया जाता है।
- किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता श्रिभभावक को:
 - (क) इस ग्रामय के प्रमाण-पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या ग्राक्षित को प्रिमाशण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाये या शारीरिक दुर्बलता हो जाये या उपर्युक्त कारणों या भ्रन्य कारण से चोट लगने पर किये गए ग्रापरेशन से या अपरेशन के दौरान मूछित करने की ग्रीविध के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाये तो उसे या उसके पुत्र या ग्राभित को सरकार से मुद्रावजा मागने के दाये का या सरकार से ग्रन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
 - (ख) इस भ्राशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते, जो कैंडेटों ने प्राप्त किये हैं, उनका मूल्य या उनका वह श्रंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

वेतन और भत्ते

(क) वेतन

	 वतनमान
रैंक	 सामान्य सेवा
मिडशिपमैन .	. 560.00 रुपये
एक्टिंग सब-लैफिटनेंट	. 750.00 ुरुपये

		वेतनमान
- रैंक		सामान्य सेवा
सब-लेफिटनेंट .		830-870 स्पर्ये
लें फिटनेंट		1100-1450 रुपये
र्लंपिटनेंट-कमोडोर .		1450-1800 रुपये
.कमांडर (चयनमान द्वारा)		17501950 रुपये
क्रमाडर (समय वेतनमान द्वारा)		1900.00 रुपये
,		(नियत)
कै प्टन		1950-2400 रुपये
		(कमोडोर वह वेतन
		प्राप्त करता है जिसके
		लिए वह कैंप्टन के
		रूपमें वरिष्ठता के
		श्राधार पर हकदार
		होता है)।
रियर एडमिरल .	-	2500-125/2-2750
वाइस एडमिरल		3600 रुपये

(ख) भत्ते

वेतन के ग्रतिरिक्त ग्रफसरों को निम्नलिखित भक्ते मिलते हैं:--

- (i) सिविलियन राजपिति श्रफसरों पर समय-समय
 पर लाग् दरों भ्रौर शर्तों के श्रनुसार उन्हें भी
 नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ता मिलता है।
- (ii) 50/- ६० प्रति मास की दर से किट ग्रनु-रक्षण भक्ता (कमोडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के ग्रफसरों को)।
- (iii) जब ग्रफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के श्रनुसार 50/- रुपय से 250/- तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- (iv) 70/- रु० प्रतिमास के हिसाब से इन श्रफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा:—
 - (1) जिन विवाहित श्रफमरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जायेगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
- (ii) जिन विवाहित श्रफसरों को श्राई० एन० जहाजों पर तैनात किया जायेगा श्रथवा जितनी श्रविध के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- ·(iii) जितनी श्रवधि के लिये बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी श्रवधि के लिये उन्हें मुफ्त रागन मिलेगा।
- टिप्पणी]:— उपर्युक्त के श्रलावा संकट के समय काम करने की राधि पनडुब्बी भक्ता, पनडुब्बी वेतन, सर्वेक्षण ग्रानुतोषिक/ग्रह्ता वेतन/ग्रनुदान तथा गोता खोरी वेतन औसी कुछ विशेष रियायत भी ग्रफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी II:—-ग्रफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाग्रों के लिए ग्रपनी सेवाएं ग्रपित कर सकते हु। इन सेवाग्रों में सेवा के लिये चुने गए ग्रफसर बढ़ें हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा

मिडशिपमैन से एक्टिंग सब-लैफ्टिनेंट तक

1/2 वर्ष

एक्टिंग सब-लैफ्टिनेंट से सब-लैफ्टिनेंट तक

1 वर्ष

सब-लैंपिटनेंट से लैंपिटनेंट तक एक्टिंग स्रोर स्थायी सब-लैंपिटनेंट (वरिष्ठत

> केलाभ/समपहरण के श्रधीन) रुप में 3

वर्ष।

लैपिटनेंट से लैपिटनेंट कमो-

डोर तक

लैफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठताएं

लैंफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर 24 वर्ष की संगणीय तक (यदि चयन द्वारा कमीशन प्राप्त सेवा। पदोन्नति न हुई हो)

(ख) चयन द्वारा

लैफ्टिनेंट कमोडोर से कमो-

डोर तक

लैपिटनेंट कमोडोर के रूप में 2-8 वर्ष की

वरिष्ठता ।

कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में

4 वर्ष की वरिष्ठता।

कैप्टन से रियर एडमिरल

श्रौर उससे ऊपर तक

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5. तैनाती

श्रफसर भारत श्रौर विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

टिप्पणी:--यदि किसी श्रीर सूचना की श्रावश्यकता हो तो बह निदेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली, 110011 से प्राप्त की जा सकती है।

- (ग) ग्रफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :
- इससे पूर्व कि उम्मीदवार श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती हो:—
 - (क) उसे इस म्रागय से प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली-भांति समझता है कि उसे या

उसके वैध वारिसों को सरकार से मुभावजे या भ्रन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए श्रापरेशन या ग्रापरेशन के दौरान मूर्छित करने की श्रीषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

- (ख) उसके माता-पिता या श्रिभभावक को एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के श्रधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोसं पूरा करने से पूर्व वापिस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या श्रफसर ट्रेगिंग स्कूल में प्रशिक्षण, प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उमे शिक्षा, खाना, वस्त्र श्रौर वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह श्रंश जी सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।
- 2. जो उम्मीदवार श्रंतिम रूप में खुने जाएंगे उन्हें श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "सेना, श्रधिनियम के श्रन्तर्गत जैन्टलमैन कैंडेट" के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य श्रनुशासन की दृष्टि में ये जैन्टलमैन कैंडेट श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के श्रन्सर्गत रहेंगे।
- 3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें ग्रावास पुस्तकें वर्दी व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी भ्रौर उम्मीदवारों को भ्रपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीणन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु० प्रतिमास से श्रिधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्त यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे भ्रतिरिक्त धन की श्रावश्यकता होगी। यदि कोई कैंडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या श्रांणिक रूप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट भ्रौर उसके माता-पिता/भ्रभि-भावक की फ्राय 450 रु० प्रति मास से कम हो। वर्तमान म्रादेशों के श्रनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रति मास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए ग्रंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रयप्त पर एक ग्रावेदन ग्रपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो ग्रपनी मत्यापन रिपोर्ट के साथ स्रावेदन-पत्न को कमांडेंट, स्रफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।
- 4. श्रफसर ट्रेनिंग स्क्ल में श्रंतिम क्ष्प से प्रिषक्षण के लिए जुने गए उम्मीदवारों को बहां पहुंचने पर कर्माडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी:——

(क) 55.00 रु० प्रतिमास की दर से दस महीने के लिए जैब खर्च	550, 00 হ৹
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए	500.00 হ৹
योग	1050,00 ছ০

यदि कैंडेटों को विस्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती सो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशिं वापस कर दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किए गए श्रादेशों के श्रन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा श्रन्य श्रावश्यक चीजें कैंडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएंगी। यदि कैंडेट प्रशिक्षणाधीन श्रवधि में त्याग-पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुश्रों को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुश्रों का सरकार के सर्वोत्तम हिन को दृष्टि-गत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- 5. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान्त्याग-पव देने की अनुमित नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारंभ होने के बाद त्याग-पल देने वाले जैन्टलमैन कैंडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्न स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च वमूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आणय का एक बांड भरना होगा।
- 7. जिस जैंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की श्रनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीद-वार को उसकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।
- 8. कमीणन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ते, पेंशन, छट्टी तथा श्रन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदिवारों को सेना श्रिधिनियम के श्रन्तर्गत जैंटलमैन कैंडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे श्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रणिक्षण कोर्स पूरा करेंगे । प्रणिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत जैंटलमैन कैंडेट को प्रणिक्षण के सफलनापूर्वक पूरा करने की तारीख से सैकेंड लैंफ्टिनेन्ट के पद पर श्रल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की शर्तें:---

(क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से श्रफसर 6 मास की श्रवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की भविध के दौरान कमीशन धारण करने के मनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परिवीक्षा भविध के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) सैनाती

भत्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विवेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्त की ग्रवधि तथा पदोन्नति

नियमित थल सेना में म्रस्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की म्रविध के लिए प्रदान किया जाएगा जो म्रफसर सेना में पांच वर्ष के म्रस्पकालिक सेवा कमीशन की म्रविध के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे थे, यदि हर प्रकार से पान्न तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के भ्रनुसार उनके म्रस्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की म्रविध के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने कर पाएंगे, उन्हें पांच वर्ष की म्रविध पूर होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

(घ) वेतन ग्रीर भत्ते

भ्रत्यकालिक सेवा कमीशन प्राप्त भ्रफसर वही बेतन धौर भक्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित भ्रफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेन्ड लेफ्टिनेन्ट श्रौर लेफ्टिनेन्ट के वेतन की वर इस प्रकार है:—-

सैंकेन्ड लेफ्टिनेन्ट---750-790 रु० प्रति मास। लेफ्टिनेन्ट---830-950 रु० प्रति मास। तथा ग्रन्य भरो जो नियमित ग्रफसरों को मिलते हैं।

(क) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये श्रफसर श्रस्पकालिक सेवा कमीशन श्रफसरों के लिए, लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली बांड-1 थल सेना, के श्रध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा ड्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में वी गई व्यवस्थाश्रों के अनुसार भी छुट्टी के हकदार होंगे।

(च) कमीशन की समाप्ति

घल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त धफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

- (i) भवचार करने या भ्रसंतोषजनक रूप से या सेवा करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से ग्रंथोग्य होने पर; 31—336GI/79

- (iii) उसकी सेवामों की भौर मधिक भावस्थकता होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में भ्रहेता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी श्रफसर की करणाजन्य कारणों के झाधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देने की झनुमति दी जा सकती है किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करणाजन्य कारणों के झाधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देने की झनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई झफसर सेवांत उपदान पाने का पात्न नहीं होगा।

- (छ) पेंशन लाभ
- (i) ये ग्रभी विचाराधीन है।
- (ii) ग्रत्यकालिक सेत्रा कमीशन ग्रफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रु० का सेवांत उपवान पाने के हकदार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की ग्रत्यकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद वे 5 वर्ष की ग्रविध के लिए या 40 वर्ष की ग्रायु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेगे।

(झ) विविध

सेवा संबंधी भ्रन्य सभी शर्ते, जब तक उनका उपर्युक्त उपबंधों के साथ भेद नहीं होता है, वही होंगी जो नियमित भ्रफसरों के लिए लागु हैं।

परिशिष्ट 17

भारत सरकार के ध्रधीन पदों पर नियुक्ति हेतु ध्रावेदन करने वाले प्रनुसूचित जातियों ग्रौर ग्रनुसूचित जनजातियों के जम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) ग्रादेश, 1950।
संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) ग्रादेश, 1950*
संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951* [म्रतुमूचित जातियां ग्रौर म्रनुसूचित जन जातियां सूचियां (ग्राणोधन) म्रादेण, 1956, बम्बई पुनर्गठन म्रिधिनयम, 1960, पंजाब पुनर्गठन-म्रिधिनयम, 1966, हिमाचल प्रदेण राज्य म्रिधिनयम, 1970 ग्रौर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) म्रिधिनयम, 1971, ग्रौर म्रनुसूचित जातियां तथा मनुसूचित जन जातियां मादेण (मंगोधन) म्रिधिनयम, 1976 द्वारा यथा संगोधित]

संविधान (जम्मू श्रौर कश्मीर) धनुसूचित जासियां श्रादेश, 1956*

संविधान (ग्रंडमान ग्रीर निकोबार द्वीप समूह) ग्रनुम्चित जन जातियां ग्रादेश, 1959* ग्रनुम्चित जातियां तथा ग्रनुमूचित जन जातियां ग्रादेश (संशोधन) ग्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधन।

संविधान (दादरा ग्रौर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जातियां ग्रादेण, 1962*

संविधान (दावरा श्रौर नागर हवेली), श्रनुसूचिस जन-जातियां द्यादेण, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) धनुसूचित जातियां घादेण, 1964* संविधान (घनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेण), ग्रादेश, 1967*

मंत्रिधान (गोग्रा, वमन श्रोर दीयू) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1968*

संविधान (गोधा, दमन घोर दीयू) ध्रनुसूचित जन-जातियां ध्रादेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) श्रनुसूचित जन जातियां भाषेश, 1970*।

^	
2. 翙	
श्रौर/या* उनका परिवार श्राम तौर से गांव/कस्बा * ,	,
जिल	
मण्डल*	
राज्य/संघ* राज्य-क्षेत्र	À
रहता हैं।	

हस्ताक्षर

(कार्यालय की मोहर के साथ राज्य/संध* राज्य क्षेत्र)

स्थान..... तारीखः..,....

*जो शब्द लागू न हों उन्हें क्रुपया काट दें।

नोट:--यहां ''ग्राम तौर से रहता है' का अर्थ वही होगा जो ''रिप्रेंजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950'' की धारा 20 में है। **जाति/जनजाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम
प्रधिकारी।

- (i) जिल्ला मर्जिस्ट्रेट/म्रितिरिक्त जिला मर्जिस्ट्रेट/कलक्टर/ डिप्टी कमिश्नर/ऐडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/ सिटी मजिस्ट्रेट *सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिय मजिस्ट्रेट/ऐक्स्ट्रा श्रसिस्टेंट कमिश्नर ।
- *(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं)।
- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मिजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मिजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मिजिस्ट्रेट। '
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिनका श्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल श्रफसर जहां उम्मीदवार भौर/या उसका परिवार श्रामतौर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट ग्रफसर (लक्षद्वीप)।

परिक्षिष्ट V संघ'लोक सेवा द्यायोग उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क. बस्तु परक परीक्षण

ग्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में ग्रापको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रका (जिसको ग्रागे प्रश्मांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको ग्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) ग्रापको चुन लेना है।

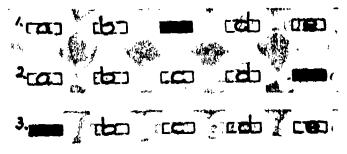
इस विधरणिकाः का उहेन्य ग्रापको इस परीक्षा के बारे में बुछ जामकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्थरूप से परिचित नः होने के कारण ग्रापको कोई हानि न हो। ख. परीक्षण का स्थरूप

प्रश्न-पन्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3...... के कम में प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नींचे a; b, c कम में सभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। प्रापका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से प्रधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (प्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थित में, प्रश्येक प्रश्नांश के लिए प्रापको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से प्रधिक चुन लेते हैं तो प्रापका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए मापको मलग मे एक उत्तर पत्नक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। मापको मपने उत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्किका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर मन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नांगों की संख्याएं 1 से 200 तक वार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांग के सामने 2, b, c, d, e... के कम से प्रस्पुत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांग को पढ़ लेने भीर यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा सही प्रत्युत्तर या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के प्रक्षर को राज्यिन वाले भायात को पेन्सिल से काला बनाकर उसे भंकित कर बेना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्नक नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के ग्रायात को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



इसलिए यह जरूरी है कि :---

- 1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल श्वाच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं भीर, उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. श्रगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा है। इसके लिए आप अपने साथ एक रखड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी भ्रमावधानी न हो जिससे यह खराब हो जाए या उसमें मोड व सलवट भ्रादि पड़ जाएं भीर वह टेडा हो आए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

- ग्रापको परीक्षा ग्रारंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा ग्रीर पहुंचते ही भ्रापना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षा मुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को
 परीक्षा भवन छोड़ने की ध्रनुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को मौप दें। (ग्राप को परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की ग्रनुमति

- नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
- 5. उसर पत्नक पर नियस स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, भ्रपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख भौर परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या स्याही के साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्नक पर भ्राप कहीं भी भ्रपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी प्रनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूस्यावन मणीन वे द्वारा होता है इसलिए संभव है कि इन प्रनुदर्शों का सावधानी से पालन न करने से प्रापके नंबर कम हों जाएं। ग्रगर उत्तर पल्लक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है तो उस प्रश्नाण के लिए प्रापकों कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए प्रमुखेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को प्रारंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके प्रमुखेशों का तरकाल पालन करें।
- 7. माप मपना प्रवेश प्रमाण पत्न साथ लाएं। मापको माने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल गापंतर मौर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। मापको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का दुइड़ा पैमाना या भारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए मापको एक मलग कागज दिया जाएगा। माप कच्चा काम णुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, मपना रोल नम्बर भीर तारीख लिखें मौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे मपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

विशेष भनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्नक मिलेगा। उत्तर पत्नक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका वेंगे। प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका में हाश्यिय में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए तुरंत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्नक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की निल तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

च. कुछ, उपयोगी सुमाव

पद्मिप इस परीक्षण का उद्देश्य ध्रापकी गति की ध्रपेक्षा णुद्धता को जांचना है फिर भी यह जरूरी है कि ध्राप ध्रपने समय का दक्षता में उपयोग करें। संतुलन के साथ ध्राप जितनी जल्दी ध्रागे बढ़ सकते हैं बढ़ें पर लापरवाही न हो। ग्रगर ग्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिन्ता न करें। ग्राप को जो प्रश्न श्रत्यन्त कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ग्रोर बढ़ें ग्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के झंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। श्रापके द्वारा झंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर श्रापको भंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के झंक नहीं काटे जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे भापकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा जानकारी, स्हाबूझ भीर विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। भापके लिए यह लाभदायक होगा कि भाप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें श्रीर इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक अध्यक्ती लिखना बन्द करने की कहें भ्राप लिखना बन्द कर वें।

जब भाप का उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब भाप भपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक भापके यहां भाकर भापकी परीक्षण पुस्तिका भीर उत्तर पत्तक न ले जाएं भीर भापको "हाल" छोड़ने की भनुमति न दें। भापको परीक्षण-पुस्तिका भीर उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की भनुमति नहीं है।

नम्मे के प्रश्न

- मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरधायी नहीं है?
 - (a) प्रशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर भे।
 - (b) प्रशोक के बाद साम्प्राज्य का विभाजन हुमा।
 - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावणाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।

- (d) भ्रणोकोत्तर युग में भ्राधिक रिक्तता यी।
- 2. संसदीय स्वरूप की सरकार में
 - (a) विधायिका स्थायपालिका के प्रति उत्तरक्षायी है।
 - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (d) न्यापालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (e) कार्यंपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदासी है।
- 3. पाठणाला के छाद्र के लिए पाठ्येतर कार्यक्लाप का मुख्य प्रयोजन
 - (a) विकास को स्विधा प्रदान करना है।
 - (b) अनुशासन की समंस्याओं की रोकथाम है।
 - (c) नियत कक्षा कार्य से राहत देना है।
 - (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।
- 4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है
 - (a) शुक
 - (b) मंगल
 - (c) बृहस्पति
 - (d) ৰুঘ
- 5. वन भीर बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?
 - (a) पेड़ पौधे जितने मधिक होते हैं मिट्टी का करण उतना मधिक होता है जिससे बाद होती है।
 - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं निश्यां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
 - (c) पेड़ पौधे जितने श्रधिक होते हैं, नदिमां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
 - (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गित से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 6th November 1979

No. F. 6/79-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri J. S. Bahri, Personal Assistant, Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting and lately on deputation to the Minorities Commission, as an Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge Supreme Court of India with effect from the forenoon of 3rd November, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD

Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th October 1979

No. A. 11016/1/76-Admn. III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 10th October, 1979, the President is pleased to appoint Shri A. Gopala-krishnan of the C.S.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of

the Union Pubic Service Commission with effect from the forenoon of 16th October 1979 until further orders.

- 2. Further, the appointment of Shri B. B. Murmu as Desk Officer with effect from 10-10-79 made vide this Office Notification of even number dated 10-10-79 stands cancelled.
- 3. Shri A. Gopalakrishnan shall drawn Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

The 26th October 1979

No. A. 12022/1/79-Adm. I(i).—Shri B. N. Som, an officer of the Indian Postal Service and working as Deputy Secretary in the office of Union Public Commission has been appointed to officiate as Joint Secretary, Union Public Service Commission (Rs. 2000—125/2—2250) w.e.f. 24th August, 1979 until further orders.

No. A. 12022/1/79. I(ii).—S/Shri M. S. Pruthi and R. S. Goela, Selection Grade officers of the CSS and Deputy Secretaries in the office of Union Public Service Commission have been appointed to officiate as Joint Secretaries in the scale of pay of Rs. 2000—125/2—2250 in the office of Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 24th August, 1979, until further orders.

The 29 Oct, 1979.

No. A 32014/1/79-Admy I:——The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad hoc capacity with effect from the dates mentioned below:

Sl. No. Name								Regular post held	Post to which ad hoc appointment made.	Period for which ad hoc appointment made.
1	2							3	4	5
Shri 1. S. P. Mehra	•	•		•	•	•	•	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior PA (Grade B of of the CSSS)	1-11-79 to 31-12-79 or until further
2. O. P. Deora.	•	•	. •	•	•	•	•	Stenographers and Permanent P. As (Grade C of the CSSS)	orders whichever is earlier.
3. Hukam Chand	•	•	•	•	•	•	•	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior PA (Grade B	19-10-79 to 31-12-79
4. H. C. Katoch		•						Stenographers and Permanent	of the CSSS)	or unitl further
5. T. R. Sharma				-	•			Grade C of the CSSS)		order whichever
6. K. S. Bhutani	•			•	•	•	•	Permanent P.A, (Grade C of CSSS)	Senior P. A. (Grade B of CSSS)	is carlier.

⁽²⁾ The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior P. A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Their ad hoc appointments to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names is further subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 31st October 1979

No. A-31013/1/78-AD-I.—The President is pleased to appoint Shri I. V. Ratna Rao, Officiating Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on deputation from Andhra Pradesh State Police, as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment in a substantive capacity on permanent absorption with effect from 1-10-1979.

No. A-31013/1/78-AD-I.—The President is pleased to appoint he following Officiating Superintendents of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, as Superintendents of Police, Central Bureau of Investigation

gation/Special Police Establishment in a substantive capacity with effect from 1-10-1979 :—

- 1. Shri Tejinder Singh
- 2. Shri M. D. Agharkar
- 3. Shri K. A. Rajagopalan
- 4. Shri Des Raj.

The 3rd November 1979

No. A-19035/4/79-Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Tilak Raj, Crime Assistant, C.B.I. to officiate as Office Superintendent in the C.B.I. with effect from the forenoon of 6th September, 1979 and until further orders...

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 30th October 1979

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on ad hoc basis with effect from 9-7-79 to 28-8-79.

No. O.II-1446/79-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri T. Tripathi, an IPS officer of UP Cadre as D.I.G. in the CRP Force.

2. Shri Tripathi took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Ajmer on the forenoon of 8th October, 1979.

The 5th November 1979

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer on ad hoc basis with effect from T8-10-79 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY

Assistant Director (Adm.)

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

'New Delhi-1, the 3rd November 1979

No. A. 12012/1/79-Admu.—S/Shri S. K. Malhotra, and S. D. Phoujdar, temporary Senior Technical Assistant and Senior Supervising Officer respectively of the Directorate of Coordination (Police Wireless) have been promoted to officiate as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 10th October, 1979, until further orders.

C. P. JOSHI

Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 29th October 1979

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer to Delhi, Shri Chandgi Ram, relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, GOF Ghazipur w.e.f. the afternoon of 21st August, 1979 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, HIL, New Delhi w.e.f. the forenoon of 24th August, 1979.

No. E-38013(3)5/79-Pers.—On transfer to Ghazipur Shri N. K. Anand relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, IPCL Baroda w.e.f. the afternoon of 31st August, 1979 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, GOF, Ghazipur w.e.f. the forenoon of 4th September, 1979.

Sd./- ILLEGIBLE

Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 29th October 1979

No. 11/29/78 Ad. I-22246.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Jai Kumar Verma as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct rescult, with effect from the afternoon of 9th October, 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

The 30th October 1979

No. 10/27/78 Ad. I-22377.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Sada Ram Prabhas as Assistant Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the afternoon of 6 October, 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

P. PADMANABHA

Registrar General, India

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 3rd November 1979

No. 15011/6/79-Estt.—On relief from the Central Bureau of Investigation, Shri L. B. Rao, Dy. Superintendent of Police, CBI/SIC, New Delhi assumed charge of the post of Crime Instructor (Dy. S.P.) in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad, w.e.f. 22nd October, 1979 Forenoon. He will be on deputation to the Academy, for a period of 3 years from the date of joining the Academy, in the first instance, and will draw pay in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with a special pay of Rs. 100/- per month and other allowances as admissible under the Central Government rules.

M. I. S. IYER

Director-in-Charge

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 5th November 1979

No. 3678/A-Admn./130/79.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri J. C. Bhatia, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Eastern Command, Patna, with effect from 15-10-79 (FN), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK

Jt. Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 27th October 1979

No. 28012(12)78/AN-I(JAG).—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service, until further orders, with effect from the date shown against him.

SHRI LAL ZARLIANA-26-9-1979 (FN).

R. L. BAKHSHI

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 28th September 1979

No. 1(4)-A(3)/CPE/79.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri R. L. Bagga, an Accounts officer of the Defence Accounts Dept. & presently on deputation as Research officer in the Commission on Public Expenditure of the Ministry of Finance shall retire from service with effect from the afternoon of 30th September, 1979.

The 5th October 1979

No. 1(3)-A(1)/CPE/79.—On his services having been replaced at the disposal of the Ministry of Finance, Department of Expenditure, Shri K. C. Bhattacharya, S.R.O. in the Com-

mission on Public Expenditure was struck off from the strength of the Commission with effect from the forenoon of 15-7-79.

The 11th October 1979

No. 1(4)-A/CPF/79.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Bagga, a retired Accounts officer of the Defence Accounts Deptt. as Research officer in the Commission on Public Expenditure under the Ministry of Finance, Department of Expenditure in the scale of pay of Rs. 700—1300 with effect from the forenoon of 1st October, 1979 to 31st May, 1980.

No. 1(8)-A/CPE/79.—On transfer from the Department of Ecience & Technology, Shri V. P. Dhingra, Senior PA. (Grade 'B' of C.S.S.S.) of the said Department is appointed as senior Personal Assit. (Grade 'B' of C.S.S.S.) in the scale of Rs. 650—1040 in the Commission on Public Expenditure on usual deputation terms with effect from the forenoon of 25th September, 1979, until further orders.

J. N. KAUL

Under Secy, (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 25th October 1979

No. 52/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. P. Sinha Offg. G.M. ((SG) Level-I/. Subst. G.M. Gr. I retired from service w.c.f. 31-8-79 (AN).

V. K. MEHTA ADGOF/EST

for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th October 1979 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1294/79-Admn. (G)/7186.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. K. Bhattacharya, ACIO-II, Subsidiary Intelligence Bureau, Calcutta as Controller of Imports and Exports (Category B) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th August, 1979, until further orders.

2. Shri Bhattacharya as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

Nw Delhi-110011, the 16th October 1979

No. A-19018/218/75-Admn. (G).—Consequent upon his reversion to the Govt. of Orissa, Shri D. P. Bhattacharya, IAS (Orissa-1964) relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (General Administrative Division) in Small Industries Service Institute, Cuttack on the afternoon of 5th September, 1979.

The 17th October 1979

No. 12(751)/72-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri M. Sampangi, Deputy Director (Export Promotion) Small Industries Service Institute, Madras as Director (Gr. I) (Export Promotion) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 30th June, 1979, until further orders.

The 19th October 1979

No. A-19018/359/78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Dr. Manjit Singh, Scientist 'C' National Metallurgical Laboratory, CSIR, Jamshedpur as Director (Gr. 1) (Metallurgical) in the Office of the D.C.S.S.I., New Delhi with effect from the forenoon of 11th October, 1979, until further orders.

No. 12(153)/61-Admn. (G).—Consequent upon his deputation with N.S.I.C., Shri N. R. Lodh relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Leather/Footwear) in Small Industries Service Institute, Srinagar with effect from the atternoon of 24th September, 1979.

No. A-19018(410)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Sambhu Nath Das as Assistant Director (Grade I) (Metallurgy) in the Regional Testing Centre, Calcutta, with effect from the forenoon of 27h September, 1979, until further orders.

The 24th October 1979

No. A-19018(416)/79-Admn (G).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Saklecha as Assistant Director. (Grade I) (Mechanical) in the Branch Small Industries Service Institute, Imphal, with effect from the forenoon of 17th September, 1979, until further orders.

The 26th October 1979

No. 12(21)/61-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri B. V. Gundu Rao, Deputy Director (Mechanical), Small Industries Service Institute, Indore as Director (Gr. II) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Srinagar on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 24th September, 1979.

M. P. GUPTA

Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMINT OF SUPPLY)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 26th September 1979

No. A-15/28(671)/79.—The President is pleased to appoint Shri M. F. Alam, I.R.S., to officiate as Deputy Director (Registration) (Grade I of the Central Secretariat Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 3rd April, 1979, until further orders.

(ADMINISTRATION SECTION A-1) The 30th October 1979

No. A¹/1(1144)/79.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Paul Xavier, Superintendent to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras, with effect from the forenoon of the 3rd October, 1979 vlce Shri K. V. Sivaramakrishnan proceeded on leave.

K. KISHORE

Deputy Director (Administration.)

for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, 16, the 29th October 1979

No. A-32014(9-Lib)/79-19A,—Shri T. Kameswara Rao, Senior Assistant Librarian, is appointed on promotion as Librarian in the same department on pay according to rules

in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad-hoc basis against leave vacancy vice Shri A. R. Chakraborty, Librarian, Southern Region, G.S.I., Hyderabad, proceeded on leave with effect from the after-noon of 11th May '79 to the forenoon of 21st June 1979.

No. A-32014(II-Artist)/79-19A.—Shri G. Venkatramulu, Superintendent (D.O.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Artist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on ad-hoc basis against the leave vacancy of Shri R. M. Bhattacharjee, Artist, Southern Region, G.S.I. who proceeded on leave with effect from the forenoon of 23-4-1979 to the afternoon of 12-6-1979.

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 29th October 1979

No. C-5570/718-A.—Shri J. P. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on ad-hoc basis in Central Circle Office. Survey of India, Jabalpur in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3rd October, 1979 (FN) vice Shri N. R. Bose; Establishment and Accounts Officer (on ad-hoc basis) retired on superannuation on 30th September, 1979 (AN).

K. L. KHOSLA Major General

Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 17th October 1979.

No. F. 70-2/79-Estt/18631.—Shri J. T. Jothinayagam, Senior Zoological Assistant, Marine Biological Station, Zoological Survey of India, Madras, has been appointed to the post of Assistant Zoologist, (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650—1200 in the same Department at the Marine Biological Station, Madras, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 1st September, 1979 (Forenoon), until further orders.

DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN

Director

Zoological Survey of India

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700019, the 27th October 1979

No. 35-2/78/Estt.—Sharbashree A. K. Sarkar and Durgadas Saha relinquished charge of the post, of Junior Technical Officer (officiating on ad-hoc basis) in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation with effect from the forenoon of 17th and 11th October, 1979 respectively. Sharbashri A. K. Sarkar and Durgadas Saha are appointed as Scientific Officer in the same Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17th and 11th October, 1979 respectively.

The 31st October 1979

No. 35-2/78/Eatt.—Shri P. K. Adhikarl, officiating in the post of Scientific Officer on ad-hoc basis, is promoted in the same post in the National Atlas And Thematic Mapping Organisation as per recommendation of the Departmental Pro-

motion Committee with effect from 29-10-79, until further orders.

S. P. DAS GUPTA

Director

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 31st October 1979

No. F. 11-9/79-A. 1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri B. C. Sen, Assistant Archivist (Gr. I) (Genl.) to officiate as Archivist (General (Class II Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from 24th October, 1979 (F.N.) and until further orders.

B. S. KALRA

Administrative Officer National Archives of India for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 29th October 1979

No. 6(110)/62-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri N. N. Pradhan, Programme Executive, All India Radio, Cuttack retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1979.

The 2nd November 1979

No. 4(82)/77-SI.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri R. P. Meena relinquished charge of the post of Programme Executive, All India Radio, Bikaner with effect from the afternoon of 12th October, 1979.

N. K. BHARDWAJ

Deputy Director of Admn. for Director General

MINISTRY OF INFORMATON & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 30th October 1979

No. A. 12025/1/77-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity appoints Shri Samar Kumar Ghosh as Senior Artist in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 25th October, 1979, until further orders.

J. R. LIKHI

Deputy Director (Administration)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 2nd November 1979

No. A. 35019/1/78(RMLH)Admn. I.—Shri B. P. Pande assumed charge as Welfare Officer, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 3rd October, 1979, and until further orders.

S. L. KUTHIALA

Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 2nd November 1979

No. A. 19019/10/79 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Eswara Das to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi on a temporary basis with effect from the forenoon of 3rd October, 1979.

N. N. GHOSH

Dy. Director Admn. (CGHS)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600 006, the 11th October 1979

No. MRPU/200(20)/79 Admn.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Gangadharan Deivasigamani, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project—Stores Unit of the Directorate Madras Atomic Power Project—Stores Unit of the Directorace of Purchase & Stores in the scale of pay of Rs. 650—30—740 +35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with fect from 3-9-1979 F.N. until further orders vice Shrit. A. Shaik, Assistant Stores Officer transferred to Stores Unit, Tarapore Atomic Power Station.

No. MRPU/200(223)/79/Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nedungad Prabhakaran, a permanent Upper Division Clerk and officiating Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in a temporary capacity in the Madras Regional Purchase Unit of the Directorate of Purchase & Stores in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30-7-1979 F.N. until further orders.

S. RANGACHARY Purchase Officer

Bombay-400 001, the 22nd October 1979

No. DP\$/2/1(5)/77-Adm./30780.—In continuation of this Directorate notification of even number dated August 21, 1978, Director, Purchase and Stores appoints Shri S. R. Vaidya, temporary Storekeeper to officiate as an Assistant tores Officer in the same Directorate for a further period anto June 30, 1978.

> C. V. GOPALAKRISHNAN Assistant Personnel Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT Anushakti-323303, the 30th October 1979

No. RAPP/Rect/7(9)/79/S/681.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri R. K. Sharma, a permanent Upper Division Clerk of Central Pool of Power Projects Engineering Division and Officiating Assistant Accountant in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in Rajasthan Alomic Power Project with effect from the Forenoon of 11th July, 1979 until further orders.

> GOPAL SINGH Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 29th October 1979

No.AMD-f/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Atomic Minerals Shri G. D. Bansal Section Officer of Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer on deputation in Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 12th October 1979 until further orders.

The 30th October 1979

No AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. B. Banerjee, Section Officer (Accounts) of the Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer on deputation in Atomic Minerals Division with effect from the afternoon of 6th October, 1979 until further orders.

The 31st October 1979

No. AMD-1/6/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Subramanian Permanent Stenographer in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Superintendent in the Madras Atomic Power Project, as Assistant Personnel Officer in Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 15th October, 1979 until further orders.

M. S. RAO

Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st October 1979

HWPs/Estt/1/B-88/6165.—Officer-on-Special Heavy Water Projects, appoints Shri Shivcharan Herma Birua, a temporary Lower Division Clerk of Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy and officiating Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Tulcher), to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, with effect from April 23, 1979 (AN) to July 13, 1979 (AN) vice Shri P. C. Mathew, Assistant Personnel Officer, granted leave.

No. HWPs/Estt/1/M-110/6166.—Officer-on-Special Duty. Heavy Water Projects, appoints Shri D. P. Mathur, a permanent Clerk Grade I and officiating Section Officer (Accounts) of Western Railway who is presently on deputation to Heavy Water Project (Baroda) as Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer, in the same project, in a temporary capacity, on an ad hoc basis, from May 14, 1979 to June 23, 1979 vice Shri R. B. Kulkarni, Accounts Officer, granted leave.

R. C. KOTTANKAR

Sr. Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31 October 1979

No. A. 32014/3/78-E. I---The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Moteorologists in an officiating ecapacity with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

S. No.	Name													nte from which appointed as asstt. Meteorologist	Office of poting
1. Shri Sista	Viswanadham	-						٠	•				-	8-9-1979 (A. N.)	Gauhati (under R C. Calcutta).
2. Shri Arur	Kumar Mehra	(alı	ready	offici:	ating:	in shor	t term	vace	ancv	w.	e. f.	4-5-	1979)	21-5-1979	R. C. Bombay
	han Lal Kapoor														R. C. New Delhi.
4. Shri Radi	hey Shyam Parec	k		_										27-9-1979	R. C. Bombay.
5. Shri A. A	A. Faruqi													27-7-1979	Goa
	•														(under R. C. Bombay).
6. Shri Kish	iori Lal Bhardwa	ij.				-								8-10-1979	D. D. G. I. New
															Delhi.
7. Shri Saty	a Sharma Avasti	ı <i>i</i> 							•		•	•		4-7-1979	Ahmedabad (under R. C. Bombay).

G. R. GUPTA

Director

for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd November 1979

No. A 32012/9/78-EC——In partial modification of this Department notification No. A. 32013/9/78-EC dated 12-9-79, the entries at Serial No. 2 thereof are amended to read as under:—

S. No.	Name		•			•			• · • •				S	tation of posting	Period of continued ad-hoc appointment
2. Shri H.	A. Shetty	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•		A. C. S., Belgaum	Beyond 20-11-79 & upto 31-12-79.

R. N. DAS
Assistant Director of Administration
for Dorector General of Civil Aviation.

New Delhi, the 31st October 1979

No. A. 32031/1/79-EC.—The President is pleased to give proforma promotion to Shri B. D. Gareker, Technical Officer who is at present on foreign assignment to Govt. of Maldive with effect from 26-9-79 (FN).

2. Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior

Communication Officer for higher promotion according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of inter-se-seniority in the grade of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer and subject to condition that in the case of officers appointed to the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Services Examination their inter-se-seniority in the said Examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

No. A. 32013/78/79-EC—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier from the date and at the station indicated against each:—

S. No. Name									Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge.
1. Shri S. K. Das	•						•		ACS Agartala	ACS, Calcutta	29-8-79 (FN)
2. Shri H. S. Gahley		•		٠				•	ACS Lucknow	ACS Lucknow	16-9-79 (FN)
3. Shri H. S. C. Rao	•	•	٠		•	•	٠	٠	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	ACS, Bombay	19-9-79 (FN)

No. A. 32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. V. Patankar, Communication Assistant attached to Aeronautical Communication Station, Ahmedabad to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. 27-9-79 (FN) and to post him in Aeronautical Communication Station, Bombay.

No. A. 38015/7/79-EC.—Shri M. A. Venugopal, Senior Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of office on 9-7-79 (FN) on voluntary retirement in terms of para 4 of Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms OM. No. 13/1/76-EDP dated 23-5-78.

The 2nd November 1979

No. A. 32013/6/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. Anil Kumar, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, New Delhi to the grade of Senior Communication Officer on regular basis with effect from 28-9-1979 (FN) and to post him in the Office of the D.G.C.A. (HQ).

2. Shri P. Anil Kumar will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer, for higher promotion, according to the date of his regular appointments in the grade, subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of STO/SCO and subject to condition that in the case of officers appointed in the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Service Examination, their inter-se seniority in the said Examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

No. A 32013/1/79-EC.—The President is pleased to appoint the following two technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 26-9-79 (FN) and to post them at the station indicated against each:—

S. No. N	ame											, ,	Present station of posting	Station to which posted
1. Shri D. Anabalgan		-	,			•		•	,	-	•		Director, RCD & U, New Delhi.	Director, RCD&U New Delhi.
2. Shri S. P. Konar	•	•	•	•	•	•	•	•		•	•	•	Director, RCD&U New Delhi.	-do-

^{2.} These Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Sr. Comm. Officer for higher promotion according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of Sr. Tech Officer/Sr. Comm. Officer and subject to condition that in the case of officers appointed in the civil Aviation Deptt. on the basis of the Engineering Service, Examination their inter-se seniority in the said Examination for appointment as Tech. Officer/Comm. Officer will also be maintained

No. A. 32013/4/78-EC.—in continuation of this Department Notification No. A. 32012/4/78-EC dated 30-6-79, the President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the following two Senior Communication officers for a further period indicated against each:——

SI. Nan No.	ne											Station of posting	Period of ad hoc sanction continued.
1. Shri R. C	. Chitkara										•	Regional Director, CAD Bombay Airport, Bombay.	Beyond 30-6-79 and upto 17-7-79.
2. Shri N. B	. Mathur	•	•	٠	•	٠	•	`\	•	•		Regional Controller of Communication, Calcutta.	Beyond 26-7-79 and upto 2-9-79.

The 3rd November, 1979

No. A 32014/3/79-EC (Pt): ---The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each:—

S. No. Name					Present Station of of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. Shri C. P. Juneja			<u> </u>	•	A. C. S. Palam	ACS. Palam	3-9-79 (FN)
2. Shri D. W. Jacob					A. C. S. Palam	ACS, Palam	5-9-79 (FN)
3. Shri S. K. Seth					ACS, Mandsaur	ACS, Mandsaur	5-9-79 (FN)
4. Shri M Sivasubramaniam					ACS, Madras	ACS, Madras	5-9-79 (FN)
5. Shri R. Jayraman .					ACS, Madras	ACS, Madras	5-9-79 (FN)
6. Shri P. Y. Joseph					ACS, Nagpur	ACS, Nagpur	5-9-79 (FN)
7. Shri H. D. Vadhiya					ACS, Bombay	ACS, Bombay	6-9-79 (FN)
8. Shri D. R. Khadilkar					ACS, Bombay	ACS, Bombay	6-9-79 (FN)

R. N. DAS Assistant Director of Administration

New Delhi, the 26th October 1979

No. A-32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for a further period of six months i. e. upto the dates, indicated against each or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

S. No. Name	Period Station of posting
1. Shrl M. M. Bhardwaj	9-4-80 Delhi Airport (Palam)
2. Shrl K. C. Biswas	8-4-80 Dum Dum.
3, Shri V. V. Davekar	8-4-80 Ahmedabad.
4. Shri S. Manian	12-4-80 Tiruchirapalli.
5. Shrl S. L. Biswas	8-4-80 Dum Dum.
	•

No. A-32014/1/78-EA.—The Director General of Civil in Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assit. Aerodrome Officers for a further period upto 31-3-80 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

S. No.	Name		Station of posting
1, Shri C	C. B. Yadnaik		 Bombay Santacruz
2. Shri A	A. C. Das		Mangalore.
3. Shri I	nderjit Singh		Kanpur.
4. Shri C	G. B. Singh		Santacruz.
5. Shri J	. P. Kapoor		Palam.
6. Shri A	A. F. Herbert		Santacruz.
7. Shri U	. M. Dhanrai		Santacruz.

V. V. JOHRI, Assistant Director of Administration

New Delhi, the 29th October 1979

No. A. 32013/3/79-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri B. K. Joshi, Scientific Officer in this Department to the post of Senior Scientific Officer on ad hoc basis in this Department for a period of six months with effect from 16-10-1979 (Forenoon) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Indore, the 25th October 1979

No. 11/79.—Shri R. D. Malhotra, Superintendent, Central Excise, Group 'B' Dhar in Madhya Pradesh Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 30th Sept. 1979.

S. K. DHAR Collector

Kanpur, the 30th October 1979

No. 14/79.—The following officers of the grade of Super-intendent/Administrative Officer, Group 'B' Customs & Central Excise, Kanpur retired from service, on attaining, the age of superannuation with effect from the dates indicated against each:—

S.	No.		officer and post held of retirement.	Date of tirement
1		2		3
1.	S/Shr A. S. 'B' M	Sherwani Supd	t. Superintendent Group	31-12-78 A. N.

l	2	3
2.	C. P. Anand, Superintendent Group 'B' Central Excise, Hdqrs, Office Kanpur	30-4-79 A.N.
3.	Dhawan Singh, A. O. Kanpur-1 Div	30-4-79 A.N.
4.	O. P. Mohan, Superintendent Group 'B' Central Excise, Hdqrs. Office Kanpur	30-6-79 A.N.
5.	T.S. Bisharia, Superintendent, Group 'B' Central Excise, Kanpur Division-II	30-6-79 A.N.
6.	H. S. Mishra, Supdt. C. Excise, Agra	30-6-79 A.N.
7.	Rajpal Singh, Superintendent Group 'B' Central Excise, M. O. R. I. Aligarh	31-7-79 A.N.
8.	S. S. Lehri, Asstt. Chief Accounts Offcer, Central Excise Hdqrs, Office, Kanpur	31-7-79 A.N.
9.	P. H. S. Chauhan, Supdt. Group 'B' Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur	31-8-79 A.N.
10.	P. N. Banerjee, Supdt. Group 'B' Central Excise, M. C. R. Chhibramau	31-8-79 A.N.
11,	S. S. L. Saxena, Supdt. Group 'B' Central Excise Farrukhabad	31-8-79 A.N.

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 29th October 1979

No. 2/1979.—Shri U. C. Seth, Assistant Chemical Examiner, Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur expired on 10-10-1979 (A.N.).

D. R. GUPTA

K. L. REKHI Collector

Central Excise, Kanpur

Chief Chemist, Central Revenues

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 29th October 1979

No. A-19012/617/76-Adm. V.—The Chairman, Centrui Water Commission regrets to announce the death of Shri Buta Singh, Extra Assistant Director, Central Water Commission, on the 5th October, 1979.

J. K. SAHA

Under Secy.

Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 29th October 1979

No. 27-17/79-Est((M).— Sh. T. S. Narsimhan is appointed as Asstt. Admn. Officer, G.C.S. Group 'B' (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—1:B—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad hoc and temporary basis w.e.f. 22-10-1979 (FN) in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Faridabad till further orders.

B. K. BAWEJA

Chief Hydrogeologist & Member

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st October 1979

No. 27(1)/R/71-ECIX(Vol. II).—Dr. G. S. Randhawa, Director of Horticulture of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st October, 1979 (AN).

H. D. SINHA Dy. Director of Administration

New Delhi, the 5th November 1979

No. 27-F/B(1)/69-FCII.—The President of India has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri T. S. Bajaj, Executive Engineer (Civil), C.P.W.D. to retire from Govt. Service. Accordingly Shri Bajai retired from Govt. service in the forenoon of 8th November 1979,

S. S. P. RAU

Dy. Director of Administration

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 2nd November 1979

No. P(GAZ)185/Accounts—The following officiating Class-II Officers of Accounts Department of this Railway and confirmed in class-II service of that Department with effect from the date mentioned against each:—

Sl. No.	Name	_				Confirmed with effect from
1. Shr	i V. Chengaiah					27-03-1978
2. Shr	i G. Rangachar					10-05-1979
3. Shr	i R. S. Mani					01-07-1979

N. NILAKANTA SARMA General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hanumanthanagar Construction Company Private Ltd.

Bangalore, the 31st October 1979

No. 1794/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hanumanthanagar Construction Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Easy Trading and Finance Private Limited

Ahmedabad, the 6th November 1979

No. 1594/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Easy Trading and Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA

Registrar of Companies,

Gujarat

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 18th October 1979

INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/1/79-80/24360.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125-A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T. Delhi-I, hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax

Officers Salary Circles including Addl. Salary Circles, New Delhi in respect of any arete or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-B, New Delhi.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-I also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-B to pass such orders us are contemplated in sub-section (2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 1-11-1979.

- F. No. JUR-DLI/I/79-80/24521.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.J.T. Delhi-I, hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officers Private Salary Circles, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-C, New Delhi
- 2. For the purposes of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-I also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-C to pass such orders as are contemplated in sub-section (2) of Section 125-Λ of the Income-tax Λct, 1961.

This notification shall take effect from 1-11-1979.

M. W. A. KHAN Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-V

New Delhi, the 29th October 1979
INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/V/79-80/25954.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V. New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-A shall also perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-C, New Delhi.

This notification shall take effect from 29-10-1979.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi

Cochin-682 016, the 24th October 1979

C. No. 1(209)/GL/79-80.—In exercise of the powers conferred on me, I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Ernakulam, hereby abolish the Charge of the Income Tax Officer, E-Ward, Cannanore with effect from the Forenoon of 1-11-1979.

B. J. CHACKO
Commissioner of Income-tax,
Kerala-II

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. L. Nayyar and Smt Vidyavati, 179 Sector 11-A Chandigarh. (Transferor)

(Transferor)

(2) Sarbjit Singh (part of) 5 Friends Colony New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/ii(7)/1048/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Free Hold Bldg-5, Friends, colony situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Bldg 2090 Sq. yds as the pain attested M/s Firek India Ltd., New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 29-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/II(9)/1050/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. M-44 situated at Plot No. M-44 Greater Kailash-II New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi on 21-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savitri R/o 2/31, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2 Shri Narinder Kumar Chaudhary C/o 5670, Kucha Khan Chand, Nai Sarak, Delhi-6.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-44 Measuring 277.5 Sq. Yds in Greater Kailash-II New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 21-2-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 7-11-1979

FORM I.T N S .-

(1) Smt. Sakuntala Devi Killa

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. No. 619/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Sarat Bose Road Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-2-1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date: 29-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. No. 620/Acq.R-JII/79-80/Cal.-Whereas, J. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 22-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

33--336GI/79

- (1) Sri Badrinarayan Agarwal
 - Sri Gouri Sankar Agarwal
 - Sri Dwarka Prosad Agarwal
 - Sri Kailash Bagaria Sri Subhas Bagaria
 - Sri Ram Nagina Singh.

(Transferor)

(2) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV. Calcutta.

Date: 29-10-1979.

FORM ITNS----

(1) Shri Basant Kumar Tibrewalla Shri Ashok Kumar Tibrewalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. $621/\Lambda cq.R-III/79-80/Cal.$ —Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Sarat Bosc Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 22-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date: 29-10-1979.

(1) Shri Abdul Waheb S/o. Late Abdul Kader Chandmari, Gauhati,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Rcf. No. A-241/Gan/78-79/696.—Whereas, I, R. N. BARA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 27 and K. P. Patta No. 12 situated at Mouza Jhalukbari, Town Bharalumukh, Gauhati in the dist. of Kamrup.

(and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 19-16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri Ali Ahmed
2. Shri Altaf Bin Ahmed
3. Shri Rafique Bin Ahmed
4. Shri Mustafa Bin Ahmed
5. Smti. Hurtan Nessa,
W/o. Shri Ali Ahmed,
C/o. Messers Janata Binding Centre.
Panbazar, Gouhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Two steried R.C.C. Building measuring an area of 1100 sq. ft. each situated at Santipur, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong,

Date: 24-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-240/Gan/78-79/700.—Whereas, BARA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing

No. Dag No. 27 and K. P. Patta No. 12 situated at Mouza Jhalukbari, Town Bharalumukh, Gauhati in the dist. of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 16-2-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dsiclosed by the transferte for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Abdul Waheb. S/o. Late Abdul Kader. Chandmari, Gauhati.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ali Ahmed.2. Shri Altaf Bin Ahmed.

3. Shri Rafique Bin Ahmed.

4. Shri Mustafa Bin Ahmed, 5. Smti. Huratan Nessa.

W/o Shri Ali Ahmed.

C/o Messers Janata Binding Centre, Panbazar, Gauhati-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1(one) Bigha situated at Santipur, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

> R. N. BARA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Shillong.

Date: 24-10-1979,

(1) Shri Nirendra Kumar Dhar, Panbazar, Gauhati. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

M./S. Upper Assam Plywood Products (P) Ltd. C. R. Building, Dibrugarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-239/Gan/78-79/704.—Whereas, I, R. N.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dag No. 215 and K. P. Patta No. 33 situated at Village Jatia, Fouza Beltola, Gauhati in the dist. of Kamrup

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring One Bigha, One Katha and four Lacha situated at Village Jatia, Mouza Seltela, Gauhati in the district of Kamrup, Assam,

> R. N. BARA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong,

Date: 24-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-238/Gan/78-79/708.—Whereas l, R. N. BARA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Λ ct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Λ ct') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

,No. Dag No. 215 and K. P. Patta No. 33 situated at Village Jatia. Mouza Beltola, Gauhati in the dist. of Kamrup, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 17-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Birendra Kumar Dhar, Panbazar, Gauhati.
 (Transferor)
- (2) Upper Assam Plywood Products (P) I.td. C. R. Building, Dibrugarh.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring One Bigha situated at village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Shillong.

Date: 24-10-1979.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. Λ-237/Gan/78-79/712.—Whereas J, R. N. BARA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Dag No. 215 and K. P. Patta No. 33 situated at Villege Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the dist.

of Kamrup.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gauhati on 17-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amarendra Dhar, Panbazar, Gauhati. (Transferor)
- (2) Upper Assam Plywood Products (P) Ltd, C.R. Building, Dibrugarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring One Bigha situated at village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shiltong,

Date: 24-10-1979.

FORM ITNS----

(1) Shri Nirendra Kumar Dhar, Panbazar, Gauhati. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Upper Assam Plywood Products (P) Ltd. C.R. Building, Dibrugarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISIAION RANGE,

SHILLONG

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-236/Gan/78-79/716.—Whereas, I, R. N. BARA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 215 and K.P. Patta No. 33.

situated at Village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the dist. of Kamrup,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring One Bigha situated at village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Shillong.

Date: 24-10-1979.

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/292/78-79.—Whereas, I, R, K. $M\Lambda LHOTRA$,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as te said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2321, Sector 35-C, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is

icm than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

34-336GI/79

 Cap. Parmatma Singh Sodhi s/o Shri Ram Singh Sodi, r/o Village Nillewala P.O. Kisana Teh, Zira, Distt, I-crozepur.

(Transferor)

(2) Shri O. P. Bhatia szo Shri Ram Ditta Mal Bhatia 1/0 H. No. 1427, Sector 20-B, Chandigarh, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

House property No. 2321, Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 958 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/303/78-79.—Whereas, J, R, K. MAI.HOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Timber Depot Building No. 27, Timber Market, situated at Chandigarh in February, 1979

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harvinder Singh s/o Shri Mehar Singh, r/o H. No. 109, Sector 28-A Chandigarh through his General Lawful Attorney, Shri Madho Singh s/o Shri Deva Singh, r/o H. No. 201, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Harcharan Kaur w/o Shri Madho Singh, r/o H. No. 201, Sector 16-Λ, Chandigarh, (Transferee)
- (3) M/s. National Timbers, No 27, Timber Market, Chandigarh [Person in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property as mentioned in the registered deed No. 986 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/316/78-79.--Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2½ storeyed shop-cum-flat bearing No. 52, Sector 29-D Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Chandigarh in Feb. 79/March, 1979 or an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesnid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Darshan Pathak w/o Shri Sohan Lal Pathak, r/o H. No. 2120, Sector 22-C, Chandigarh.
- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Hukam Chand and Smt. Krishana Kumari w/o Shri Om Parkash, r/o S.C.F. 52, Sector 29-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed SCF No. 52, Sector 29-D, Chandigarh built over a free hold plot measuring 114 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 1074 of Feb. 79/March, 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> R. K. MALHOTRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/307/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

In pecting Assis ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 31 kanals 10 marlas situated at Village Maloya U.T. Chandigath,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narinder Singh s/o Shri Ripudaman Singh, Village Sohana, Tehsil Kharar, Distt Ropar.

(Transferor)

(2) Shri Dayal Singh,, Rulda Singh ss/o Shri Fattu, Shri Dayal Singh, Badev Singh ss/o Shri Babu Singh, Shri Randhir Singh, Ranbir Singh, Ranjodh Singh, Bhim Singh, Jasbir Singh ss/o Shri Arjan Singh, All residents of Village Maloya, U.T. Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 10 marlas situated in Village Maloya, U.T. Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 1002 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHLANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/287/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. I share in three storeyed SCO No. 144, Sector 28-D, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Shri Jai Singh r/o H. No. 210. Sector 16-A, Chandigarh and Shri Sewak Singh s'o Shri Khezan Singh, r/o H. No. 206, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Gurmohan Singh s/o Shri Hamam Singh, Smt. Dalip Kaur w/o Shri Gurmohan Singh, Shri Inderpal Singh s/o Gurmohan Singh, Shri Inderpal Singh s/o Shri Gurmohan Singh, all residents of H. No. 3015, Sector 28-D, Chandigarh.

(Transferee).

- (3) Shri Roshan Lol v/o Shri J N. Madan, Managing Director, M/s. Electro Sales, SCO No. 144, Sector 28-D, Chandigarh, The Principal, Coop. Training College, National Council for Coop. Training, South Parel Nagar, New Delhi, [Persons in occupation of the property].
- (4) Shri Joginder Singh s to Shri Iai Singh, Shri Sewak Singh s /o Shri Khazan Singh, r /o 206. Sector 16-A, Chandigarh, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 share in three stored SCO building No. 144, Sector 28-D, Chandigarh.

(the property as mentioned in the Registration Deed No. 939 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge, Ludhiana

Date: 11-10-1979

Scol :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/296/78-79.—Whereas, I, R, K.

MALHOTRA, Inspecting Ass's ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. House property No. 57, Sector 9-A, situated at Chandi-Garh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Lt. Col. Ajaib Singh s/o Late Shri Sunder Singh, r/o H. No. 106, Sector 10-A, Chandigarh. (Transferors)
- (2) Smt. Bindu Choudhry w/o Shri Jagdish Chander Chaudhry, H. No. 57, Sector 9-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property No. 57, Sector 9-A, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registration Deed No. 969 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref No. CHD/297/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21 storeyed building constructed over a free hold cornor plot measuring 220,998 sq vds., bearing No. 3302, Sector 27-D, Chandigarh., situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Tej Bahadur
 - (2) Shri Dev Raj Thapar
 - (3) Shri foginder Nath Thapar, All sons of Late Shri Amrit Shah Thapar,
 - (4) Smt. Goran Devi Alias Smt. Gut Devi wd/o Late Shri Amrit Shah Thapar through her special power of attorney Shri Tej Bahadur Thapar.
 - (5) Smt. Kanta Rani w/o Shri Vasdev Mehta,
 - (6) Smt. Ved Kumari w/o Shri Acharai Lal Vohra, both through their General Attorney Shri Tej Bahadur Thapar, and
 - (7) Smt. Rawel Kumari alias Smt. Sunita Kumari w/o Shri Krishan Lal Kocher through her Genattorney Shri Joginder Nath Thapur, All residents of H. No. 1270, Sector 22-B, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal s/o Shri Chiranji Lal and Smt. Jeeto w/o Shri Ram Lel residents of H. No. 3302, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferec)

- (3) (1) Shri Rawat Singh, General Merchant (Ground Floor)
 - (2) Shri Anand Verma (Ground Floor),
 - (3) Shri Vijay Paul Sharma (Ground Floor),
 - (4) Shii Ram Ishar Bhagat (First Floor),
 - (5) Shri Hari Krishan (first floor),
 - (6) Shri Modhav Parkash (first floor),
 - (7) Smt. Veero Kaur (first floor),
 - (8) Mohinder Nath Sharma (Barsati). all residents of H. No. 3302, Sector 27-D. Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said in that Chapter.

THE · SCHEDUJ E

2½ storeyed house No. 3302, Sector 27-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 970 of February 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,

Inspecting Assit Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/294/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 3142/27-D. Chandigarh situated at Chandi-

garh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) decilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sukhdev Raj Bhasin s/o Shri Ganpat Rai Bhasin, r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh, (Transferot)
- Smt. Paramjit Kaur Grewal w/o Shii Manjeetinder Singh Grewal,
 No. 256, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferce)

- (3) (1) Shri Mangat Singh Pathania, r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.
 - (2) Shri D. P. Goyal, r. o H. No. 3142/27-D, Chandigarh
 - (3) Shri B. K. Sharma, 1/0 H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.
 - (4) Shri Ladha Ram r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.
 - (5) Shri Radhey Sham r/o II. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.
 - (6) Shri Kapur Singh
 r/o II. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.
 [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registration Deed No. 965 of February 1979 of the Registering Authority,

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/304/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 99 Sector 28-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
35—336GI/79

(1) Smt. Rattan Prabha w/o Shri S. P. Gupta, r/o H. No. 610, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Atul Sundra and Anuj Sundra minor s/o Late Shri Sudhir Sundra through their mother and natural guardian Smt. Prabha Sundra, r/o II. No. 99, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 99, Sector 28-A, Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 988 of February 79 of the Registering Authority Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/11/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Annexure No. 67, (Plot No. 41), Sector 8-A (Half share) situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has the been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Gurdial Singh Brar \$\foats/0 \text{ Shri Jiwan Singh, } 160, Sector 11-A, Chendigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal s/o Shri Babu Ram, SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh.

(Transferee)

(4) Shri Jawahar Lal s/o Shri Babu Ram Karta of Jawahar Lal (HUF) SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh.

[Person whom the undersigned knows to be interest ed in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Annexure No. 67 (plot No. 41), Sector 8-A, Chandigarh (Half share).

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 41 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHJANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/286/78-79 — Whereas, I. R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 3279, Sector 15-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thehefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Shri Ram Saran Sethi s/o Shri Des Raj Sethi, r/o 466, Sector 37-A, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Satish Chander s/o Ram Saran Dass, r/o 157 Hutton Road, Birmingham (U.K.) through General Attorney of Shri Ram Saran Dass s/o Shri Burbax Ram, r/o H. No. 3279, Sector, 15-D, Chandigarh. (Transferes)

(3) Shri R. K. Nanda of Indian Exposives Ltd., Shri V. P. Munjal of Bradma of Indian, Shri Ram Saran Dass, All resident of H. No. 3279, Sector 15-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said knowable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

House No. 3279, Sector 15-D, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registration Deed No 938 of February, 1979 registered with the Registering Authority, Chandigarh.

> R. K. MALHOTRA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/298/78-79.—Whereas, I R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Annexe building No. 67, Sector 8-A, (1 share) situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurdial Singh Brar s/o Shri Jiwan Singh Brar, r/o H. No. 160, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jawahar I al s/o Late Shri Babu Ram, Karta Jawahar Lal (HUF), r/o SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh.

(Transferce)

(4) Shri Jawahar Lal s/o Shri Babu Ram, r/o SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh. [Person whom the undersigned knows to be interest ed in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Annexe No. 67 (Plot No. 41), Sector 8-A, Chandigarh († share).

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 976 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigath.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/261/78-79.—Whereas, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop Building No. 1664/5, situated at Bhupindera Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in February

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Himmat Singh Grewal s/o Lt. Sh Gurbax Singh Grewal (seif) and General Attorney of Smt. Gobinder Kaur wd/o Shri Gurbax Singh, Smt. Manoranjan Kaur, Amrit Kaur ds/o Lt. Shri Gurbax Singh Grewal, r/o 14, Civil Lines, Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Ram Murti w/o Shri Sham Lal, Smt. Chandan Garg w/o Shri Pawan Kumar, residents of Ajit Nagar, Patiala.

(Transferce)

(3) Cooperative Consumer Store, Shri Jagat Ram, Hotal Wala, Mohd, Hafiz, r/o H. No. 1664/5, near Pathak No. 22, Bhupindera Road, Patiala. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop property No. 1664/5, situated on Bhupindera Road, Patiala

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5633 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge, Ludhiana

Dato: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/272/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot of land measuring 2 kanals 15 marlas situated at Tripara Saidan, Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Harinder Singh, through General Attorney, Shri Harcharan Shri Hardev Singh Grewal s/o Singh, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala, (Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi w/o Shri Piara Lal, r/o Village Sheron Teh. Sunam, Distt. Sangrur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals 15 marles situated in Tripari Saidan, Patiala.

property as mentioned in the Registration Deed 5744 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

> R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana

Date: 11-10-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/247/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 7, Nirola Colony near State College, situated at Lehal, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hakam Singh Dhaliwal s/o Shri Harchand Singh, Dhaliwal, r/o Village Salabatpura, Teh. Rampura Phul, Distt. Bhatinda.

(Transferors)

(2) Shri Jagrup Singh Sidhu s/o Shri Chuhar Singh Sidhu, r/o Village Biggerwal P.O. Sunam, Distt. Sangrur

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 7, Nirola Colony, near Punjabi Bagh, near State College, Lehal, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5559 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/262/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No, Single Storeyed house No, 7957/5, Raghbir Singh Marg, Near Model Town, Patiala, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Prithipal Shigh Basoor s/o Shri Jaswant Singh Basoor,
 r/o Raghbir Singh Marg, Bhupindera Road, Patiala.
 (Transferor)
- (2) Smt. Seeta Devi w/o Shti Brij Lal s/o Shti Meeri Mal and Ashok Kumar, Pawan Kumar, Rakesh Kumar s/o Shti Brij Lal, r/o 7957/5, Raghbir Singh Marg, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Actishall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. Kothi No. 7957/5, Raghbir Singh Marg Near Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5640 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/244/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 98, situated in the New Grain Market, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

36-336 GI/79

- (1) (1) Shri Manmohan Singh s/o Hukam Singh and Spl. Attorney of Shri Jai Singh s/o Hira Singh,
 - (2) Shri Amar Singh 6/0 Ram Chand Shri Gurdarshan Singh s/o Shri Hukam Singh, 1/o Bazar Sita Ram, Delhi,
 - (3) Smt. Dalip Kaur wd/o Shri Hukam Singh, Gurbax Kaur d/o Shri Hukam Singh and (wife of Shri Sawarn Singh),

 - (4) Shri Pushpinder Singh s/o Shri Hukam Singh,
 (5) Kanweljit Kaur d/o Shri Hukam Singh,
 r/o Sita Ram Bazar, Delhi-6.

(Transferor)

(2) M/s, Jindal Interprises c/o M/s. Wallaiti Ram Parkash Chand, Shop No. 98, New Grain Mandi, Sirhind Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectiv persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 98, situated at New Anaj Mandi, Sirhind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5507 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/270/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 5 kanal 2 marlas situated in Tripari Saldan, Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harinder Singh s/o Shri Harcharan Singh, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Kumar Bansal s/o Shri Ganda Ram, 1553, Purana Gadda Khana, Arya Samaj, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanal 2marlas situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5742 of February 1979, of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/271/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land measuring 2 kanals situated in Tripari Saidan, Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Harlader Singh, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patlala, (Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Bansal w/o Shri Subhash Kumar Bansal, r/o 1553, Purana Gadda Khana, Arya Samaj, Patiala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanal situated in Tripari Saldan,

(The property as mention in the Registration Deed Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/236/78-79,---Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 4 bighas Khata No. 7/14 (Khasra No. 1036/1), situated at Alipur Arain, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ranbir Singh, Sukhwant Singh s/o Shr. Karatar Singh, r/o Alipur Araiayan, Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Ghuna Ram & Sons, New Grain Market, Sirhind Road, Patiala (through Shri Wazir Chand Partner).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas situated at Village Alipur Arman, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5414 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. DBS/45/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 12 kanal 15 marlas situated in Village Lohgarh, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala, situated at Village Lohgarb, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Joginder Singh s/o Shri Narinder Singh and Special Attorney of S/Shri Suinder Singh, Mohinder Singh, Sukhinder Singh, Rajinder Singh, Jatinder Singh and Tejinder Singh s/o Shri Narinder Singh, r/o Village Dhakauli, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh Sethi s/o Shri Sant Singh, House No. 211, Sector 35-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanals 15 marlas situated in Village Lobgarh Sub-Tehsil Dera Bussi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 1021 of February, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. SRD/205/78-79.—Whereas, 1, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land measuring 5 bighas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Harmeet Singh s/o Shri Lachman Singh and Shri Pritpal Singh s/o Shri Harmeet Singh, Village Ajnali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala. (Transferors)
- (2) Shri Nachhatar Singh etc. s/o Shri Teja Singh, Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, ,shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 5 bighas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3453 of February, 1979 of the Registering Authority Sirhind).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

(1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Mitu, r/o Nabha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Amar Rice Mills, Nabha, through its partner Shri Amar Nath s/o Shri Moti Ram, Anaj Mandi, Nabha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. NBA/104/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 4 kanals 6 marlas, situated at Thuhi Road, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Nabha in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 6 marlas situated in Thuhi Road, Nabha.

The property as mentioned in the Registration Deed No. 2401 of February, 1979 of the Registering Officer, Nabha.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. NB $\Lambda/112/78-79$.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 40, measuring 277.7/9 sq. yds. situated at New Anaj Mandi, Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Des Raj s/o Shri Bali Ram, Mohalla Dozianwela, Nabha.

(Transferor)

(2) M/s. Kundan Lal Udho Ram, Commission Agents, through Shii Dharam Pal s/o Shri Kundan Lal, (Partner),

r/o Bhawanigarh Tehsil and Distt, Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40, situated in New Anaj Mandi, Nabha.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 2587 of February, 1979 of the Registering Officer, Nabha.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. AML/126/78-79,—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 7 bighas situated at Village Jasvan, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

37-336GT/79

- (1) Shri Baljit Singh s/o Shri Mastu, r/o Village Nasrali, Sub-Teh, Amloh, Distt, Patiala, (Transferor)
- (2) S/Shri Tara Singh, Labh Singh, Jaswant Singh ss/o Shri Amar Singh. r/o Kukar Majra, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala. (Transforee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas situated in Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1884 of February, 1979 of the Registering Officer, Amloh.)

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. AML/129/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 5 bighas 2 biswas, situated at Village Jassran, Sub-Teh, Amloh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely to

- (1) Shri Baljit Singh s/o Shri Mastu, r/o Village Nasrali, Sub-Tehsil Amloh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) S/Shri Tara Singh, Labh Singh, Jaswant Singh es/o Shri Amar Singh, r/o Village Kukkar Majra, Sub-Teb. Amloh, Distt. Patlala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas 2 biswas situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1946 of March, 1979 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. AML/130/78-79,—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 11 bighas 18 biswas, situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala, and more fully described in the scheduled annexed hereto, as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Netar Singh s/o Shri Mastu, r/o Village Nasrali, Sub-Tehsil Amloh, Distt. Paliala. (Transferors)
- (2) S/Shri Tara Singh, Labh Singh, Jaswant Singh ss/o Shri Amar Singh, r/o Village Kukkar Majra, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 bighas 18 biswas situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1947 of March, 1979 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/234/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/3rd share of house No. B-XX-13, measuring 331-2/3 Civil Lines sq. yards situated at Govt. College Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely ---

- (1) Smt. Balbir Kaur w/o Birpal Singh s/o Jagpal Singh, r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Sushila Devi w/o Shri Ved Parkash s/o Lala Jagan Nath. r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Jagdish Chander s/o Shri Jagan Nath, r/o B-XX-13, Govt. College Road, Civil Lines. Ludhiana.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exi NATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house B-XX-13, measuring 331-2/3, sq. vds. situated Govt. College Road Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4240 of February, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/224/79-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of house No. B-XX-13, measuring 331-2/3 sq. yards situated at Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt; Surjit Kaur w/o Amar Pal Singh, r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt, Ludhiana. (Transferce)
- (2) Shri Padam Kumar s/o Shri Jagan Nath, r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludhiana.
 (Transferees)

(3) Jagdish Chander s/o Jagan Nath, r/o B-XX-13, Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house No. B-XX-13, measuring 331-2/3, sq. yds. situated on Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 4217 of February 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/275/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/6 share of house property measuring 165-5/6 sq. yards situated at Govt, College Road, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Amarpal Singh, r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal s/o Lala Jagan Nath, 'r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludbiana.

(Transferse)

(3) Shri Jagdish Chander s/o Lala Jagan Nath, r/o B-XX-13, Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of House measuring 165.5/6 sq. yds. situated on Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as montioned in the Registration Deed No. 4561 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/7/79-80,—Whereas, I, R. K. MAI.HOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th share of H. No. B-XX-13, measuring 165-5/6 sq. yds. situated at Govt, College Road, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Birpal Singh, s/o Jagpal Singh, r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt, Ludhiana.
- (2) Shri Harbans Lal s/o Jagan Nath, s/o Lala Hargopal, r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludhiana. (Transferee)
- (3) Shri Jagdish Chander S/o Shri Jagan Nath, r/o B-VI-120 Madhopuri, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of house No. B-XX-13, measuring 165-5/6 sq. yds. situated on Govt. College Road, Civil Line, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 70 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/217/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated in Taraf Karabara, Gurdev Nagar,

Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Smt. Gurcharan Kaur d/o Shri Tibrubhuvan Singh-r/o Village Hussainpura, Teh. Ludhiana (Transferor)

(2) Smt. Satish Bala w/o Shri Sukhdev Singh, r/o Village Jassował, Teh. Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measure 522 sq. yds. situated in Taraf Karabara Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 4168 of February, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date 11-10-1979 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/218/78-79. -Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated in Taraf Korabara, Gurdev Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiama in February, 1979

for an apparent consideration which is less—than—the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax 'under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—336 GI/79

(1) Shri Jagvinder Singh s/o Shri Tirbhuvan Singh, r/o Village Hussainpura, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani wifo Shri Harnak Modgill, r/o Village Jussawal, Tch. Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 528 sq. yds. situated in Taraf Karabara Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registration deed No. 4169 of February, 1979 of the Registering Authority Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 11-10-1979 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. KLU/6/78-79. -- Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 2,5000/- and bearing

No. Land measuring 9 bighas 2 biswas 10 biswasi with three storeyed building situated at Thawa Kothi Nagar, Kulu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulu in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :-

- (1) Shri Sant Paul s/o Shri Swami Dayəl alias Karam Chand. Thawa Kothi Nagar, Teh, and Distt. Kulu. (Transferor)
- (2) Smt. Indira Kumari, Mrs. Usha Sarup ds/o Shii Katyayan, c/o Hiranya Gardha Kutbai, Kutbai Nagar Fstate P.O. Nagar, Kulu (H.P.). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 2 biswas 10 biswansi with three storeyed building situated in Kothi Nagar, Teh, and Distt, Kulu.

The property as mentioned in the registration deed No. 240 of February, 1979 of the Registering Officer, Kulu.

> R, K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No PTA/249/79-79.—Whereas, J, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 3 kanals 13 marlas situated Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Pebruary, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjit Singh Grewal s/o Shri Hardev Singh Grewal, Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Inder Mal s/o Shri Partapa Mal, Shri Avtar Singh s/o Shri Dalip Singh, r/o Patiala.

·

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3 kanals 13 morlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5566 of February 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/246/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 bighas, situated at Village Alipur Raian, Teh. Petiala

(and more fully described in the Schedule anexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) (1) Shri Gulzar Singh s/o Shri Pritam Singh,
 (2) Shri Dildar Singh s/o Shri Pritam Singh,
 (3) Smt. Swinder Kaur w'o Shri Ajitpal Singh,
 (4) Shri Pritam Singh s/o Shri Isher Singh,
 (5) Shri Ranvijay Singh s/o Shri Ajitpal Singh,
 (6) Smt. Tejpal Kaur w/o Shri Brinderpal Singh,
 r/o Village Alipur Raian, Teh Patiela. (Transferors)
- (2) (1) Smt. Kirpal Kaur w/o Shri Raj Krishan s /o Sardha Ram,
 - (2) Shri Rajinder Kumar s/o Shri Raj Krishan, s/o Shri Sardha Ram.
 - (3) Smt. Ram Murti w/o Shri Sham Lal, r/o Godowos building. Alipur Raian, Patiala. Tehsil

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas situated in Village Alipur Raian, Tehsil Patiala.

The property as mentioned in the registration No. 5537 of February, 1979 of the Registering C Patiala).

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-10-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. CHD/300/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/ad bearing

No. Residential plot No. 2169, Sector 15-C, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss Shanti Cameron d o Shri D. Cameron, through Attorney Smt. Mebellelal, H. No. 41, Sector 9, Chandigath.

(Transferor)

(2) Dr. Ranjit Rai Choudhry, H. No. 78, Sector 24-A, Chandigath,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereIn as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2169, Sector 15-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registering deed No. 983 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiona

Date: 12-10-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. AML/113/78-79 —Whereos, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Shop situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said and a large state of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Sher Singh, Hardey Singh ss/o Sewa Singh, r/o Mandi Gobingarh S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Amar Chend, c/o M/s. Amar Chand Aggarwal & Sons, Amloh. (Transferce)
- (3) M/s. The Amloh Aggarwal Stores, Loha Bazar, Mandi Gobindgarh. [Person in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh, S. Tell. Amloh,

(The property as mentioned in the registering deed No. 1769 of February, 1979 of the Registering Officer, Amloh).

R, K, MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDINIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. DBS/33/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 29 bighas 13 biswas situated at Village Kishanpura, Teh. Rajpura Distt. Patiola

Rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Narajan Singh s/o Shri Hazara Singh (self) and General Attorney of Shri Sarup Singh s/o Shri Hazara Singh,
 r/o Kishanpura, Teh. Rajpura (Patiala).

(Transferor)

(2) S/Shri Karnail Singh, Dilbagh Singh, Sawinder Singh, Baldev Singh ss/o Shri Hornam Singh, r/o H. No. 3746, Sector 22-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 bighas 13 biswas situated at Kishanpura, Sub-Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

.(The property as mentioned in the registering deed No. 1058 of February, 1979 of the Registering Officer, Dera Bassi.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/233 78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4 share in land and kothi, situated at Sanaur Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dinesh Kumar s/o Shri Dev Bharat, r/o Sanaur Road, Patiala,

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh Kohli s/o Shri Sardar Singh Kohli, c/o New Suraj Transport, Safabadi Gate, Patiala.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertumay be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give that Chapter.

THE SCHEDULE

3 share in land and kothi situated on Sanaur Road,

(The property as mentioned in the registering deed No. 5354 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiama

Date: 12-10-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. CHD/301/78-79.—Whereas. J. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

hereinafter referred to as the 'said Act'),

eve reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 118, Street R, Sec. 15-A, Chandigarh (New No. 53, Sector 15-A) situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigath in February, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—336 GI/79

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Sunder Singh, r/o H. No. 19-A. T.M. Road, Calcutta,

(Transferor)

(2) Shri Nar Singh dev Kaushal s/o Shri Dewat Ram Kaushal, 1/0 H. No. 295, Sector, 15-A, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 118. Street Q, Sector 15-A, Chandigarh (New No. 53, Sector 15-A, Chandigarh).

The property as mentioned in the registration deed No. 984 of February, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-10-1979

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Maharani Dali_D Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh Petiala General Attorney of S. Som Raj Singh s/o Shri-Prithvi Raj Singh of Patiala.

(Transferor)

(2) S. Gurdev Singh s/o Shri Gurdial Singh, 23-B, Model Town, Fatiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. DTA/226/78-79.—Whereas, I, R, K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricutural land measuring 16 kanals situated at Village Galhori Teh, and Distt., Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properl may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter VXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 kanals situated in Village Galhori Teh, and Distt. Patiala.

The property as mentioned in the registration deed No. 5319 of February, 1979 of the Registering Officer Patiala.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhisha

Date: 12-10-1979

rulm ITNs ——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/227/78-79.—Whereas. I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 15 Kanals 14 marlas situated in Village Galhori Teh. and Distt. Patiala

(and more fully described in the 5 haddle annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rani Dalip Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh of Patiala General Attorney of S. Som Raj Singh 1/o Shri Prithvi Raj Singh of Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Grewal s/o Shri Gurdial Singh, r/o 23-B, Model Town, Patiala.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 14 marlas situated in Village Galhori Teh. and Distt. Patiala.

The property as mentioned in the registration deed No. 5320 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-10-1979

(1) Shri Raghuraj Prasad.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Trilok Singh.

(3) Above transfer.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th September 1979

Ref. No. 19-T/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. two storeyed house 134/229 situated at Mohalla Durvijai Singh Lucknow,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 5-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propertumay be made in writing to the undersigned—

[Person in occupation of the property].

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house property No. 134/229 situate at Mohalla Durvijaiganj/Bashiratgani, Lucknow, and all the description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1174 of 1979 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow on 5-2-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-9-1979.

Scal

FORM ITNS----

(1) Jitendra Kumar Mukerji; 2. Km. Nirmala Mukherji; & 3. Km. Prabha Mukerjee

(Transferor)

(2) Shri Ram Chandra Varma.

(3) Above sellers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. LUCKNOW

Lucknow, the 20th September 1979

Ref. No. 137-R/ Δcq , --Whereas I. A. S. BISEN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/6, J. L. Nehru Road, situated at Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 24-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(Person in occupation of the property). (4) Above sellers.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land which is part of Bunglow No. 4/6. Jawahar Lal Nehru Road, Allahabad admeasuring about 558 Sqm. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 817 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar Allahabad on 24-2-1979.

> A. S. BISEN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 20-9-1979

(1) M/s Salokani Hotels (P) 1.2d, 329, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK Rohtak, the 19th April 1979

Ref. No. KLK/5/78-79.---Whereas, I. RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 31 Bigha 3 Biswa situated at village Judila Teh-Kalka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kalka in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Abhey Ram s/o Shri Piare Lal, C/o M/s Salokam Hotels (P) Ltd., 329, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expt NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Bigha 3 Biswa at Village Judila and as described in Sale Dead Registration No. 858 dated 26-2-1979 and registered in the office of the registering authority, Kalka.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 24-10-1979

FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Prem Datt Shakhir
 S/o Shri Malik Nand Lal
 1168, Sector, 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Hemant Kumar Kokcha S/O Dr. Har Narain 17/62 Than Singh Nagar, Anand Parvat, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 1st June 1979

Ref. No. GRG/30/78-79.—Whereas I. RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. House No. 107-R situated at New Colony, Gurgaon. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

may be made in writing to the undersigned...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 107-R situated at new colony, Gurgaon and as more fully described in sale deed Registration No. 3957 dated 23-2-1979 and registered in the office of the Registering Authority, Gurgaon.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Robtak.

Now therefore, in numbers of Section 269C of the said Act, I harely initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--

Date: 1-6-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd October 1979

Ref. No. KLK/7/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 162/7, measuring 420 sq. metres,

situated at Panchkula

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer

at Kalka in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hardev Kaur Sandhu w/o Shri J. S. Sandhu (ii) Sh. Amardeep Sandhu s/o Shri J. S. Sandhu Residents of House No. 3356/15-D, Chandigarh.

(Transferor

(2) Cap, Gurdial Singh Sandhu s/o Shri Attar Singh Sandhu, R/o House No. 3356/15-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 162/7 situated at Panchkula and as mentioned more in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Kalka at No. 816 dated 14-2-1979.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 3-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1979

Ref. No. BWN/5/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-2 portion of property No. 412 situated at M. C. Circular Road, Bhiwani

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhiwani in February, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40-336611/79

 Shri Swatantar Kumar Gupta 5/0 Shri Jugal Kishore, through attorney, Shri Bharat Lal Gupta 5/0 Shri Jugal Kishore Gupta, R/0 House No. 903, Asha Deep, 9 Haily Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhagirath Mal 2. Shri Pawan Kumar c/o M/s Bhagirath Mal Pawan Kumar, Bichla Bazar, Bhiwanl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion B-2 of Property No. 412 situated on M. C. Circular Road, Bhiwani (near Hansi Gate, Bhiwani) and as mentioned more in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Bhiwani at No. 2352 dated 9-2-1979.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Date 10-10-1979. Seál:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Taquiddin Hyder,
 s/o Shaik Mahaboob,
 H. No. 16-8-932/1 ut Mallakpet,
 Hyderabad.

 Sri Y. Mallikarjuna Prasad, r/o Challapally, House, at Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 27th September 1979

Ref. No. RAC. No. 249/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Port 6-3-1111, situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House of M. No. 6-3-1111 together with land area 2670 Sq. yds. situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 708/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 250/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6-3-672, situated at Panja gutta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Sri S. Nizamuddin Ahmed-
 - 2. Miss Sania Ahmed,
 - 3. Miss Salma Ahmed, both are minors guardianship of their father Sri S. Nizamuddin Ahmed, H. No. 6-3-248/3/A-4 at Kakatiyanagar, Hyderabad.

(Transferor)

Dr. Gazanfer Hussain,
 Dr. Amina,
 H. No. 11-5-297 at Red Hills,
 Hydcrabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 6-3-672 at Panjagutta, Hyderabad, registercd vide Document No. 1130/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 251/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land in, situated at 3-2-1/1 to 3, Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. K. M. Chatterjee, s/o T. Rungaiah, H. No. 5-9-22/42 flat No. 10 at Adarshanagar, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Satish Kumar Agarwal,
 (Partner in M/s Kumar Bros. Co.,)
 H. No. 3-4-829/1 at Barkatpura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 786 Sq. yds. of premises of 3-2/Open land admeasuring 786 Sq. yds. of premises No. 3-2-1/1, and 3-2-1/1/1 to 3 at Kachiguda Station Road, Hyderabad, registered vide Document No. 1138/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 252/79-80.--Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to b lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 8-2-674 2/B

situated at Road No. 13 Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) 1. Smt. Y. Vanajakshi, 2. Smt. R. Radhiku,

 - 3. Kum. Praveena,
 - 4. Mr. Pramod, 5. Master Pankaj,
 - all residing at 5-8-342 at Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. L. Jaya Prada Reddy, H. No. 3-6-235 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 8-2-674/2/B at Road No. 13 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 414/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 253/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 7 and 8 situated at 6-3-1111, Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairtabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Y. Mullikarjuna Prasad, r/o Chellapally House, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor) \(\)

(2) Sri Mohd. Zabardust Khan, Mrs. Qaderunnisa, at 5-9-160 Public Garden Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Nos. 7 and 8 in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, admeasuring 800 Sq. yds. registered vide Doc. No. 500/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 254/79-80.—Whereas I, K. K. VEER Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

have reason to belive that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18

situated at Begumpet, Hyderabad

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairtubad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad, at Chellapally House, Begumpet, Hydertibad.

(Transferor)

 Dr. P. Suryanarayana Raju, H. No. 1-2-217/1 at Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18 admeasuring 415 Sq. yds in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 536/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad, at Chellapally House, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sarwarunnisa, H. No. 5-4-86 at M. G. Road, Secunderobad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabud, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 255/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 5 X 4

situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures late.;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 and 5 admeasuring 988 Sq. yds. premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 673/79 office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 256/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands in S. Nos. 292, 293, 308, 309, 289/8, 303 to 306, situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

108) in the office of the Registering Officer at airtabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

41 -336GI/79

- (1) 1. Sri G. Haranadha Rao, 2. Smt. G. Rani,
 - Smt. G. Rani,

 - 3. Smt. V. Srihari, 4. Smt. G. Devaki,
 - Smt. K. Manikyamma,
 Smt. V. Kalpana,
 12-2-716 at Berban, Hyderabad,

(Transferor)

(2) The A.G's Office Co-operative Housing Society Ltd. its Secretary, at A.G's office, Saifabad, Hyderubad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in survey Nos. 292, 293, 308, 309, 289/8, 303 to 306 admeasuring 16.10 Acres situated at Guddimalkapur, Hyderabad, registered vide Doc. No. 704/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtubad.

K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 257/79-80.—Whereas I, K. K. VFER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1-10-77, situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Smt. J. Kumudini Devi,
 Sri J. Ramdeve Rao,
 both residing at H. No. 1-10-77 at Begumpet,
 Secunderabad.

(Transferors)

 Mahilya Dhyan Peeth, its Secretary, Miss. Saroj Pande, H. No. 1-8-702/19 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing M. No. 1-10-77 with land measuring 11597 Sq. Mts, situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 458/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

(1) Shri J. Ramdave Rao, H. No. 1-10-77 at Begumpet,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) Mahila Dhyan Vidya Peeth, its Secretary, Miss, Saroj Pande, H. No. 1-8-702/19 at Nallakunta, Hyderubad.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 258/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-10-76, situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at cunderabad on February, 1979

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Adjoining property No. 1-10-76 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 458/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VFFR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

Seal:

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 259/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16, situated at 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad, ut Chellapally House, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

Smt. Zuinath Khatoon,
 w/o Nawab Khaleel,
 H. No. 5-9-160 at Public Garden Road,
 Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert \overline{v} may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16 admeasuring 610 Sq. yds. in the premises No. 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 697/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 260/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 4 in, situated 6-1-85 Saifabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khiartabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rani Shankaramma, w/o late B. V. Pratap Reddy, H. No. 6-1-85 at Saifabad, Hyderabad.

(Transfero1)

(2) Sri P. Krishna Chowdary,
 s/o Appaiah,
 H. No. I.J. 39 Irrammanzil, Colony,
 Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as nre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4 in M. No. 6-1-85 admeasuring 500 Sq. Yds situated at Saifabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 337/79 in the office of the Sub-Registrar, Khalrtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydertibad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 261/79-80,—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. XVI-8-9-10-11,

situated at 1/4th share at Adoni, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adom on February, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dharmi Bai w/o Maganlal, r/o Madhavaram Road, Adoni, Kurnool-Dist.

(Transferor)

(2) 1. Sri B. Hussain Sab.

 B. Mahboob Sab,
 B. Khaja Hussain Sab, all residing at S.K.D. Advani Colony, Adony, Kurnool Dist.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of Ginning factory M. No. XVI-8-9-10, 11 situated at Vengalapuraru survey No. 126A, Adoni, Kurnool Distt. registered vide Doc. No. 250/79 in the office of the Sub-Registrar, Adoni.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

(1) Sri Bhoormal,

s/o Maganlal, r/o Madhavaram Road, Adoni.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri B. Hussain Saheb, s/o Hajab Saheb, r/o Srikrishna Devarainagar, Adoni.

(Transferces)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 262/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ginning Factory, situated at Adoni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Ginning Factory m. No. XVI-8-9-10-11 at Vengalkepuram Survey No. 126A Adoni, Kurnool-Dist. registered vide Doc. No. 251/79 in the office of the Sub-Registrar Adoni.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

(1) Shri Mittalal s/o Maganlal, Veerchand Advani r/o Madavaram Road, Adoni.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri B. Mahaboob Saheb, r/o Sri Krishna Dewarayanagar, Adonl.

(Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 10th October 1979

HYDERABAD

Ref. No. RAC. No. 263/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4th share in, situated at Ginning Factory Adoni, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Ginning Factory, M. No. XVI-8-9-10-11 at Vengalapuram, Adoni, registered vide Doc. No. 252/79 in the office of the Sub-Registrar, Adoni.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

 Sri Chandra Kumar, s/o Maganlalveer, r/o Madhawaram Road, Adoni.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. Khaja Hussain, S.K.D. Colony, Adoni.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 264/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/4th share in, situated at Ginning Factory, Adoni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—336GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Ginning Factory in M. No. XVI-8-9-10-11 at Vengalapurum, Adoni, Kurnool-Dist, registered vide Doc. No. 253/79 in the office of the Sub-Registrar, Adoni.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 265/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing No.

Port-5-9-94,

situated at Chapal Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Rayana Pratap,
 H. No. 5-9-92 at Chapal Road,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Ved Prakash, at Bogulkunta, Hyderabad (Present Address 5-9-94 at Chapal Road, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion of house M. No. 5-9-94, situated at Chapal Road, Hyderabad registered vide Doc. No. 1251/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 266/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-315/317.

situated at Bazar Ghat, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Khairtabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Siraj N. Peer Mohammed,

 Zia Peer Mohammed,
 Smt. Noshina Raza, w/o Mohd Raza, all residing at 11-5-397 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

Sri Doulat Khan,
 8/0 Aziz Ahmed Khan,
 H. No. 15-8-513 at Doulat Mansion,
 Begumbazar, Hyderabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Zia Talkies" including Buildings, furniture, and Electrical fittings, and open land, situated at Bazar Ghat, Hyderabad, registered vide Doc. No. 424/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VLER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri B. V. Pratap Reddy, s/o Srinivas Reddy, 6-1-85 at Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri A. Venkateshwarlu, H. No. 3-6-361/6 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 267/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 1,

situated at 6-1-85 Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Khairtabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of block No. 1, in M. No. 6-1-85 admeasuring 400 Sq. Yds, situated at Saifabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 338/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 268/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 8, situated at 22-7-269/8, Dewan Devdi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura, Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Shaw Builders, 22-7-269/3 at Dewan Devdi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Halcema Bee,
 w/o Gaffar Bhai,
 H. No. 22-7-439 at Purani Haveli,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 in the premises No. 22-7-269/8, situated at Dewan Devdi, Hyderabad, registered vide Doc. No. 381/79 in the office of the Sub-Registrar, Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 269/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-22/42/5, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydertabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Bharathi Rao, 8-2-350/5A at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Dhimant Desai & Co., 3-6-369/A/5 Street No. 1 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 1st floor bearing M. No. 5-9-22/42/5 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 809/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VFER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 270/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-22/42/6, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Jitender Rao, 8-2-350/5A at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Susheela Harilal Shah, H. No. 5-9-22/42/6, 1st floor, Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat and a garage on the 1st floor bearing M. No. 5-9-42/6 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 667/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition 'Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 271/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot 3-2-1/1,

situated at Kachiguda, St. Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri S. Ravindranath,
 S. Ramakoteswara Rao,
 Business, r/o Vijayawada-4.

(Transferor)

(2) Shri Jaikumar Agarwal, s/o Shri Kaliram Agarwal, P/r in M/s Kumar Bros, & Co., 3-4-829/1 at Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot 500 Sq. yds. bearing M. No. 3-2-1/1, 3-2-1/1/1 to 3, situated at Kachiguda Station Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1139/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October, 1979

Ref. No. RAC. No. 272/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and learing No. 4-1-938/R16-17,

situated at Krishna Complex, Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—336GI/79

- M/s Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.
 - Sri Raikumar s/o Sri Kedarnath, 3-2-350 Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. T. Vijayalakshmi, w/o T. Janardhan, 7-1-67/13 at Amccrpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall H. No. 4-1-938/R-16 and R-17 in premises No. 4-1-938/R to 20 at Krishna Complex, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 643/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 273/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Shop No. 17-RC, situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domaulguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Hari Kishan Soni, H. No. 14-2-332/1 at Gyan Bagh Colony, Hyderabad-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop premises No. R. C. 17 Cellar floor Sagarview Building, at Domaulguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1210/79 in the office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th October 1979

Ref. No. RAC. No. 274/79-80.—Whereas J, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that (he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. RC-16,

situated at Sagar View Building, Domalguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Swastik Builders,
 1-2-524/3 at Sagar View Building,
 Domalguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Harikishan Soni, Advocate, 14-2-332/1 at Gyan Bagh, Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop premises No. RC-16, Cellar Floor in Sagar view Building, Domulguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1209/79 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 275/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open side, situated at Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mohd. Shahbuddin, H. No. 1-2-482 Domalguda, Hyderabad,

(Transferor)

 M/s Sugar Constructions, 14-C Sagar view Building, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open site 350 Sq. Yds. with old structures, at 1-2-510 to 1-2-523 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 776/79 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 276/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lands in.

S. No. 755, 756, situated at Uppal Kulan, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad-East on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. Vivekananda Rao,
 H. No. 6-1-69/4/4 at Saifabad,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Govt. of India Employees Cooperative House Society, Ltd., its Secretary Sri V. Ramaswamy, Scientist, C.C.M.B. Regional Research Lab., Tarnaka, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 755 and 756, situsted at Uppal Kalan, Hyderabad, total area 3 Acres 32 Guntas, registered vide Doc. No. 1908/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East,

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-10-1979

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 277/79-80. Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Lands in S. No. 116

situated at Tokata Village, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Dr. M. Chenna Reddy,
 - Sri M. Ravinder Reddy,
 Sri M. Shashidhar Reddy,
 all residing a Bathkammakunta,
 Secunderabad.

(Transferors)

(2) Bharat Heavy Electricals Power Projects Division Employees Cooperative Housing Society Ltd., at Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 13 Acres 30 Guntas in survey No. 116 at Thokata village, Secunderabad, registered vide Doc. No. 365/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VÉER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 278/79-80,--Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

16/371, 16/379, situated at Fort Road, Warangal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Warangal on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :---

- (1) 1. "Pingle Industries Pvt. Ltd. Company, Represented by its Directors: Sei Pingle Vijayapal Reddy, R/o Waddeptelly, Warangal-Tq,
 - Warangal-Dist. Sri P. Jagdish Reddy, s/o Sri P. Madhusudan Reddy, R/o Begumpet, Hyderabad.
- (2) M/s Sri Laxmi Vilas Rice & Oil Mills, Fort Road Warangal, its partners and represented by the Managing partner, S/Sri Cherukuru Jaya Ramarao, 1. Cherukuru Jaya Rama Rao,

R/o Manthena, Gannavarum-Tq, Krishna Dist.

2. Potluri Satyakumar, r/o Seridentakurru, Gudivada-Tq, Krishna-Dist.

3. Potluri China Babu,

 Poturi China Baoti,
 r/o Scridentakurru,
 Guddivada-Tq.,
 Krishna Dist.
 Kanneganti Vijayalaxmi,
 w/o Yashodhara Rao,
 r/o Kuchipudi Village Tenali-Tq, Guntur-Dist.

Boppana Bhaskaramba, w/o Sri Boppana Seshagiri Rao, r/o Fort Road, Warrangal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice and Oil Mills, situated at Fort Road, Warrangal, Survey Nos. 2025 and 2026 within the premises Nos. 16/371 to 16/379, registered vide Document No. 382/79 in the office of the Sub-Registrar, Warrangal.

K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 11-10-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 279/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11-1-84 to 117 situated at Sitafalmandi Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopalakrishna Datar, H.No. 5-1-864 at Sultan Bazar Hyderabad.

(Transferor)

 S. Dharmtaiah, H. No. 11-J-84 to 117 at Sitafalmandi, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M.No. 11-1-84 to 117 situated at Sitafalmandi, Secunderabad, registered vide Doc. No. 813/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC.No. 280/79-80.—Whereas, I, K. K: VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

10-3-806 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in February, 1979

for an apparent consideration which i_3 less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

44—336GI/79

 Sri G. Rayapu Reddy, S/o Showri Reddy, Hyderabad. (Transferor)

2. Sri G. Chinnapu Reddy, S/o Rayapu Reddy, R/o Narasaraopet, Tg., Guntur-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 10-3-806 (247/2RT) situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 342/79 in the office of the Sub-Registrar Khalrtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 281/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11 situated at S.No. 32/1 Somajiguda, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad in February, 1979

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce fur the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Jitender Raj, as Receiver appointed by the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh, H.No. 6-3-1238, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

 M/s Interfood Pvt. Ltd., Industrial Estate Uppal, Hyderabad.
 Dhanalakshmi Co-operative Housing Society Ltd., Cubical No. 16, Indoor stadium, Faten Maidan, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11 admeasuring 934 Sq. Yds. situated in S. No. 32/1 out of premises No. 6-3-1238 at Raj Bhavan Road, Somajiguda. Hyderabad, registered vide Doc. No. 478/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 282/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 12, situated at S. No. 32/1 Somajiguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has 1 of been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Jitender Raj, in the Capacity of a Receiver appointed by the Hon'ble High Court of A.P. 6-3-1238 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Bimala Devi Sikaria, W/o R. A. Sikaria, 1-2-412/2B Gaganmahal Road, Hyderabad.
 Dhanalakshmi Co-operative Housing Society

 Dhanalakshmi Co-operative Housing Society Ltd., Cubical No. 16 Indoor Stadium, Fatch Maidan, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 admeasuring 1166 Sq. Yds. situated in S. No. 32/1 out of premises No. 6-3-1238, at Raj Bhavan Road. Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 413/79 in the office of the Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 283/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot of land, situated at P.G. Roud, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at H.No. 134 Prenderghast Road, Secunderabed.

(Transferor)

Sri Vikas P. Deshpande, 2-4-83/1 Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 838 Sq. Yds. back side of Bungalow M.No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Document No. 303/79 in the office of the Sub-registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 1284/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open plot of land 882 Sq. Yds, situated at P.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 8) in the Office of the Registering Officer at underabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. B. Chenoy, all three residing at H.No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Sri B. Nalini Kant, 5-2-309 Hyder Bastl, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 882 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 304/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 285/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land situated at 134-P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at 134 Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferor)
- Sri P. Deepak, 62/A at M. G. Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proportion may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the action of the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 834.33 Sq. Yds. in the premises of H. No. 134 Prenderghast Road, Secunderabud, registered vide Doc. No. 397/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 286/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Plot of land situated at in 134-P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 508) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- S/Sri R. H. Chenoy,
 J. H. Chenoy,
 M. Chenoy,
 All residing at 134-Prenderghast Road, Secunderabad.
 (Transferor)
- Smt. Anguri Devi Agarwal, 46-Krishna Nagar Colony Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 326 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 298/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- S/Sri J. H. Chenoy, 2. R. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at 134-Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferor)
- Sri T. Srinivasulu & Nethi Rangiah, H.No. 5-2-363 at Hyderbasti. Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 287/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land, situated at in 134-Prenderghast Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration tend that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the puroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Against the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 574 Sq. Yds. in the premises No. 134 at Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 299/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 288/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land, situated at in 134-Prenderghast Road, Secunderabad

situated at Ashoka Piller Road, II Block, Jayanagar, Banga-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—336GI[79]

1. S/Shri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3 E. H. Chenoy, all residing at H. No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Sri Himanshu Raj Parikh, 1-1-530 at Golconda Cross Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 332 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road Secunderabad, registered vide Doc. No. 300/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 289/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot of land, situated at 134-Pernderghast Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at H. No. 134-Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

Smt. Nirmal Vishinduss, H. No. 7112/35 at Kalasigudu, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land 257 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 301/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at 134-Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferor)

 Smt. Najama Aziz, 250/B, Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 290/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land, situated at 134-P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in the premises No. 134 at Prenderghast Road, Secunderabad, measuring 278 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 302/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 301/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land, situated at S. No. 200 to 203 Macharam-Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Sri Syed Azam, 2-2-22 at Ameberpet, Hyderabad, (Transferor)
- M/s. Ramakrishna Cine studios, at Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey Nos. 200 to 203, 197/1, 198, 199, 204, 206/1, 206/2 total area 7 Acrs, 29 Guntas, situated at Nacharam, Village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1109/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 302/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land in S.No. 67 situated at Peerjadiguda Hyderabad-E. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. P. N. Vijayalakshmi Devi, 1-294 at Tarnaka, Secunderabad-17.

(Transferor)

 Smt. M. Ravindera Reddy, 2. Sri M. Shashidhar Reddy, S/o of Dr. M. Chenna Reddy, R/o Ternaka, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 67 situated at Peerjadiguda, village, Hyderabad-E. total area 7 Acrs 35 Guntas, registered vide Doc. No. 1203/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

1. Sri T. Ramaiah Chowdary, R/o Tarnaka, Scc-bad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri Gadde Surya Venkata Satyanarayana, 2. Gadde Veera Venkata Satyanageswara Rao, R/o Manepally Villg. Rajgole-Tq, East Godavari-Dist. (Present residing at Begumpet, Hyderabad). (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 303/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having α fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land in situated at S. No. 64, 63 Peerzadiguda, Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 6 Acrs in s.No. 64 and 63 at Peerzadiguda Village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 1204/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

 Sri T. Ramaiah Chowdary, R/o Tarnaka, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

Smt. Kameswari, V. W/o V. R. K. Paramahamsa, R/o Himayatngar, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 304/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Land S.No. 63 situated at Peersadiguda Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 5 Acrs in survey No. 63 situated at Peersadiguda Village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 1205/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

Seni:

9740

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 305/79-80,---Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands in S. No. situated at 61 at Peerzadiguda, Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Fcb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

- 1. Sri T. Ramaiah Chowdary, R/o Tarnaka, Hyderabad. (Transferor)
- 2. Smt. M. Savithri Devi, W/o Dr. M. Channa Reddy, R/o Rarnaka, Secunderabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 4 Acrs, in survey No. 61 situated at peerzadiguda, village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 1266/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER, Competent Authority, Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

FORM ITNS-

 Sri B. Padmanabha Rao, 496 at Hardikarbagh, Hyderabad-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 2. Mrs. S. Nalini Devi, 1-84 at Tarnaka, Secunderabad, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 306/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 1-80 situated at Habsiguda, Grampanchyat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-East on February, 1979

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-69 at Habsiguda, Gram Panchayat, survey No. 19/B measuring 677.25 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2011/79 in the office of the Sub-Registrar East, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—46—336°GI/79

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref No. RAC. No. 307/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-262/263, situated at S.P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Yadgar Fariddoon Sohrabji Chenoy, 26-Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mydam Kishan Rao, 10-2-262/263 at East Maredpally Secunderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2790 Sq. Mets. in premises No. 10-2-262/263 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 251/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) Sri Rama Rao Macherla, H. No. 6-3-1218/6 at Begumpet, Secunderabad (Transferor)

(2) M/s National Lodge, Opposite Secunderabad Rail-

way Station, Secunderabad.

may be made in writing to te undersigned-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 308/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9-4-44, 44/1, 44/2 situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ransferor o pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) my any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 5601, (New No. 9-4-44, 44/1, and 44/2) Opposit to Secunderabad Railway Station, Secunderabad, registered vide Doc. No. 311/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 309/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-8-153/1 situated at P. G. Road, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri J. Vikram Dev Rao, H. No. 1-10-77 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Rekha Yennu, H. No. 1-5-127 at Kandozi Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern half house M. No. 1-8-153/1 on plot of No. 142/A admeasuring 306 Sq. Mets situated at Prenderghast Road, Secunderabad, registered Doc. No. 452/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979

Soal:

(1) Shri Minocheher H. Chenoy, H. No. 1-7-264 S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Emerald Builders, C/o Smt. Sharda, partner, C/o Totaram Sagarlai, & Sons, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICI UNDSR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC, No. 310/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value acceding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-7-264, situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Seunderabad on February 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 1-7-264 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 327/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979

(Transferors)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME: TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gobind Ram, H. No. 7-1-394/1., Maruthi

134 Prenderghast Road, Secunderabad.

(1) Shri R. H. Chenoy. 2. Shri J. H. Chenoy, 3. Shri E. H. Chenoy,

Street, Secunderabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. 291/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Open Plot situated at P'Chast Road, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said properties may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land measuring 337 Sq. Yards on the back side of Bangalow at 134 Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 305/79, in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

> K, K. VEER Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. 292/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Open Plot situated at P' Ghast Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

- Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regiscring Officer
- at Secunderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. S/Shri R. H. Chenoy.

2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy.

134, Prenderghst Road, Secunderabad.

(Transferors)

(2) Shri Satyanarayana Agarwal, 46, Krishna Nagar Colony, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 330 Sq. yards on the back side of Bangalow No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad.

Registered Vide Doc. No. 306/79, in the office of the Sub Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· -----

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 293/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot situated at P Ghast Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri R. H. Chenoy,
2. Shri J. H. Chenoy
3. Shri E. H. Chenoy
134. Prenderghast Road, Secunderabad.

(2) Smt. R. Sudha, 5-2-2361, Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferces)

(Transferors)

Objections if any, to the question of the said property manbe made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 581 Sq. Yards on the back side of Bungalow No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 336/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri R. H. Chenoy. 2. Shri J. H. Chenoy. 3 Shri E. H. Chenoy. 134, Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pradecp Bhai Gaglani, 5-2-361, Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 294/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Open Plot situated at P' ghast Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—47—336G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 486.8 Sq. metres on the back side of Bungalow No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 337/79, in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 295/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Open Plot situated at P' ghast Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri R. H. Chenoy. 2. Shri J. H. Cehnoy 3. Shri E. H. Chenoy

134, Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla D. Shah, Lalji Meghji Compound, Zeera, Secunderabad.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land on the back side of Bungalow at 134, Prenderghast Road, Secunderabad, Registered Vide Doc. No. 338/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD,

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 296/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot situated at P' ghest Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri H. Chenoy.
 2. J. H. Chenoy.
 3. E. H. Chenoy.
 134, Prenderghast Road, Secunderabad.
 (Transferor)
- Shri D. J. Parikh,
 Paigah Apartments
 Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land on the back side of bungalow at No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 340/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD,

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 297/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port Agri. Land situated at Thokatta Hyderabad Urban, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri S. Eshwar Reddy, R/O S. No. 157/7 (Part) Thokatta (Newt Sikh Vil) Secunderabad Contonment.

(Transferor)

(2) The Raghava Coop. House Building Society Ltd., T.A.B. No. 68. By its President Shri G. N. Bal Reddy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One acre of agricultural Land bearing a portion of S. No 157/7 Thokatta Hyderabad Urban Taluk, (Sec.bad Conton ment).

Registered Vide Doc. No. 384/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabal,

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD,

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 298/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 603 situated at S. D. Road, Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is 1688 than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Raja Ram Karan.
 M/s. Uma Karan & Tej Karan, 8-2-547, Banjara.
 Hills, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Mis. Dunga Ramnathan & Mr. R. Nagraj Flat No. 603, Kala Mansion, S. D. Road, Secunderabad 500003, Λ.Ρ.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, Kala Mansion, S. D. Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 388/79 in office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

Scal;

(1) Shri B. Rajamouli, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Y. Ambama, Maruthy Veedhi, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 299/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Mudgi No. 63 situated at S. D. Road, Secunderabad. (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mugi No. 63 (Ground Floor) 30 Sq. Yards at S. D. Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 433/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD,

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 300/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 8 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Smt. Pritam Kaur, W/o Shri Ujagar Singh Opp. Bata, R. P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri S. Yousuf Mohiuddin Khadri S/o Shri Mir Khadri, H. No. 97, Marredpally, Sccunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land Plot No. 8, 355 Sq. Yards. At 43, S. D. Road, Secunderabad, Registered Vide Doc. No. 300/-79-80 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad,

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

் ஆக்கு காக காகும் இது இருக்கு காகும் காகும்

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 311/79-80.—Whereas I, K. K. VFER, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. Kalappa, H. No. 3-5-872 at Hyderguda, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Smt. Reva Rekhra & others, R/o Begumpet, Hyderabad-26. (Trunsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 680 Sq. Lds. situated at Begumpet. Hyderabad registered vide Doc. No. 242/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Renge,
Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 312/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land S. No. 145 situated at & 162 at Maklkarjgiri, pd more fully described in the Schedule annexed hereto), is been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108), in the office of the Registering Officer

Hyderabad on February 1979

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-48-336GI/79

(1) S/Shri I. Manda Laxmaiah,

- Manda Pedda Maljah,
- Manda Chinna Malliah,
- 4. Maada Naisimha,
- 5. M. Shankariah, 6 M. Sreeramuloo,
- 7. Gotla Rajaiah, all residing at Malkajgiri-Villg. Urban-Tq. Hyderabad. Dist.

(Transferors)

(2) Smt. Kamalamma W/o Pulla Reddy, R/o Neredmet (Hamlet) Malkajgiri Village, Hyderabad. Dist. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette a period of 30 days from the service ď notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 145 and 162 situated at Malkajgiri village, Urban Tq, Hyderabad. Dist. 3 Acrs 30 guntas, registered vide Doc. No. 705/79-80 registered in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD.

Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. 313/1979-80.--Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl lands situated at Achavelli Village Medchal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Lalloo Naran S/o Naran Patel

(2) Mrs Mani Ben W/o Lallo Naran

(3) Manubhai L. Naran (4) Naran Govind Patel, 102. Marredpally, Secunderabad.

(Transferors)

(1) Mrs. Najma Sheh.

(2) Paryez Shah C/o B. D. SHAH (3) Munnawar Shab. S/o B. D. Shah,

1-10-72/10 Begumpet, Hyd. A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sat Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands S.No. 313-B. 7 Ac. 16. gs. S.No. 313-A. 7 Ac. 15. gs. Situated at Achavelli -,,-. 312 5 " 23 Village, Medical. -,,-. 313/1 1 ,, 00 Total 21 ,, 14

Registered vide Doc. No. 306/79, in the office of the Sub Registrar Medchal.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. RAC.No. 314/79.80.—Whereas, J, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant land

situatetd at Marredpally, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in resect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the suld Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yadgar Fariddoon Sohrabji Chenoy, 26-Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Ampro Charity Trust, Osmanshahi Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 6593 Sq metres in premises bearing No. 10-2-262/263 Marredpally, Secunderabad, Registered vide Doc. No. 360/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date: 17-10-1979.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Y. S. Ravinderanath Reddy, R/o Pulivendla

(1) Smt. A. Ammannamma, W/o Sri A. Ranga Reddy, H. No. 16/1600 at Rammurthynagar, Nellore.

(Transferor)

Cuddapah—Dist. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC.No. 315/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 1-1-69 situated at Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Ecb. 79

for an apparent consideration which je. less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the si Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 1-1-69 situated at Bakaram, Musheerabad, admeasuring 800 Sq. Yds. Hyderabad, registered vide Doc. No. 689/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

(1) Smt. A. Bharatireddy, W/o Sri Gopalakrishna Reddy, 16/1600 at Ramamurthinagar, Nellore. (Transferor)

. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC, No. 316.79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-1-69 Port situated at Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, Ι and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(2) Sti Y. S. Vivekananda Reddy, R/o Pulivendla Cuddapah-Dist. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of premises No. 1-1-68 situated at Bakaram, Musheerabad, Hyderabad, measuring 736 Sq. Yds. registered vide. Doc. No. 688/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-10-1979.

 Shri A. Gopala Krishna Reddy, Kapu Street, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. RAC. No. 317/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-1-61 to 67 situated at Bakaram Musheerabad, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such, transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :--

(2) Shri Y. Rajesekhar Reddy, 23-C(i) S.R. Palli Station Road Cuddapah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land and dilapidated structures in premises No. 1-1-61 to 1-1-67, (805 Sq. Metres at Charminar Cross Road, Bakaram, Hyd., Registered vide Doc-No. 687/79 in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date: 17-10-1979.

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. RAC, No. 318/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at S. No. 9/1/I Saroonagar, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Feb. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons. namely:—

(1) Smt. Aziz Fatcema, H. No. 22-1-320 at Aziz Bagh, Sultanpura, Hyderabad.

(Transferor)

 A.P.S.F.B. Employees Co-operative Housing Society its Secretary Sri K. Gungadhar, R/o Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 9/1/I situated at Saroonagar village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1458/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East Total Area 6 Acres.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-10-1979.

FORM ITNS...

(1) Sri Premji Lalji, S/o Lalji Meghji, Panjagutta, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Santoshlal, S/o Shri Mathadin 3-4-856/1, Begumpet Road, Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 319/79.80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to belive

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 1 (mpl. No. 6,3.674/1) situated at Begumpet Road, Paniagutta, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabud in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 bearing Mpl No. 6-3-674/1 admeasuring 1000 Sq Yds. Situated at Begumpet Road, Panjagutta, Hyderabad., Registered Vide Doc. No. 779/79 in the office of the Sub Registrar Hyderabad. A.P.

K. K. VEFR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date: 18-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-STONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 320/79-80.—Whereas, I, K, K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Humayunagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on February 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

49-336GI/79

(1) Smt. Saikumari, H. No. 10-5-64/12/2 at Steramnagar Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Qumar Husaini Ansari, H. No. 10-5-576 Red Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 927,34 Sq. Mets. situated at Humayunagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 583/79 in the office of the Sub-Registrar Khair abad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date: 18-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC.No. 321/79.80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

12-2-713 situated at Nanelnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on February 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Renuka Rao, Plot No. 37, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)

(2) S/Shri 1. Gajanand Gupta. 2. Nandkishore Goel. 3. Vijaykumar Goel. 4. Nirmalkumar Gupta H. No. 12-2-713 Nanalnagar, Hyderabad. A.P. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12-2-713 with open land appurtenant thereto, at Nanalnagar, Hyderabad, Registered Vide Doc. No. 1174/79., in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date: 18-10-1979

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 322/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part 8-2-695/697 at Banjara Hills Road No. 12, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on Feb 79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Mani Dara Chenai, 8-2-696/697 Road, No. 12 Banjara Hills, Hyderabad. (C/o Murthy & Co., C.A. at Basheerbagh, Hyd).

(Transferor)

(2) Sri Dodia Sesha Reddy, & others, R/o Ramamurthy-nagar, Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building M. No. 8-2-696, 697 at Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad, registered vide Doc. No. 419/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 18-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 323/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-696/697 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the twir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Sai dAct, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mani Dara Chenai, H. No. 8-2-696/697 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad. (Murty & Co., C.A., Basheerbagh, Hyderabad.)

 (Transferor)
- (2) Sri D. Chenchurami Reddy, & others, 8-2-696/697 at Banjara Hills Road No. 12, Hyderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing M. No. 8-2-696 and 697 at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 420/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 18-10-1979

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Rcf. No. RAC No. 324/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-4-760/1 situated at Barkatpura, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad, in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narotham Nensi S/o. Shri Nensi, Flat No. 141-142. Valabh Appartments Warden Road, Bombay.

(Transferor)

 (2) Shri Khimiji Nensi S/o Nensi Smt. Shanti W/o Shri Khimiji.,
 H. No. 3-4-760/1., Barkatpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-4-760/1. Barkatpura, Hyderabad admeasuring 997 Sq. Yards, Registered vide Doc. No. 893/79 in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 325/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-8-580 situated at Azamabad Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bankatlal Agarwal S/o Sri Mirzamalji Shri Radhakishan Agarwal S/o Bankatlal Agarwal, 1-8-580, Azamabad, Hyderabad.
 (Transferor)

(2) M/s. Agarwal Industries, Represented by Shri Anisudh Pershad, 1-8-526 Azamabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing No. 1-8-580 at Azamabad, Hyderabad admeasuring 2638 Sq. Mtrs., Registered Vide Doc. No. 934/79, in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

(1) Dr. K. Hanmanth Rao, H. No. 3-5-1141, Ramkote, Hyderabad. A.P. (Transferor)

(2) 1. Shri Harlal Pawar,

2. Rataulal Pawar.

3. Bajranglal.

4. Dr. Bheemraj Pawar.

5. Poonamchand pawar,

6. Srinivas pawar.
7. Smt. Bali Bai Pawar.
H. No. 4-2-323, Moti Singh Galli, 8-chatarbaj pawar.
Sultan Bazar, Hyderabad. A.P.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 326/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3,3,44 & 45 Premises situated at Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing Nos 3-3-44 and 3-3-45 Kachiguda, Hyderabad. admeasuring 1959 Sq. Yards., Registered Vide Doc. No. 1046/79 in the office of the Sub Registrar Hyderabad, A.P.

> K. K. VEER, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD,

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 327/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

No. Portn. 1-1-385 situated at Bakaram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Symala Industries Corporation (P) Ltd., Through its Managing Director, Shri K. Appa Rao, 1-1-385, Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri P. Gopaldas S/o Shri Tikamdas., H.No. 1-1-385/4A, Gandhinagar, Bakaram Hyderabad, A.P.
 (Tronsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of premises No. 1-1-385 At Bakaram, Hyderabad A. P. admeasuring 620 Sq.-Yards., Registered Vide Doc. No. 1993/79 in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderaba

Date: 18-10-1979.

Seal;

(1) Shri Y. Nagendra Rao, 3-6-758, 13th Street, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 328/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-6-758 situated at Himayatnagar Hyderabad.

(and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—50—336 GI/79

Smt. A. Satyamma, W/o Sr. Purshotham Rao,
 Smt. A. Swrnamala, W/o Sri Dayanand Rao,
 Smt. A. Premala, W/o Madhusudhan,
 A. Venkateswara Rao, all residing at
 H. No. 3-6-758 13th Street, Himayatngar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-6-758 at 13th Street, Himayatnagar, Hyderabad, measuring 956 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1090/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad,

Date: 18-10 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC 329/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8-2-700 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February 1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Mohsin Bind Mohd., 10-2-6, Makhtar Manzil, A.C. Guards, Hyd. (ii) Sultanunnisa Begum, 10-2-6, Makhtar Manzil, A.C. Guards, Hyd. (iii) Omer Bin Mohammed, by G.P.A., Mohd. Riasat Ali Khan, 20-5-258/1 Quasipura Hyd.
- (2) Smt. D. Sukanya Kamalakar, w/o D. Kamalakar Reddy H.No. 8-2-700, Banjara hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being premises No. 8-2-700 situated at road No. 12, Banjara hills, Hyderabad registered through document No. 394 of 1979 at S.R.O., Khairatabad, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

(1) Smt. Mariam Begum, W/o late Moulavi Syed. H.No. 3-6-433 at Himayatngar, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dayalal S. Bhada S/o Sri Shamji Bhada, 3-6-433 sy at Himayatngar, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. 330/79-80.-K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port. 3-6-433 situated at Himayatnagar Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 3-6-433 at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1180/79 in the office of the Jt. Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC No. 331/79-80—Whereas I, K. K. VEER. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port, 3-6-433 situated a Hiamayatnagar Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mariam Begunm. H. No. 3-6-433 Himayat-nagar Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Navinchandra Shanji Bhada, H.No. 3-6-433 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the house M. No. 3-6-433 at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1179/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

(1) Sri Haji Mohd. Basheeruddin, H. No. 1-1-299 at Ashoknagar, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Aktarunnisa Rafat, Sultana, W/o Sri Tahwar Ali, H. No. 41-123612'1 at King Koti Road, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 332/79-80 -- Whereas I, K, K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-1236/21 situated at King Koti, R. Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 5 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 4-1-1236/2/1 at King Koti Road, Hyderabad, measuring 186 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 882/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 333/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the band Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-8-81. Premises.

situated at Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Commercial Contract Corporation, 20-4-1183, Lad Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) T. Radha Devi W/o Shri T. Nageswara Rao, 12-2-458/10 Mahdipatnam, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing No. 5-8-81, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad., Registered Vide Doc. No. 676/79. in the offic of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad,

Date: 18-10-1979.

FORM JTNS----

 Shri B. V. Suresh, S/o Shri Raghvender Rao H. No. 5-8-52., Nampally Station Road, Hyderabad, A.P.

('Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. V. R. Iyengar, Retired Govt. Servant H. No. 3.4,759/2 Survodaya Building, Barkatpura, Hyderabad. Λ.Ρ.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC No. 334/79-80.—Whereas I, K. K. VFER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that theirmmovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

o. 3-4-759/2 first floor flat situated at Barkatpura, Hyd. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on February, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor flat bearing No. 3-4-759/2 Barkatpura, Hyderabad. Admeasuring 146 Sq. Yards., Registered Vide Doc. No. 633/79 in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Aef. No. RAC. No. 335/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4-3-51 open plot No. 5&66 to 72. Raghunath Bagh, Sultan Bazar, Hyd.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vidya Gowri Mehta. W/o Shri Moolchand Mehta II. No. 5-1-896/14, Pulli Bawli, Opp Osmania Medical College, Hyderabad, A.P. ('Transferor)
- (2) Ramila Ben Sanghavi W, o Shri Arvinde Bhai Sanghavi, H. No. 4-1-10, Tilak Road, Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properties may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 5 in the premises No. 4-3-51 and 66 to 72 Situated at Raghunath Bagh, Sultan Bazar, Hyderabad, Admeasuring 382 Sq. Yards., Registered Vide Doc. No. 647/79 in the office the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD,

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC No. 336/79-80.—Wherens I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-117 & situated at 4-1-117/1 at Kareemnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karemnagar, on February 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—336GI/79

- Smt. Badarunnisa W/o Hameed Hussian,
 25-Eadibarazar, Kumarwdi, Hyderabad.
 Atya Talat W/o Syed Shah Noorulhuq House hold. Chatta Bazar, Hyderabad. (H. No. 22-8-582),
 (Transferor)
- Shri Ranga Rao S/o Shri Venkat subbaiah, R/o of Karimnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oificial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Houses bearing Nos 4-1-117 and 4-1-117/1, Samaram Mohalla, Karimnagar. admeasuring 860 Sq. Metres., Registered Vide Doc. No. 589/78 in the office of the Sub Registrar, Karimnagar.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range.
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 337/79-780.--Whereas, I, K. K. VEFR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1.4.101, situated at Gowliguda St. Banswada Dist. N. Bad, Bad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Banswada on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) U. Gangappa, R/o Ibrahimpet, Vilg. Nizamabad. 2. Naganath Rao, R/o Birkur-Villg. Banswada, Tq, NZB.
 - 3. Bheem Shastry, R/o Banswada-Tq. Nizamabad.
 - 4. D. Ramulu,
 - 5. B. Ramikishan,
 - 6. B. Hanumandlu, both R/o Gandivate, Yellaredy, Tq. NZB.
 - 7. N. Ratnakumar, -do-
 - 8. Ramchander, R/o Manwath, Post. Manwath.
 - 9. R. Kinga Reddy, R/o Banswada,
 - 10. Suryanarayana,
 - 11. J. Sunder Ramaiah,
 - 12. T. Gangaram, all residing at Banswada.

(Transferor)

- (2) 1. M/s N. Premela Bai, W/o N. Rajaian, R/o Banswada.

 - 2. K. S. Narender Nath
 3. K. Vidya Sagar, all resing at Banswada-town, Nizamabad, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

NATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Sri Raja Rajeshwari Talkies, "Building No. 1-4-101 mea-uring 17558 Sq. Fts. situated at 1st ward 4th Block Gowliguda St. Banswada town, Nizamabad-Dist. registered vide Doc. No. 206/79 in the office of the Sub-Registrar Banswada.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 18-10-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 338/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding <a href="https://example.com/s.com/

No. Rice Mill situated at Yella Reddy, Nizamabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yellareddy, on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 289D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Nagulamma Girmaiah, SIo Gundaiah, R/o Banswada, Nizamabad, Dist,
 Nagulagama Balrajaiah, S/o Venkaiah, R/o Banswada, Nizamabad, Dist.

 (Transferor)
- (2) Sri G. Ramlingam S/o Rajaiah, Represented for M/s Vijay Mills, H No. 2-5-81 at yellareddy, Nizamabad, Dist.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building bearing M. No. 2-5-81 Known as "M/s Sri Venkateshwara Rice Mill, at yellareddy, Nizamebad, Dist. registered vide Doc. No. 209/79 in the office of the Sub-Registrar Yellareddy.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-10-1979.

9784

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1340/79-80.—Whereas, I K. K. ROY,

being the Compe ent Authority under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 - and bearing

No. House situated at Raipur,

(and more fully described in 'he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 21st February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Dosabhai, S/o Meharbanji, Khambhata, Bhatapara, Distt. Raipur,

(Transferor)

(2) Smt. Rajnish Sagar, W/o Sardor Sagar Singh, Near Sahu Saw Mill, Pandri Tarai, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with open land situated at Pandri Tarai, Distt. Raipur.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/1341/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ...Jabalpur on 7th February 1979,

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kalawati, W/o late Shri Rajgopal Yadav, House No. 1189, Madan Mahal, Jabalpur,

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh Kopoor, S/o Late Shri Kartar Singh, 855, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double-storeyed building bearing House No. 855/C-1 to C-4, Madan Mahal Ward No. 30, Jabalpur (Part of Khasra No. 73, Plot No. 5/2 measuring 3250 sft.).

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopat

Date: 3-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1342/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jabalpur,

situated at Nanjappa road, Bangalore (Dn. No. 62)
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 4th May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chunnilal, S/o Shri Shivji Shah, Napier Town, Jabalpur through Shri Bhawanji Shah, S/o Shri Rauji Shah, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) S. R. M. Foundation of India, Shankaracharya Nagar, Rishikesh, through Shri Anand Prakash Shr. Postav, S/o Shri J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Beohar Bagh, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land at Village Mangeli N.B. No. 666, P.H. No. 44 measuring 13.860 hectare Tehsin & Distt, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhoral, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1343/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Mangeli, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 4th May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Chandrakant, S/o Shri Shamji Shah, through Shri Bhawanji Shah, S/o Rauji Shah, Napied Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Sanstha S.R.M. Foundation of India, Shankara-charya Nagar, Rishikesh, through Shri Anand Prakash Shrivastava, S/o J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Rechar Bagh, Jabalpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land N.B. 666, P.H. No. 44 situated at village Mangeli, Teh. & Distt. Jabalpur Rakba 7.823 hectare.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979.

FORM ITNS-~ --

 Shri Bhawanji Shah So Shri Rauji Shah, Napier Town, Jabalpur.

(2) Sanstha S.R.M. Foundation of India, Shankaracharya Nagar, Rishikesh, through Secretary, Anand Prakash Shrivastava, S/o Shri J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Bechar Bagh, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1344/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

No. Land situated at Mangeli, Jobalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4th May 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Rakba 8.143 Hectares N.B. No. 666, P.H. No. 44, situated at Village Mangeli, Teh. & Distt. Jabalpur.

K. K. ROY.
Competen Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979.

FORM ITNS----

(1) Shri Gulabchand, S/o Shri Bhawanii Shah, 281, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)

(2) Sanatha S.R.M. Foundation of India, Shankara-charya Nagar, Rishikesh through Secretary Amand Prakash Shrivastava, S/o Shri J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Napier Town, Jabalpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1345/79-80.--Whereas, I, K. K. ROY. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Land situated at Mangeli, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4th May 1979.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

52-336GI/79

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 45.07 acres N.B. No. 666, P.H. No. 44 situated at Vill. Mangeli, Teh. & Distt. Jabalpur.

K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1346/79-80.—Whereas, I, K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Bldg. & land situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Indore on 21st February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mrs. Kamladevi Gosalia, Rajkot;

2. Shri Gunvantlal R. Parikh, 66, Jaora Compound, Indore:

 Shri Girdharilal Sharma, Bozanquet Market, Indore.

(Transferor)

(2) F. S. Kerr & Co., Pvt. Ltd., 127 M.G. Rd. Bombay and Choudhary Industrial Investment (MP) Pvt. Ltd., A.B. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. known as 'Sudaeshan Kirpa, bearing No. 12/2, Ravindranath Tagore Murg, Indore, with open land area 25298 sft.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1347/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing No. Plot situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devendrakumar, S/o Lalaram Prasadrai Sud and Dr. Dayakishan Sud, S/o Mushtakrai Sud, 4, Pratap Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Ishwaribai, W/o Dayaldasji & Smt. Bhagwani Bai, W/o Shri Chandji, 161, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot area 9300 sft. No. 3-4A, Pratap Nagar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u>.</u>

(1) Smt. Manoharkunwar, W/o Thakur Saheb Mahendrasingh, Vill. Sarwan, Distt. Ratlam.

(Transferor)

 Shri Vijendrakumar, S/o Shri Sundersingh Jain, Tripoliya Darwaja, Ratlam.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1348/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24th March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 14,887.50 sft. on State High-way No. 31, Nemuch-Mhow Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 3-10-1979,

 Smt. Rani Sharma, W/o Omprakash Sharma Prem Nagar Colony Road, Gwalior.

Smi. Poonam, W/o Ghanshyamdas Kukreja, 65, Prem Nagar Colony, Gwalior.

(Transferor)

Kukreja and

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1349/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated at Gwalior, .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 20th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Shri Ghanshyamdas S/o Gopichand

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house on Rakba 2960 Sq. ft. at 65, Premnagar Colony, Gwellor.

K. K. ROY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Ravikumar, S/o Wardhmanii Dajaria, Rambag, Rituvan, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar, S/o Surajmalji Mehta, 17, Rambag Rituvan, Ratlam.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1350/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ratlam,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 16th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storcyed house on Rakba 5005 sft. at 17, Rambag, 'Rituvan' Ratlam.

K, K, ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1351/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at ndore on 6th February 1979,

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D, of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Haripriya, W/o V. K. Pandit, Bharti Bhawan, 79, S. B. Road, Khar, Bombay through Shri Girdharilal, S/o Dalchand Shorma, Basant Niwas, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Mangilal 20, Santha Bazar, Indore at present at 8/8, New Palasia (IIC), Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 814 on Rakba 4210 sft. at II-C, 8/8, New Palasia, Indore.

> K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1352/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12th February 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhanwarlalji S/o Baldeoji Dagdi, 50, Radha Nagar Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Ramlal S/o Firandmalji Mcghani, 117, Jairampur, Indore.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed pacca house on Rakba 2600 sft. at Plot No. 105, Gopal Bag Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-10-1979.

: له.د

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACOUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1353/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 14th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—336GI/79

(1) S/Shri 1. Mumtaj Hussain, S/o Jawwar Hussain and 2. Ahmad Ali, S/o Kurban Hussain, Aliganj, Bhopal.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Pradeep Kumar, 2. Sanjay Kumar 3. Jitendrakumar and 4. Sanjeev Kumar, S/o Jawabarlal Shahu, through guardian Smt. Saraswatidevi (Mother), Barkhedi, Ward No. 25, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house on Rakba 1024 sft. at Ward No. 25, Barkhedi, Bajariya, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-10-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

tor of Economic and Statistics Directorate, Bhopal. (Transferor)

(1) Shri Vithal S/o Tundiraj Jaolikar, Retd. Jt. Direc-

(2) Shrl Jagat Prakash, S/o Punjabilal Jain, Executive Engineer, Irrigation, 93/67, 1250 Quarters, Bhopal.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1354/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and Plot situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 21st February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 117 with a constructed house on Rakba 4000 sft. at E-5 Sector, Shahpura, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-10-1979

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) Shri Basantilal, S/o Phoolchandji Manawat 14
Land Colony, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Smt. Ramkunwarbai, W/o Rampalji Baheti, 3,

Pipali Bazar, Indore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1355/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Indore on 27th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) my any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four storeyed house on Rakba 618 aft. at 206, M.G. Marg (Gorakund), Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1356/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. Agrl. land situated at Kalyanpur, Teh. Hazur,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21st February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- .(1) Shri Saiyad Hasan Ali, S/o Ibrahim, Peergate, Bhopal.
 - (Transferor)
- (2) 1. Smt. Khemabai, Wd/o Baldeosingh;

S/Shri Mayaram, 3. Mohanlal,

4. Mannulal, sons of Shri Baldeosingh;

5. Bhawarlal (Minor), S/o Mannulal;
6. Deepchand, S/o Mohanlal,
7. Smt. Jankibai, W/o Khachera and
8. Shri Kamalsingh, S/o Mohanlal, Kotra Sultanabad, Bhopad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Kh. No. 31/2, 36, 37, 38, 60 and 237/31, total Rakba 50 acre 72 dec. at Kalyanpur, Teh. Hazur.

K. K. ROY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1357/79-80.—Whereas, J, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land and House situated at Bilaspur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 6th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. Chaudhari Ram Chimanlal, Khaparganj, Bilaspur through partners 1. Anand 2. Ashok Kumar, S/o Chimanlal 3. Smt. Sabhrawa Devi, Wd/o late Chimanlal; 4. Shri Mukeshkumar, S/o Ramsharan Das Panjabi.

(Transferor)

(2) Ms. Shri Kishan Subashchand & Co., Torwa, Bilaspur through partner Shri Subhashchand Agrawal, S/o Shri Kishanji, Torwa, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 0.129 hectare Halka No. 109, Plot No. 5 with constructed godown and two rooms on it, situated at Sarkanda, Bilaspur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1358/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 8th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Snst. Belwant Kaur, W/o late Sardar Budh Singh, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Godbole, S/o Shri Sitaram Balkrishna Godbole, West Niwadganj Ward, Jabalpur. (Tranaferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house bearing No. 237/A-2 on part of plot No. 897 situated at Subhash Nagar, Jebalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-10-1979.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1359/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 8th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Balwant Kaur, Wo Late Sardar Budh Singh, Napier Town, Jabalpur.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Meen Devi Rai, W/o Shri K. R. Rai, 738 Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three-storeyed house on Plot No. 897 bearing House No. 237/A-4 situated at Subhash Nagar, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1360/79-80.--Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 8th February 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taχ Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Balwant Kaur, W/o late Sardar Budh Singh, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Malti Mala Pathiya, D/o Shri Valaprasadji Pethiya, Saikheda, Tah. Gadarwara, Distt., Narsingpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three-storeyed house No. 237/A-1 on part of plot No. 897 situated at Subhash Nagar, Distt. Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-10-1979.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/79-80/1361.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House (Part) situated at Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujiain on 12-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
54—336GI/79

(1) Shri Bharat Kumar and Girish Kumar s/o Shti Hirabhai and Smt. Lalita Bai w/o Shri Hirabhai r/o Surat (Gujarat).

(Transferors)

(2) Shri Prakash Chand s/o Shri Rajmal Jian, r/o 173 Laxmibai Nagar, Ujjain. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 1/936, Khirwadkar Marg, Ujjain.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/79-80/1362,—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House (Part) situated at Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 12-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Bharat Kumar, Girish Kumar s/o Shri Hirabhai and Smt. Lalita Bai w/o Shri Hirabhai r/o Surat (Gujarat).

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kumar s/o Shri Babulal Jain r/o Daulatganj, Ujioin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 1/936, Khirwadkar Marg, Ujjain.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 18-10-1979.

(1) Shri Bharat Kumar, Girish Kumar s/o Hirabhal and Smt. Lalita Bai w/o Shri Hirabhai r/o Suraj (Guiarat).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoj Kumar s/o Shri Babulal Jain r/o Madhav Nagar, Ujjain.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Bhopal, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1363.---Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Ujjain,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 12-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- bias (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 1/936, Khirwardkar, Marg, Ujjain.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 18-10-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. 896.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Duggirala, Guntur Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Duggirala on 3-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shrimati Nimmtagadda Padmavathi, w/o
 - Hanumantha Rao (ii) Shri Nimmagadda Sudhakar,
 - (iii) Shri Nimmagadda Kumar, sons of Shri Hanumantha Rao
 - (iv) Nimmagadua Sailaja, d/o Shri Hanumantha, Rao, Vijayawada.

(Transferor)

 Shri Kumhampati Nageswara Rao, s/o Sambaiah, Duggirala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 61/79 registered before the S.R.O. Duggirala on 3-2-1979.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C)
Kakinada

Date: 6-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File 904.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

(Lind) situated at Mungada, East Godavari District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambajipeta on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Bachu Venkatanarayanamurthy, s/o Mallayya, Uccbili, Kothapeta, Tq.

(Transferors)

(2) Sri Kumpatla Veeravenkata Satyanarayana, S/o Subbarao, Munjavaram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 237 dated 27-2-79 registered before the S.R.O. Ambajipeta.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I/c, Kakinada

Date: 7-8-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File No. 905.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.— situated at Mungada, Kothapeta Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambajipeta on 24-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the sald Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Batchu Venkatanarayanamurthy, s/o Mallayya, Uchili, Kothapeta Tq.

(Transferor)

(2) Sri Kumpatla Naga Prasada Rao, s/o Subba Rao, Munjavaram East Godavarl District,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properture may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 235 dated 24-2-1979 registered before the S.R.O. Ambajlpeta.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I/c, Kakinada

Date: 7-8-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st August 1979

Ref. No. Acq. File No. 911.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Revenu Ward No. 8,

situated at Gandhinagar, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada on 9-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

- (1) Sh. Vemuri Sundara Lakshmi Narasimha Rao, Advocate; 3-6-547/211, Himayatnagar, Hyderabad-27. (Transferor)
- (2) M/s Annapurna Fnterprises, By Managing Partner Sri Veeramachaneni Venkatanatnam, 5-4-730 Station Road, Nampally, Hyderabad-500001.
 (Transferee)

 M/s. Bezwada Medical Stores, Besant Rond, Gundhinagar, Vijayawada.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 759 registered before the S.R.O. Vijayawada on 9-2-1979.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 31-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 912.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49-11-4A Situated at Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 24-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(i) Sri P. Jagadiswara Ramprasad,
 (ii) Sri P. Sudhakar,
 New Colony, Visakhapatnam.

(Transferors)

 Smt. Vankayala Bangaruthalli, w/o Ramaswamy Gupta, D. No. 49-11-4A, Lalithanagar, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 790/79 dated 24-2-1979 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-9-1979

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 913.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as te said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49-11-4A, situated at Lalithanagaram, Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Visakhapatnam on during February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---55--336GT/79

(1) (i) Sri P. Jagadiswara Ramprasad (ii) Sri P. Sudhakar, New Colony, Visakhapatram.

(Transferor)

(2) (i) Vankayala Appa Aao, (ii) V. Venkatrao, (iii) V. Narayanamurthy, sons of Ramaswamy Gupta(Lalithanagaram, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 917/79 dated February 1979 registered before the S.R.O. Visakhapatnum.

> K. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-9-1979

(1) Dr. D. V. Jaganadha Rao, Pithapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) (i) Smt. Muppana Satyavathi, s/o China Veerabhadra Ruo,

(ii) Sri Somaraju, Peddapuram, E.G. District.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 914.—Whereas, J. K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Ward No. 8, Pithapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 19-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 158/79 dated 19-2-1979 registered before the S.R.O. Pethapuram.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 915.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8, situated at Pithapuram,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pithapuram on 12-2-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri D. V. K. Surya Rao, Stuartpata, Pithapuram.

(Transferor)

(i) Smt. Muppana Satyuvathai,
 (ii) s/o China Veerabhadra Rao,
 Peddapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 149/79 dated 12-2-1979 registered before the S.R.O. Pethapuram.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 916.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Ward No. 5, situated at Pithapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithwouram on 8-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Damera Madhava Rao, s/o Sitaramaswamy, Stuartpeta, Pithapuram.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Muppana Satyavathi, (ii) Sri Muppana Somaraju, Peddapuram.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said prperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 148/79 dated 7-2-1979 registered before the S.R.O. Pethapuram.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-9-1979

FORM ITNS...

 S1i D. V. Rama Rao, Gaganmahal Colony, Domalaguda, Hyderabad-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Muppana Satyavathi, Sri Muppana Somaraju, Peddapuram.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ΚΑΚΙΝΛDΛ

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 917.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 5, situated at Pithapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 3-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or.
 a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 93/79 dated 3-2-1979 registered before the S.R.O. Pithapuram.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 922.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/121, situated at Chirala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chirala on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Panchagnala Krishnamurthy, s/o Srikrishnaiah, Prop. Gajanana Automobiles, Trunk Road, Ongola.

(Transferor)

(2) Smt. Chidella Mahalaxmammur, w/o Shri Nagendrudu, Cloth Merchant, Chirala, Prakasam Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 271/79 dated February 1979 registered before the S.R.O. Cheerda.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-9-1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- 1) THE 27 CH AND THE PARTY - 1

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, ΚΛΚΙΝΛDA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 923.—Whereas I, K. SUBHA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-50-51 situated at Brodipet, 6th line, 14th Cross Road, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on during February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gogineni Chinnammayi, w/o G. V. Chowdhary, Chairman, A. P. Mining Corporation, 6-3-569 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferors)

 M. Krishna Rao, s/o Venkatasubbarao, Trustee, Bank Officers Education Trust, Guntur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 400/79 dated February, 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 924.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Eluru Road, Guntur

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Somu Laxmi Ramaratnam, w/o Ramakoteswara Rao, Kothaeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Julluri Pulla Rao, s/o Venkataratnam, Secretary, Guntur Ghee Merchants Chalivendra Sangam, Pata Guntur, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. $823\,/79$ dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

 Smt. Somu Laxmi Ramaratnam, w/o Ramakoteswara Rao, Kothapeta, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Juluri Danalaxmi, w/o Pulla Rao, Eluru Rotad, Pata Guntur, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 925.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Opp. Fish Market, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-336GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 822/79 dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 926.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.W. 8 situated at Municipal Ward No. 18, Besant Road, Vijayawada

situated at Municipal Ward No. 18, Besant Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 27-2-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Andhra Prabha Ltd. Pooranandam Street, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) (i) Chinta Venkarathnam, s/o Veeraiah, Kaleswara Rao Market, Vijayawada.
 - (ii) Πapurapu Venkaiah,8/0 Ramaiah,Rundalpeta, Vijayawada.
 - (iii) Devisetty Venkata Durgo Prasad, s/o Narayana Rao, Punnamathota, Vijayawada-10.
 - (iv) Taduru Bala Gowd, s/o Bala Gowd, Himbyatnagar, Hyderabad.
 - (v) Bunta Bimlroy, s/o Balaiah, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1152/79 dated 27-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 927.—Whereas I, K. SUBHA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-2-10/15,

situated at near Jammichettu Mogulrajpuram, Vijayawada (and more fully described in the scheduled annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Vijayawada on 19-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Srl Chagarlamudi Gandhi, s/o Punnaiah, Lakshmi Motor Stores, Prakasam Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Ulamanchilli Siva Panchaksharamma, w/o Late Lakshmaiah, Godavarru Village, Vijayawada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, ,shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1000/79 dated 19-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 928.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-2-10/15,

situated at near Jammichettu Mogulrajapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Sri Chagarlamudi Gandhi, s/o Punnalah, Lakshmi Motor Stores, Prakasam Road, Vijayawada.

(Transferor)

 Sri Edupuganti Navaraju Minor by Guardian mother Arunakumari, w/o Shri Sivamurthy, Advocate, Labbipeta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1038/79 dated 21-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 929.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 33-23-11,

situated at Krishnarao street, Kasturbaipet, Vijayawada-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Garapati Vijayakumar, s/o Venkaiah, Kasturibaipeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Posani Pattabhirama Rao, s/o Subba Rao, Krishna Rao Street, Mastanbaipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1055/79, dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Nungambakkam, Madras-34.

(1) Sri Tadikonda Venkata Sriramamurthy, 8, Kodambakkam High Road,

(Transferor)

(2) Yeduguri Sandinti George Reddy, Pulivendla Post, Cuddapah District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Rcf. No. 931.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Andhra Ratna Road, Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 993/79 dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 930.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-2-32,

situated at Andhra Ratna Road, Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Tadikonda Radhakrishna Rao,
 Kodambakkam High Road,
 Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri Bollareddy Kumar Koti Reddy, Ganapavaram, Mylavaram Sub district, Vijayawada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 992/79 dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawuda.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 932.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 29-30-4,

situated at Tobacco Barans Street, Suryaraopeta, Vijaya-wada-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 1-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely

 Smt. Srungavarapu Seshamamba, w/o Ramabrahmam, C/o Kohinoor Optical Store, Samarang Chouk, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Cherkuri Kusuma Kumari, w/o Raja Rao, 29-30-4, Tobacco Barans Street, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 507/79 dated 1-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 933.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at 31-9-34, Kakani Road, Maruthinagar Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Vijayawada on 19-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfet, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57---336GI/79

 Smt. Sripathi Padmavathi, w/o Sri Varaha Narosimba Rao. Chodavarapuvari Lane. Buckinghampeta, Viiavawada.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Kosaraju Vijayalakshmi w/o Ramachandra Rao.
 - (ii) Smt. Kosaraju Vani.
 w/o Subbas Chandra Bosc,
 Maruthinagar,
 Bagyalakshmi Industries, 31-9-34,
 Vijayawada.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1008/79 dated 19-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Sri Krishna Enterprises, D. No. 21. New Door No. 4, Conron Smith Road, Madras-600 086.

(Transferor)

(2) M/s Sudhakar Litho Printers, Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 934.-Whereas I, K. SUBBA RAO. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sambamurthy road and Andhra Ratna Road Junction, Vijavawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Vijayawada on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald, instrument of of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the document No. 488/79 dated February, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada,

> K. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ΚΛΚΙΝΑ**DA**

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 938.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Kaleswararao Road & Dasarivari street Junction, Vijayawadu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aioresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Polavarapu Varalakshmi, w/o Late Krishnamurthy, Punadipadu, Vijayawada Tq.

(Transferor)

(2) Dr. K. Vasumathi, w/o Dr. K. Pattabhiramaih, Ramachandrarao Road, Suryaraopeta, Vijayawada,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1143/79 dated 28-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 937.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.....situated at Kaleswara Rao Road and Dasarivari Street Junetion, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vijayawada on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) sacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Polavarapu Varalakshmi, w/o Late Krishnamurthy, Punadipadu, Vijayawada Tq.

(Transferor)

(2) Dr. Kamineni Pattabhiramaiah, s/o Suryanarayana, Ramachandrarao Road, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1089/79 dated 28-2-1979 registered before the S.R.O. Vijaytwada.

> K. SUBBA RAO Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 936.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 37-1-140

situated at Ward No. 5, Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ongole During February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under ...b-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

- (1) (i) Kunujula Venkateswara Reddy,
 - (ii) K. Venkata Reddy, Minors by (iii) K. Sreenivasulu Reddy, Guardian
 - (iv) K. Vijaya Bhaskarte Reddy Venkateswara Reddy,
 - (v) Smt. Rajyalaxmi, Bunder Road, Ongole.

(Transferors)

(2) Sri Sama Audisesha Rao, s/o Bhayanarayana, South Bazaar, Ongole.

(Transferee)

(3) M/s Chandrika Agencies, Cycle Dealers, Ongole.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 242/79 dated February, 1979 registered before the S.R.O. Ongole.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 935.—Whereas I, K. SUBBA being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No...... situated at Nelladripuram, Hamplet of Kaddiadda village, T.P. Gudem Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating ' the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) (i) Sci Penumarthi Viswanadham, s/o Ramanadham,
 - (ii) Duggina Venkataramanna. s/o Venkataramanna, Allampuram Post Tadepalligudem Tq. West Godavari District.

(Transferors)

(2) Shri Bolla Rambabu, s/o Sarveswara Rao, Kommugudem, T.P. Gudem Tq., West Godavari District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 543 dated 28-2-1979 registered before the S.R.O. Tadepalligudem.

K. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th October 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/I(21)/1014/78-79.--Whereas I, MISS ANJANT OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000%

No S-23 situated at Panchshila, Park New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of ~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Balwant Singh Nag R/o S. 23 Panchshile Park New Delhi.

(Transferor)

(2) K. D. Somaia Kurta Sh. K. D. Somaia Huf R/o 111/B Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 500 sq. yds. with building servant room & garage S 23 Panch Sheel-Park, N. w Delhi, more specifically described in the instrument of transfer registered on 5-2-79.

MISS ANJANI OZA Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 29-10-1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION MAY, 1980

New Delhi, the 24th November, 1979

No. F.8/5/79-E.I(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 4th May, 1980 for admission to the under mentioned courses:—

Name of the Course

Approximate No.

Indian Military Academy, Dehra Dun (70th Course commencing in January, 1981

120

[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C'

Certificate (Army Wing) holders]

Naval Academy, Cochin (Course commencing in January, 1981

60 (Incl. 20 for Naval Aviation)

Officers' Training School Madras (33rd course commencing in May, 1981)

160

Note I: NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination, but are otherwise ellipible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination to reach the Commission's office by 31st December, 1980.

"To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of applications in the Commission's Office."

Note II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination. (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc, for candidates ioining the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School, are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE: THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE OUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE OUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V

² CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedahad, Allahabad Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigath, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad Jainur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagnur Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

- A candidate must either be-
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (iii) a subject of Nepal, or
 - (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
 - (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and Fast African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

- (b) Age limits, sex and marital status:---
 - (i) For I.M.A. and Naval Academy: Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1959 and not later than 1st January, 1962 are only eligible.
 - (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd January 1958 and not later than 1st January 1962 are only eligible.
- NOTE: Date of births as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.
- (c) Educational Qualifications:—Degree of a recognised University or equivalent. Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—
 - (i) For admission to I.M.A. & Naval Academy-on or before the 31st December, 1980.
 - (ii) For admission to Officers' Training School-on or before 4th April, 1981.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

- Note I: Those candidates who have vet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatspever.
- NOTE II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be clicible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled
- Note III: Navel Sailors (including hove and artificer enprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applica-

tions from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee,
- 6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May 1980 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-10011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
 - (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
 - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

- 7. I.AST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE:—
 - (i) From candidates in India 21st January, 1980.
 - (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Takshadweep 4th February, 1980.
- 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.
- (A) By all candidates :-
 - (i) Fee of Rs 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/ Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad 58-336GI/79

- as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—examination fees" and the receipt attached with the application.
- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Three self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms, x 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes | Scheduled Tribes candidates :-

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe

- (C) By candidates claiming remission of fee :—
 - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
 - (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate—
 - (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
 - (i) Comp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranaya Project or of Relief Camps in various States

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in this district.
 OR
- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Sri Lanka: High Commission for India in Sri Lanka.
- (c) Repatriate from Burma:
 Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.
- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders competing for the vacancles reserved for them in the I.M.A.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing) examination.

- 9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
 - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination November, 1979 and is recommended for ad-

mission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of condidature for the Combined Defence Services Examination May, 1980 and refund of fee is received in the office of the Commission on or befor 15th October, 1980.

- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not turnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.
- 14. Original Certificate—Submission of.—Candidates who qualify for interview on the results of the written examina-

tion will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Commission soon after the declaration of the results of the written examination.

- 15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS,—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
 - N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the carliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS. A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP)(e)(ii) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters. AG's Branch RTG 6(SP)(e)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhl-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt-6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season)
- (c) Two pairs of white shirts and shorts
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks
- (e) Two pairs of trousers and shirts
- (f) Fountain Pen, Ink and pencils
- (g) Boot polish and white blanco
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in August/September, 1980 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December 1980/January 1981.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Oillcers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School. Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

'Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY:—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy, candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy.
- 22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Service Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baha Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto Combined Defence Services Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

R. S. AHLUWALIA, Deputy Secretary

APPENDIX I

(The scheme, standard syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises:-
 - (a) Written examination as shown in para 2 below:
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—
- (a) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
Compulsory	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1. English	2 Hours	100
General Knowledge .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

Optional: -Any one of the following

Subject	Subject			Code No.	Time allowed	Maximum Marks	
1				2	3	4	
Physics .				01	2 Hours	150	
Chemistry		,		02	2 Hours	150	
Mathematics				03	2 Hours	150	
Botany .				04	2 Hours	150	
Zoology .				05	2 Hours	150	
Geology				06	2 Hours	150	
Geography				07	2 Hours	150	
English Litera	ture			08	2 Hours	150	
Indian History	y			09	2 Hours	150	
General Econe	omics			10	2 Hours	150	
Political Scien	ce			11	2 Hours	150	
Sociology				12	2 Hours	150	
Psychology				13	2 Hours	150	

(d) For Admisstlon to Naval Academy:

(d) For Admissilo	n to Naval 2	Academy:	
Subject	Time allowed	Maxi- mum marks	
1	2	3	
Compulsory			
1. English	. 2 Hrs.	100	
 General Knowledge 	2 Hrs.	100	
Optional			
•3. Element Mathem or Eleme Physics	atics	100	
4. Mathem		100	
or Physic		150 *Candida ing Mathen	Elementary

(c) For Admission to Officers Training School

Subject		Time allowed	Maximum Marks
 English General Knowledge 	٠.	2 Hours 2 Hours	100 100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 450, 450 and 200 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy an Officers' Training School.

- 3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set
- 5. Candiates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmatic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables,

Algebra

9 will Physics

offer-

Elemen-

Physics

paper.

Ma-

as

and Can-

take

paper

didates

thematics

as

ing

tary

will

their

their

take

4th

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language

and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $O^{\circ} \le x \le 90^{\circ}$. Value of sin x, cos x and tan x, for $x = 0^{\circ}$, 30°, 45°, 60° and 90°

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres,

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pic charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines, Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of frictions, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Bolye's Law, Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.
- (e) Light.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMF's. Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code--01)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Incrtia, Work, energy and momentum. Fundamental laws

of mechanics; Rotational motion; Gravitation. Simple harmonic motions, simple and comopnud pendulum. Flasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2 Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure, temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers,

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Van der Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light, Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern' Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes, Elementary ideas of fission and fusion.

CHEMISTRY (Code-02)

1. Inorganic Chemistry

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronics Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configuration of complexes involved in the common metal-lurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Bronsted theories of acids and Bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) on important element.

Structures of hydrogen peroxide, diborane, aluminium phloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus, chlorine and sulphur.

Inert gases: Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of Sodium corbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. Organic Chemistry:

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—Inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols, Aldehydes, ketones, acids, halides, esters ether, acid anhydrides chlorides and amides. Monobasic hydroxy ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates classification and general reaction. Glucose, fructose and sucross.

Stereochemistry: Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives: Toluene, xylenes, phenols, halides nitro and amino compounds. Benzoic salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution. Napthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry:

Kinctic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio of Cp/Cv.

Thermodynamics. The first law of thermodynamics, Isothermal and advibatic expansion, Enthalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation, solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy. Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions. Osmotic pressure, Lowering of vapour pressures, depression of freezing point elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry: Faraday's laws of electrolysis conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration; buffer action theory of indicators.

Reversible cells. Standard hydrogen and calomel Electrodes. Electrode and red expotentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics, Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule: Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids: General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of collids. Coagulation. Protective action and gold number Absorption.

Catalysis Homogeneous and heterogeneous catalysis Promotors Poisoning.

Photochemistry. Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

MATHEMATICS (Code-03)

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Movire's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

34 Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal subtangent, subnormal, asymptotic curvature (cartesian coordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. (Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in estraight line under constant acceleration. Newton's laws a motion. Central Orbits. Simple barmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discret and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and

standard error. Simple application of the normal, t, Chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

BOTANY (Code-04)

- 1. Survey of the plant Kingdom.—Differences between animals and plants: Characteristics of living organism: unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kingdom.
- 2. Morphology.—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cell.
- (ii) Multicellular plants.—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants.
- 3. Life history.—Of at least one member of the following categories of plants:—Bacteria, Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phaeophyceae Rhodophyceae, Phycomycetes Asconycetes Basidiomycetes Liverworts. Mosses. Pteridophytes. Gymnosperms and Angiosperms.
- 4. Taxonomy.—Principles of classification, principal systems of classification of angiosperms: distinctive features and economic importance of the following families:—

Graminae Scitaminae. Palmaceae. Liliaceae. Orchidaceae Moraceae, Loranthaceae. Magnoliaceae, Laurceae, Cruciferae, Rosaceae. leguminosae. Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae. Malvaceae, Apocvnaceae, Asclepiadeceae; Dinterocarnaceae, Myrtaceae. Umbelierae, Labiatac, Solanacease, Rubiaceae, Cucurbitaceae Vervenaceae and Compositae.

- 5. Plant Physiology.—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: plants-animal relation, symblosis, parasitism enzymes, auxins, hormones photoperiodism.
- 6. Plant Pathology.—Cause and cure of plant diseases. Disease organisms. Viruses, deficiency disease; Disease resistance
- 7. Plant Ecology.—The basic facts relating to ecology and plant geography with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.
- 8. General Biology.—Cytology, genetics, plant breeding Mendelism, hybrid vigour. Mutation, evolution.
- 9. Economic Botany.—Economic uses of plants, especially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.
- 10. History of Botany.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

ZOOLOGY (Code-05)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure habits and life-history of the following non-chordate types:

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverflue taneworm, roundworm, earth worm, leech, cockronch, housefly mosquito scorpion, fresh water mussel pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and lifehistory of the following insects; termitelocust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types.

Branchiostoma, Scolidon: from: Uromastix or any other lizard (skeleton of Varanus) nigeon (Skeleton of fowl); and rabbit; rat or squirrel.

Elementary knowledge of the history and physiology of the various creans of the animal body with reference to from and rabbit. Endocrine glands and their functions Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity, adaptation; recapitulation hypothesis; Mendalian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis alteration of generations.

Feological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game birds.

GEOLOGY (Code—06)

1. General Geology;

Origin age end interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types, their classification and soil groups of India, Physiographic sub-division of India, Vegetation and topography. Volcanoes, earthquakes, mountain diastrophism.

2. Structural Geology:

Common structures of igneous, sedimentary and metamornhic rocks, Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy:

Flementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallograhy. Crystol habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology:

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology:

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy:

Principles of Stratigrahy; lithological and chronological sub-divisious of geological record. Outstanding feature of Indian Stratigraphy.

7. Palacontology:

The bearing of relacontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animals and plant fossils.

GEOGRAPHY (Code-07)

- (i) Elementary Geomorphology.—Origin of the solar system and the earth, landforms, land sculpture, elementary geology, rocks and soil formation.
- (ii) Climatology.—Climate and its elements, temperature pressure, humidity, wind system elementary knowledge of cyclones anti-cyclones precipitation, types of rain.
- (iii) Oceanography.—Distribution of land and water, movements of ocean-water, tides, currents, salinity, deposits of the ocean beds.
- (iv) Plant Geography.—Types of vegetation, their relation to geographical environment, forests, grasslands, deserts, major natural regions.
- (v) Human Geography.—Man in environment races of mankind, man's activities and distribution of population.
- (vi) Economic Geography.—Principal vegetable, animal and mineral products, their distribution and geographical background principal industries and their localisation; international trade in raw material, food-stuffs and manufactured goods.
- (vii) Regiona Geography.—India in detail and the U.S.A., the U.K., the U.S.S.R., China, Japan, South-East Asia, the Middle East, Sri Lanka, Burma and Pakistan in outline.

ENGLISH LITERATURE (Code-08)

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English literature from the time of spenser to the end of the reign of Queen Victoria with special reference to the works of the following authors:—

Shakespeare, Milton, Johnson, Dickens, Wordsworth, Keats, Carlyle, Tennyson and Hardy.

INDIAN HISTORY (Code-09)

India from 1600 to the establishment of Indian Republic, including the constitutional developments during this period.

Note.—In this subject candidates should be acquainted with geography in its relation to history. When a fixed date is given for the beginning of the period candidates will be expected to know in general outline how the mitial position was reached.

GENERAL ECONOMICS (Code-10)

Candidates will be expected to have a knowledge of economic theory and should be prepared both to illustrate theory by facts and to analyse facts by the help of theory. Some knowledge of the economic history of India and of England and of conomic conditions in these countries will be expected.

POLITICAL SCIENCE (Code-11)

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms (Representative Government. Federalism etc.) and Public Administration. Central and Local, Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

SOCIOLOGY (Code-12)

Nature and Scope of Sociology; Study of Society; Sociology and its relation to other Social Sciences.

Basic concepts Status and Role; Primary and Secondary Groups; Social institutions; Social structure; Social control and Deviant behaviour; Social Conflict; Social Change.

Basic Social Structures and Institutions; Marriages; Family and Kinship; Political Institutions; Religious Institutions Social stratification—Caste, Class and Race.

Environment, society and culture.

Sociology of India; Caste and Casteism; Family and Kinship; Village community; Social change in modern India.

PSYCHOLOGY (Code-13)

General Psychology

Definition and subject-matter of Psychology; methods of Psychology; Concept of adjustment and behaviour mechanism; Physiological basis of behaviour; (a) receptors—visual and auditory; (b) general idea of the nervous system; (c) effectors;—muscles and glands.

Factors in human development—heredity and environment, maturation and learning.

Motivation and emotion-their nature, kind and development

Perception and its nature; Perception of form; colour and space.

Learning: its nature, conditioning, insight and trial and

Memory and forgetting—factors effecting the processes; efficient methods of memorising.

Thinking and reasoning.

Intelligence and abilities—their nature and measurement.

Personality-nature, determinants and measurement.

Abnormal Psychology

Abnormal behaviour-its concept and causes.

Frustration and conflicts; defence mechanisms.

Forms of psychological disorders—neurotic, psychotic, personality and psychophysiological disorders.

General idea of treatment of mental disorders-psychotherapy.

Social Psychology

Group processes; individual and the group; leadership morale and crowd behaviour.

Propaganda and psychological warfare.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

(Physical Standards or Admission to the Academy/School)

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD, THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS, CANDIDATES ARE THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BFFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

- 1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.
 - 2. It will, however, be ensured that-
 - (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;
 - (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;
- Note 1.—A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.
- Note 2.—X-ray spine will be taken to exclude maldevelopments.
 - (c) there is no impediment of speech;
 - (d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull;

- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence or radical or modified radical mastoid operation;
- Note: A soundly healed perforation without any impair ment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.
 - (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;
- Note: A small asymptomatic trumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion.
 - (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal;
- Note: Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.
 - (h) there is no disease of the throat palate, tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joint;
- Note: Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsilitis is not a cause for rejection.
 - (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
 - (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
 - (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;
 - (1) there is no inguinal hernia or tendency thereto;
- Note: (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.
 - (2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided:
 - One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate.
 - (ii) General tone of the abdominal masculature is good.
 - (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.
 - (m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs;
- N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.
 - (ii) Undescended intra abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psycholoical effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
 - (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
 - (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;
 - (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;

- (q) there is no active latent or congential venereal disease;
- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinance of urine or enuresis will not be accepted;
- (s) there is no squint or morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrent;
- (t) there is no active trachoma or its complication and sequelae.
- NOTE—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.
 - 3. Standards for Helght, Weight and Chest Measurement-

(a) Height-

(i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet.

He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be recorded; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm, and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Gorkha. Nepalese. Assumese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NEFA, MEGHALAYA, TRIPURA, MIZORAM AND NAGALAND may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES.

(b) Weigt-

(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of 1 kg, will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance:—

Age last	Height without shoes	Weigh	it
birth day	•	Average Minimum	Average Maximum
Years	Centimeters	Kgs.	Kgs.
17 to 18	157 · 5 & under 165 · 0	43 · 5	55 •0
,	165 · 0 & under 172 · 5	48 .0	59 · 5
	172.5 & under 183.0	52.5	64 •0
	183 · 0 & upwards	57 -0	
19	160 ·0 & under 165 ·0	44 · 5	56 .0
	165 · 0 & under 172 · 5	49 .0	60.5
	172 · 5 & under 178 · 0	53 - 5	6 5 `-0
	178 · 0 & under 183 · 0	58 .0	69 -0
	183 ·0 & upwards	62 · 5	
20 & up-	160 · 0 & under 165 · 0	45.5	56.5
wards	165 · 0 & under 172 · 5	50 ⋅0	61 ∙0
	172 · 5 & under 178 · 0	54 • 5	66 • 0
	178 · 0 & under 183 · 0	59 ∙0	70 · 5
	183 · 0 & upwards	63 .0	

HEIGHT AND WEIGHT STANDARS For Navy only

Ualah	t in C	Age						
Treign	Height in Centimeres				18 years	20 years	22 years	
				_	Weig	ght in Kilo	grams	
157					47	40	50	
160					48	50	51	
162					50	52	53	
165	_				52	53	55	
168					53	5 5	57	
170					55	57	58	
173					57	.59	60	
175					59	61	62	
178					61	62	6.3	
180	-				63	6.1	63	
183					65	67	67	
185		_			6 7	69	70	
188					70	71	72	
190				·	72	73	74	
193		-			74	76	77	
195					77	78	78	

- (ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (±6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the appearal build of the body are lift in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for this who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.
- (c) Chest.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upner edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upner part of the nimber in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tane. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89; and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored to 5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm, and above will be recorded as one.

"X-Ray" of chest is compulsory.

4. Dental Condition-

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mestication.

- (a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be accentable. In order to assers the dental condition of an idividual points are allotted as under for teeth in road apposition with correspondig toeth in the other inw—.
 - (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.
 - (ii) 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar 2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional apposition must be present in each law—
 - (i) any 4 of the 6 anteriors.
 - (ii) any 6 of the 10 posteriors.

Note.—Candidate for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

(c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea in such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standard (Army)

	Better eyo	
Distant vision (corrected)	6/6	6/18
	Water Comment	

Myopia of not more than—3.5 D including astigmatism Manifest Hypermetropia of not more than +3.5D including astigmatism.

- Norm 1. Funds and Media to be healthy and within normal limits.
 - 2. No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive myopia.
 - Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.
 - There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia-Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3(Defective State), defined below will be declared Unfit:—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white. Signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

Visual Standard (Navy)

(a) Visual Acuity

Standard I Better eye Worse eye V-6/6 V-6/9

Distant Vision

Correctable to 6/6

Navy (i)—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaved if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Flectrical Branches up to 6/18, 6/36 correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements:

Normally Cadets/Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Della Caca for Night Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings:—

'I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it'.

Signature of the candidate Countersignature of the Medical Officer

Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent must not exceed:—

(a) At 6 metres-

Exophoria 8 prism dioptres Esophoria 8 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) At 30 cms-

Esophoria 6 prism dioptres Exophoria 16 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptre

Executed level

Limits of hyermetropia (under homatropiae)

Better Eyes

Hypermetropia

. 1.5 dioptres

Simple Hypermetropic

Astigmatism

0.75 dioptre

Compound Hypermetropic

Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.

Worse-Eyes

Hypermetropia Simple Hypermetropic

Astigmatism

2.5 dioptres 1.5 dioptres

Compound Hypermetropic Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

6. Hearing Standard-

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

- (a) Speech test.—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609,5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.
- (b) Audiometric record.—The candidate will have no loss of hearing in either ear at trequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN. (A) FOR

- 1. Before the candidate joins the Indian Military Academy-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment any injury received as aforesaid or otherwise;
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be

borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expences themselves. The minimum expenses at the Indian Indiany Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. It a cadet's parent or guardian is unable to meet whonly or partly even this expenditure financan assistance may be granted by the Government. No cadet wasone parent or guardian has an income of ks. 450.00 per measem or above would be engine for the grant of the huancial assistance. The immovable property and other assets and income from an source are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any imancian assistance, should immediately after his son/ward has been finanty selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for the five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00
 - (b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00 Total: Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:-

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per months—Rs. 275.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:-
- (1) PARSHUKAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—ans scholarship is awarded to cadets from MAHA-RASHIKA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the indian Military Academy stayled to the order to the duration of a cadet's stay at the indian Military Academy stayled to the order to the subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other mancial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of avernigemen. The Scholarship is in additionally in the scholarship is in additionally in the scholarship in should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any imancial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this anowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission: or
 - (b) if he is not granted a commission, refunded to the

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such a ticles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gen lemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pend ng acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect the candidates are allowed to join Ladian Military. before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training:

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank		Pay scale	R ank	Pay Scale
		Rs.		Rs.
2nd Lieut		750—790	Lt, Colonel (Time scale)	1800 fixed
Licut		830—950	Colonel	19502175
Captain		11001550	Brigadier	2200—2400
Major		1450 -1800	Maj General	2500—125/2- 2750
Lt. Colon- selection	,	17501950	Lt. General	3000 pmn

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family station are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (c) Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

by time scale

Lt.					2	years	of	Commissioned	Service
Capt.					б	years	of	Commissioned	Service
Major	-	-			13	years	of	Commissioned	Service
J.t. Col.	from	Majo	Эг		2	5 years	of	Commissioned	Service
(if not Selection		omot	પા	by					

by selection			
Lt, Col			16 years of Commissioned Service
Col		-	20 years of Commissioned Service
Brigadier			23 years of Commissioned Servic
Major Gen.	-		25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	-		28 years of Commissioned Service
Gen.	•		No restriction

(b) Acting promotion

Officers are cligible for acting promotion to higher ranks, on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:

Captain				3 years
Major				5 years
Lt. Colonel				6-1/2 years
Colonel				8-1/2 years
Brigadier			4	12 years
Major Gene	ral			20 years
Lt. General				25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

- 1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.
- (1) Candidates not applying for government financial aid:
 - (1) Pocket allowance for five months

 (2) Rs. 45.00 per month

 (3) Rs. 225.0

 (4) For iterns of clothing and equipment

 Total

 Total

 Rs. 685.00
- (2) Candidates applying for Government financial aid:
 - (i) Pocket allowance for two months, @ Rs. 45,00 per month Rs. 90,00 (ii) For items of clothing and equip-

(i) Selected Candidates will be appointed as cadet

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as (a) Cadets Training including affoat training for 6 months 1 year

for 6 months 1 year
(b) Midshipmen affoat Training 6 months

- (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Courses 12 months
- (d) Sub-lieutenants

A minimum period of 6 months at sea is essential to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or gardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidates desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they

simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 500 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a suilor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts,
- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale
Kana	General Service
1	2
Midshipman	. Rs. 560
Ag. Sub Lieut	Rs. 750
Sub. Licut	. Rs. 830—870
Lieut	. Rs. 1100—1450
Lieut, Cdr	. Rs. 1450—1800
Commander (by Selection)	. Rs. 1750—1950
Commander (by time Scale)	. Rs. 1900 fixed

1	- 12 02	 	2
Captain .			Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captian).
Rear Admiral			Rs. 2500-125/2-2750
Vice Admiral			Rs. 3000.

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances:—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to-
 - (i) married officers serving in non-family station; and
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.
- Note I:—In addition certain special concessions like hardlying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.
- NOTE II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipmen to Ag. 6ub. Lieut. 1/2 years

Ag. Sub. Lieut. to sub. Lieut. . . . 1 year

Sub, Lieut, to Lieut. . 3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority).

Lieut, to Lieut, Cdr. . 8 Years seniority as Lieut.

Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection) . 24 years (reckonable commissioned service).

(b) By selection

Licut. Cdr. to Cdr. . 2-8 years seniority as Licut.

Cdr. to Capt. . . 4 years seniority ad Cde.

Capt. to Rear Admiral and above . . No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

Note.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madias—

- (a) he will be required to sign a certhicate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where boddy infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment or any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian with be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or rads to accept a commission it offered or marties while under training at the Officers Training School, he will be liable to retund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pockets expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking, etc. they may require additional money. In case, nowever, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month, acandidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month

Rs. 550.00

(b) For items of clothing and equipment.

Rs. 500.00 Total Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of mancial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, wll however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HO cost of training, missing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/at Alians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of raining may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.
 - 10. Terms and conditions of Service
 - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on witnin the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to erve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut, are:-

Second Lieut.

Rs. 750—790 p.m. Rs. 830—950 p.m.

Lieut. Plus other allowances as laid down for regular officers

- (e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminted at any time by the Government of India—
 - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory, or
 - (ii) on account of medical unfitness; or
 - (iii) if his services are no longer required; or
 - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

- (g) Pensionary benefits
 - (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.
- (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Misecllaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

APPENDIX IV

The form of intercentificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri ————————————————————————————————————
of Shri — of village/town* — of the State/Union Territory* — belongs to the
Caste/Tribe which is recognised as a
Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:— the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.
2. Shri — and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* — of — District/Division* of the State/Union Territory* of — Signature
State/Union Territory*(with seal of office)
Place
Date
*DI

- *Please delete the words which are not applicable.
- Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.
 - **Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates:
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
 - (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- \((iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
 - (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadween.

APPENDIX V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to incidate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that-

- You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. If you have made a wrong mark, erase it completely ad re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediatey.
- 2. Nobody wil be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. You ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST

BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. FOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU YOU ATE THIS RULL.

- 5. Write clearly in ink the name of the examination test, your Roll No. Centre, subject, date and social number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rought work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have deat this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After, you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to bring the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your times, as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will 4 only on the number of correct responses indicated by y . There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and

vait till the invigilator collects the Test Booklet and answer heet from you and permits you to leave the Hall. You are Not allowed to take the Test Booklet and the answer sheet of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asoka era.
 - 2. In a parliamentary form of Government.
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (c) the Executive is responsible to the Judiciary.
- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to:
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
 - 4. The nearest planet to the Sun is:
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes flood.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.